श्री युक्त राय धनपतसिंहजी बाहादूरका आगमसंग्रह ७मा भाग।

# उपासकदशासूत्र।

## ७ सप्तम अंग।

---

धर सुधर्मास्वामीकृतमूलसूत्र तदुपरि श्रीमदाभयदेवाचार्य्य सूरीकृताटीका।

श्रीमान् परमसंवेगी श्रीबुंटेरायजीतच्चरणरेणुदासानुदास

श्रीभगवान् विजयकृत भाषा संसोधीत।

---

कलिकातानगर्यां नूतनसंस्कृतयंत्रे

१९३३ संवत्सरे श्रीगोपालचन्द्रदेवेन मुद्रितम्।

ये पुस्तक छपावणेका कारण ये है के सर्वजेन धर्मावलंबि साधसाध्वी श्रावकश्राविका के पढ़णेसे ज्ञानकी वृद्धी होगा इस खातर ४५ श्रागमसूत्र और टीका और वालाववोधसहित ५०० पुस्तक छपाके ५०० ठीकाने भंडार कीया इस्से महान् ज्ञानका वृद्धी होगा और पंडतजनोसे एही प्रार्थना हैके अच्छीतरेसे पढेपढावे गुणेगुणावे जयणाकरके और विनयकरके रक्खे और यह श्रीसिद्धान्त पंचागी प्रमाण संग्रहकीया और इसमे चरमचक्षु करके भूलचुक रहगया होय तो मिछामिदुकडं देताहुं और पंडतजनोसे संसोधन कराय लेवे मेरेपर छपा श्रीसंघसे यह विनति है की जीस वखत वाचे उस वखत जो भुलचुक नीकले तो पंडतजनोसे संसोधन कराय लेवे मेरेपर छपा करके इह प्रार्थना अंगीकार करना और भंडारकरी भई पुस्तक कोइ वेचना नही कोइ खरीद करेनही करेतो २४का गुनेगार संघका गुनागार होगा और मेरा परिचे के वास्ते अपना पूरव वंसावली लीखता हुं पछिमदेससे किसनगढ़के वासी प्रपिता मह श्रीलश्रीयुत्त दुगडगोती वृद्धशाखा श्रीलश्रीवीरदासजी संवत् १८०२की सालसे पूरवदेसमे आए तत्पुत्र श्रीलश्रीयुत्त वुधसिंघ जी तत्पुत्र श्रीलश्रीयुत्त प्रतापसिंघ जी चतुर्थ सहधर्मचारणीशीलालंकार विभुषित श्रीमहताव कुवरवीवीद्वादश ब्रतधारिका तत्पुत्र लघु श्रीरायधनपतसिंघ वहादुरने वडा परिश्रमसे संसोधन कराया है और श्रीभगवान वीजेजीने संशोधन करा।

अाजीमगंज राय धनपतसिंहवाहादुर।

संवत १९२३मिति भादो सुदी।

| पृष्ठा | पंक्ती | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|
| २ | ४ | समणस्सभगवओमहाविरस्स | समणेणंभगवयामहाविरेणं |
| १३ | ३ | चउव्हिंवुट्टिढि | चउव्हिंवुट्ढिपत्ताहिं |
| १८ | १ | गंधजुएणं | गंधवट्ठिएणं |
| १९ | ३ | मालतिकुसुमदामणेणवा | मालतिकुसुमदामेणवा |
| २४ | ३ | तयाणंचरंचणं | तयाणंतरंचणं |
| २६ | ३ | सम्मत्तस्सपंचअयियारा | सम्मत्तस्सपंचअइयारा |
| ४० | २ | दवग्गादावणिया | दवग्गिदावणिया |
| ४१ | १ | अणत्थदंडेचउविहेपन्नत्तेतं॰ अवज्झाणायरिएपमायायरिए हिंसप्पयाणेपावकम्मोवएसे | द्विरुक्ति: |
| ४१ | २ | समणोवासगस्स | समणोवासएणं |
| ४१ | ३ | ण्हाणवट्टणवन्नगविलेवणे सद्दरूवरसगंधवत्थासणआभ रणेपडिक्कमणेदेवसियंसव्वं | अत्युक्ति: |
| ४३ | १ | मणादुप्पणिहाणे | मणादुप्पणिहाणेवयदुप्पणिहाणे |
| ४४ | २ | वह्वियापुग्गलपक्खवे | वह्वियापुग्गलपक्खेवे |
| ५८ | २ | भंते | पभूणंभंते |
| ५८ | २ | णोइणट्ठे | णोइणट्ठेसमट्ठे |
| ५९ | १ | आणंदस्सणं | आणंदस्सवि |
| ६० | १ | पणरस्ससंवच्छरस्स | पणरसमस्ससंवच्छरस्स |

| पृष्ठा | पंक्ती | अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठा | पंक्ती | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६८ | १ | पुव्वरत्ता | पुव्वरत्तावरत्तकाले | ९३ | २ | णाणाविह | णाणाविह |
| ७२ | ३ | विवाएपोरसीए | वियाएपोरसीए | ९८ | १ | अणाविग्गे | अणुविग्गे |
| ७३ | ४ | तएणभववंगोयमे | तएणंभयवंगोयमं | १०० | १ | जावअहिकासेइ | जावअहियासेइ |
| ७५ | ३ | अंतिएएतंसोच्चा | अंतिएएवंसुच्चा | १०० | २ | जावनोसंवादइ | जावनोसंचाएइ |
| ७६ | २ | पासेत्ता | पासइत्ता | १०३ | १ | अहेधरणतलंसि | अहेधरणितलंसि |
| ८२ | ४ | तातोलोगाओ | ताओदेवलोगाओ | १०३ | २ | तंसे | तएणंसे |
| ८४ | १ | तेणंकालेणं | तेणंकालेणंतेणंसमएणं | १०३ | ४ | तंसि | तएणंसे |
| ८५ | ३ | वणावासेपसत्ते | वणावासेपसत्ते | ११६ | २ | त्तिकट्ठ | त्तिकट्टु |
| ८७ | १ | सिघडि | सघडि | १३१ | २ | चल | चूल |
| ८७ | २ | पुसिरा | अभुसिरा | १३२ | १ | आइंछामि | आइंचामि |

| पृष्ठा | पंक्ती | अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठा | पंक्ती | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३३ | ५ | तं | तएणं | १५१ | ४ | वुड्ढि | छवुड्ढि |
| १३३ | ५ | चलणी | चुलणी | १५४ | १ | मासुद्द | मसुद्द |
| १३६ | १ | कणो | कणी | १५८ | १ | तेदेवं | तंदेवं |
| १३७ | २ | सत्थि | सत्थ | १५८ | १ | णपि | णुपि |
| १३९ | १ | वुत्तस्ससमाणस्स | वुत्तेसमाणे | १५८ | ३ | णपि | णुपि |
| १३९ | २ | जा | जाव | १६९ | १ | तीयपड | तीयपडु |
| १४३ | ३ | महावीरस्स | महावीरस्सधम्म | १७४ | ३ | हावीरे | महावीरे |
| १५० | ३ | णयरी | णयरीए | १७४ | ४ | णाणे | णाणदंसणधरे |
| १५१ | ३ | अब्भ | अज्झ | १८१ | ३ | आसंवद्धे | आसंवुद्धे |
| १५१ | ४ | अद्दंचद्द | आद्दंचद्द | १८७ | ४ | णोखल | णोखलु |

| पृष्ठा | पंक्ती | अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठा | पंक्ती | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १८१ | १ | अग्गु० | सुग्गु० | २०६ | ४ | खल | खलु |
| १८२ | १ | महो | महा | २०७ | २ | वुट्ढि | अट्ठवुट्ढि |
| १८३ | ४ | वच्चइ | वुच्चइ | २१२ | २ | तेगं | तएणं |
| १८७ | २ | विणणा | विणाणा | २१२ | ३ | पुट्ठे | पुट्ठे |
| २०० | ३ | सुत्ते | पुत्ते | २१६ | १ | मोखे | मोक्खे |
| २०१ | ३ | एमट्ठं | एयमट्ठं | २१६ | ३ | माजे | मागे |
| २०१ | ४ | उगिह | उगिगिह | २२१ | २ | रत्तसुत्र | सुरत्तसुत्र |
| २०५ | २ | तस्स | तएणंतस्स | २२३ | १ | उवारत्ता | उवागच्छइरत्ता |
| २०५ | २ | वुत्तस्स | वुत्तस्ससमाणस्स | २२५ | २ | तेणवया० | तेणेवउवा० |
| २०५ | ३ | तंहेव | तहेव | २२७ | २ | णिग्गत्य | णिग्गच्छ |
| २०६ | ३ | उवास | उवासग | २२७ | ३ | सगो | समणो |

। श्रीगुरुभ्योनमः। श्रीवर्द्धमानमानस्य व्याख्याकाचिद्विधीयते। उपासकदशादीनां प्रायोग्रन्थान्तरेचिता ।१। तत्रोपासकदशाः

सप्तमाङ्गमिदंचायमभिधानार्थउपासकानांश्रमणोपासकानांसम्बन्धिनोनुष्ठानस्यप्रतिपादिकादशादशाध्ययनरूपाउपासकदशांवञ्चव

चनांतमेतद्ग्रन्थनाम्नश्चासांचसम्बन्धाभिधेयप्रयोजनानिनामान्वर्थसामर्थ्यनैवप्रतिपादितान्यवगन्तव्यानितथाहि उपासकानुष्ठान

मिहाभिधेयंतदवगमश्चश्रोतृणामनन्तरप्रयोजनं शास्त्रकृतान्तु तत्प्रतिबोधनमेवतत्परम्परप्रयोजनंतूभयेषामप्यपवर्गप्राप्तिरितिसम्ब

न्धस्तुद्विधाशास्त्रेष्वभिधीयतेउपायोपेयभावलक्षणोगुरुपर्वक्रमलक्षणश्चतदत्रोपायोपेयभावलक्षणःशास्त्रनामान्वर्थसामर्थ्यनैवासाम

भिहितस्तथाहीदंशास्त्रमुपायएतत्साध्योपासकानुष्ठानावगमश्चोपेयमित्युपायोपेयभावलक्षणःसम्बन्धःगुरुपर्वक्रमलक्षणंतुसम्बन्धःसा

चादर्शयन्नाह तेणंकालेणंतेणंसमएणमित्यादिसर्वंचेदंज्ञाताधर्मकथाङ्गप्रथमाध्ययनविवरणानुसारेणानुगमनीयं नवरम्। आणंदे

। श्रीजिनायनमः। तेणंकालेणं। तेणंसमएणं। चंपाणामंणयरीहोत्था। वण्णओ। पुण्णभद्दे चे

। श्रीवीतरागाय नमः। तिणकालनेविषे। तिणसमयनेविषे। चंपाएहवेनामेनगरीहोतिहुइ। वर्णवायोग्य। पूर्णभद्रनामावनखंड

दूए। वराओ। तेणंकालेणं। तेणंसमएणं। अज्जसुहम्मेसमोसरिए। जावजंबूपज्जुवासमाणे। एवंबयासी। जदूणंभंते। समणेणं। भगवयामहावीरेणं। जावसंपत्तेणं। छट्ठस्सअंगस्सणायाधम्मकहाणं। अयमट्ठेपणत्ते। सत्तमस्सणंभंते। अंगस्सउवासगदसाणं। समणेणंजावसंपत्तेणं। केअट्ठेपणत्ते। एवंखलुजंबू। समणस्सभगवओमहावीरस्स। जावसंपत्तेणं। सत्तमस्सअंगस्स



वर्णवायोग्य। तिणाकाले। तिणसमयनेविषे। आर्य्यसुधर्म्मास्वामी। समोसर्‍या। यावत्‌सन्देंकरीजंबूस्वामि। विनयकरीनेगुरुप्रतें एहवोकहे। हेभगवन्। श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीयें। यावत्‌विद्यमानथका। छट्ठाअंगतणोग्याताधर्म्मकथानकतणो। एहवोअर्थउपदिस्यो। हिवेसातमाअंगतणो। हे भगवन्। उपासकदशानो। श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीयें। यावत्‌विद्यमानथके। केहवोअर्थकह्यो। इणप्रकारेनिश्चेकरीनै। हे जंबू। श्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीयें। यावत्‌विद्यमानथका। सातमोउपासकदसानानेअंग

त्यादिरूपकंतत्वानन्दाभिधानोपासकवक्तव्यताप्रतिबद्धमध्ययनमानन्द   एवाभिधीयतेएवंसर्वत्रगाहावतिर्त्तिरूपतिर्त्त द्विमद्विषेप:

उवासगदसाणं । दसअज्झयणापन्नत्ता । तंजहा । आणंदे।१। कामदेवेय।२। गाहावइचुलणी
पिया।३। सुरादेवे।४। चुल्लसयए।५। गाहावइकुंडकोलिए।६। सद्दालपुत्ते।७। महासयए।८।
नंदणीपिया।९। सालेइणीपिया।१०। जइणंभंते। समणेणं। जावसंपत्तेणं। सत्तमस्सअंगस्सउवा
सगदसाणं। दसअज्झयणापण्णत्ता। पढमस्सणंभंते। जावसंपत्तेणंकेअट्ठेपण्णत्ते। एवंखलुजंबू।

तेहतणादशअध्ययनकह्या। तेकेहा। आणंदतणो।१। कामदेवतणो।२। गाथापतिचुलणीपितातणो।३। सुरादेवतणो।४।
चुल्लसतकतणो।५। गाथापतिकुण्डकोलिकतणो।६। सद्दालपुत्रतणो।७। महासतकतणो। नंदनीपितातणो। सालेतियापिता
तणो१०। हे भगवन्। श्रमणभगवंतविद्यमानछतां। सातमोउपासकदशानामेअंगतेहतणो। दस१०अध्ययनभगवंतेकह्या।
तेमाहिप्रथमअध्ययननो। किसो। अर्थभगवंतविद्यमानयकां। कह्योछे। इणेप्रकारेनिश्चे। हे जंबू। तिणकालनेविषे। तिण

तेणंकालेणं। तेणंसमएणं। वाणियगामेणामंणयरेहोत्था। वणग्रो। तस्सणंवाणियगामस्स। णयरस्सबहिया। उत्तरपुरच्छिमेदिसीभाए। दूयपलासेचेइए। तत्थणंवाणियगामे। जियसत्तूराया। वणग्रो। तत्थणंवाणियगामे। ग्राणंदेणामंगाहावई। परिवसई। ग्रड्डेजावग्रपरिभूए। तस्सणं ग्राणंदस्सगाहावइस्स। चत्तारिहिरणकोडीग्रो। णिहाणपत्ताग्रो। चत्तारिहिरणकोडीग्रो।

भाषा

समयनेविषे। वाणियगामनामानगरहुतोहुवो। वर्णवायोग्य। तिणवाणियगामनामा। नगरनेबाहिर। उत्तरपूरवनेमध्यईशानकूणनेविषे। तिहांदूतपलासनामा। चैत्यवनषंडछे। तिणवाणियगामनगरनेविषे। जितशत्रु। नामाराजाराज्यकरैछै। वर्णयाग्रोग्यछे। तिणवाणीयगामनगरनेविषे। ग्राणंदनामागाथापतिग्टहस्थवसेछे। मोटोरिद्धिवंतछे। यावत्शब्देंकरीने। जावग्रपरिभूतछे। तेहग्राणंदगाथापति ग्टहस्थने। च्यारसुवर्णनीकोडि। भूमिमाहिघालिराखीछे। वलीतिणेच्यारसुवर्ण

कुंडकोलिएत्तिरूपकांतत:प्रविस्तरोधनधान्यद्विपदचतुष्पदादिविभूतिविस्तारो व्रजा: गोकुलानिदशगोसाहस्त्रिकेणगोसहस्त्रदशक

वुड्ढिपत्ताओचत्तारिहिरणकोड़ीओ । पवित्थरपत्ताओ। चत्तारिव्वया। दसगोसाहस्सीणं।
वएणंहोत्था। सेआणंदेगाहावईबहूणं। ईसरजावसत्थवाहाणं। बहूसुकज्जेसुय। कारणेसुय।
मंतेसुय। कुटुंबेसुय । गुज्झेसुय। रहस्सेसुय। निच्छएसुय। ववहारेसुय। आपुच्छिणिज्जे।

नीकोड़ीवधिवा। भणीव्याजेदीधीछे। चत्तारिहिरणकोड़ीओ। पवित्थरपत्ताओक०। व्यापारेप्रवर्त्तावेछे। वलीतेहनैच्यारगोकुल छे तेकेहवाछे एकेकेगोकुलेदसरसहस्त्र गायानोएकरवर्गछे तिणआणंदगाथापतिश्टहस्थने घणाईसरयावत्शब्दे कारिने सार्थवा हने घणाघणाकामनेविषे कारणनैविषे मंत्रविचारतिणरैविषे आपराकुटंव तिनरैविषे गुह्यआछीजैछानीवातनैविषे एकांत वार्त्तातिणरैविषे निश्चयवार्त्तातिणांरैविषे सर्वव्यापारनाकाम तिणांसगलाहीमैपूछवायोग्यछे वलीप्रतिपूछिवायोग्यछे आपपोता

पडिपुच्छणिज्जे। सायस्सवियणं। कुटुंबस्समेढिभूए। आहारे। आलंबणे। चक्खुमेढिभूये। सव्वकज्जवड्ढावए आविहोत्था। तस्सणं आणंदस्स। सिवाणंदाणामंभारियाहोत्था। अहीणजाव सुरूवा। आणंदस्सगाहावइस्सइट्ठा। आणंदेणंगाहावइणासद्धिं। अणुरत्ताअविरत्ता। इट्ठास हजावपंचविहेमाणुस्सए। कामभोएपच्चणुभवमाणीविहरइ। तस्सणंवाणियगामस्सवहिया। उ

नोवचनछे तिको कुटंवमाहिमोटास्थंभसमानछे वलीआधारभूतछे कुटंवमैआलंवणभूत चक्खुकहतांनेततिणमैमेढिभूत सर्व्वसंसा रनाकार्यनेविषे आणंदसमर्थएहवोछवो तिणेआणंदगाथापतिग्टहस्थने सिवाणंदाएहवेनामेभार्याहोत्या कहतांछइ ३२लक्षण ६४कलानीजाणनहारसरूपवन्तछइ आणंदनामागाथापतिग्टहस्थने अत्यन्तवल्लभछइ आणंदनामागाथापतिग्टहस्थतिणसंघातें घणीअतिप्रेमछे घणोअतिवल्लभचे इष्टवंछितशब्दादिकपांचप्रकारनामनुष्यसवंधीजेभोग तेआणंदगाथापतिग्टहस्थतिणसंघातेभोग भोगवतीथकीविचरैछै तिणहीजवाणीयगामनामाजेनगरतेहनेवाहिर उत्तरपूर्वनेमध्यईशानकूणतेहनेविषे तिणकूणनेविषे

त्तरपुरच्छिमेदिसीभाए । तत्थणंकोल्लागएणामंसन्निवेसेहोत्था। रिद्धित्थमिए । पासादीए । तत्थणं कोल्लाएसन्निवेसे । आणंदस्सगाहावइस्स । वहवेमित्तिणाइ । णियगसयणसंवंधि । परिजणेपरि वसइ । अड्डेजावअपरिभूए । तेणंकालेणं । तेणंसमएणं । समणेभगवंमहावीरे । जावसमोसरिए । परिसानिग्गयाकोणिएराया ।जहा। जियसत्तूरायाणिगच्छतिरत्ता । जावपज्जुवासइ । तएणंसेआणं

कोल्लाकएहवेनामे ढूकड़ोसन्निवेसहवो घणोरिद्धिवन्ततेहनेजोइवायोग्यछे तिणकोल्लाकनामासन्निवेसतेहनेविषे आणंदनामा गाथापतिकहीजेग्टहस्थवहवेकहतां घणांमित्रघणाज्ञाति पोतानासयणकहतांसगासंवंधीजनछे वलीतिणेआणंदनामागाथापति नापरिजनवसैछे वलीकेहवाछे वडारिद्धिवंतकिणहीपराभव्यानजायेछे तिणकालनेविषे तिणसमयनेविषे श्रमणभगवंतश्रीमहा वीरदेव यावत् शब्देआवीनेसमोसस्या १२वारेपरषदावांदणगई कोणिकराजाभगवंतनेजिणरीतेवांद्यां तिमहीजजितशत्रुराजा छे तिकोपिणतिणरीतेवांदेवांदीने यावत्शब्दे पर्युपासनासेवाकरे तिवारेतेआणंदएहवेनामेगाथापतिग्टहस्थ तिणेएहवीवातसां

दिगाहावइ। इमीसेकहाएलद्धट्ठेसमाणे। एवंखलुसमणेभगवंजावविहरइ। तंमहाफलं। गच्छा मिणंजावपज्जुवासामि। एवंसंपेहेइ। ण्हायेसुद्धप्पावेसाइं। अप्पमहग्घाभरणा। साओगिहाओ पडिनिक्खमइत्ता। सकोरंटमल्लदामेणं। छत्तेणंधरिज्जमाणेणं। मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते। पाय विहारचारेणं। वाणियग्गामंणयरं। मज्झंमज्झेणंणिगच्छइत्ता। जेणामेवदूयपलासेचेइए। जेणेव



मलीएहवेअर्थलाधेयके इणेप्रकारेखलुकहतांनिश्चय श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीविचरेंछे तेमहामोटोफलछे तेतलामाटे यावत् मंहंजाइने सेवाकरुं एहवोविचारमनमेविचारीने स्नानमज्जनकीधोभलानिर्मलवस्त्रपहिरया अल्पथोड़ोभारछैतिणमेवहुमोला आभरणपहिरयाछे तेआणंदस्टहस्थपोतानाघरथकीनीकलेनीकलीकरीनेउपरेघणाकमलघणाफूलतेहनीमालाये वीट्योथकोएहवो छत्रमाथेउपरेधरावतो मनुष्यानीकोड़ितिणेश्रेणेपरिवस्योथको पालोपोतानैपगेचालतोथको वाणीयगामएहवेनामेनगर तिणरे मध्यविचालेविचालेनीसरेनीकलीने जिणेदिशीदूतपलासएहवेनामेचेत्यवनखंडछे जिणेदिसीश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीसमव

समणेभगवंमहावीरे। तेणेवउवागच्छतिरत्ता। तिक्खुत्तो। वंदइणमंसइ। जावपज्जुवासइ। तएणं समणेभगवंमहावीरे। आणंदस्सगाहावइस्स। तीसियमहइ। धम्मकहाए। परिसापडिगया। स समणेभगवंमहावीरे। आणंदसगाहावइस्स। तीसियमहइ। धम्मकहाए। परिसापडिगया। रा या वियगओ। तएणंसेआणंदेगाहावइ। समणस्सभगवओअंतिएधम्मंसोच्चा। णिसम्महट्ठजाव। एवंवयासी। सद्दहामिणंभंते। णिग्गंथंपावयणं। एवमेयंभंते। तहमेयंभंते। अवितहमेयंभंते। इ

सर्खाछे तिणेसमोसरणनेविषे आवेआवीने तीनवारप्रदक्षणादेवे प्रदक्षणातीनदेइनेवांदेनमस्कारकरे यावत्शब्दे करिविनयकरी मोटीएकधर्मदेशनाकहे धर्मनीकथाकहे उप नेवेसे तिवारपछीश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीछैं तिकेआणंदएहवेनामेगृहस्थने तिकोश्रमणभगवंतमहावीर देशसांभलीनै १२ परषदाजावे जितशत्रुराजापिणगयो तिवारपछीतेआणंदनामागाथापतिगृहस्थछे हेभगवनुंहुं सद्दहुं छुं तुम्हारोकह्यो स्वामीतिणांरैसमीपेधर्मसांभले सांभलीनैसम्यग्प्रकारेमनसंतुष्टहुवो एहवोवचनहाथजोड़कहे हेभगवन्दूमहीजवांछुं हेभगवन् तुम्हारो निर्ग्रंथनोप्रवचनधर्मतुम्हे भाख्यो दूमहीजछे हेभगवन् तहत्तिपणेकरसद्दहुं छुं वारवार

न्छियमेयंभंते। पडिच्छियमेयंभंते। जावसेजहेयं। तुम्भेवयहत्तिकट्टु। जहाणंदेवाणुप्पि याणंअंति
ए। बहवे। राईसरतलवरमाडंविय। कोडंवियसेट्ठि। सत्थवाहप्पभईया। आगाराओअणगारि
यंपव्वइया। जावपव्वइत्ता। णोखलुतहाअहंसंचाएमि। मुंडेजावपव्वइत्तए। अहणंदेवाणुप्पिया
णं। अंतिए। पंचाणुव्वयं। सत्तसिक्खाव्वयं। दुवालसविहंगिहिधम्मं। पडिवज्जिस्सामि। जहासु

भाषा

भाख्यो वारवारप्रतिवांछुं हेभगवन्तुम्हारोभाख्यो यावत्शब्दे जेस्वामीतुम्हे कह्योछो सोसुभनेरुच्योछे जिसीतराहेभगवन्हेदेवानु
प्रियतुम्हारेसमीपेवहवेकहतांघणा राजाईस्वरतलवरकोटपालमाडंविककोटंविकपुरुषसेठसेनापतिमन्त्रवी घणासार्थवाहआदेदेकरी
ने आगारकहीजेगृहस्थावासतेहनेछोड़ीअणगारकहीजेसाधुपणोलियो यावत्शब्दे दीक्षालीधीछे तिणांरीपरेनिश्चयइंए आचार
करीनसकुंछुं तिणांरीपरेइंदीक्षालेइनसकुंछुं तोइंहिवणांहेभगवन् हे देवानुप्रिय तुम्हारेसमीप पांचअणुव्रतरूपीधर्म अने
सातशिक्षाव्रतरूपीधर्म दूणप्रकारेवारहभेदे१२ व्रतरूपीगृहस्थनोधर्म तुम्हारेसमीपव्रतनोग्रहणकरस्युं तिवारेश्रमणभगवंतकहे

परिमाणेनेत्यर्थः तप्पढमयाएत्तितेषामनुव्रतादीनांप्रथमंतत्प्रथमंतद्भावस्तत्प्रथमतातयायूलगन्तित्रसविषयंजावज्जीवाएत्तियावती

चासौजीवाचप्राणधारणंयावज्जीवायावान्वाजीवः प्राणधारणंयस्यांप्रतिज्ञायांसायावज्जीवातयादुविहन्तिकारणाकारणभेदेनद्विवि

धंप्राणातिपातन्तिविहेणंतिमनःप्रभृतिनाकरणेनकायसत्तिसकारस्यागमिकत्वात्कायेनेत्यर्थःनकरोमीत्यादिनैतदेवव्यक्तीकृतम् ॥१॥

हंमापडिबंधंकरेह। तएणंसेआणंदेगाहावइ। समणस्सभगवओमहावीरस्स। अंतिएतप्पढमया

ए। थूलगंपाणाइवायंपच्चक्खामि। जावज्जीवाए। दुविहंतिविहेणं। णकरेमिणकारवेमि। मण

सावयसाकायसा ।१। तयाणंतरंचणं। थूलगंमुसावायंपच्चक्खामि। जावज्जीवाए। दुविहंतिविहेणं।

हेदेवानुप्रियप्रतिबंधमतकरो तिवारेतेआणंदएहवेनासेगाथापतिग्टहस्थछेतिकोश्रमणभगवंतमहावीरस्वामी तिणांरेसमीपप्रथमकह

तांपहली थूलंकहता मोटाप्राणीजीवनोमारिवोतेहनोपच्चक्खाणकरे जावजीवपोतानैआयुषताइं दुविधंतिविधेकरिने ऊंपोतेनक

रुंपरनैकहकरकरावुंनही मनेंकरीनेंवचनेंकरीनेंकायायेंकरीनें तिवारपछीआणंदगाथापति थूलकहतां मोटाभूटवोलवानो

स्थूलमृषावादस्तीव्रसंक्लेशात्तीव्रस्यैवसंक्लेशस्योत्पादकम् ॥२॥ स्थूलकमदत्तादानंचौरइतिव्यपदेशनिबन्धनम् ॥३॥ स्वदारैःसन्तोषः स्वदारसन्तोषः सएवस्वदारसन्तोषिकःस्वदारसन्तोषोवास्वदारसन्तुष्टिस्तत्परिमाणं बहुभिदारैरुपजायमानस्यसंक्षेपकरणंकयं

सूत्र

णकरेमिणकारवेमि। मणसावयसाकायसा ।२। तदाणंतरंचणं। थूलगंअदिणादाणं। पच्चक्खा मि। दुविहंतिविहेणं। णकरेमिणकारवेमि। मणसावयसा। कायसा ।३। तदाणंतरंचणं। सदा

भाषा

पच्चक्खाणकरे जावजीवताईआउषाताइ दुविधेंत्रिविधेंकरीने पोतेंनकरुं परनेकहीनेकरावुंनही मनेकरीनेवचनेकरीनेकायाये करीने तदाणंतरंचणंतिवारपछी थूलकहीजेमोटाअदत्तादाननो पच्चक्खाणकरे दुविधेत्रिविधेकरीने पोतेनकरुं परनेवाहीनेकरावु नही मनेकरीनेवचनेकरीने कायायेंकरीने तिवारपछीतेआणंदहिवे पोतेस्वदारसंतोषनोतेहनोप्रमाणकरेछे अनेरीसर्वस्त्रीएक

तयेतिनमैथुनमाचरामिअन्यत्रएकस्याः स्त्रियाःकिमभिधानयाःशिवनन्दायाःकिंभूतायाःभार्यायाःस्वस्येतिगम्यतेएतदेवस्पष्टयन्नाह अवशेषमित्यादिसर्व्वं मैथुनविधिंतत्प्रकारंतत्कारणंवाष्टद्रव्याख्यातुणणत्थे ति अन्यत्रतांवर्ज्जयित्वेत्यर्थः॥ हिरण्यंतिरजतंसुवर्णंप्रतीतंविधिःप्रकारःणणत्थेतिननैवकरोमीच्छाहिरण्यादौअन्यत्रचतस्भ्योहिरण्यकोटीभ्यस्तांवर्ज्जयित्वेत्यर्थः अवशेषंतिशेषंतदतिरिक्तमित्य

रसंतोसिए। परिमाणंकरेइ। णणत्थेक्काएसिवाणंदाएभारियाए। अवसेसंसव्वंमेहुणविहिंपच्चक्खामि।।तयाणंतरंचणं। इच्छापरिमाणंकरेइ। हिरण्णसुवण्णविहिपरिमाणंकरेइ। णणत्थ। चउहिंहिरण्णकोडीहिं। णिहाणपउत्ताहिं। चउहिंवुड्ढिं। चउहिंवित्थरमाणपउत्ताहिं। अवसेसंसव्वं

सिवानंदाभार्याविनाअवशेषकहतांओरसमस्त मैथुननोपच्चक्खाणकरेतिवारपछीतेआणंदगाथापति सर्वपरिग्रहद्रव्यतिणरोपरिमाणकरेहिरण्यअघटितघटितसुवर्णद्रव्यतेहनोआणंदगृहस्थपरिमाणकरेओरसर्वनोनिषेधअन्यच्यारिहिरण्यकहीजेसुवर्णनीकोड़िपातालधरतीमैनिधाननीपरेराखीछे च्यारसुवर्णनीकोड़व्याजेदेवेच्यारिहिरण्यनीकोड़िव्यापारेप्रवर्त्तावेअवशेषवीजाहिरण्यकहीजेसुवर्णतेह

वंसर्व्वतावसेयंखेत्तवथुत्ति क्षेत्रचेत्तमेववस्तुचेतवस्तुग्रंथांतरेतुचेतंचवास्तुरच्छंक्वतिव्याख्यायतेनियत्तणसइएगंतिनिवर्त्तनंभूमिपरिमाणविशेषोदेशविशेषप्रसिद्धः ततोनिवर्त्तनशतकर्षणीयत्वेनयस्यास्तितन्निवर्त्तनशतकंतेनदिसाजत्तिएहिंतिदिग्यात्रादेशांतरगमनं

सूत्र

हिरण । सुवणविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरंचणं । चउप्पयविहिंपरिमाणंकरेइ । णणत्थचउहिं
वएहिं । दसगोसाहस्सिएणं । वएणं । अवसेसंसव्वं । चउप्पयविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरंचणं ।
खेत्तवत्थुपरिमाणंकरेइ । णणत्थ । पंचहिंहलसएहिं । णियत्तणसइएहिंहलेणं । अवसेसंसव्वंखे

भाषा

तणोपच्चक्खाणपरिमाणकरेतिवारपछीतेआणंदचतुष्पदनोपरिमाणकरेछे अवशेषनोनिषेधच्यारप्रकारनोच्यारगोकलदशदशहजारगाइ
नोएकव्रजकहीजेएहवाच्यारव्रजअवशेषवीजासर्वचतुष्पदजातनुंपच्चक्खाणनियमकरेतिवारपछी आणंदश्रावकचेतभूमवस्तुनोपरमा
णनियमकरेओरनोनिषेधपांचसय५००हलरीभूमउपरांतत्यागअनेनियत्तन१००हलरीभूमनोपरिमाणकरेअवशेषवीजीसर्वचेतभूमि

प्रयोजनंयेषांतानिदिग्यात्रिकानितेभ्योन्यत्संवहणिएहिंतिसंवहनं चेत्रादिभ्यस्तृणकाष्टधान्यादेर्ग्रहादौवानयनंतत्प्रयोजनानिसांवा
हनिकानितेभ्योऽन्यत्ववाहणेहिंतियानपात्रेभ्यः उवभोगपरिभोगत्तिउपभुज्यतेपोनः पुन्येनसेव्यतेइत्युपभोगोभवनवसनवनितादिपरि

त्तवत्थु पच्चक्खामि । तयाणंतरंचणं । सगडविहिपरिमाणंकरेइ । णणत्थपंचहिंसगडसएहिं । दि
साजत्तिएहिं । पंचहिंसगडीसएहिंसंवहणिएहिं । अवसेसंसव्वंसगडविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरं
चणं । वाहणविहिपरिमाणंकरेइ । णणत्थचउहिंवाहणेहिं । दिसाजत्तिएहिंचउहिंवाहणेहिंसंवा

वस्तुनोपच्चक्खाणकरेतिवारपछीते आणंदश्रावकहिवेसकटकहीजेगाड़ाअनेछोटीगाड़ीतेहनोपरमाणकरेछे अवरनोनिषेधपांचसय
५०० शकटहीजेगाडामोकलाव्यापारनिमित्तेराखेवलीपांचसय५०० शकटीकहीजेगाड़ीवहलिटणकाठआणवानिमित्तमोकलीवाकी
नासाराहीगाड़ानोगाडलावहलप्रमुखतणोसर्वपच्चक्खाणकरेतिवारपछीआणंदनामागाथापति यानपात्रकहीजेजिहाजविधिनो पर
माणकरे अवरवाहणनोनिषेधच्यारिवाहणकरिच्यारदिशीनेजायवोआयवोकरेच्यारवाहणव्यापारनिमित्तपरदेशभणीचलाओअवसे

भुज्यतेसकृदासेव्यते इतिपरिभोगःआहारकुसुमविलेपनादिर्व्व्यतयोव्याख्येयइति ॥ उल्लिणगत्तिस्नानजलार्द्रशरीरस्यजललूषणव
स्त्रं गंधकासाइएत्तिगंधप्रधानोकषायेणरक्तागाटिकागन्धकाषादूतस्यादंतवणत्तिदंतपावनंदंतमलापकर्षणकाष्ठं अल्लट्ठीमहुएणंति

सूत्र

ल्लणिएहिं। अवसेसंसव्वं। वाहणविहिंपच्चक्खामि। तयाणंतरंचणं। उवभोगपरिभोगविहिंपच्च
क्खामि। तयाणंतरंचणं। माणेउल्लणियाविहिपरिमाणंकरेइ। णणत्थ। एगेणंगंधकासाईए। अ
वसेसंसव्वंउल्लणियाविहिंपच्चक्खामि। तयाणंतरंचणं। दंतवणविहिंपच्चक्खामि। णणत्थएगेणंअ

भाषा

सकहतावाकीसर्वेवाहणविधनोपरिमाणकरे तिवारपछीआणंदनामा गाथापतिउपभोगविधितेहनोपरमाणअनेउपभोगविधितेहत
णोपच्चक्खाणकरेतिवारपछीआणंदनामागाथापतिविवेस्नाननोअञ्जननोमालकहताँसर्वपरमाणकरे छे अवरनोनिषेधएकगंधकासा
दिरातीसाडीमोकलीअवसेसवीजोसर्वेवस्तुस्नानमज्जननीविधनोपच्चखाण करेतिवारपछीआणंदआववादंतधावनकहतांदांतणविधि
नोपच्चक्खाणकरेअवरनोनिषेधएकआलीजेठीमधुकहीजेमुहलेठीतणोदांतणमोकलोअवशेषसर्वेवनस्पतीकायनोदांतणतेहतणो मच्च

आर्द्रेणयष्टीमधुनामधुररसवनस्पतिविशेषेणखीरामलएणंतिअबद्धास्थिकं क्षीरमिवमधुरंवायदामलकंतस्मादन्यत्र सयपागसहस्सपा
गेहिंतिद्रव्यशतस्यक्कार्यशतेनसहयत्पच्यतेकार्षापणशतेनवातच्छतपाकमेवं सहस्रपाकमपिगंधवट्टएणंतिगन्धद्रव्याणामुपलकुष्टादीना

सुलट्ठीमहुएणं । अवसेसंदंतवणविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरं चणं । फलविहिपरिमाणंकरेइ । णा
णत्थएगेणंखीरामलएणं । अवसेसंसव्वं फलविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरं चणं । अब्भिंगणविहिप
रिमाणंकरेइ । णन्नत्थसयपागसहस्सपागेहिं । तेल्लेहिंअवसेसं। अब्भिंगणविहिंपच्चक्खामि । तयाणं

क्खाणकरेतिवारपछीआणंदगृहस्थ फलविधिपरिमाण तेहतणोपच्चक्खाणकरेअवरफलनोनिषेधकरेएकक्षीरामलएहवेनामैमोकलो
अवसेससर्वफलनोपच्चक्खाणकरेतिवारपछीआणंदनामागाथापतिहिवेमर्द्दननीविधिनोपरिमाणकरेछे अवरमर्द्दनतणोनिषेधशतपाक
सतऔषधीनोतेलसहस्रपाकसहस्रऔषधीनोतेलएदोइतेलमुकनेमोकलाअवसेसमर्द्दनतणातेलतेसर्वतणोपच्चक्खाणकरेछेतिवारपछी
आणंदनामागाथापतिहिवेउवटणानीविधिनोपरमाणपच्चक्खाणकरेअवरसर्वउवटणानोनिषेधएकसुगंधगंधोदकपाणीअनेसुगंधचूर्ण

मुद्दर्त्तिचूर्णंगोधूमचूर्णंवागन्धयुक्तं तस्मादन्यतउट्टिएर्हिं उदगस्सघडएर्हिंतिउट्टिकाटकन्मृन्मयभाडन्तत्पूरणप्रयोजनायेघटास्तेउट्टिका
उचितप्रमाणानातिलघुवोमहांतोवेत्यर्थः इहचसर्व्वत्रान्यत्रेतिशब्दप्रयोगेपिप्राकृतत्वात्पञ्चम्यर्थे तृतीयाद्रष्टव्येतिस्रोमज्जणविहिं तिका

सूत्र

तरंचणं। उवट्टणविहिंपरिमाणंकरेइ। णण्णत्थएगेणंसुरभिणा। गंधट्टएणं। अवसेसंउवट्टणविहिं
पच्चक्खामि। तयाणंतरंचणं। मज्जणविहिंपरिमाणंकरेइ। णण्णत्थअट्ठहिं। उट्टिएहिं। उदगस्स
घड़एहिं। अवसेसंमज्जणविहिंपच्चक्खामि। तयाणंतरंचणं। वत्थविहिंपरिमाणंकरेइ। णण्णत्थएगे

भाषा

अवरसर्वस्नानमज्जनतणापाणीविधनोपच्चक्खाणकरेतिवारपछीआणंदनामागाथापतिमज्जननीविधतणेपाणीनोपरिमाणकरेछेस्रव
रनोनिषेधमज्जननिमित्त आठघड़ाम्हरणमयभांडउट्टिकाएरवाउदकपाणीनाघडामोकलाछे अवरसर्वस्नानमज्जनकरवातणो पाणीतिह
तणो पच्चक्खाणकरेतिवारपछी आणंदनामागाथापतिवस्त्रपहरवानोपरिमाणकरी जेमानकरेछेअवरसर्ववस्त्रतणोनिषेध एकपटकूल

कुसुमदासत्तिजातिपुष्पमालामङ्कान्न ज्जएहिंति स्पष्टाभ्यांसचितवज्राकर्णाभरणविशेषाभ्यां नाममुद्रत्तिनामांकितामुद्राअंगुलीयकं
पर्यासिकवल्लयुगलादन्यत्र अगुरुत्तिअगुरुगंधद्रव्यविशेषः शुद्धपउमेणंति ॥ कुसुमान्तरवियुतंपुंडरीकंवा शुद्धपद्मंततोऽन्यत्रमालती

णंखोमयजुयलेणं । अवसेसंवत्थविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरंचणं । विलेवणविहिंपरिमाणंकरेइ ।
णत्थ । अगरुकुंकुमचंदणमादूएहिं । अवसेसंविलेवणविहिंपच्चक्खामि ।तयाणंतरंचणं।पुप्फविहि
परिमाणंकरेइ । णत्थएगेणंसुद्धपउमेणं । मालतिकुसुमदामएणवा । अवसेसंपुप्फविहिंपच्चक्खा

नामावस्त्रतेहतणोजोड़ोमोकलोअवरसर्ववस्त्रजातिविधनोपच्चक्खाणकरे तिवारपछीआणंदनामागाथापतिअंगऊपरेविलेपनकरणो
तेविधनोपरिमाणकरेअवरविलेपणनोनिषेधप्रथमतोअगरतणो दूजोकेसरतणोतीजोचंदनतणोएतीनविलेपनमोकलाअवरसहुवीजा
विलेपनतेहतणोपच्चक्खाणकरे तिवारपछीआणंदनामागाथापतिपुष्पकहीजेफूलतेहतणोमानपरिमाणकरेछे अवरफूलनोनिषेधएक
सुद्धधवलोपद्मकहीजेफूलअनेमालतीनाकुसुमकहीजेफूलनिमालासुजनेमोकलीअवरसर्वफूलजातितेहणो पच्चक्खाणनियमनिश्चयकरे

नामसुद्रातुरुक्कधूपवर्त्तिचेल्लकलत्तगोधूपःपेज्जविहंतिपेयाहारप्रकारंकट्ठपेज्जंति मुग्गादियूपःघृततलितःतंदुलपेयावाभक्खत्तिखरविग्र
दसभ्यवहार्यंभत्तमित्यवरूढमिहपक्वान्नमात्रंतद्विवचितंघयपुण्णत्तिघृतपूराःप्रसिद्धाःखंडखज्जंतिखंडलिप्तानिखाद्यानिघयोकवर्त्तयः

सूत्र

मि । तयाणंतरंचणं । आभरणविहिंपरिमाणंकरेइ । णण्णत्थ । मट्ठकण्णेज्जएहिं । णामसुद्दीएहिं ।
अवसेसंआभरणविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरंचणं । धूवणविहिपरिमाणंकरेइ । णण्णत्थअगरुतुरुक्क
धूवमाइएहिं । अवसेसंधूवणविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरंचणं । भोयणविहिपरिमाणंकरेमाणे ।

भाषा

तिवारपछीआणंदनामागाथापतिआभरणकहीजेघरेणातेहतणोमान अनेपरमाणकरेअवरआभरणनोनिषेध माथायकाकाननेविषे
कुण्डलमोकलाअनेनामांकितमुंद्रडीएदोइआभरणमोकलाअवरसर्व आभरणघरेणातेहतणोपच्चखाणकरेतिवारपछीतेआणंदगाथा
पतिसुगंधधूपणानुंपरिमाणकहीजेमानकरेछे अवरधूपणातणोनिषेधअगरतणो१ अनेतुरुक्कसतणोएआदिधूपणामोकलाअवर
सर्वबीजाधूपणातेहतणो पच्चक्खाणकरे तिवारपछीआणंदअसनपानखादिमस्वादिमच्यारजातनोभोजनतेविधनोपरिमाणकरे पेया

खंड़खाद्यानिओयणत्तिओदन:कूरंकलिमशालत्तिपूर्व्वदेशप्रसिद्ध: । सूयत्तिसूपोदालिसूप:कूरस्यद्वितीयाशनप्रसिद्ध:एवंकलायसूवे त्तिकलायाश्चणकाकाराधान्यविशेषामुद्गामाषाश्चप्रसिद्धा:सारदूएणं गोवयमण्डेणंतिशारदिकेनशरित्कालोत्पन्नेनगोघृतमंडेनगो

पेज्जविहिपरिमाणंकरेइ । णन्नत्थ । एगाएकट्ठपेज्जाए । अवसेसंपेज्जविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरं चणं । भक्खणविहिपरिमाणंकरेइ । णन्नत्थ । एगेहिंघयपुन्नेहि । खंडखज्जएहिंवा । अवसेसंभक्ख णविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरंचणं । ओयणविहिपरिमाणंकरेइ । णन्नत्थ । कलमसालिओदणे

विधितेहनोपरमाणअनेवलीमानकरेअवरपेयानोनिषेधएकमूंगतणीपेयासुजनेमोकली अवरसर्वपेयाविधतेहतणोपच्चक्खाणकरे ति वारपछीआणंदनामागाथापतिभक्षणविधतेहतणोमानअनेपरमाणकरेअवरभक्षनोनिषेधएकघणेघीङ्तीभर्याघृतपूर्घेवरअनेवली वीजाखंडनाभर्याखाजामोकलाअवरसर्वजेतलीभक्षवस्तुतेहविधतणोपच्चक्खाणकरेतिवारपछीआनंदनामाग्टहस्थओदनविधकहतां चांवलविधतेहतणोमानअनेपरिमाणकरेअवरओदननोनिषेधकमलङ्तिसुगंधकीधाएहवाओदनमोकलाअवरसर्ववीजाओदनकही

उ०टी० घृतसारेणयाकांतिणाकोवस्तुतादिचूचूसाएत्तिचूचूणाकः तु वगत्तितु वणाकःमौनतिकणाकोमंड किणागकदलोकप्रसिद्धएवमाऽय
२२ रत्तिअनम्लरसा निणालनकानिपालक्कुत्तिनलीफलविशेषःजेमणत्तिजेमणा निवटकपूरणादीनिसेसंवग्गालिवंवेढिंत्तिसेधेसिद्धेलतिया

सूत्र णं । अवसेसंओदणविहिंपच्चक्खामि तयाणंतरंचणं । सूवविहिपरिमाणंकरेइ णणत्थ्यकलायसूवे
णवा । मुग्गमाससूवेणवा । अवसेसंसूवविहिंपच्चक्खामि तयाणंतरंचणं । घयविहिपरिमाणंकरेइ ।
णणत्थसारएणं । गोघयमंडेणं । अवसेसंघयविहिंपच्चक्खामि तयाणंतरंचणं सागविहिपरिमाणंक

भाषा जेचांवलतेहतणोपच्चक्खाणकरेतिवारपछीआणंदनामागाथापतिसूपकजेविदलनेहतणोमानपणेपरिमाणकरे अपरविदलनोनिषे
धमसूरनीमोकलीराणेअनेंउरयामुंगयनेंउडदमोकलाराखेअपरसर्वबीजासूपकजेविदलनेहतणोपच्चक्खाणकरे तिवारपछीआणंद
नामागाथापतिघयघीजेघृतविधितेहतणोमान पणेपरिमाणकरेअपरसर्वघीनोपच्चक्खाण शरत्कालनोगायनोघृतसोकलोअपरसर्वघी
जातिवीजाघृततणोपच्चक्खाणकरे तिवारपछीआणंदनामाथ्थकस्यकिपेसाककजेसालनोतेहतणोपच्चक्खाणकरे अपरसाकनोनिषेध

निश्चाम्ले नतीमनादिनासंस्कृयंतेतानिसेधाम्लानिदाल्यासुन्नादिमय्यानिनिष्पादितानि आम्लानिचतानिदालिकाम्लानीतिसंभाव्य
न्तेअंतलिक्खोदयंतियज्जलमाकाशात्पतदेवग्टह्यतेतदंतरिक्खोदकंपंचसोगंधिएणंतिपंचभि:एलालवंगकर्पूरकक्कोलजातीफललक्षणै:

रेइ। णमत्थवत्थुसाएणं। वासोतत्थियमंडुक्कियसाएणंवा। अवसेसंसागविहिंपच्चक्खामि। तयाणंत
रंचणं माऊरयविहिपरिमाणंकरेइ णमत्थएगेणंपालंगामाऊरएणं अवसेसंमाऊरयविहिंपच्चक्खा
मि। तयाणंतरंचणं। जेमणविहिपरिमाणंकरेइ। णमत्थसेहंवदालियवेहिं। अवसेसंजेमणविहिं

वत्थुवोएहवेनामेसाक अगथीयोएहवेनामैसाकड़ोड़ीतणोसाकएतलासाकमोकलाअवरसर्वजेवीजासाकतेहतणोपच्चक्खाणकरे तिवार
पछीआणंदएहवेनामैगाथापतिमाऊरविधनोमानअनेपरिमाणकरेअवरमाऊरनोपच्चक्खाणएकपालंकएहवेनामेमाऊरोमोकलोअव
रसर्ववीजामाऊरतेहतणोपच्चक्खाणकरेतिवारपछीआणंदनामागाथापतिजेमणवटकवड़ादालीयाप्रमुखमिरचलूणसहिततेहनोमान
अवरसर्वतीमणतेहनोपच्चक्खाणवरेवड़ाप्रकुखमोकलाअवरसर्ववीजातीमणविधितेहतणोपच्चक्खाणकरे तिवारपछी आणंदनामाटह

सुगंधिभिर्द्रव्यैरभिसंस्कृतंपंचसौगंधिकांग्रगष्टादंड इतिग्रनर्थेनधर्मार्थकामव्यतिरेकेणदंडोनर्थदंड: ग्रयम्प्रागारियंतिग्रपध्यानमार्त्तरौद्ररूपंतेनाचरितग्रासेवितोयोनर्थदंड: सतथातमेवंप्रमादाचरितमपिनवरंप्रमादोधिकयादिरूप: ग्रस्थगिततैलभाजनादिरूपो वाहिंस्र हिंसाकारिशस्त्रादितत्प्रदानं परेषांसमर्पणंपापकर्मोपदेश: क्षेत्राणिकृषतेत्यादिरूप:प्राणांदाइतिशेषानंदसूत्रं संप्रकारेण

सूत्र

पच्चक्खामि । तयाणंयरंचणं । पाणियविहिपरिमाणंकरेइ। णणत्थएगेणं । ग्रंतलिक्खोदएणं । ग्रव सेसंपाणियविहिंपच्चक्खामि । तयाणंतरंचणं । मुहवासविहिपरिमाणंकरेइ । णणत्थ । पंचसोगं धिएणं । तंबोलेणंग्रवसेसं मुहवासविहिंपच्चक्खामि। तयाणंयरंचणं। चउविहंग्रणत्थदंडंपच्चक्ख।

भाषा

स्त्रपीववानो पाणीतेहनोपरिमाणकरे ग्रवरसर्वपाणीनोपच्चक्खाणएकग्राकासनोपाणीगर्ननिपीपणोमोकलो ग्रनेयीजासर्वजेपाणीनीजातितेहतणोपच्चक्खाणकारे तिवारपछीग्राणंदएकवेनामैउमुखमुखसेपाकनारायवीतेहतणोपरिमाणपच्चक्खाणकरेग्रने गोरवासनोनिषेधइलायची१ लवंग२कर्पूर३कंकोल४जायफल५एपांचसुगन्धसहितएकवोतंबोलपानग्रावोचूर्णोमोकलोग्रवरसर्वथीजामुखवासनो

अतिचारोमिथ्या एवंखलुआणंदेइत्यादि अद्ग्यारपेयालन्ति

संतणवचनेनश्रमणोभगवान्महावीरः आनंदसेवमवादीदितिएतदेवाह

मि। तंजहा। अवज्झाणाचरियं। पमायाचरियं। हिंसप्पयाणं। पावकम्मोवएसे। इहखलुआ

णंदाई। समणेभगवंमहावीरे। आणंदंसमणोवासगं। एवंवयासी। एवंखलुआणंदासमणोवास

एणं। अभिगयजीवाजीवेणं। उवलद्धपुणपावेहिं। आसवसंवरनिज्जरकिरिया। अहिगरणवंध

परिमाणकरेतिवारपछीआणंदनामागाथापतिच्यारिप्रकारनोअनर्थदंडतेहतणोपच्चक्खाणकरेतेकेहवाकिणरीतेआर्त्तध्यानरौद्रध्यान

करणो१प्रमादविकथारूप२हिंसादानघरटीआदि३पापकर्मनोउपदेशदेणो४इणसंसारनेविषेखलुकहतांनिश्चयआणंदआदेश्रमणभग

वंतश्रीमहावीरस्वामीआणंदनामाश्रमणोपासकश्रावकप्रतेंएहवोवचनकहेइणप्रकारेखलुकहतांनिश्चयआणंदनामाश्रमणोपासकेसाम

स्यप्रकारेकरिजाण्याछैजीवअजीवदोनुंपदारथलाधाछैपुण्यशुभप्रकृतिबंध४२भेदकरिपापअशुभबंध८२भेदअशुभकर्मनोआयवो आव

ताकर्मनोवांधवोकर्मनोखपायवोक्रियाकायकीप्रमुखअधिकरणघरहाटपांडापेड़ाकटारीउखलमुसलादिकइत्यादियोतेकुशलछै काटपद्यां

त्यमोहनीयोदयविशेषादात्मनोऽशुभाःपरिणामविशेषाये: नम्यात्क्रमभिभवत्यतिचरंतिते चानेकप्रकारागुणिनामनुपदंशादयमतमो पांमध्येपेयालत्तिसाराःप्रधानाःसूत्रत्वेनगवाक्यपदेशत्वात् वेतेतथातत्वगंकागंसयत्तरणंतांताअन्यान्यदर्शनयत्त:विचिकित्साफलंमति

सूत्र

मुक्खकुसलेणं। असहिज्जदेवा। सुर। नाग। सुवन्न। जक्ख। रक्खस। किंनर। किंपुरुस। गरुल। गंधव्व। महोरगाइएहिं। देवगणेहिं। निगंथाओ। पावयणाओ। अणत्तिक्कमणिज्जेणं। समत्तस्सपंचअयियारा। पेयालाजाणियव्वा। नसमायरियव्वा। तंजहा। संकाकंखाविततिगिच्छा।

भाषा

साधाज्यनथांकेवेमानिकदेवताभुवनपतीनागलोकवासीचंद्रसूर्यादिकज्योतिषीयक्षरूपदेवताराक्षसरूपदेवताकिन्नरनामेदेवताकिंपुरुष नामेदेवतागरुड़एहवेनामेदेवतादेवगायनेदेवताशेषनागसमूहअंतरपनेवाणव्यंतरदेवसमूहतिणेकरीने भगवंतनाप्रवचनसिद्धांतनामार्गे यकीश्रुतधर्मचारित्रधर्मयकीअनतिक्रमणीयतिणेधर्मकथानजोनाथीसपैनजीसम्यक्त्वभगवंतेउपदिस्योतेहनापांचअतिचारकह्याछेतिकेपेयाला कहतांप्रधानमोटकाजाणवातेसमाचरियाकहतांचंगीकारकरियानथीतेवेहकिणप्रकारेंगाळा१ एहवेनामेसंशयशंका२ एहवेनामेकांक्षा

शंकाविद्वजुगुप्सावासाधुनांजात्यादिहीलनेतिपरपाखंडा: परदर्शनिनस्तेपांप्रशंसागुणोत्कीर्त्तनंपरपाखंडसंस्तवस्तत्परिचय:तथावं न्धेत्तिवन्धोद्विपदादीनांरज्वादीनासंयमणंवहेत्तिवधोयष्ट्यादिभिस्ताडनं छविच्छेदत्तिशरीरावयवच्छेद: अइभारेत्तिअतिभारारोपणं तथाविधशक्तिविकलानांमहाभारारोपणम् भत्तपाणवोच्छेएत्तिअशनपानीयाप्रदानमिहार्थविभाग:पूज्यैरुक्त:वहवंधछविच्छेयंअइभारं भत्तपाणवोच्छेयंकोहाइदूसियमणोगोमणुयाईणंणोकुज्जा। तथानमारयामीतिव्रतंहतस्यविनैवमृत्युंकइहातिचार:निगद्यतेय:कुपि त:करोतिव्रतेनपेक्षस्तदसौव्रतीस्यात्कायेनभग्नंनततोव्रतीस्यात्कोपाद्दयाहीनतयातुभग्नंतद्देशभंगादतिचारइष्ट:सर्वत्रयोज्य:क्रमए

परपासंडपसंसा। परपासंडसंथवो।। तदाणंतरंचणं। थूलयस्सपाणाइवायवेरमणस्स। समणो वासएणं। पंचअइयारा। पेयालाजाणियव्वा। नसमायरियव्वा। तंजहा। वहवंधच्छविच्छेए।

यवितिगंछाएहवैनामैसंशयपरपापंडी अन्यतीरथीतेहनीप्रशंसाकरणीनहीपरपापण्डीअन्यतीरथीरीस्तवनापिणकरणीनही तिवारप छीतेआणंदनामागाथापतिथूलकहीजेमोटकाप्राणीतिणनैप्राणीकरउगारिवोश्रमणोपासकश्रावकनेंएपांचअतीचारप्रधानमोटकाजा

उ॰टी॰

पधीमन्द्रतिसहसाभ्यभक्खाणेत्तिसहसाअनालोच्याव्याख्यानमसद्दोषाध्यारोपणं सहसाभ्याख्यानंयथाचौरस्त्वमित्यादिएतस्य चाति
चारत्वंसहसाकारेणैवनतीव्रसंक्लेशेनभणनादितिरहस्यभक्खाणेत्तिरहएकांतस्तेनहेतुनाअभ्याख्यानं रहोभ्याख्यानं एतदुक्तं भवति

१८

सूत्र

थूलगमुसावायवेरमणं पंचविहंपण्णत्ते। तंजहा। अद्वभाऐभत्तपाणवोच्छेए। तयाणंतरं चणं। कण्णालियं। गोवालियं। भोमालियं। णासावहारो। कूडसक्खेसंधिकरणे। थूलगमुसावाय

भाषा

णिवायोग्यछेपरंश्रावकनेसमाचरियानहीतेकेहाकिणभेदप्राणीनोवधकरणो१ प्राणीनेपाठोबांधणो२ कणादिछेदनकरणा३ प्राणी
ऊपरेघणोभारधालणो४प्राणीनेभातपाणीनोविच्छेदकरवो५तिवारपछी आगंदनामागाथापतिश्रीवृलगकरतामोटकाम्रपावादक्रूड
बोलणानापांचभेदमोटकाश्रावकनेभगयंतेकहातेकेहाकिणप्रकारेकन्यानेछोटी मोटीकहणी१गायनोकूडबोलणो॰भूमिभरतीनोकूड
बोलणो३पारकीयांपणदाबणो४पंचासेनैठायकाकूडीसाखभरणीकूडीसंधकरणीवृलगमोटकाम्रपावादवेरमणव्रतरापांच अतिचारन
मणासभगवंतमहावीरस्वामीयेउपदिस्यातेश्रमणोपासकनेसमाचरवानहीतेकेहासहसात्मकारेकूडोकलंकदेणो॰एकांतपेठायकादेखी

रहसि मंत्रयमाणातांवक्तिएतेह्मीइंवेदंचराजापकारादिमंत्रयतेइति   एतस्यचातिचारत्वमनाभोगभणनात् एकान्तमात्रोपधितयाच स्वदारसंबंधिनोमंत्रस्यविस्त्रंभजल्पस्यभेदः
पूर्व्वस्मादितिविशेषःअथवासंभाव्यमानार्थभणनादतिचारो नतुभंगोयमितिसदारमंतभेदेत्तिस्वदारमंतभेदे त्ति परंपरासंभवात्परमा
प्रकाशनंस्वदारमंत्रभेदः एतस्यचातिचारत्वंसत्यभणनेपिकलत्रोक्तीप्रकाशनीयाप्रकाशनेनलज्जादिभिर्मरणाद्यनर्थपरंपरासंभवात्परमा स्माभिस्तदिदमिदंवास
यंतोसत्यत्वात्तस्य तिमोसेवएसेत्तिस्रुषोपदेशः परेषामसत्योपदेशः सहसाकारानाभोगादिनाव्याजेनवायथाअस्माभिस्तदिदमिदंवास प्रवर्त्तनादितिकूडलेहकरणे
त्यमभिधायपरोविजितःइत्यवंवार्त्ताकथनेनपरेषामसत्यवचनव्युत्पादनमतिचारः साक्षात्कारेणासत्ये प्रवर्त्तनादितिकूडलेहकरणे त्तिअसद्भूतार्थस्यलेखस्यविधानमित्यर्थः एतस्यचातिचारत्वंप्रमादादिनादुर्विवेकत्वेनमयामृषावादःप्रत्याख्यातोअयंतुकूटलेखेनमृषावा

**सहसाभक्खाणे । रहसाभक्खाणे । सदार त्तिअसद्भूतार्थस्यलेखस्यविधानमित्यर्थः**

**स्सपंचअइयाराजाणियव्वा । नसमारियव्वा । तंजहा । सहसाभक्खाणे । रहसाभक्खाणे । सदार**

कूडालेखाकरेसुदिनीवदिकरदेवे ५ । पोतानीस्त्रीनीगुह्यवातप्रकाशणीपंचामेकूडीशाखदेवेनही ४ । कूडालेखाकरेसुदिनीवदिकरदेवे ५ ।

राजविरुधवचनप्रकाशे २ । पोतानीस्त्रीनीगुह्यवातप्रकाशणीपंचामेकूडीशाखदेवेनही ४ । लेणोतेहनांपांचप्रधानमोटकाअतिचारकह्याते

तिवारपछीआणंदनामागाथापति थूलगकहीजेमोटकाअदत्तादानअणदीधोथको

दनमितिभावयतद्भतिवाचनांतरेतुकन्नालियं गवालियं भूमालियं नासावहारेकूडसक्खेसंधिकरणेत्तिपठ्यतेश्रावश्यकादौपुनरिमेस्थूल
म्रषावादभेदाउक्तास्ततोऽयमर्थःसंभाव्यते एतदेवप्रमादसहसाकारोनाभोगैरभिधीयमानाम्रषावादविरतेरतिचाराःभवंत्याकुट्यावभ
गाद्भतिएतेषांचेदंस्वरूपं कन्याअपरिणीतास्त्रीतदर्थमलीकं कन्यालीकं तत्तुलोकेतिगर्हितत्वाद्दोपात्तेनसर्वत्रमनुष्यजातिविषयमली
कमुपलचितंएवंगवालीकमपिचतुष्पदजात्यालीकोपलचणंभूम्यलीकमपादानं सचेतनाचेतनवस्तुनामलीकस्योपलचणंन्यासोद्रव्यस्य
निचेपःपरैःसमर्पितंद्रव्यमित्यर्थः तस्यापहारोपलपनं न्यासापहारस्तथाकूटमसद्भूतमसत्यार्थसंवादनेनसाचिकर्मकूटसाच्यंकस्मिन्नि
त्याहसंधिकरणेद्वयोर्विवदमानयोःसंधानकरणेविवादच्छेदद्रत्यर्थः इहचन्यासापहारादिद्वयस्यआद्यत्रयांतर्भावेपिप्रधानविवचयाऽपङ्क
वसाचिदानक्रिययोर्भेदेनोपादानंद्रष्टव्यमितितेनाहडेत्तितेनाहृतंचौरानीतंतत्सामर्थ्यमतिलोभात्काणक्रयेणगृह्णातोतिचरतिस्ततीय



अंतभेए। मोसोवएसेए। कूडलेहकरणेय। तयाणंतरंचणं। थूलगअदिणादाणस्स। पंचअइया



श्रमणोपासकेसमाचरवानहो तेकेहाकिणप्रकारेचोरांरीआणीवस्तुलेवे १। चोरानुआदेशदेवे २। राजविरुद्धव्यापारकरे ३।

व्रतमितिअतिचारहेतुत्वात्स्तेनाहृतमतिचारउक्तोतिचारता चास्यसाचाच्चौर्यप्रवृत्ते:तस्करप्रयोगस्तितस्कार:प्रयोगश्चौरव्यापारणांहर
तयूयमित्येवमभ्यनुज्ञानमित्यर्थैसाप्यतिचारतानाभोगादिभिरिति विरुद्धरज्जाइक्कमेत्तिविरुद्धनृपयोराज्यंविरुद्धराज्यं तस्यातिक्रमोऽ
तिलंघनंविरुद्धराज्याभिलंघनं विरुद्धराजातिक्रम: नचिताभ्यांततातिक्रमोऽनुज्ञातश्चौर्यबुद्धिरपितस्यततनास्तीत्यतिचारतातस्याना
भोगादिनाचेतिकूडतुलेकूडमाणेत्तितुलाप्रतीतामानंकुडवादिकूटत्वं न्यूनाधिकत्वं ताभ्यांन्यूनाधिकाभ्यांततन्यूनाभ्यांददतोऽधिकाभ्यां
गृह्णतोतिचरतीतिव्रतमित्यतिचारहेतुत्वादतिचार: कूडतुलाकूडमानमुक्तमतिचारत्वंचास्यानाभोगादेरथवानाहंचौर: चात्रखन

राजाणियव्वा। नसमायरियव्वा। तंजहा। तेनाहडे तक्करप्पउगे। विरुद्धरज्जाइक्कमे। कूडतुल्ल
कूडमाणे। तप्पडिरूवगववहारे। तयाणंतरंचणं। सदारसंतोसिए। पंचअइयाराजाणियव्वा।

कूडातोलाराखेकूडामापाराखेलेणानावीजादेणानावीजा ४। तिणवस्तुसरीखीवस्तुभेलीकरीनेवेचे ५। तिवारपछीआणंदनामागा
थापतिमैथुनविरमणस्वदारसंतोषतेव्रततणापांचअतिचारकह्यातेजाणवा परंश्रमणोपासकेसमाचरवानथी तेकेहाइत्तरियकहतां

उ०टी० जादेरकरणादित्यभिप्रायेणव्रतसापेक्षत्वात्तपाडिरूवगववहारेत्तितेनप्रतिरूपकंसदृशंतत्प्रतिरूपकंतस्यविविधमवहरणंव्यवहार:प्रक्षेप

स्तत्प्रतिरूपकव्यवहारोयद्यत्रघटतेव्रीहिष्टतादिषुपलंजीवशादितस्यप्रक्षेपइति यावत्तत्प्रतिरूपकेणवावशादिनाव्यवहरणंतत्प्रतिरूपक

 व्यवहारोतिचारताचास्यपूर्ववत् सदारसंतोसियत्ति स्वदारसंतुष्टेरित्यर्थ: इत्तरियपरिग्गहियागमणेत्तिइत्वरकालं परिग्टहीताकाल

शब्द लोपादित्वरपरिग्टहीताभाटीप्रदानेनकियंतमपिकालंदिवसमासादिकंस्ववशीक्ततेत्यर्थ: तस्यागमनं मैथुनसेवनमित्वरपरिग्टही

तागमनमतिचारताचास्यातिक्रमादिभि: [अपरिग्गहीयागमणेत्तिअपरिग्टहीतानामवेश्यान्यासक्तापरिग्टहीताभाटककुलांगनावा

ऽनाथेति अस्याप्यतिचारतातिक्रमादिभिरेवअनंगकीड़त्तिअनंगानिमैथुनकर्मापेक्षयाकुचकुक्षोरूवदनादीनितेषुक्रीडनमनंगक्रीडा

अतिचारताचास्यस्वदारेभ्योऽन्यत्रमैथुनपरिहारेणानुरागादालिंगनादिविदधतोव्रतमालिन्यादितिपरविवाहकरणेत्ति परेषामात्मा

सूत्र नसमायरियव्वा । तं । इत्तरियपरिग्गहियागमणे । अपरिग्गहियागमणे । अणंगकीड़ा । परवीवा

भाषा वेश्यागमनपरिग्टहीतानोगमन१ । अपरिग्टहीताविधवास्त्रीतेहनोगमन२ । कुलांगनास्त्रीसंघातेकामक्रीडापारकायेटावेटीनोवी

नआत्मीयापत्येभ्यश्चव्यतिरिक्तानांवि वाहकरणं परविवाहकरणमयमभिप्राय:स्वदारसंतोषिणोहिनयुक्तं परेषां विवाहादिकरणेन
मैथुननियोगोऽनर्थकोविशिष्टविरतियुक्तत्वादित्येवमनाकलयत:परार्थकरणोद्यततयातिचारोयमिति कामभोगतिव्वाभिलासेत्तिकामौ
शब्दरूपौभोगागंधरसस्पर्शास्तेषुतीव्राभिलाषोऽत्यन्तं तदध्यवसायित्वं कामभोगतीव्राभिलाष: अयमभिप्राय: स्वदारसंतोषीहिवि
शिष्टविरतिमान् तेनचतावत्येवमैथुनकर्तुं सुचितायावत्यावेदजनितबाधोपशाम्यतियस्तुवाजीकरणादिभि: कामशास्त्रविहितप्रयोगैश्च
तामधिकामुत्पाद्यसततंसुरतसुखमिच्छतिसमैथुनविरतिव्रतं परमार्थतोमलिनयतिकोहिनामसकर्णक: पामांमुत्पाद्याग्निसेवाजनित

हकरणे। कामभोएसुतिव्वाभिलासे। तयाणंतरं चणं। इच्छापरिमाणस्ससमणोवासएणं। पंच
अइयाराजाणियव्वा। नसमायरियव्वा। तं। धणधन्नपमाणाइक्कमे। खेत्तवत्थुप्पमाणाइक्कमे।

परिमाणरावणोश्रमणोपासकश्रावकाव्रतधारीनेतेपरिग्रहप्रमाणव्रतनापांच अतीचारजाणवातिकेश्रमणोपासकेनसमाचरवातेके
वाहकरावेसंसारनाकामभोगनेविषेतीव्रघणोअभिलापराखेभोगवेतिवारपछीआणंदनामागृहस्थइच्छाकहीजेपरिग्रहतेहतणोहिवे

सुखं वांछेदित्यतिचारत्वं कामभोगतीव्राभिलाषस्येति खेत्तवत्थुपमाणाइक्कमेत्ति चेत्रवस्तुनः प्रमाणातिक्रमः प्रत्याख्यानकाल गृहीतप्रमाणोल्लंघनमित्यर्थः एतस्य चातिचारत्वमनाभोगादिनातिक्रमादिना वा अथवा एकक्षेत्रादिपरिमाणकर्तुः तदन्यक्षेत्रस्य वृत्तिप्रभृतिसीमापनयनेन पूर्वक्षेत्रयोजनात् क्षेत्रप्रमाणातिक्रमोतिचारएवव्रतसापेक्षत्वात्तस्येति हिरण्णसुवण्णपमाणाइक्कमेत्ति प्राग्वदथवाराजादेः सकाशाल्लब्धं हिरण्याद्यभिग्रहावधिर्यावदन्यस्मिन् प्रयच्छतः पुनरवधेः पूर्त्तौ गृहीष्यामीत्यध्यवसायवतोयमतिचारस्तथैवेति ३धणधन्नपमाणाइक्कमेत्ति अनाभोगादेरथवा लभ्यमानधान्याद्यभिग्रहं यावत्तद्गेहएव बंधनबद्धं कृत्वा धारयतोतिचारोयमिति दुपयचउप्पयपमाणाइक्कमेत्ति अयमपि तथैवाथवा गोवड़वादियोषितम् यथा अभिग्रहकालावधिपूर्त्तौ प्रमाणाधिक वत्सादिचतुष्पदोत्पत्तिर्भवति तथा गर्भादिकं प्रक्षिपतोऽतिचारोयं तेन हि जातमेव वत्सादिकमपेक्ष्य प्रमाणातिक्रमस्यपरिहृत त्वाद्गर्भगतापेक्षया तस्य संपन्नत्वादिति ४ कुवियपमाणाइक्कमेत्ति कुप्यं गृहोपस्करंथालकच्चोलकादिमयंचातिचारोनाभोगादिना अथवा पंचैव स्थालानि परिगृहीतव्यानीत्याद्यभिग्रहवतः कस्याप्यधिकतराणां तेषां संपत्तौ प्रत्येकं घाटिमीलनेन पूर्वसंख्याव स्थापनेनातिचारोयमित्याहचखेत्तादि १ हिरणाई २ धणादि ३ दुपयादि ४ कुप्पमाणकमे ५ जोयण २ पयाण २ बंधणकारण ४

भावेहिंनोकुज्जादिग्व्रतंयिद्यावतानिचयद्यपिपूर्वं नोक्तानितथापितत्ततानिद्रष्टव्यान्यतिचारभणानस्यान्यथानिरवकाशतास्यादिहेति
कथमन्यथाप्रागुक्तं दुवालसविहंसावगधम्मंपड़िवज्जिस्सामीतिकथं वावच्यतिदुवालसविहंसावगधम्मं पड़िवज्जतित्तिअथवासामायिकादी
नामित्वरकालीनत्वे नप्रतिनियतकालकरणीयत्वात् नतदैवतान्यसौप्रतिपन्नवान्दिग्व्रतं चविरतेरभावात्उचितावसरेतुप्रतिपत्स्यते

हिरण्णसुवण्णपरिमाणाइक्कमे। दुपयचउप्पयपरिमाणाइक्कमे। कुवियपरिमाणाइक्कमे। तयाणं
तरंचणं। दिसिविदिसिपंचअइयारा। जाणियव्वा। नसमायरियव्वा। तं। उड्ढदिसिपरिमाणा

हाधनअनेधान्यतिकोपरिमाणकीधुंतीअधिकोराखे १। चेत्रविद्रनोएकचेत्रकरेतिमदोइघरनोएकघरकरेहिरणकदीजेरूपोसोनोप्र
प्रमाणयकी अधकोवध्योजाणीने स्त्रीने गरहणाघडावे २। द्विपदचोपदनोप्रमाण अधकोजाणी तेहतणोकेडगिणतीमैनराखेथाली
वाटकीभांजीविवणाकरेप्रमाणकीधुंतीअधकावध्याजाणीने तिवारपछीआणंदश्रावकरहस्य च्यारदिशिअनेच्यारविदिसतेहनापांचअ
तिचारप्रधानमोटकाभगवंतेउपदिस्यातेजाणवातिकेश्रमणोपासकेसमाचरवानहीतेकेहापर्वतादिक उंचोचढ़णोतेउंचीदिशतेहत

इतिभगवतस्तदतिचारवर्ज्जनोपदेशनमुपपन्नंयच्चोक्तं द्वादशविधंगृहिधर्मंप्रतिपत्स्ये यच्चवक्ष्यतिद्वादशविधं श्रावकधर्मं प्रतिपद्यतेतद्यथा कालं तत्कारणाभ्युगमादनवद्यमवसेयमितितत्र उड्ढदिसिपमाणाइक्कमेतिक्वचिदेवंपाठःक्वचित्तुउड्ढदिसाइक्कमेतिएतेचोर्द्ध्वदिगाद्यति क्रमाअनाभोगाद्दिगातिचारतावसेया खेत्तवुड्ढित्ति एकतोयोजनशतपरिमाणमभिगृहीतमन्यतोदशयोजनान्यभिगृहीतानिततश्च यस्यां दिशिदशयोजनानि तस्यांदिशिसमुत्पन्नेकार्य्ये योजनशतमध्यादपनीयान्यानि दशयोजनानि तत्रैव स्वबुध्यामधिमति संवर्द्ध



इक्कमे। अहोदिसिपरिमाणाइक्कमे। तिरियदिसिपरिमाणाइक्कमे। चउदिसिपरिमाणाइक्कमे। खेत्तवुड्ढिसइअंतरद्धा। तयाणंतरं चणं। उवभोगपरिभोगेदुविहेपण्णत्ते। तं। भोयणतो। कम्मतोय।



णोप्रमाणअधकोकरे पर्वतादिकऊंतीनीचोउतरेतेनीचीदिशनो जेतएनोप्रमाणउल्लंघे तिरछीदिशनोजेतलोप्रमाणकोधोऊयेतेउ थीआगेगयालाभजाणीनेउलंघे ३। च्यारेदिशानोजेतलोप्रमाणकोधोऊयेतेलाभथीउलंघे ४। जेतलीएकबारेचेतांनोअंतरोचेतमा हेघाले ५। तिवारपछीश्रावकदशमाअष्टरस्यएकातोउपभोगकहिजेंदूजोपरिभोगकहीजेतेहनाविभेदकह्याछे तेवीणभोजनथकीएकवे

यत्येकतङ्त्य र्थायं चातिचारोव्रतसापेक्षत्वादवसेय: सइअन्तरद्धत्तिस्मृत्यन्तर्द्धानं स्मृतिभ्रंश: किं मया व्रतं गृहीतं शतमर्य्यादया वा पंचाशन्मर्यादयावाइत्य वमस्मरणोयोजनशतमर्यादायामपिपंचाशतमतिक्रामतोयमतिचारोवसेयइति ॥ ६ ॥ भोयणउ कम्मउ यत्ति भोजनमाश्रित्यवाह्याभ्यंतरभोजनीयवस्तून्यपेक्ष्येत्यर्थ: कर्म्मत: क्रीयां जीवनवृत्तिं वाह्याभ्यंतरभोजनीयवस्तुप्राप्तिनिमित्तभूतामा श्रित्येत्यर्थ: सच्चित्ताहारेत्तिसचेतनाहार: पृथिव्यपकायवनस्पति जीवशरीराणां सचेतनानामभ्यवहरणमित्यर्थ: अयमतिचार: कृतसचित्ताहारप्रत्याख्यानस्यकृततत्परिमाणस्यवानाभोगादिना प्रत्याख्यातं सचेतनं नभक्षयतस्तद्वाप्रतीत्यातिक्रमादौवर्त्तमानस्य सच्चित्तपड़िवद्धाहारेत्ति सच्चित्तेवृक्षादौप्रतिबद्धस्य गुंदादेरभ्यवहरणं अथवा सचित्तेऽस्थिकेप्रतिबद्धं यत्पक्कमचेतनंखर्जूरफला दितस्य सास्थिकस्यकटाहमचेतनं भक्षयिष्यामीतरत्परिहरिष्यामीतिभावनयामुखक्षेपणमित्येतस्यचातिचारत्वं व्रतसापेक्षत्वादिति अपक्कोसहिभक्खणयन्ति अपक्कयाग्निनाऽसंस्कृताऔषधे: शाल्यादिकायाभक्षणताभोजनमित्यर्थ: अस्याप्यतिचारताअनाभोगा दिनैव नतु सच्चित्ताहारातिचारेणैवास्य संगृहीतत्वात्किंभेदोपादानेनेति उच्यते पूर्वोक्तपृथिव्यादिसच्चित्तसामान्यापेक्षया औषधी नांसदाभ्यवहरणीयत्वेन प्राधान्यख्यापनार्थं दृश्यते चसामान्योपादानेसत्यपिप्राधान्यापेक्षयाविशेषोपादानमिति ५ दुपक्कोसहि

भक्खणया दुपक्वाग्निनायचित्तौषधवद्भक्षणताअतीचारताचास्यपक्वभ्रमाभवतः तुच्छोसहिभक्खणयाचि तुच्छायससारायौष
धयोनिष्पन्नमुद्गफलीप्रभृतयस्तद्भक्षणेहिमहतीविराधनाअल्पाचतत्कार्यदतिविरतिविवेकिनाअचित्तीकृतापि न भक्षणीयाभवं
तितत्करणेनापिभक्षणेतिचारो भवति व्रतसापेक्षत्वात्तस्येति सूत्रचपंचातिचाराभूल्लु मलद्यागमात्मेषामकेयंचतोमधुमद्यमांसरात्रि
भोजनादिव्रतिनामनाभोगातिक्रमादिभिरनेकेऽभवंतीतिकमाउपासित्यादिकर्म तोयदुपरिभोगव्रतं परत्वमादिकं कर्म प्रत्याख्यानी

सूत्र तत्थणंभोयणतोसमणोवासएणं। पंचअइयारा। जाणियव्वा। नसमायरियव्वा। तंजहा। स
च्चित्ताहारे। सच्चित्तपडिवद्धाहारे। अप्पउलिओसहिभक्खणया। दुप्पोलितोसहिभक्खणया। तु

भाषा कर्मथकीपूर्वयेतिकांपहलोजे भोजननाप्रअतीचारतेश्रमणोपासकश्रावकने जाणीवा पांचअतीचारपेवाजाणवा पणआचरवानहीतेकहेछे
स्यातेजाणवातिकेश्रमणोपासकेसमाचरवानथीतेकेजापच्चक्खाणकीधेसचित्तपरलोकसचित्तभेळीलीधाहारकरेते सचित्तप
सुधनेअचित्तवस्तुएदोनुयोकसेखायकालेवे ३। अपक्वधसुनेचनोभक्षणकरे ४। अेमाड्वीजसंकस्यानदो धणेगाषेतमनवाधूकों

त्येवंरूपंतत्श्रमणोपासकेनपंचदशकर्म्मादानानिवर्ज्जनीयानिइंगालकर्म्मेत्ति अंगारकरणपूर्वकस्तद्विक्रयएवंयदन्यदपिवह्निसमारंभ पूर्वकंजीवनमिटकादिपाकरूपंतदंगारकर्म्मेतिग्राह्यं समानस्वभावत्वात् अतिचारताचास्यात्रतैतत्प्रत्याख्यानस्यानाभोगादिनाऽत्रैव वर्त्तनादित्येवंसर्वत्रभावनाकार्या १ नवरंवनकर्मचवनस्पतिछेदनपूर्वकंतद्विक्रयजीवनम् २ शकटकर्मशकटानांघटनविक्रयवाहनरूपं ३ भाटककर्ममूल्यार्थंगन्त्यादिभिःपरकीयभांडवहनं स्फोटकर्मकुद्दालहलादिभिर्भूमिदारणेनजीवनम् ५ दंतवाणिज्जं हस्तिदंतनखसंख

च्छोसहिभक्खणाया । कम्मतोणं । समणोवासएणं । पन्नरसकम्मादाणाइं । जाणियव्वाइं । नस मायरियव्वाइं । तं । इंगालकम्मे । १ । वणकम्मे२ । साडियकम्मे ३ । भाड़ियकम्मे ४ । फोड़ीक

लीफलीप्रमुख ५ । कर्मथकीपांचअतीचारऊवेश्रमणोपासकश्रावकनेपन्नरसकहतां१५पनरहकर्म्मादाननां५पांचअतिचारजाणवा श्रमणोपासकेतिकेसमाचरवाअंगीकारकरवानहीतेकेहाइंगालकहीजेलीहालानोकर्म १ । वणकम्मवनस्पतीकर्म २ । वड़ागाड़ील ऊड़ीगाड़ोकर्मकरावे ३ । उंठवलदतणोभाड़ोकरे ४ । हलकुद्दालेकरीभूमीफोड़े ४ । हाथीप्रमुखतणोदांतवेचे ५। चमरीगाइप्रमुख

पूतिकेशादीनांतत्कर्म्म कारिभ्य:क्रयेणतद्विक्रयपूर्वकं जीवनम् ६ लक्खवाणिज्जं संजातजीवद्रव्यान्तरविक्रयोपलक्षणं ७ रसवाणिज्जंसु रादिविक्रय: ८ विषवाणिज्जं जीवघातप्रयोजनंशस्त्रादिविक्रयोपलक्षणं९ केशवाणिज्जं केशवतांदासीदासगवोष्ट्रहस्त्यादिकानांविक्रय रूपं १० यंत्रपीडनकर्म्म यंत्रे णतिलेक्षुप्रभृतीनांयत्पीड़नरूपंकर्म्म तत्तथा ११ निर्लाञ्छनकर्म्म वर्द्धितकरणं १२ दवग्गिदाणंदवाग्ने र्वनाग्नेर्दानंवितरणंचेत्रादिशोधननिमित्तंदावाग्निदानमिति१३ सरदहतडागशोषणयातत्रसर:स्वभावनिष्पन्नं ह्रदोनद्यादीनांनिम्न

सूत्र

म्मे ५ । दंतवाणिज्जे६ । केशवाणिज्जे७ । रसवाणिज्जे८ । लक्खवाणिज्जे९ । विशवाणिज्जे१० । जंतपीलणकम्मे ११ । निल्लंछणकम्मे १२ । दवग्गादावणिया१३ । सरदहतलावसोसणया१४ । अस

भाषा

तणोकेशवेचेतेलघृतमधुमद्यमांखणवेचेलाखवेचेसाजीसाबूप्रमुखवेचे वचनागसोमलअमलप्रमुखवेचेतिलसरसवअलसीकरडप्रमुखनी घाणीपीलेउ ठघोड़ावलदतिणांरेदागडांभदिरावे दवदेवेखेतसेमरोडादिकनेवाले सरोवरतलावद्रहआपरेखेतसेपाणीआंणीनेसोखे कूतराकूकड़ामिनीमोरपारेवासूवामेनाप्रमुखनेपालेतिवारपछीआणंदनामागाथापतिअनर्थदंडतणाच्यारप्रकारभगवंतेउपदिसा

असदूजणपोसणयाअसतीजनस्यदासी तरःप्रदेशस्तडागंखननसंपन्नसुत्तानविस्तीर्णजलस्थानमेतेषांशोषणंगोधूमादीनांवपनार्थं १४ असदूजणपोसणयाअसतीजनस्यदासी जनस्यपोषणंतद्भाटिकोपिजीवनार्थंयत्तत्तथाएवमन्यदपिक्रूरकर्मकारिणःप्राणिनःपोषणमसतीजनपोषणमेवेति १५ कंदप्पेत्तिकंदर्पः कामस्तद्धेतुर्विशिष्टोवाक्प्रयोगोपिकंदर्पउच्यतेरागोद्रेकात्प्रहासमिश्रं मोहोद्दीपकंनामेतिभावः अयंचातिचारःप्रमादाचरितलक्षणो नर्थदंडभेदव्रतस्यसहसाकारादिनेति १ कुकुइतिकौकुच्यमनेकप्रकाराभुखनयनादिविकारपूर्विकापरिहासादिजनिकाभांडमिवविडं

दूजणपोसणया१५ । तयाणंतरंचणं । अणत्थदंडेचउविहेपणत्ते । तं । अवज्झाणायरिए । पमाया यरिए । हिंसप्पयाणे । पावकम्मोवएसेतस्सणं । अणट्ठादंडवेरमणस्स । समणोवासगस्स । पंचअइ याराजाणियव्वा । नसमायरियव्वा । तं । कंदप्पे । कुक्कुइए । मोहरिए । संजुत्ताहिगरणे । उवभोगपरिभोगाइरित्ते । ॥ इति ॥ ऋ्णावट्टणवन्नगविलेवणे । सद्दरूवरसगंधे । वत्थासण

तेकेहाअपध्यानाचरितक॰ आर्त्तरौद्रध्यानकरे१प्रमादाचरितप्रमादचौंतवे२ हिंसाप्रदान३हिंसाउपदेशपापकर्मोपदेशकर्म तेहतणा अनर्थदंडवेरमणनामाव्रततेहतणाश्रमणोपासकश्रावकनेपांचअतीचारप्रधानमोटकजाणवातिकेसमाचरवानहींतिकेहा हास्यचेष्टा

उ॰टी॰ वनक्रियाश्रयमपितयैव मोहरिएत्तिमौखर्यंधार्ष्ट्यं प्रायमसत्यासंबद्धप्रलापित्वमुच्यते अयमतिचारः प्रमादेनतस्यपापकर्मोपदेशव्रतस्था
नाभोगादिनैयसंजुत्ताहिगरणेत्ति संयुक्तमर्थक्रियाकरणक्षममधिकरणमुदूखलमुसलादितदतिचारहेतुत्वादतिचारो हिंसाप्रदाननि
४२ वृत्तिविषयःयतोसौसाक्षाद्यपिहिंस्त्रं गकटादिकंनसमर्पयतिपरेणांतथापितेनसंयुक्तेनतेयाचितप्राणिक्रियांकुर्वंतिविसंयुक्ते तुतस्मि
न्सत एवविनिवारिताभवंति ४ उवभोगपरिभोगाइत्ति उपभोगपरिभोगविषयभूतानियानिद्रव्याणिस्नानप्रक्रमेउष्णोदकोद्वर्त्तनका
लकादीनिभोजनप्रक्रमेऽसनपानादीनितेषुयदतिरिक्तमधिकमात्मादीनामनर्थक्रियासिद्धाप्यधिगम्यतेतदुपभोगपरिभोगातिरिक्तं त

सूत्र आभरणे। पड़िक्कमणे। देवसियंसव्वं।१। कंदप्पे१। कुक्कुइए२। मोहरिए३संजुत्ताहिगरणे४।
उवभोगपरिभोगातिरित्ते५। तयाणंतरंचणं। सामाइयस्सपंचअइयारा। समणोवासएणंजाणिय

भाषा नकरेकन्दर्पकामसेवानकरेनेत्रादिविकारउचेष्टानकरेजपालमूसलहिंसानाउपगरणएकठाकरीनराखे ४ स्नानादिकनीसामग्रीअपदेश
देइनेदेवेनही ५ तिवारपछीआणंदनामागाथापतिसामायिकव्रतनापांचअतीचारउपदिस्याश्रमणोपासकश्रावकनेजाणिवायोग्य-

दुपचारादतिचारस्तेनआत्मोपभोगातिरिक्तेन परेषांस्नानभोजनादिभिरनर्थदंडोभवतिअयंचप्रमादव्रतस्यै वातिचार इतिउक्ताःगुणव्र
तातिचाराअथशिक्षाव्रतानांतानाहसामाइयस्सत्तिसमोरागद्वेषवियुक्तोयःसर्वभूतान्यात्मवत्पश्यतितस्यायः प्रतिक्षणमपर्वापर्वज्ञानदर्श
नचारित्रपर्यायाणांनिरुपमसुखहेतुभूतानामधःकृतचिंतामणिकल्पद्रुमोपमानलाभः ससायःसप्रयोजनमस्यानुष्ठानस्येति सामायिकं
तस्यसावद्ययोगनिषेधरूपस्यनिरवद्ययोगप्रतिषेधस्वभावस्यचमणदुप्पणिहाणेत्तिमनसोदुष्टंप्रणिधानंप्रयोगोदुःप्रणिधानंकृतसामायि
कस्यगृहे कर्त्तव्यताकथयतांसुकृतदुःकृतपरिचिंतनमितिभावः वयदुप्पणिहाणेत्तिकृतसामायिकव्रतस्यनिष्ठुरसावद्यवाक्प्रयोगःकाय

**व्वा । नसमारियव्वा । तंजहा । मणदुप्पडिहाणे२ । कायदुप्पडिहाणे । सामाइयस्ससतिअकरण**
**याए४ सामाइयस्सअणवट्ठियस्सकरणयाए५ तयाणंतरंचणं देशावगासियस्ससमणोवासएणंपंचअइ**

समाचारवानहीतेकेहासामायकमेवेठोघरनोकामचींतवेसामायकमेवैठो कठोरवचनवोलेसामायकमाहिअणपुंजेयकोवैसेसामाय
कमेकीयोकालपूरोथयोकिनही एहवेपोतानेमनमेचींतवे सामायकमेवैठोसामायकनोकालथयो नही तिवारपहलीसामायकने

दुष्पणिधाणेत्तिद्यतसामायिकस्याप्रत्युपेक्षितादिभूतवादौकखरणादीनांदेहावयवानामनिभृतस्थापनमिति सामाइयस्ससइअकरण यत्ति सामायिकस्यसंबंधनीयास्मृतिःअस्यांवेलायांमयासामायिकंकर्त्तव्यंतथाकृतंतन्नवेत्येवंरूपंस्मरणंतस्याप्रबलप्रमादतयाअकरणं ४ स्मृत्यकरणंअणवट्ठियस्सकरणयत्तिअनवस्थितस्याल्पकालीनस्यानियतस्यवासामायिकस्यकरणमनवस्थितकरणमल्पकालकरणानंतर मेवत्यजतियथाकथंचिद्वाकरोतीतिभावः दृढचाद्यतयस्यानाभोगादिनाऽतिचारत्वमितरद्वयस्यतुप्रमादबहुलतयेति ५ देशावगासि

सूत्र

याराजाणियव्वा। नसमायरियव्वा। तंजहा। आणवणपओगे१। पेसवणपओगे२। सद्दाणुवाए ३। रूवाणुवाए ४। बहियापोग्गलपक्खेवे ५। तयाणंतरंचणं। पोसहोववासस्ससमणोवास

भाषा

पारेतिवारपछीआणंदनामागाथापतिदेशावगासिकनामाव्रत तेहतणाश्रमणोपासकश्रावकनेपांचअतीचारजाणवा परंसमाचरि वानहीतेकेहाघरयकीवस्तुमंगावे १। अथवामोकलेवलीकुंकारोकरे २। बूटेंकरीआपणपोजणावे ३। रूपदेखाड़ेपोतानो ४ वलीकाकरोनांखीनेआपणपोजणावे५। तिवारपछीआणंदनामागाथापतिपोषधोपवासनाएहवेनामेव्रततेहतणोश्रमणोपासकश्राव

चेटास्थानंदेशावकाशस्तेननिर्वृत्तंदेशावकाशिकंपूर्वगृहीतदि

यत्तिदिग्व्रतगृहीतदिक्परिमाणस्यैकदेशोदेशस्तस्मिन्नवकासोगमनादि भिग्रहेपरतःस्वयंगमनायोगात्यदन्यःसच्चित्तादिद्रव्या
क्व्रतसंक्षेपरूपंसर्वव्रतसंक्षेपरूपंचेतिआणवणपओएत्तिइहविशिष्टावधिकेभूदेशाभिग्रहेपरतःस्वयंगमनायोगात्यदन्यःसच्चित्तादिद्रव्या
नयनेप्रयुज्यतेसंदेशकप्रदानादिनात्वयेदमानेयमित्यानयनप्रयोगः १ पेसवणपयोगेत्तिबलाद्विनियोज्यः प्रेष्यस्तस्यप्रयोगोयथाभिगृहीत
प्रवीचारदेशव्यतिक्रमभयात्त्वयावश्यमेवगत्वाममगवाद्यानेयमिदंवाततकर्त्तव्यमित्येवंभूतःप्रेष्यप्रयोगः२सद्दाणुवाएत्तिस्वगृहवृत्तिप्राका
राद्यावच्छिन्नभूप्रदेशाभिग्र हेवहिःप्रयोजनोत्पत्तौततस्वयंगमनायोगाद्वृत्तिप्राकारादिनाप्रत्यासन्नवर्त्तिनोबुद्धिपूर्वकमभ्युत्काकाशिता
दिशब्दकरणेनसमवसितकान्बोधयन्शब्दानुपातःशब्दस्याऽनुपतनसुच्चारणंताडृग्येनपरकीयश्रवणविवरमनुपतत्यसाविति ३ रूवाणु
वाएति अभिगृहीतदेशाद्बहिःप्रयोजनसद्भावेशब्दमनुच्चारतएवपरेषांस्वसमीपोनयनार्थं स्वशरीररूपानुदर्शनंरूपानुपातः ४ बहिया
पोग्गलपक्खेवेत्ति अभिगृहीतदेशाद्बहिः प्रयोजनसद्भावेपरेषांप्रबोधनायलेष्ठादिपुद्गलप्रक्षेपइतिभावनाद्वहचाद्यद्वयस्यानाभोगाद
तीचारत्वमितरस्यतुत्रयस्यव्रतसापेक्षत्वादिति। पोसहोववासत्तिइहपोषधशब्दोष्टम्यादिपर्वसुरूढःतत्रपोषधे उपवासःपोषधोपवासः
सचाहारादिविषयभेदाच्चतुर्विधःइतितस्य अप्पडिलेहियेत्यादि अप्रत्युपेक्षितोजीवरक्षार्थं चक्षुषाननिरीक्षितो उद्भ्रांतचेतोवृत्तितया

ऽसम्यग्निरीक्षित:शय्याशयनंतदर्थंसंस्तारक:कुशकंबलफलकादि:शय्यासंस्तारकास्तत: पदत्रयस्यकर्मधारयेभवत्यप्रत्युपेक्षित:दुप्रत्युपेक्षि
त:शय्यासंस्तारक: एतदुपभोगस्यातिचारहेतुत्वादयमतिचारउक्त २ एवमप्रमार्जितशय्यासंस्तारकोपिनवरंप्रमार्जनं वसनांचलादि
नाएवमितरौ द्वौनवरमुच्चार: पुरीषंप्रश्रवणंमूत्र तयोर्निमित्तं भूमि:स्थंडिलंएतेचत्वारोऽपिप्रमादतयातीचारा: ४ पोसहोववासस्स
म्म अणणुपालणयत्तिअतपोषधोपवासस्यास्थिरचित्ततयाहारशरीरसत्कारा ब्राह्मव्यापाराणामभिलषणादननुपालनंपौषधस्येति ५

सूत्र

एणं। पंचअइयाराजाणियव्वा। नसमायरियव्वा। तंजहा। अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियसिज्जा
संथारे१। अप्पमज्जियदुप्पमज्जियसिज्जा। संथारे२। अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियउच्चारपासवण

भाषा

कने पांचअतीचारप्रधानमोटकाजाणवापरंश्रमणोपासकेसमाचरवानहीतेकहाअपडिलेहेसंथारेदूपडिलेहेसंथारेसिज्यासंथारेपाट
लेवेसेअप्रमार्जितसंथारेदुप्रमार्जितसंथारेसिज्यायेवेसे अप्रतिलेखतभूमकायेदुप्रतिलेखतभूमिकायेमलमूत्रपरठवतोभूमिनजोयेश्अप्र

अस्यचातिचारत्वंभावतोविरतेर्बाधितत्वादिति१ अहासंविभागस्सेतिअहत्तियथासिद्धस्यस्वार्थंनिर्वर्त्तितस्येत्यर्थोऽशनादेःसमितिसंगत
त्वेन पश्चात्कर्मादिदोषपरिहारेणविभजनंसाधवेदानद्वारेणविभागकरणं यथासंविभागस्तस्यसच्चित्तनिक्खेवणेत्यादिसच्चित्तेषु ब्रीह्या
दिषु निक्षेपणमन्नादेरदानबुद्ध्यामातृस्थानत: सच्चित्तनिक्षेपणमेवंसचित्तेनफलादिनास्थगनमसचित्तपिधानं २ कालातिक्रम:काल
स्यसाधुभोजनकालस्यातिक्रमउल्लंघनंकालातिक्रम:अयमभिप्राय:कालमूनमधिकंचाज्ञात्वासाधवोनग्रहीष्यन्तिज्ञास्यन्तिचयथायंददा
त्येवंविकल्पतोदानार्थमभ्युत्थानमतीचार३ इतितथापरव्यपदेश:परकीयमेतत्तेनसाधुभ्योनदीयतेइतिसाधुसमक्षंभणनंजानंतुसाधवोय

भूमी३ । अप्पमज्जियदुप्पमज्जियउच्चारपासवणभूमी४ । पोसहोववासस्ससम्मंअणणुपालणया ।
तयाणंतरंचणं । अहासंविभागस्स । पंचअइयाराजाणियव्वा । नसमायरियव्वा । तंजहा । स

मार्जितभूमकायेंदुप्रमार्जितभूमकायेमलमूत्रादिअणपूंजेथानकेनाखे ४ । पोसहोपवासनेसम्यक्प्रकारेहतांभलीभांतिपालेनहीतिवारपछी
आणंदनामागाथापतिअतिथसंविभागनामेएहवेनामेव्रततिणरापांच अतीचारप्रधानमोटकाजाणिवापरंसमाचरवाकहताअंगीकार

द्यस्यैतद्भक्तादिकंभवेत्तदाकथमस्मभ्यंनदद्यादितिसाधुसंप्रत्ययार्थंअथवाआहानान्समान्नादेःपुण्यमस्त्विति भणनमिति ४ मत्सरिताअ परेणेदंदत्तंकिमहंतस्मादपिकृपणःकिंनोवाऽतोहमपिददामीत्येवं रूपोदानप्रवर्त्तकविकल्पो मत्सरिताएतेचातिचारएवनभंगादानार्थ मभ्युत्थानंदानपरिणतेश्चदूषितत्वात्भंगस्वरूपस्यचेहैवमभिधानात्यथादाणंतरायदोसाणदेइदिज्जंतयंचवारेइदिन्नेवापरितप्पइइति किवणत्ताभवेभंगो १ आवश्यकटीकायांहिनवभंगातिचारयोर्विशेषोऽस्माभिरवबुद्धःकेवलमिहभंगाद्वित्वेकंकुर्वद्भिरस्माभिरतिचाराव्या ख्याताः संप्रदायान्नवपदादिपुतथादर्शनात् जारिसओजइभेओजहजायइजहवतस्सदोसगुणाजयणाजहअइयारा भंगोतहभावणाने या १इत्यस्याआवश्यकचूर्णौ पूर्वगतगाथायादर्शनादतिचारशब्दस्यसर्वभंगेप्रायोऽप्रसिद्धत्वाच्चततोनैवंव्यक्तनीयेएतेतिचारा उक्तास्तेभंगा एवेतियथायेएतेप्रतिव्रतंपंचपंचातिचारास्तेउपलक्षणमतिचारांतराणामवसेयानत्ववधारणंयदाहुःपूज्याः पंचपंचाइयाराओसुत्तंमि

सूत्र — च्चित्तनिक्खेवणया१। सच्चित्तप्पेहणया२। कालाइक्कमदाणे३। परवदेशमच्छरया। तयाणंतरं

भाषा — नकरणातेकोहाफासूमाहेवस्तुसच्चित्तभेले १। सचित्तादिकफलेकरअच्चितढांकेकालआहारपाणीनोउल्लंघ्यामछेवोलावेमोतानीवस्तु

जेउवदंसियातेनावहारणहाएकिंतुतेउवलक्खणंति इदंचेहतत्वंयत्रव्रतविषयेऽनाभोगादिनाऽतिक्रमादिपदत्रयेणवास्वबुद्धिकल्पनया
वाव्रतसापेक्षतयाव्रतविषयंपरिहारःप्रवृत्तिःसोतिचारोविपरीततायांतुभंगइत्येवंसंकीर्णातिहारपदगमनिकाकार्याअथसर्वविरतावेवा
तिचाराभवंतिदेसविरतौतुभंगाएवयदाहसव्वेवियअइयारासंजलणाणंतुउदयओहुंतिमूलच्छेज्जंपुणहोइयबारसण्हंकसायाणं अतो
च्यते इयंहिगाथासर्वविरतावेवातिचारभंगोपदर्शनार्थं न देशविरत्यादिभंगदर्शनार्थं तथैववृत्तौव्याख्यातत्वात्तथासंज्वलनोदयविशेषे
सर्वविरतिविशेषस्यातिचाराएवभवंतिनमूलच्छेज्जंप्रत्याख्यानावरणादीनांतदयेपश्चानुपूर्व्यासर्वविरत्यादीनांमूलतः च्छेदोभवतीत्येवं
भूतव्याख्यानांतरेपिनदेशविरत्यादावतिचाराभावः सिद्धातियतोयथासंयतस्य चतुर्थानामुदयेयथाख्यातचारित्रंभ्रस्यतीतरच्चारित्रं
सम्यक्तंचसातिचारमुदयविशेषान्निरतिचारं भवतीत्येवंतृतीयोदयेसरागचरणंभ्रस्यतिदेशविरतस्यतु देशविरतिसम्यक्तेसातिचारेनि
रतिचारेषुप्रत्येकंतथैवस्यातांद्वितीयोदयेदेसविरतिभ्रंश्यतिसम्यक्तं तुतथैवद्विधास्यात् प्रथमोदयेतुसम्यक्तंभ्रस्यतीतिएवंचैतत्कथमन्य
थासम्यक्तातिचारेषुदेशिकेषुप्रायश्चित्तंतपएवनिरूपितंसार्विकेषुमूलमिति अथानंतानुबंध्यादयोद्वादशकषायाः सर्वघातिनःसंज्वलना
स्तुदेशघातिनइति ततश्चसर्वघातिनामुदयेमूलमेवदेशघातिनांत्वतिचारइति सत्यंकिंतुयदेतत्सर्वघातित्वंद्वादशानांकषायाणांतत्सर्ववि

रतापेक्षमेवशतकचूर्णिकारेणव्याख्यातंनतुसम्यक्त्वाद्यपेक्षमिति तथाहि तद्वाक्यं भगवतप्पणीयंपंचमहव्वयसद्दयंअट्ठारससीलंगसहस्स कलियंचारित्तंघाएन्तित्तिसव्वघाइणोति किञ्चप्रागुक्तोपदर्शितायाः जारिसओइत्यादिगाथायाः सामर्थ्यादतिचारभङ्गोदेशविरतिस म्यक्तयोः प्रतिपत्तव्याविति अपच्छिमेत्यादिपश्चिमैवापश्चिमामरणंप्राणत्यागलक्षणंतदेवांतोमरणांतस्तत्र भवामारणान्तिकासंलि ख्यतेक्षीणीक्रियतेशरीरकषायाद्यनयेतिसंलेखनातपोविशेषलक्षणा ततःपदत्रयस्यकर्मधारयस्तस्याभोषणासेवनातस्याआराधना अखंड

सूत्र

चणं। अपच्छिममारणंतियसंलेहणा। झूसणाराहणाए। पंचअइयाराजाणियव्वा नसमारिय व्वा तंजहा। इहलोगासंसप्पओगे१ परलोगासंसप्पओगे२। जीवियासंसप्पओगे३ मरणासंसप्प

भाषा

परादूकहे अहंकारकरीनेविहरावे तिवारपछीआणंदनामागाथापतिहिवें अपच्छिमछेहडलीआउखेपुर्णहोतांसंलेहणाकहीजेतिण झुषणाअणसणआराधिवानेविषेश्रमणोपासकश्रावकनेपांचअतिचारजाणवापरंअंगीकारकरवानही तेकहेछइहलोकेअणशणयकां चींतवेमनुष्यमेराजामंत्रीऊंज्योपरलोकरेविषेचींतवेऊंइंद्रज्योदेवताऊंज्यो १ महिमाऊंतांयकांविचारेच्यारिदिनजीवुंतोभलो २

कालकरणमित्यर्थः अपश्चिममारणांतिकसंलेखनाझोषनाराधना तस्याइहलोगेत्यादि इहलोकमनुष्यलोकस्तस्मिन्नाशंसाभिलाषस्त
स्या प्रयोगइहलोकाशंसाप्रयोगः श्रेष्ठीस्यांजन्मान्तरे अमात्योवेत्येवंरूपाप्रार्थनाएवं परलोकाशंसाप्रयोगोदेवोहंस्यामित्यादिजी
विताशंसाप्रयोगोजीवितं प्राणधारणं तदाशंसयोस्तदभिलाषस्य प्रयोगोयदिबहुकालमहंजीवेयमिति अयं हिसंलेखनावान्कश्चिद
स्त्रमाल्यपुस्तकवाचनादि पूजादर्शनाद्बहुपरिवारावलोकनाल्लोकश्लाघा श्रवणाच्चैवंमन्येतयथा जीवितमेवश्रेयः प्रतिपन्नानशनस्य

ओगेथु कामभोगासंसप्पओगेपू । तएणंसेआणंदेगाहावइ । समणस्सभगवतोअंतिएपंचाणुव्वयिं ।
सत्तसिक्खावइयं । दुवालविहंसावगधम्मं पडिवज्जइ२त्ता । समणंभगवंमहावीरं । वंदइणमंसइ२

शरीरेंपीडादेखीनेचींतवेमरणवेगोऊवेतोभलोशब्दरूपरसगंधस्पर्शच्यारप्रकारनाकामभोगचिंतेतिवारपछी आणंदएहवेनामेगाथा
पतिगृहस्थछेतिकोश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरतिकारेसमीपपांच ५ अणुव्रतिरूपीधर्म्म तेतिमहीअनेवलीसातशिक्षा
व्रततेकेहवासहितनामूलबारहप्रकारेश्रावकनोधर्म्म अंगीकारकरे अंगीकारकरीनेहिवेश्रमणभगवन्तमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकर

पियतएवंविधामद्दद्धेयेनविभूतिर्वर्त्ततद्दति ३ मरणाशंसाप्रयोगःउक्तस्वरूपपूजाद्यभावेभावयत्यसौयदिशीघ्रं म्रियेहमितिस्वरूपइति ४
कामभोगाशंसाप्रयोगोयदिसेमानुष्यकामभोगादिव्यापाराः संपद्यन्तेतदासाध्विति विकल्परूपा ५ नोखलुइत्यादिनोखलुममभदं
तभगवन्कल्पतेयुज्यते अद्यप्रभृतिइतः सम्यक्त्वप्रतिपत्तिदिनादारभ्यनिरतिचारसम्यक्त्वपरिपालनार्थंतज्जतनामाश्रित्यअन्न उत्थिए
त्ति जैनयूथाद्यदन्यत्यूथंसंघान्तरंतीर्थान्तरमित्यर्थस्तदस्तियेषांतेऽन्ययूथिकाश्चरकादिकुतीर्थिकास्तान् अन्ययूथिकांदेवतानिवाचरि

सूत्र

त्ता। एवंवयासी। णोखलुभंतेकप्पद्द। अज्जप्पभिईअणउत्थियावा। अणउत्थियदेवयाणिवा।
अणउत्थियपरिग्गहियाणिवा। अरिहंतचेइयाइं। वंदित्तएवाणमंसित्तएवा। पुव्विंअणालत्तेणं।

भाषा

तिकांनेतीनप्रदक्षणादेइनेवांदेनमस्कारकरेनमस्कारकरीनेएहवोकहेनोकहतांनकल्पे खलुनिश्चयहेभगवन् आजदिनथ्की तीपछेमानु
नहीअन्यतीर्थीनातपस्वीने अन्यतीर्थीनामिथ्यात्वीदेवताग्रहीतयाअन्यतीर्थीयेंअरिहंतनापरिग्रहीततेबिंबतेहनेआजपछीचैत्यनेमन
वचनकायायेवांदियानहीनमस्कारकरवोनही पहलीतेहनेविणबोल्येबोलाववानहीवलीतेनेआपसंलापवारवारबोलाववानहीकल्पे

हरादीनि २ अन्ययूथिकपरिग्रहीतानिवा अर्हच्चैत्यानिअर्हत्प्रतिमालक्षणानियथाभौतपरिग्रहीतानिवीरभद्रमहाकालादीनिव
न्दितुंवा अभिवादनंकर्तुंनमस्यतुंवा प्रणामपूर्वकप्रशस्तध्वनिभिर्गुणोत्कीर्त्तनंकर्तुं तद्भक्तानां मिथ्यात्वस्थिरीकरणादिदोषप्रसङ्गादि
त्यभिप्राय: तयापूर्वंप्रथममनालप्तेनसता अन्यतीर्थिकैस्तानेवालपितुं वासकृत्सम्भाषितुंसंलपितुं वापुन:पुन:संलापकर्तुं यतस्तेतप्त

आलविक्तएवासंलविक्तएवा। तेसिंअसणंवा४। दाउंवाअणुप्पयाउंवा। णसत्थ। रायाभिओगे
णंगणाभिओगेणं। बलाभिओगेणं। देवयाभिओगेणं। गुरुनिग्गहेणं। वित्तिकंतारेणं। कप्पइमे
समणेनिग्गंथे। फासुएणंएसणिज्जेणं। असणपाणखाइमसाइमेणं। वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणे

वलीतेहनेधर्म्महेतअशनपानखादिमस्वादिमइदेवुंनहीअनेरानेकहीआजपछीनदिराउंएतलेआगारेमोकलोराजापोतानु ईश्वर
नेआदेशसर्वलोकमिलीने कहेकोइकबलवन्तनमावेनेकोइदेवताधिष्ठितनमावेमाताअनेपितातेहनेआदेशेकन्तारकालपडेतोदेवो
वाल्पेवलीसुझनेश्रमणसाधुनिग्रंथजिकेमहाकल्पितिकांनेप्रासुक४२ दोषणेकररहितएहवोअशनपानखादिमस्वादिमच्यारिप्रकारनो

उ०टी०

५४

तरायोगोलककल्पा:खल्वासनादिक्रियायांनियुक्ताभवन्तितत्प्रत्ययश्चकर्मबन्धःस्यात् तथालापादेसकाशात्परिचयेनतस्यैवतत्परिजनस्य वामिथ्यात्वप्राप्तिरितिप्रथमालप्ते नत्वसंभ्रमंलोकापवादभयात्कोऽयमित्यादि वाच्यमिति तथातेभ्योन्ययूथिकेभ्योऽशनादिदातुं वा सकृत् अनुप्रदातुं वा पुनःपुनरित्यर्थः। अयंच निषेधो धर्मबुध्यैव करुणायातु दद्यादपिकिंसर्वथानकल्पतेत्याहनन्नत्ररायाभिउगेणं तितृतीयायाः पञ्चम्यर्थत्वात् राजाभियोगं वर्जयित्वेत्यर्थः राजाभियोगस्तुराजपरतन्त्रतागणः समुदायस्तदभियोगोवश्यतागणाभि

सूत्र

णं। पीढ़फलगसेज्जासंथारएणं। ओसहभेसज्जेणयपड़िलाभेमाणस्स। विहरत्तएत्तिकट्टु। इमंए याणुरूवंअभिग्गहं। अभिगिह्णइत्ता। पसिणाइंपुच्छइत्ता। अट्ठाइंआइयइसमणंभगवंमहा

भाषा

आहारअनेवस्त्रपड़िग्गहकहतांपात्रोकांबलीपादपुच्छकहतांपुंछणोपीठकहताबाजवटफलगपाटीयोशिज्जाअनेसंथारोवलीअने साधुने ओषधभेषजप्रायवस्तुएहवीसाधुनेयोग्यप्रतिलाभतोथकोविचरेसाधुदानफलजाणी एहवोताद्दशरूपअभिग्रहतिणारोअभिगहकहतांग्र हणकरेवलीप्रश्नविशेषपूछेअर्थविचारकरेअंगीकारकरेश्रमणभगवन्तमहावीरस्वामीनेतिखुत्तोतीनप्रदक्षणादेइनेवांदेवांदीनेश्रमणभ

मातापिटपार

योग: तस्मात् वलाभिओगोनामराजगणव्यतिरिक्तस्यवलवत: पारतन्त्र्यदेवताभियोगोदेवपरतन्त्रतागुरुनिग्गहो मातापिटपार

वश्य गुरूणां वाचैत्यसाधुनां निग्रह: प्रत्यनीककृतोपद्रवो गुरुनिग्रहस्तत्रोपस्थिते तद्रक्षार्थमन्ययूथिकादिभ्योददपिनातिकामति

सस्यक्तमिति वित्तीकंतारेणंति वृत्तिर्जीविकातस्या: कान्तार मरण्यन्तदिवकान्तारं क्षेत्रंकालोवाटत्तिकांतारं निर्वाहाभावइत्यर्थ:

तस्मादन्यत्तन्निषेधोदानप्रणामादेरितिप्रकृतिमितिपडिग्गहंति पात्रंपीठंतिपट्टादिकं फलगंतिअवष्टंभादिकं फलकं सेसज्जंति पथ्यं अ

वीरं। तिक्खुत्तोवंदइत्ता। समणस्सभगवओमहावीरस्स। अंतियाओ। दूइपलासाओचेइयाओ

पडिणिखमइत्ता। जेणेववाणियगामेणयरे। जेणेवसएगिहे। तेणेवउवागच्छइत्ता। सिवा

गवन्तमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरतिकांरेसमीपङ्तीदूतिपलासनामाचेत्यवनखण्डङ्तीनीकलेनिकलीने जिणदिसकानीवाणिय

गामएहवेनामानगरजिणेदिसीनेपोतानोघरअछेतिहांपोतानेघरेआवेआवीने पोतानीसिवानन्दाएहवेनामेभार्यातिणप्रतेएहवोक

हेइणेप्रकारेखलुनिश्चयहेदेवानुप्रियस्त्रीश्रमणभगवन्तश्रीमहावीरचरमतीर्थंकरतिकारे समीपविनयमूलधर्मसांभल्योतेधर्मअछेतिको

णंदंभारियं। एवंवयासी। एवंखलुदेवाणुप्पिए। समणस्सभगवओमहावीरस्स। अंतियंधम्मंणिसंमे। सेविएमेधम्मे। इच्छिएपडिच्छिएअभिरुइए। तंगच्छणंतुमंदेवाणुपिया। समणंभगवंमहावीरं। वंदाहि। जावपज्जुवासाहि। समणस्सभगवओमहावीरस्सअंतियं। पंचाणुव्वत्तियं। सत्तसिक्खावत्तियं। दुवालसविहं। गिहिधम्मंपडिवज्जाहि। तएणंसासिवाणंदाभारिया। आणंदेणं



अहोरेमनमेरुच्योतेधर्मइच्छोवारवारवांछ्योअभिसामणपणोकररुच्योतेभणीतुह्मेदेवानुप्रियाससोसरणेजईने श्रमणभगवन्तमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरनेतुह्मेपिणवांदोयावत्शब्देपर्युपासनासेवाकरोश्रमणभगवन्तमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरतिकांरेसमीपेपांच ५ अणुव्रतरूपअनेअनेसात ७ शिक्षाव्रतरूपइणेप्रकारेंबारे१२ भेदेकरीनेगृहधर्मश्रावकधर्मनुं अंगीकारकरोतिवारपछीतेशिवानन्दाएहवेनामेभार्याआणन्दनामाश्रमणोपासकश्रावकपासेइसावचन सुणीनेहर्षपामीसन्तोषपामीकोटम्बिकपुरसकहीजे आज्ञाकारीपुरुषतिकांनेतेडावेतेडावीनेइसोकहेउतावलीछेशीघ्रगतिवेगजेहनोएहवोरथजोड़ीवांदणजावे यावतशब्देपर्युपासनाये

मनोपभोगपरिमाणेणं। सोलसविहेणं। पञ्चाणुव्वश्यं सत्तसिक्खावश्यं। दुवालसविहं।

टाइतिउत्तरभूतानर्थात् आददातिलघुकरणादूत्यतयावत्करणात्तङ्कारणजुत्तंजाइयमित्यादियानवर्णकोव्याख्यास्यमानसप्तमाध्ययनव

समणोवासएणं। एवंवुत्तासमाणाहट्ठतुट्ठा। कोडुंवियपुरिसेसद्दावेइ२त्ता एवंवयासी। खिप्पामेव

लङ्करणंजाव। पज्जुवासति तएणंसमणेभगवंमहावीरे। सिवाणंदाएभारियाए। तीसेयमहइ

धम्मकहा। तएणंसासिवाणंदा। समणस्सभगवश्रोमहावीरस्स। अंतियंधम्मंसुच्चाहट्ठा। जाव

गिहिधम्मंपडिवज्जइ२त्ता। तामेवधम्मियं। जाणपवरंदुरूहइ२त्ता। जामेवदिसिंपाउब्भूया।

वाकरेतिवारेश्रमणभगवन्तमहावीरस्वामीशिवानन्दाएहवेनामेभार्यातिणप्रतेतिवारइंतेहवीमोटी १२ वारइपर्षदानेधर्मकथाकहे

तिवारपछीतिकासिवानन्दाएहवेनामाभार्याश्रमण भगवन्तमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरतिकारे ससीपधर्मसाभलेसांभलीनेहर्षवन्त

ऊवेजिमआणंदश्रावकनेधर्मरुच्योतिमसिवानन्दापिणधर्मनेअंगीकारकरेकरीने तेहीजरीतिप्रदत्तणादेवे प्रदत्तणादेइनेधर्मजानुप्रव

हणवैसेवैसीनेजिकेदिसीश्रावीऊतीसिवानन्दाएहवेनामेजियेदिसीजावेतिवारेहेभगन् पूज्यभगवन्तगौतमस्वामीश्रमणभगवन्तमहा

तामेवदिसिंपडिगया। भंतेत्ति। भयवंगोयमे। समणंभगवंमहावीरंवंदइ२त्ता। एवंवयासी।
भंतेआणंदेसमणोवासए। देवाणुप्पिआणं। अंतिएमुंडेजावपवत्तएणोइणट्ठे। गो। तएणंसेआणंदे
णंसमणोवासएणं। वहूणंवासाइंसमणोवासगपरियायंपाउणीइत्ता। जावसोहम्मेकप्पे। अरुणा
भेविमाणेदेवत्ताए उववज्जिहिति तत्थणं। अत्थेगइयाणंदेवाणं। चत्तारिपलिउवमाइंठिइपणत्ता।

भाषा

वीरस्वामीनेवांदेवांदीनेएज्यावचनकहेहेभगवन् आणंदनामाश्रमणोपासकश्रावकहेदेवानुप्रियतुम्हारेसमीपएहवासावासछांडीने
दीक्षालेसेकीनथीनाजीएअर्थनहस्येहेगोतमतियारेतें आणंदनामा श्रमणोपासकककरीजेश्रावकवहुकहतांघणावरसतांईश्रावकपणो
श्रावकपणानोपर्यायपालसीपालीने यावत्गन्देसोधर्मदेवलोकेअरुणाभएहवेनामे विमानने विषे देवतामोटीऋद्धिवंतपणे करीनेउ
पजसीहेगोतमतिहांविमाननेविषेकितराएकदेवतांरोआयुआरीस्थितिच्यारिपल्योपमयआणी उपदीसीतिणविमानेआणंदश्रमणोपा
सकनेच्यारिपल्योपमआयुस्थानीदेवसंबंधीयआणीअछेतिवारपछी श्रमणभगवन्तमहावीरस्वामीअणयाकहतांअन्यदाप्रस्तावेजनपददे

तत्थणं। आणंदस्सणं। चत्तारिपलिउवमाइंठिइपसत्ता। तत्तेणंसमणेभगवंमहावीरे। अणया कयाइ। वहियाजावविहरति। तत्तेणंसेआणंदेसमणोवासएजाए। अभिगयजीवाजीवे। जावपडि लाभेमाणेविहरइ। तएणंसासिवाणंदाभारिया। समणोवासियाजाया। जावपड़िलाभेमाणीविह रइ। तएणंतस्सआणंदस्स। समणोवासगस्सउच्चावएहिं। सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोव

थसांहेविहारकरेतिवारपछीतेआणंदश्रमणोपासककहतांश्रावकऊवोसमस्तपणेकरिजाण्याछेजीवअजीवतिणेयावत् शब्देसाधुनेप्रति लाभतोसाधुनेदानदेतोविचरेतिवारेतिकासिवाणंदाएहवेनामेभार्याश्रमणोपासिकाश्रावकणीऊई तिणेपिणनवतत्त्वजाण्यासाधुनेप्र तिलाभतिविचरैतिवारपछीआणंदएहवेनामेश्रमणोपासकश्रावकछेतिकोउत्तरोत्तरसीलव्रतनावारेंब्रतनीअनेरागुणधारतोयकोपच्च क्खाणपौषधउपवासआंवलएहवातपकरतोयकोआपणिआत्मानेसुधभावतोथकोचवदशसंवत्सरकहिजे १४ वरसउलंध्याथकांहिवेपन्न रसकहतांपनरमो १५ वरसनेअन्तरकहीजेमध्यतिणेवर्त्तमानथकाअणदाकहतांएकदाप्रस्तावे आधीराततिणसमयनेविषेधर्मजागर

दवसेय:महावीरस्यअंतिअंतेभवाअांतिकीमहावीरसमीपाभ्युपगतेत्यर्थ: स्तांधम्मपणत्तितिधर्मप्रज्ञापनामुपसंपद्यांगीकृत्यानुष्ठानद्वार

वासेहिं । अप्पाणंभावेमाणस्स । चोद्दससंवच्छराइं वीइक्कंताइं । पणरस्ससंवच्छरस्स । अंतरावट्ट
माणस्स । अणयाकयाइं । पुव्वरत्ता० । धम्मजागरियंजागरमाणस्स । इमेयारूवे । अज्झत्थिए ।
समुपन्ने । एवंखलुंअहं । वाणियगामेनयरे । वहूणंईसरजावसयसावियकुटुंवजावआधारे । तं ।
एतेणंवक्खेणं । अहंणोसंचाएमि । समणस्सभगवतो । महावीरस्सअंतिएधम्मपणत्तिं । उपसंपज्जि

सूत्र

णकारतांयकांधर्मसंवधीमनोरथचीतवतांयकांएहवाएताद्दशमननेभावआवेएतलादिवसमे कुटंवनेपाल्योएहवोमननेविषेभावआवेइणे
प्रकारेनिश्चयसोऊं वाणीयगामनगरतेहतणेविषेवहूगणंकहतांघणाईसरसेठसेनापतिमन्त्रीयावत् शब्देआपणासजनवर्गसगासंवधीकु
टंवतिणमेआधारभूततिणेऊं इणेप्रकारेएतलायकीऊं व्याघिप्तपणेकरीनसकुंश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरतिकांरेसमी
पसूधाधर्मनीप्रज्ञप्तिउवसंपदालेईनेधर्मध्यानकरतोथकोविचरतोहिवेसुभनेश्रेयकल्याणकारी एहवोप्रभातकालेसूर्यउगेथकेविपुलघणा

भाषा

त:जहापूरणोत्तिभगवत्यभिहितोवालतपस्वीसयथास्वस्थानेपुत्रादिस्थापनमकरोत्तथायंकृतवानित्यर्थ:एवंचासौकृत्वान्विउलंअसणपा

णखाइमंसाइमं उवक्खडाविताभित्तनाइनियगसंवंधिपरिजणंआमंतेत्तातंमित्तनाइनियगसंवंधिपरिजणंविउलेणंवत्थगंधमल्लालंका

रेणंसक्कारेत्तासम्माणेत्तातस्सेवमित्तनाइनियगसंवंधिपरिजणस्सपुरओजेट्ठपुत्तंकुटुंवेट्ठावित्तेत्तिनायकुलंसित्तिस्वजनगृहे उवक्खडेत्ति

ताणंविहरित्तए। तं। सेयंखलुममंकल्लंजावजलंते। विपुलंअसणं४। जहापूरणो। जावजेट्ठपुत्तं।
कुटुंवेठवित्ता। तं। मित्तजेट्ठपुत्तंचआपुच्छित्ता। कोल्लाएसंनिवेसेणायकुलंसि। पोसहसालंपडि
लेहित्ता। समणस्सभगवओ। अंतिएधम्मपण्णत्तिं। उवसंपज्जिताणंविहरित्तए। एवंसंपे०। कल्लंवि

असन १ पान २ खादिम३ स्वादिमच्यारिप्रकारनापूरणरंधावीयावत्शब्देजेठपुत्रनेसर्वकुटंवनोभारस्थं पीतिणमित्तजेठपुत्रवड़ापुत्र

नेपुछीसपुछीनेकोल्लागसंनिवेसेज्ञातकुलीजेसगादिकनेकुलेतिहांपोसहसालानेपड़लेहीने श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीतिकारेसमीप

धर्मसंवंधीप्रज्ञप्तिकर्त्तव्यरूप उपसंपदालेईनेधर्मध्यानमेविचरुंएहवोमननमेविचारेप्रभाते उगेथकेतिमचौंतव्योकृतोतिमकरेमित्रवर्ग

उलं । तहेव । जिमितभुत्त । तंमित्तविउलेणं । पुप्फसकारेइसमाणेइ । समाणेइश्त्ता । तस्सेवमि
त्तपुरओ । जेट्ठपुत्तं । सट्ठावेईश्त्ता । एवंवयासी । एवंखलुपुत्ता । अहंवाणियग्गामे । वहूणिंईसर
जहाचिंतिइ । जावविहरित्तए । तंसेयंखलुममइयाणिं । तुमंसायसकुटुंव्वस्स । आलंवणाधड्ढावित्ता ।
जावविहरइ । तएणंजेट्ठपुत्ते । आणंदस्ससमणो० । तहत्तिएयमट्ठं । विणएणंपडिसुणेइ । तएणंसे

भाषा

नेजीमाड्यापछीतिणमित्रसंबंधीने विपुलघणाफलफुलपानसुपारीतिणेकरिसत्कारकरे वहुप्रकारेकरसन्मानकरेतिकेपीजमित्रसगा
संबंधीस्वजनपुरुषतिणारेआगेवडापुत्रतेहनेवोलावेवोलावीनेलोकसमक्षेएहवोकहे पूर्णप्रकारेनिश्चयअहोवडापुत्रहुं वाणिवगामना
मातिणमांहेघणां कष्टतांघणाईसरराजाप्रमुखमंत्रीप्रमुखतिणारीपरें कामनीचिंताकरतोविचरुं तिकोणिवेनिश्चयतुझनेसिखा
समापुंछुंएतुम्हारा स्वजनन्यातीगोतीकुटुंवतिणातणोआलंवणकरीजेआधारभारतिकोतयोनेयावत्शब्देविचरीशेतिवारपछीतेवड़ोपुत्र
आणंदनामाश्रमणोपासकनोवचनसांभले सांभलीनेतहत्तिकरे तहत्तकरीनेएहवो अर्थेविनयसहितसां भलेसांभलीनेतिवारेते

आणंदेसमणोवासए। तस्सेवमित्तपुरओ। जेट्ठपुत्तंकुडुंवेठवेइ२त्ता। एवंवयासी। माणंदेवाणुप्पि अ

ज्जप्पभिंइं। केइममंवज्झसुकज्जेसु। आपुच्छतंवा। पडिपुच्छतंवा। ममअट्ठाए। असणंवा४।

उवक्खडवा। उदकरेउवा। जेट्ठपुत्तमित्तणाइं। आपुच्छइ२त्ता। सयाओगिहाओ। पडिणिक्ख

मइ२त्ता। वाणियग्गामंणयरे। मज्झंमज्झेणं। णिगच्छइ२त्ता। जेणेवकोल्लाएसन्निवेसेजेणेव

आणंदएहवेनामे श्रमणोपासकश्रावकछेतिकोतिके मितज्ञातिसगासंबंधीतिकांरेआगेजेठपुतवडापुतने आपणेठिकाणेथापेथापीने एहवोलोकसमच्येकहेअहोमितज्ञातीपुरसाअहोदेवानुप्रियाआजकं तीपछेसुभनेमतपूछउघरनीवस्तुघरनोकामकाजतेमणीसुभनेम तिपूछज्योवारंवारकहणेमतपूछजोवलीतुह्मेमाहरेअर्थेअसनपानखादिमस्वादिमआहारमतारांधोपरनेकहीनेमतांराधोछिवे आणं दवडापुतनेवलीन्यातीगोतीने पूछेआज्ञालेवेलेईनेपोतानउघरअछेतिणघरकं तीपोतेनीकलेपोतेघरकं तीनीकलीनेवाणियगामएह वानामेनगरतिणेमध्यभागकहताविचाले विचालेकइनेनीकलेजिणेदिसीकोलाकएहवेनामेसन्निवेशछेजिहांसिलज्ञातिनाघरतिहा

उपस्करोतुराध्यतुउवकरेत्तिउपकरोतुसिद्धंसचद्रव्यांतरैःअतोपकारमाश्रितगुणांतरंविदधातुपदमेंतिएकादशानामाद्यं उपासकप्रति

सूत्र

नायकुले । जेणेवपोसहसाला । तेणेवउवागच्छइ२त्ता । पोसहसालंपमज्जइ२त्ता उच्चारपासवण
भूमिंपडिलेहइत्ता ।दब्भसंथारंसंथरइत्ता । दब्भसंथारयंदूरूहइ । पोसहसालातेपोसहिते । दब्भ
संथारोवगये । समणस्सभगवओअंतियं । धम्मपण्णत्तिं । उवसंपज्जित्ताणंविहरइ । तएणंसेआणंदे
स॰ । पढमंउवासगपडिमंउ॰ । विहरइ । पढमंउवा॰ । अहासुत्तं४ । सम्मंकाएणंफासेइ । जाव

भाषा

जेजिणेदिसी पोषधउपाश्रयशालाअछेतिहां आयेंआवीकरीनेपोसहनीसालतेभणीप्रमार्जनपुंजनकरेपुंजीनेउच्चारपासवणभूमवडी
नीतिअनेलघुनीतनीभूमकानेपडिलेहेपछीलियेडाभनोसंथारोसंथरेकरडाभने संथारेउपरेबेनेबेसीनेपोषधशालानेविषेपोषधसहित
डाभनेसंथारेबैठोयकोश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीतिहारे समीपधर्मरूपणी धर्मसंबंधीप्रज्ञप्ति उपसंपदातिणनेअंगीकारकीधीछेतेण
नेविचरेतिवारपछीआणंदनामाश्रमणोपासकश्रीवेपहली १ मासनीदर्शनप्रतिमाअंगीकारकरे अंगीकारकरीनेविचरेपहिलीप्रति

मान्नावकोचिताभिग्रहवैशेषरूपामुपसंपद्यविहरतितस्याश्चेदंस्वरूपं संकादिसल्लविरहितसम्मद्द सणजुओजोजंतूसेसगुणविप्पमुक्को ए
साखलुहोइपढमाओसम्यग्दर्शनप्रतिपत्तिश्चास्यपूर्वमप्यासीत् केवलमिहशंकादिदोषराजाभियोगाद्यपवादवर्जितत्वेनतथाविधसम्यग्
दर्शनाचारविशेषपालनाभ्युपगमेनचप्रतिमात्वंसंभाव्यतेकथमन्यथासावेकमासप्रथमायाप्रतिमायापालनेनद्वौमासौद्वितीयाया: पाल
नेनएवंयावदेकादशमासानेकादश्या: पालनेनपञ्चसार्द्धानिवर्षाणिपूरितवानित्यर्थ: ततोवक्ष्यतीतिनचायमर्थोदशाश्रुतस्कंधादावुपल
भ्यतेश्रद्धामात्ररूपायास्तस्या: प्रतिपादनात् अहासुत्तंतिसूत्रानतिक्रमेणयथाकल्पप्रतिमाचारानतिक्रमेणयथामार्गंक्षायोपसमिकभा
वानतिक्रमेणअहातच्चन्ति यथातत्वं दर्शनप्रतिमेतिशब्दास्यान्वर्थानतिक्रमेणफासेइतिस्पृशतिप्रतिपत्तिकालेविधिनाप्रतिपत्ते:पालेन्ति
सततोपयोगप्रतिजागरणेनरक्षतिसोहइतिसोभयतिगुरुपूजापूरस्सरंपारणाकरणेनसोधयतिवानिरतिचारतयातिरइत्तिपर्योपिकालाव
धा वनुवंधात्यागात् कीर्त्तयेति तत्समाप्तावेदमिदंचेहादिमध्यावसानेषुकर्त्तव्यं मयातत्कृतमितिकीर्त्तनात्आराधयतिएभिरेवप्रकारै:
संपूर्णै: निष्टंनयतीतिदोच्चंतिद्वितीयांव्रतप्रतिमामिदंचास्यास्वरूपं दंसणपडिमाजुत्तोपालंतोणुव्वएनिरइयारेअणकंपाइगुणजुत्तजी
वोइहहोइवयपडिमातच्चन्तित्टतीयां सामायिकप्रतिमांतत्स्वरूपमिदंवरदं सणवयजुत्तोसामाइयं कुणइजोउसंभासुउक्कोसेणंतिमासं

एसासामाइयप्पड़िमाचउत्थंतिचतुर्थीपोपधप्रतिमैवंरूपांपुव्वोदियपड़िमजुओपालइजोपोसहंतुसंपत्तं अट्ठमिचउद्दिसाइसुचउरोमासा चउत्थीसापंचमंति पंचमीप्रतिमांप्रातिमंकायोत्सर्गप्रतिमामित्यर्थः स्वरूपंचास्याः सम्ममणुव्वयगुणवयसिक्खावयंवथिरोयनाणीयअट्ठ मिचतुद्दसीसुपड़िमंगएगराइयंअसिणाणवियडभोईअस्नानोअरात्रिभोजीचेत्यर्थः मउडीकलोमुत्कलकच्छइत्यर्थः दिवसबंभयारियं राइपरिमाणकड़ोपड़िमावज्जेसुदियहेसुभायइपड़िमाइटिओतिलोयपुज्जेजियकसायेनियदोसपच्चणीयंअण्णंवापंचजामासाच्छट्ठंति षष्ठीअब्रह्मवर्जनप्रतिमांतत्स्वरूपंचैवंपुव्वोदियगुणजुत्तोविसेसओविजयमोहणिज्जोयवज्जइअबंभमेगंतओरायंपिथिरचित्तोसंगारक

सूत्र आराहेइ । तएणंसेआणंदेस० । दोच्चंउव० । एवंतच्चं । चउत्थं । पंचमं । छट्ठं । सत्तमं । अट्ठमं । नवमं । दशमं । एक्कारसमं । जावआराहेइ । तएणंसेआणंदे । समणोवासए । इमेणं । एयारूवे

भाषा मास्रावकनीजिससूत्रमाछविधिकहीतिमवहे सम्यक्कहतांभलीपरेमनेकरवचनेकरकायायेकरयावत्शब्दइआराधेतिवारपछीआ णंदएहवेनामेश्रमणोपासकवीजीप्रतिमामास २ नीपालेत्रीजीप्रतिमा ३ मासनीचोथीप्रतिमा ४ मासनीपांचमी ५ पांचमास

हाविरओइत्थीएससंरहंमिनोठाइचयइय अइप्पसंगंतहाविभूसंचउक्कोसंएवंजावछम्मासाएसोहिगउइयरहादिट्ठंजावज्जीवंपिइमंवज्ज
इएयंमिलोगंमिसत्तंमिसप्तमीसचित्ताहारवर्जनप्रतिमामित्यर्थः इयंचेवंसच्चित्ताहारंवज्जइअसणाइअंनिरवसेसंसेसपयसमाउत्तोजो
मासासत्तविहिपुव्वं अट्ठमंति अष्टमीं स्वयमारंभवर्जनप्रतिमांतद्रूपमिदंवज्जइसयमारंभसावज्जं कारवेतिपेसेहिंवित्तिनिमित्तंपुव्व
यगुणजुत्तोअट्ठजामासानवमंतिनवमींप्रेतकंप्रेष्यारंभवर्जनप्रतिमंसाचेयंसेहिविआरंभसावज्जंकरिइणोगरुयं पुव्वोइयगुणजुत्तोनवमा
साजावविहिणाओदसमंति दशमीं उद्दिष्टभक्तवर्जनप्रतिमांसाचैवंउद्दिट्ठकडंभत्तंपिवज्जएकिमुयसेसमारंभंसोहोइखुरमुंडोसिंहलिंव
धारतेकोतिव्वंतुट्ठोजाणेजाणेइवयइनोवेतिपुव्वोदियगुणजुत्तोदसमासाकालमाणेणं एकारसमंति एकादशीं श्रमणभूतप्रतिमांतत्स
रूपंचैतत्खुरसुंडोलोएयवरहरणंउग्गहंचघेत्तूणसमणभूओविहरइधम्मंकाएणफासंतोएवंउक्कोसेणंएकारसमासजावविहरेइएकाहा

णं। उरालेणंविउलेणं। पयत्तेणं। पगाहितेणं। तवोकम्मेहिं। सुक्केजावकिसे। धमणिसंसत्तेजाए

नीछठी ६ मासनी सातमीप्रतिमा ७ मासनीआठमीप्रतिमा ८ मासनीनवमी ९ मासनीदशमीप्रतिमा १० मासनीइग्यारमी

द्रूपरेणंएवंसव्वत्थपाएणमितिउरालेणमित्यादिवर्णकोमेघकुमारतपोवर्णकएवव्याख्येयंयावदनवकांचनुविउरतीतिगिडिमज्जावसंतज्ञानि

सूत्र

तएणंतस्सआणंदस्स । अणयाकयाइ पुव्वरत्ता । धम्मजागरियं जागरमाणे । अयंअज्झत्थिए । एवं खलुअहंइमेणं । जावधमणिसंतएजाए । अत्थितामेउठ्ठाणे । कम्मवलवीरिए । पुरिसकारपरक्कमे । सद्धाठिईसंवेगे । तं । जावतामेअत्थिउठ्ठाणे । सद्धाठिइसंवेगे । जावमेधम्मारिए । धम्मोवएसेए

भाषा

प्रतिमा ११ मासनीयावत्यन्देतिमआराधनाकरेतिवारपछी आणंदएहवेनामेश्रमणोपासकश्रावकपूर्णप्रतिमाकरएततूरूपतपेकरी उदारवड़ोतपप्रधानविपुलप्रयलघणोयत्नेकरतपने निरंतरवहतोतपस्यायेंकरीनें शरीरसुकाणोरुधिररहतथयलोधमणजिसाचलेतिवा रपछीतेआणंदनामाश्रमणोपासकश्रणदा मस्तावे आधीरातिनेसमेधर्मरूपजे जागरणातिणेकरीनेजागर तोथकोएहवो अध्यवसाय मनमेउपनोपूर्णेप्रकारे खलु निश्चेइं पूर्णेतपेकरीने शरीरमाहरोदुर्वलथयोतोहिवेतेभणीमाहरे उत्थानादिककामवलवीर्यपराक्रम उद्यमसाहसधैर्यपुरुषाकारादिसक्तिनथीतिधाधर्मवासनाएतधैर्यजातेतोहिवमाहरागरीरनेविषेवीर्यवणपराक्रमादिश्रीवर्द्धमानस्वामी

समणेजिणेसावत्थीविहरइ । तावताणोसेयंकल्लं । जावजलंते । अपच्छिममारणंतियं । संलेहणा
झूसणाझूसितस्स । भत्तपाणपडियाइक्खितसकालं । अणवकंखमाणस्स विहरित्तए । एवंसंपे०२ ।
कल्लंपाउअपच्छिमं । जावकालं । अणव०विहरइ । तएणंतस्सआणंदस्ससम० । अणयाकयाइंसु
भेणं । अज्झवसाणेणं । सुभेणंपरिणामेणं।लेसाहिंसुज्झमाणीहिं।णाणावरणिज्जाणं।कम्माणंखओ

विद्यमानयावत्शब्देमाहराधर्माचार्यछे धर्मनेउपदेशनेदेणहार श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीसावथीनगरीयेविचरेछे तीयेकारणे महावीरस्वामीविचरतांथका सुझनेश्रेयछेतोऊं अपच्छिमछेहलीमारणांतिकसंलेखनाये संसारसर्वऊं तीरागअने देहएवेओपरि हरीसपरत्यागकरीस असनपानखादिमस्वादिमच्यारेआहारनोपच्चखाणकरीस तिणेमरणसमयनेकालनेअणवंछितोथकोविचरीस एहवोमनसेविचारे कालप्रभातेअपच्छिमछेहलीमारणांतसंलेहणाकरीनेमरणकाल अणवांछतोयकोविचरीस तिवारपछीतिणेआ णंदएहवेनामेश्रमणोपासकने एकदाप्रस्तावेसुभभलानिरमल सुभभलाअध्यवसायेकरी सुभभलानिर्मलसुभपरिणामेकरी सुभभली

वसमेणं। ओहिनाणेसमुपन्ने। पुरच्छिमेणंलवणसमुद्दे। पंचजोयणसइयंखेत्तं। जाणइपासइ। एवंदक्खिणेणंपच्छिमेणं। उत्तरेणंजाव। चुल्लहिमवंतवासधरपव्वंतं। जाणइपासइ। उड्ढंजावसोहम्मंकप्पं। जाणइपासइ। अहेजावइमीसेरयणप्पभाए। पुढवीएलोलुयं। अच्चुत्तणरत्तं। चउरासीइवाससहस्सठितियंजाणइपासइ। तेणंकालेणं। तेणंसमएणं। समणेभगवंमहावीरे। समोस

भाषा

निर्मललेस्याध्यावतांयका एहवेसमेज्ञानावरणीकर्म ना अशुभपटलदूरहुवाकर्मक्षयकरीउपसम्या तिवारेएहवोनिर्मलअवधिग्यान उपनो पूरवदिसकानीजेलवणनामासमुद्रतिणरे विषेपाचसें ५०० योजनप्रमाणक्षेत्रदेखे क्षेत्रासुभावनेजाणेपासेदेखे इमही जदक्षिणदिसनेदेखेइमहीजपश्चिमदिसदेखेउत्तरनामादिसतिण कानीचुल्लहिमवंतएहवेनामेपर्वत तिनपर्वतपर्यंतवार्षधरनामापर्वततिणसीमताइजाणेपासेउर्धलोके उचोदिसेसौधर्मदेवलोकपर्यंतअवधिग्यानेकरजाणेदेखेनीचलेपासेअधोलोकेआहीजरत्नप्रभाना मेपहिलीपृथवीतिणपृथवीरोलोलुवोएहवेनामेपाथड़ोनरकावासोदेखे तिणलोलुवेपाथड़ेनेविषेचउरासी ८४००० हजारवरसनीस्थि

रिएपरिसानिग्गयाजावपडिगयातेणंकालेणंतेणंसमएणंसमणस्सभगवओमहावीरस्सजेट्ठे अंतेवासी इंदभूइणामंअणगारे। गोयमगोत्तेणं। सत्तुस्सेहे। समचतुरंससंठाणसंठिए। वज्जरिसहनाराय संघयणे। कणगपुलगनिघसपम्हगोरे। उग्गतवेदित्ततवे। तत्ततवेमहातवे। उरालेघोरतव स्सी। घोरबंभचेरवासी। उच्छूढसरीरे। संखित्तविउलतेउलेसे। जियकोहे। जियमाणे। जिय

तिणपरिसीभगवंतेजाणेतिणेसमये श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरआवीनेसमवसरयावारे१२ पर्षदावांदिवाआइ यावत् धर्मसुणीनेपर्षदापाछीगइ तिणेकालेतिणेसमये श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीतिणाराप्रथम शिष्यप्रथमगणधरवडाशिष्य तिकेइंद्र भुतिएहवेनामेगणगरमोटातपस्वी गौतमएहवेनामेगोत्रजिणारोसात ७ हाथनोउंचोदेहमान समचतुरंसनामासंस्थानेकरि सहित प्रथमपहिलोवज्रऋषभनाराचसंघयणछेजिणरो सुवर्णनीपुलककसवटीयेंइं घस्योछवेतेसरपउगौरवर्णछे उग्रतपनोधणी छेदीपतेतपनोधणीछे घोरतपमहातपप्रधानतपनोधणी उदारकहतावडोघोरछेतपस्याजेरी घोरकहतांउत्कृष्टब्रह्मचर्यनउधणी

माए। जियलोभे। जाइसंपन्ने। कुलसंपन्ने। बलसंपन्ने। रूवसंपन्ने। जावतेयंसी। छट्ठं छट्ठेणं। अणिखित्तेणं। तवोकम्मेणं। संजमेणं। तवसाअप्पाणंभावे। माणेविहरइ। तएणंसेभगवंगोयमे। छट्ठक्खमणपारणगंसि। पढमाएपोरिसीएसज्झायंकरेइबीवाएपोरसीए। झाणंझियाइं। तईयाए पोरिसीए। अतुरियमचवलमसंभंताए। मुहपत्तियंपड़िलेहेइ। भायणवत्थाइं। पड़िलेहेइ।

भाषा

छोथोछेसरीरनोरागजिणेवलीसंखेपीछेविपुलमोटीतेजोलेस्याजिणे जीताछेमोध वलीजीताछेअहंकार जीतोछेमायाजिणे जीतो छेलोभजिणेजातिपच्चसुधछे सुधछेकुलजेहनोवलवंतछेशरीरजेहनो वलीरूपेकरिसहितयावत्शब्देतेजांसी छठछठनोपारणोकरे अणच्छिन्नपणेकरीने तपकर्मनेविषेसावधानसंजमनेसंघाते चोविहारतपकरीनेआपरीआत्मासरीर तिणनेभावताविचरेतिवार पछीएहवाभगवंतगौतमछठना तपतिणनेपारणारेदिवसे पहलेपोहरनेविषेपोरसीकरे सिज्झायध्यानकरे वीजेपोहरआवेयके पंचपरमेष्टीध्यानधरे तीजेपोहरनोसमागमहुवे घणाउतावलानहीअसंभ्रांतथका मुखपत्तिकामुहपतीपडलेहे तिवारपछीभाजन

भायणंपमज्जइ। भायणाइं उग्गाहेइ। जेणेवसमणे३। तेणेवउवागच्छइ२त्ता। समणं३वंदइनमंसइ एवंवयासी। इच्छामिणंभंते। तुब्भेहिंअब्भणुन्नाए। छट्ठक्खमणपारणगंसि। वाणियगामेणयरे। उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं। घरसमुदाणस्सभिक्खायरियाएअडित्तए। अहासुहंदेवाणुप्पियामापडिबंधंकरेहि। तएणंभववंगोयमे। समणेणं३।अब्भणुन्नाएसमाणे। समणं३अंतियाओदुइपलासचे

पात्राप्रमुखवस्त्रप्रमुखपडिलेहे भाजनपात्रातिणानेएकठाकरीने लेवेजिहांश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीतिहांआवेआवीने श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीनेवांदेनमस्कारकरे एहवावचनकहेवाछुंछुंहेभगवन् तुम्हारीआज्ञामुझनेहोइतो छठखमणनीतपस्यानेपारणेअर्थे वाणियगामएहवेनामानगरनेविषे उंचाघरअछेनीचाघरअछेमध्यम घरअछेअथवा कुलतिणघरेसमुदानकीभिक्षानेअर्थेभ्रमणभणीविचरे यथासुखहुवेतुम्हनेहेदेवानुप्रियतिमकरोप्रतिबंधढीललिगारमतकरो तिवारपछीभगवंतगौतमगणधर श्रमणभगवंतमहावीर स्वामीआज्ञादीधीयकीजाणीने श्रमणभगवंतमहावीरनेसमीपथकी अनेदूतपलासएहवेनामेचैत्यतिणथकी

इयाओपड़िनिक्खमई२त्ता अतुरियमचवलमसंभंते जुगंतरपरिलोयणाएदिट्ठीए पुरओइरियासोहे माणे। जेणेववाणियग्गामेणयरेतेणेवउवागच्छइ२त्ता। वाणियगामेणगरे। उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं। घरसमुदाणस्सभिक्खायरियाए। अडइ। तएणंसेभगवंगोयमे। वाणियगामेनगरे। जाव भिक्खायरिय। जावअड़माणेअहापज्जत्तंभत्तपाणंसमंपड़ि२ वाणि०पड़िनिग्ग२।कोल्लायस्स सन्नि

भाषा

तीनीकालेनीकलीने घणाउतावलानथीघणाहलुवानथीअसंभ्रंतपणे जूसरसमानधरतीनेजोवताथकाएहवीदृष्टे आगलेपासेईर्या सुमतिप्राणीजोवताजिणदिसीने वाणियनामएहवोनगरतिहांआवेआवीकरीने वाणियगामनामानगरमाहे उच्चकुलनीचकुलम ध्यमकुलसामान्यघरमध्यमचालीयादिकसामुदानकीभिक्षाचरीये फिरेभ्रमकरेतिवारेतेभगवंतगौतमस्वामी वाणियगामनगरनेविषे यावत्शब्देभिक्षाचरीयेयावत्शब्देभमतांथका यथाप्राप्तप्रमाणभातपाणीलाधेथकेभलीतरेलेइनेवाणीयगामथकीपाछानीकलेनीकली नेकोल्लाकनामासन्निवेशथकी अतिवेगलोनथी जातांथकांतिणवेलाघणालोकानोशब्दकोलाहलसांभलेघणालोकअन्यमन्यकहतांमाहो

वेससत्रदुरसामंतेणं । वीतीवयमाणे । वहुजणसद्दं णिसामेद्र । वहुजणोअणमणस्स । एवमाइक्खइ२ । एवंखलुदेवाणु० । समणस्सभगवओ । अंतेवासीआणंदेणामंस० । पोसहसालाए । अपच्छिमसा० । जावअणवकंखंविहरइ । तएणंतस्सगोयमस्स । वहुजणस्स । अंतिएएतंसोच्चाणिसम्म । अयंइमेयारूवेअज्झत्थिए । समुप्पन्नेतंगच्छामिणं । आणंदंसमणोवासयंपासामि । एवंसंपेहेइ२ ।

माहिइसकहेइसनिश्चयदेवाणुप्रियश्रमणभगवंतमहावीरनोअंतेवासीभक्त आणंदनामाश्रमणोपासकपोषधशालानेविषेआजनेदीहछे हलीमारणांतसंलेखणाकोधीछेंएहवोथकोविचरेछे तिवारेंतेगौतमस्वामीवहुघणालोकांनेसमीपएहवेसुणेसुणीनेहियेधारीमनमाहे एहवाभावउपनामनमेइच्छाउपनीतिहांजाउं आणंदनामाश्रमणोपासकश्रावकनेजइदेखुं एहवोमनमेविचारेविचारीनेजिहांकोल्ला कसन्निवेसनामागामजिहां आणंदएहवेनामेश्रमणोपासकजिहापोसहनीपोसहसालेआणंदस्रूतोछेतिहांगौतमस्वामीआवेतिवारप छीतिकोआणंदएहवेनामेश्रमणोपासकगौतमस्वामीप्रथमगणधरतिकांने आवतायका देखेदेखीकरीनेमनमेहर्षउपनोमनमेसंतोपआ

जेणेवकोल्लाएसंनिवेसे। जेणेवआणंदेसमणोवासए। जेणेवपोसहसाला। तेणेवउवागच्छइ। तए णंसेआणंदेसमणोवासए। भगवंगोयमं। एज्जमाणंपासइपासेत्ता। हट्ठुजावहियए। भगवंगोयमं। वंदतिणमंसति। एवंवयासी। एवंखलुभंते। अहंइमेणंउरालेणं। जावधमणिसंतते। णोसंचाएमि। देवाणुपियस्सअंतियं। पाउब्भवित्ताणं। तिखुत्तोमुद्धाणेणं। पाएअभिवंदित्तए। तुम्भेणं

भाषा

नंदनेउपनोभगवंतगौतमस्वामीतिणांप्रतेंमनवचनकायायेवांदे नमस्कारकरीनेएमबोलाहेपूर्णप्रकारेखलुनिश्चयभगवनुंहुंआणंद इसानामेप्रधानतपेंकरीनेधमणिसमानगाढरोसरीरदुर्बलथयोछुवेतिणभणीहुंनथीआवीसकतोहेदेवानुप्रियतुम्हाराचरणनेसमीपेआवुं एहवीउहणानीसगतिनथीतीनप्रदक्षणादेइनेतीनवारमस्तकेकरतुम्हारा चरणरूपीकमलतिणांनेवांदुंतेभणीहेभगवन्तुमेकृपाकरीने अनुग्रहप्रसादकराओ उरांपधारो हेदेवानुप्रियामाहरामस्तकेकरी तुम्हारा चरणरूपीकमलछेतेवांदु वलीनमस्कारकरुंति वारेतेश्रमणभगवंतगौतमस्वामी जिहांआणंदएहवेनामेश्रमणोपासकश्रावकछे तिहांगौतमस्वामीआवेआवीनेतिवारपछीआणंद

गृहमध्यावसतः गेहेवर्त्तमानस्येत्यर्थः सत्वाणमित्यादयएकार्थाशब्दा गोयमाइत्तिहेगौतमइत्येवंआमन्त्र्येतिनिक्खेवओत्तिनिगमनंयथा

भंते। इत्थकरेणं। अभिउएणंइतोच्चेव। एवजाणंदेवा। तिक्खुत्तोमुद्धाणेणंपाएसुवंदामि। णमं
सामि। तएणंसेभगवंगोयमे। जेणेवआणंदेसमणोवासए। तेणेवउवागच्छइ२। भगवतोतिक्खु
त्तोमुद्धाणेणंपाएसु। वंदतिणमंसति। एवंवयासी। अत्थिणंभंतेगिहिमज्झावसंतस्स। ओहिणा
णेणं। समुपज्जइ। हंताअत्थिजइणंभंते। गिहिणोजावसमुप्पज्जइ। एवंखलुभंते। ममविगिहि

एहवेनामेश्रमणोपासकछे तिकोभगवंतगौतमस्वामीनेमनवचनकायायेकरीत्रिकरणशुद्ध चरणरूपीकमलांनेवांदेनमस्कारकरेएहवा
वचनकहे हेभगवन् हेगौतमस्वामीगृहस्थावासेवसतांथका श्रमणोपासकश्रावकनेतीजोअवधिग्यानछे तिकोउपजेअथवानहीतिवारे
गोतमस्वामीकहेहंताश्रावकनेउपजे हेभगवन्जोगृहस्थनेअवधिग्यानउपजे तोइणप्रकारेनिश्चयहेभगवन्मुझनेपिणआणंदएहवेनामे
गाथापतिगृहस्थनेगृहस्थावासवसतांथकानेअवधिग्यानउपनोपूर्वदिसकानीलवणनामासमुद्रतिणरेविषेपांचसयपू००जोजनताइदेखुछुं

णोगिहिमज्झावसंतस्सश्रोहिनाणेसमुप्पणे। पुरच्छिमेणंलवणसमुद्दे। पंचजोयणसयाइं। जावलोलुयंश्रच्चुयंणरयं। जाणामिपासामि। तएणंसेभगवंगोयमे। आणंदंसमणोवासयं। एवंवयासी श्रत्थिणंश्राणंदा। गिहिजावसमुप्पज्जइ। णोचेवणंएवमहालए तणंतुम्मंश्राणंदा। तस्मठाणस्सश्रालोहि। जावतवोकम्मंपड़िवज्जाहि। तएणंसेश्राणंदे भगवंगोयमंएवंवयासी श्रत्थिणंभंतेजिणवयणे

भाषा

यावत्शब्देअधोभूमेलोलुवोएज्वेनामेपाथडोतिणपाथडानेजाणुछुं देखुं अछुं तिवारपछीश्रमणभगवंतगौतमस्वामीछेतिकेआणंदनामाश्रमणोपासकनेएहवावचनकहेअसाकहतांछेहेआणंदश्रावकनेएटलुस्वधर्मपालतांथकाउपजेपरं एतलोविशेषएतोमोटोअवधिन्यानउपजेनहीतिकाणभणीहेश्राणंदतु एहिजस्थानकठिकाणेआलोयमिच्छादुकड़दे यावत्तपकर्मनोप्रायच्छित्ततुम्हेल्योतिवारपछीआणंद नामाश्रावकभगवंतगौतमस्वामीनेएहवावचनकहे हेभगवन्असाकहतांछेजिनवचनेसाचातथावलीतेहवाछीजतद्भूतभावउपनाआलोइजेछे यावत्शब्देतेहनोप्रायच्छित्तलीजेअथवानलीजेहेभगवन् हेपूज्यजीनवचननोसत्यकहतांसाचानोसत्यभावनोजोआलोइजेनही

सत्ताणं। तच्चाणंतहियाणं। सब्भुयाणंआलोइज्जइ। जावपडिवज्जिज्जइणाइणं समट्ठे। जइणं भंते जिणवयणे। सत्ताणंजावभावाणं। णोआलोएज्जइ। जावतवोणोनपडिवज्जिज्जइ। तएणंभं तेतुब्भेचेव। एयस्सठाणस्सआलोएह।जावपडिवज्जह तएणंसेभगवंगो० ।आणंदेणंसमणोवासएणं। एवंवुत्तेसमंकिए। कंखिए। वितिगिच्छसमावन्ने। आणंदस्सअंतियाओपडिनिक्खमइ २। जेणेवदु

जोतिणरोतपप्रायश्चित्तनकीजेतोस्वामीहिवेस्वामीतुम्हे पोतैहीजएयस्सकहतांइणहीजस्थानकनेविषेआलोवोनिंदोयावत्शब्दे प्रायश्चि त्त्योतिवारपछीतिकेभगवंतगौतमआणंदएहवेनासेश्रमणोपासकैंइमकह्येथकेइणेप्रकारेमनमेसंकाऊपनीकंखाउपनीमननेविषेविति गिच्छादिकपास्याआणंदनामाश्रमणोपासकतिणरेसमीपथीपाछावल्यापाछावलीनेजिहांदूतपलासएहवेनामेचेत्यजिहांश्रमणभगवंत श्रीमहावीरसामीसमवसरयातिहांसमीपेआवेआवीनेश्रमणभगवंतमहावीरऊंतीनअतिदूरनअतिनिजीकभगवंतनीसाखेगमणागम णाइरियावहीपडिकमेतिवारपछीआहारसूझतोअसूझतोआलोवे तिवारपछीभातपाणीदिखाडेश्रमणभगवंतनेवांदेनमस्कारकरेइणे

इमलासेन्वेइएजेणेव समणेभगवंमहावीरे ।तेणेवउवागच्छइ२त्ता समणस्स३।अदूरसामंते ।गमणागम
णाएपडिक्कमइ ।एसणंसणेआलोएइ ।भत्तपाणीपडिदंसे । समणंभगवंवंदइनमंसइ२।एवंखलुभंतेअ
हंतुम्भेहिं ।अब्भणुण्णाएतंचेवसव्वंकहेइ ।जावतएणंपडिदंसेइ । अहंसंकिते३ । आणंदस० ।अंतिएप
डि२जेणेवइहं । तेणेवहव्वमागए । तएणंभंतेकिंआणंदेणं । समणोवासएणं । तस्सठाणस्सआलोए
हतव्वं । जावपड़ि २ । उदाऊमएगोयमाइ । समणेभगवं । गोयमाएवंवयासी । गोयमातुमंचेवणं

भाषा

प्रकारेहेपूज्यजी तुम्हारीआज्ञालाधांयकांपिकरवागयोपुठलीसर्ववातनेकहे यावत्गब्देतिवारेकह्यो जी पोतानेमनमेसंकाकांक्षाथास्यो
आणंदनामाश्रमणोपासकनेसमीपजी तीपाछावल्योपाछोवलीने जिहांतुम्हेछोजी तातिहांजी आयोतिवारपछीकह्यो हेपूज्यकिमआणंद
नामाश्रमणोपासकश्रावकतेउतगेस्थानकनेविषेआलोवेकिंवाजी तेकस्थानकनेविषेआलोए तेमुभनेकहोतिवारपछीश्रमणभगवंतमहा
वीरस्वामीगौतमएहवोनामलेईनेबोल्या एहवोकहेहेगौतमतुम्हे पूजतिणेठिकाणेआलोयोनिंदोयकरो यावत्गब्देभावचित्तल्योआणंद

तस्सट्ठाणस्सआलोएहि । जावपडिवज्जेइ आणंदंसमणोवासयं । एयमट्ठंखामेहि । तएणंसेभगवं गोयमेसमणस्स३ । तहत्तिएयमट्ठंविणएणंपडिसुणेइ२त्ता तस्सट्ठाणस्सआलोएइ । जावपडिक्कमेइ आणंदंसमणोवासयंएयमट्ठंखामेइ२त्ता । समणे३वहिया । अणया० । जणवयंविहरइ ।तंसेआणं देस० । वहूहिंसीलव्वएहिं । जावअप्पाणंभावित्ता । वीसंवासाइं समणोवासयंपरियायंपाउणित्ता एकारस्सयउवासगपडिमाओ । सम्मंकाएणंफासित्ता । मासियाएसंलेहणाए । अत्ताणंझूसित्ता

नामाश्रमणोपासकश्रावकनेएअर्थप्रतेखमावोतिवारेश्रमणभगवंतमहावीरनोवचनगोतमस्वामी तहत्तिकरीनेएहवोएअर्थतिणनेविनय थकीसांभलेसांभलीनेतेहस्थानकने विषेआलोवणाकरेयावत्शब्देप्रायच्छित्तलेवेआणंदनामाश्रमणोपासकश्रावकनेपासेएअर्थखमावेख मावीकरीनेश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीवाहिरएकदाप्रस्तावे जनपदकहीजेदेशविषेविचरेतिवारपछीआणंदश्रावकघणुंकहतांघणासी लव्रतआददेइनेयावत्शब्देआपणोआत्माभावीने वीसवरस२०श्रावकपणानोपर्यायपालीनेपूरोश्राउखोपाल्योइग्यारे ११ श्रमणोपा

सट्ठिंभत्ताइं । अणसणाएछेदेत्ता। आलोइयपडिक्कंते । समाहिपत्तेकालमासे । कालंकिच्चा । सोहम्मेकप्पे । सोहम्मवडिंयस्स ।महाविमाणस्स । उत्तरपुरच्छिमेणं । अरुणेहिंविमाणेहिं । देवत्ताए उववणे।तत्थणंअत्थेगइयाणंदेवाणं । चत्तारिपलिओवमाइठिइपणत्ता। तत्थणंआणंदस्सविदेवस्सचत्तारिपलियोवमाइं । ठिइपणत्ता। आणंदेणंभंतेदेवेताओलोगाओ । आउक्खएणं ३ । अणंतरं

भाषा

सकश्रावकनीप्रतिमातिणानेभलीतरेकायायेकरीनेफरसेफरसीनेमाछ१मकीनेनिसंलेषनावेकरीनेश्रापनोयात्मानिर्मलशुद्धकरीनेसाठ६०टंकभातपाणीनाअणसणेकरीनेछेदेछेदीनेआलोवेआलोईनेपडिकमेसमाधिसंतोषयकाकालअवसरआयांथकाकालमासेकालकरेकालकरीनेसोधर्मानामादेवलोके सोधर्मावतंसकएहवेनामेम हाविमानमोटेविमाने उत्तरपूर्वतिणनेमध्यईशानकूणेअरुणाभएहवेनामेविमाननेविषेदेवतापणेजइनेउपनोतिहांअरुणाभविमानविषे कितराएकदेवतानेच्यारिपल्योपमभाऊषानीस्थितिमर्यादाकहीछेतिहांआनंदएहवेनामेदेवतानीपिणतेहीजच्यारिपल्योपमनी स्थितिपणत्ताकही आणंदनामेश्रमणोपासक हेभगवन् देवतापणो

एवंखलुजंबूसमणेणंजावउवासगदसाणंपढमस्सअज्झयणस्सअयमट्ठे पण्णत्तेत्तिबेमि ॥ उपाशगदशानां प्रथमाध्ययनविवरणंसमाप्तम् ॥
अथ द्वितीयेकिमपिलिख्यते पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंतित्तिपूर्वरात्रश्चासावपररात्रश्चेतिपूर्वरात्रावपररात्रः सएवकालःसमयःका

चइत्ता। कहिंगच्छहिंति। कहिंउवज्जिहिंति। गोयमा। महाविदेहेवासे। सिज्झिहिंति
णिक्खेवो। सत्तमस्सअंगस्सउवासगदसाणंपढमंअज्झयणंसम्मत्तं ॥ १ ॥ जइणंभंतेसमणेणंजावसं
पत्तेणं सत्तमस्सअंगस्सउवासगदसाणंपढमस्सअज्झयणस्स अयमट्ठेपण्णत्ते। दोच्चस्सणंभंतेअज्झयणस्स

पालीदेवलोकनोआउखोपालीनेअणंतरेचवनकरीने किहांतेजास्ये किहांजईनेकिसीगतेउपजसी हेगौतम महाविदेहनामाक्षेत्रने
विषेउपजीनेसीजसीनिक्षेपःसातमाअंगउपासकदसाएहवेनामे तेहतणोप्रथमअध्ययननोअर्थसंपूर्णप्रमाणकह्यो १। जोहेभगवन् हे
पूज्यश्रमण भगवंतविद्यमानथके एहवोसातमांअंगउपासकदसाएहवेनामेअंग तेहतणोपहिलाअध्ययनतणोएहवाअर्थकह्याउपदिस्या

केअट्ठे पण्णत्ते। एवंखलुजंबू। तेणंकालेणं२। चंपाणामंणयरीहोत्था। पुणभद्दे चेइएजियसत्तुरा
या। कामदेवेगाहावई। भद्दाभारिया। छहिरणकोडीओणिहाणपत्ताओ। छवुड्ढिछपत्थिर।
छव्वया। दस१गोमाहस्सीएणं। वएणंसमोसरणं। जहाआणंदो तहानिग्गओ। तहेवसावयध
म्मंपडिवज्जइ। साचेववत्तव्वया।जावजेट्ठपुत्तंकुटुंबेयट्ठवेत्ता। मित्तनाइआपुछित्ताजेणेवपोसहसा

भाषा

हेभगवन् हेपूज्यवीजाअध्ययननाकेहवाअर्थउपदिस्या इणेप्रकारेखलुनिश्चय हेजंबू तिणेकाले तिणेसमेचंपाएहवेनामेनगरीहृती
हइपूरणभद्रएहवेनामाचैत्यतिहांजितशत्रुराजाराज्यकरे कामदेवएहवेनामेगाथापति भद्राएहवेनामेतेहनीभार्या छहिरण्यद्रव्य
नीकोड़िनिधानप्राप्तछेधरतीमेवूरीछेछकोड़िव्याजेवधेछकोड़िव्यापारेवधेछगोकल एकेकेव्रजेदसहजारगाइएहवाव्रजछे स्वामीसमो
सरयाजिमतरांआणंदगयोवांदवातिमएपिणवांदवागयोतिमहीजआणंदनीपरे श्रावकधर्मलीधोसाचेचतिमहीजवक्तव्यताभद्रानेकहे
यावत्शब्देवड़ावेटानेमित्रन्यातीनेपूछीनेअनुमतलेइनेकुटंववेपिठवीने जिहांपोसहसालाउपाश्रयतिहांआवेआवीकरीनेजिमआणंद

लविशेष: तलद्रमेयारूवेवस्सावासेपणत्तेत्ति वर्णकव्यासोवर्णकविस्तर:सीसंतिशिर: येतस्यगोकिल्लिंजन्ति गवांचरणार्थं यद्दंशदलमय मद्दाजनं तन्नोकिलंजंड्डसंतियदुच्यतेतस्साधोमुखीकृतस्य यत्संस्थानंतेनसंस्थितंतदाकारमित्यर्थ: पुस्तकांतरेविशेषणांतरमुपलभ्यते विगयकप्पयनिभंति विकृतोयोऽरंजरादीनां कल्पएवकल्पकच्छेद: पंडंकप्परिमिति तात्पर्यंतन्निभंतच्छटसमिति क्वचित्तु वियडकोप्प

ला । तेणेवउवागच्छइ२त्ता जहाआणंदेजावसमणस्सभगवओमहावीरस्सअंतिएधम्मपण्णत्तिंउवसं० विहरइ तएणंतस्सकामदेवस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगेदेवेमाईमिच्छदिट्ठी अंतियंपाउभूए तएणंसेदेवेएगंमहंपिसायरूवंविउव्वइ ।तस्सणंदेवस्सपिसायरूवस्स ।इमेएयारूवे । वणावासेपण्णत्ते ।

नीपरेयावत्पयदेश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरने समीपेधर्मनीउवसंपदादर्शनप्रतिमानोअवग्रहलेइनेविचरेतिवारपछीते कामदेवगाथापतिआधिरातनेहतणेसमयनेविषे एककोइमिथ्याद्दष्टीदेवताकामदेवगाथापतितेहतणे समीपप्रगटहुवोतिवारपछीतेदे वताएकमहामोटोपिसाचरूपनीविकुर्वणाकरेतिकेदेवतारोपिसाचनोरूपकेहवोछेएहवोएताद्दशरूपवर्णवायोग्यवर्णकवासकह्योवलीजे

टीका: रनिभंति इत्यत्रैतज्ञोपदेशगम्यं सालिभसेलसरिसंत्रीशीकणिगस्कसमावेतस्यकेशामाला: एतदेवमनतिकविवर्त्तएणंदिप्पमाणापिं गलदीप्तमारोचमाना: उड्डियाकभल्लसंठाणसंठियंउड्डिकाचषमयो महाभाजनविशेषस्तास्य: कमठ कपालंताव स्तानंतत्र स्थितंनिडा लंतिललाटं पाठांतरे नडिल्लउड्डियाकभल्लसरिसोवमेमवोड्डिकाकपालसहृशमित्येवसमुत्थ वेनोपमाउपमानयाथ पत्रात्तयामगुंस पुच्छं वभुजपरिसर्प्पविशेषोमुंगुंसाचपाडखिल्लत्तिसंभाव्यतेतत्पुच्छवत्तस्यतिपियाचरूपस्य भूमगाउत्तिभ्रु गौमस्तुतोपमार्थमेवास नतिफुग्गफुग्गाउत्ति परस्परासंबद्धरोभिके विकीर्णरोमिके इत्यर्थ: पुस्तकान्तरेतु जटिलजटिला उत्तिमतीतंविगयविभत्सदंसणा

मूल: सीसंसेगोकिलंजसंठाणसंठियं सालिभसेल्लसरिसासेकेसाकविलातेएणंदीप्पमाणामहल्लउड्डियाक भल्लसंठाणसंठियं णिडालंमुगंसपुच्छंवतस्सभुमुहाओ। फुग्गफुग्गाओविगयवीभच्छदंसणाओ सी

भाषा: स्वोगाडूचारिगानोसूंडिलोतेहनेसंस्थानमस्ताकछेजेहवाकूमरनामालसोद्वतेहवाकेसछेवलीकियलाकहताभूरादीपताझिलकतामोटी कं टडीनाकड्ढिलासरीपोसंस्थानछे निलाडजेहनोछिपकलीनीपुंछसरीषीभांपणजेहनीमाहोमाहिस्फणालागतीजोभरीयकीछेसी

उक्तिविक्षतं वीभत्सञ्चदर्शनं रूपंययोस्तेतयासीसघड़िविणिग्गयाणि शीर्षमेव घटीतदाकारत्वात् शीर्षघटिःतस्या विनिर्गतेद्ववविनिर्गते शिरोघटीमतिक्रम्य व्यवस्थितत्वात् अच्छिणीलोचने विक्षतवीभत्सदर्शने प्रतीतंकर्णौ श्रवणौयथासूर्पकर्त्तरमेवस्वरूपंखंडमेवनान्यथा कारीटप्पराकारावित्यर्थः विक्षतेत्यादितथैव उरभपुड़सन्निभाउरभ्र उरण स्तस्य पुटं नासापुटं तच्छन्निभातत्सदृशीनासानासि कापाठान्तरे ऊरभपुडसंठाणसंठिया तत्रऊरभोवाद्यविशेष स्तस्याः पुटंपुष्करं तत्संस्थानेसंस्थिता अतिचिपटत्वेन समत्वादिति भुसिरत्तिमच्चारंभाजमलचुल्लीसंठाणसंठियायमलयोः समस्थितद्वय रूपयोः चुल्लोर्यत् संस्थानंतत्संस्थितेद्वेअपि तस्य नासापुटे

सिघड़िविणिग्गयाईं। अच्छीणिविगयवीभच्छदंसणाइं कण्णाजहसुप्पकत्तरेचेव विगयवीभच्छदंस णिज्जा। ऊरभपुडसंनिभासेनासा। पुसिराजमलचुल्लीसंठाणसंठिया दोवितस्सनासापुडया। घोड

सघड़ीनीपरेमस्तकरूपघड़ीथीवाहिरनीकलीआंखभूंड़ोवीभामणोछेदर्शनकहतांदेखणोआंखिनोजेहनोकानकेहवाजेहवासूपड़ाछाज लाछोदूतेहतणीपरेभूंड़ाडरावणादीसताउरणासरीखीनासिकाजेहनीअथवासमस्तपणेमोटाविलक्ष वेतयाचुल्लानोजोड़ोतेसरीखा

नाशिकाविवरे:वाचनान्तरेमहल्लकुव्व संठियादोवितिकवोलातलचीणमांसत्वात्उन्नत्ता स्थित्वाच्चकुच्चन्तिनिम्नं चाममित्यर्थ: तत्स्थितौद्वावपिसेतस्यकपोलौगण्डौ तथा घोडगत्ति घोटकपुच्छ तदश्ववालधिवत्तस्यापिशाचरूपस्य श्मश्रूणिकूर्चकेशा: तथाकपिलकपिलानिअतिकडारानिविकृतानीत्यादितथैव पाठान्तरेण घोडयपुच्छंवतस्यकविलफरुसाओ उद्धेलोमाओदाढियाओतलफरुषेकर्कशस्पर्शे ऊर्द्धरोमिकेनतिर्यगवनतेत्यर्थ: दंष्ट्रिकेउत्तरौष्ठरोमाणिओष्टौदशनछदौउष्ट्रस्येवलंबौ प्रलंबोप्रलम्बमानौपाठान्तरेणउष्टासेघोडगस्सजहादोविलंबमाणातथाफालालोहमयकुशास्तच्छद्दशादीर्घत्वात्सेतस्यदंतादशना:जिह्वायथासूर्पकर्त्तरसेवनान्यथाकारोविकृतेत्यादितदेवपाठान्तरे हिङ्गुलुयधाउकंदरविलंवतस्य वयणं इति दृश्यते तत्रहिङ्गुलुकोवर्णद्रव्यंतद्रूपोधातुर्यत्रतत्तथाविधंयत्कन्दरवि

स्त्रत यपुच्छंवतस्समंसूइं कविलाइं विगयबीभच्छदंसणाइं उट्टाउट्टस्सचेवलंबाफालसरिसासेदंता जिब्भाज

भाषा दोविकाहतांदोनुं तेहनानाकपुडघोड़ानापुंछसरीखातेहना स्मश्रुनाकेसपीलाकावराछेवीहामणोछेदर्शनजिणारोहोठउंटनासरीखालांवांमोटाछेकुशसरीखादांतलांवांजीभसूपड़ाकातरीसरिखीछेइजेहनाविगताकारवीहां मणीएहवीजोभछेहलनेऊनेऊपरिहलवा

लंगुद्दालच्चणं रन्ध्रं तदिव तस्यवदनं ह्लकुद्दालत्ति ह्लस्योपरितनोभागतत्संस्थिते तदाकारे अति वक्रोदीर्घे येतस्य ह्णुयत्तिदंष्ट्रा विशेषोगल्लकडिल्लं चतस्यत्तिगल्लएवकपोलएवकडिल्लं मंडकादिपचनभाजनंगल्लकडिल्लं च समुच्चयेतस्यमिथाचरूपस्य खटंतिगर्त्तारंभ्राकारंनिम्नमध्यभागमित्यर्थः फुट्टन्तिविदीर्णंअनेनैव साधर्म्येणकडिल्लमित्युपमानंक्षतंकविलंतिवर्णतःफरुसंति स्पर्शतःमहल्लंति महत् तथामृदंगाकारेणमर्दलाक्षत्योपमायस्यसमृदंगाकारोपमःयेतस्यस्कन्धोंयदेश :पुरवरेत्तिपुरवरकपाटोपमंयेतस्यवच्चउरस्थलंविस्तीर्णत्वादिततथाकोष्टिकालोहादिधातुधमनार्थं मृत्तिकामयीकुस्थलिकातस्यायत्संस्थानंतेनसंस्थितौ तस्य द्वावपिवाऊभुजौस्थूलावित्यर्थः

हसुं प्पकत्तरं चेव विगयवीभच्छदंसणिज्जा हलकुद्दालसंठियसेहणुयागल्लकडिल्लं वतस्स खटंफुट्टं कविलंफरिसंमहल्लंसुइंगाकारोवमेसेखंधे पुरवरकवाडोवमेसेवच्छे कोट्ठियासंठाणसंठिया दोवितस्स

णीतेसरीखीदाढीछेगालकाड़हिलाजिसाखंडफटायकाकमिणकठोरफरसमोटावड़ामादलनेआकारे खांधाछेजेहनाजेहवानगरनीप्रोलिनाकिमाड़तेहवाजेहवोछेहियोजिणरोवलीजेहवीकोठीमाटानीऊवेतसरिषीछेदोनुं भुजास्थूलछेसिलानालोढासरिखीजाड़ीएहवे

उ०टी० ६०

तथानिसापाहणोत्तिमुद्गादिदलनशिलातत्संस्थितौ ह्युलत्वस्थूलत्वाभ्यां द्वावपिअग्रहस्तौभुजयोरग्रभूतौकरावित्यर्थः तथानिसालोढो त्तिशिलापुत्रकस्तत्संस्थानसंस्थिताहस्तयोरंगुल्यःस्थूलत्वदीर्घत्वाभ्याम्तथासिप्पिपुडंतिशुक्तिसंपुटस्यैकंदलंतत्संस्थितास्तमनखत्तिनखा हस्तांगुलिसंबंधिनःवाचनान्तरेतुइदमपरमधीयतेअडालगसंठिओउरो तस्मरोम विलोत्तिअतअडयालत्ति अट्टालकः प्रकारावयवः संभाव्यतेतत्साधर्म्यं चोरसःक्षामत्वादिनेति तथाबहावियएपसेवउत्तिनापिततत्प्रसेवकद्भवनखगोधकक्षुरादिभाजनमिवउरसिवक्षसि

सूत्र

वाहा निसापाहणसंठाणसंठियातस्सदोविहत्थाणिसालोढसंठाणसंठियाओ । हत्थेसुअंगुलीओ । सिप्पिपुडगसंठियासिणहा एहावियपसेवउच्चउरंसिलवंति दोवितस्सथणया पोट्टअयकोट्ठउववत्तं ।

भाषा

संस्थानेसिलानीपरेवेहाथनीहयेलीछेसिलानेलोढ़ासारीखोछे जेहनीहाथनीअंगुलीयानोसंस्थानजेहवाएकसीपनापुटहुयेतेसरिखा हाथनानखछेजेहवीनाईनेराछराखयानीरछानीहोइतेनेसंस्थानेदोइतेहनास्तनछे चलछेजेहनाजेहवोकोटनोवुरजसरीखोमध्यउ ड़ोपेटछेजेहवोपाणिपीवानोवामहोइ तेसरीखीनाभिजेहनीजेहवाछीकाहोइतेसारिखायांकापुंदछे जेहनाजेहवीकालीगूणछाटीसा

लंवित्तिप्रलंबमानौतिष्ठत: द्वावपितस्यस्तनकौ वच्चौजौतयापोट्टंजठरंअयकोष्टकवल्लोहकुम्भूलवत्वृत्तं वर्तुलंतथापानंधान्यरससंस्कृतं जलंयेनकुविंदाश्चीवराणिपाययंतितस्यकलंदंकुंडपानकलंदंतच्छद्दयोगंभीरतयाचेतस्यनाभिर्जठरस्यमध्यावयव:वाच नान्तरेधौतंभग्ग कडीविगयवं कपिट्ठीअसरिसादोवितस्यफिसग्गतलभग्नकटिविक्रतवक्रपृष्टि: फिसकोपुतौतयासिक्काकंदध्यादिभाजनां दवरकमयमाका ग्रेऽवलंबनंलोकेप्रसिद्धंतत्संस्थानसंस्थितंचेतस्यनेत्तंमिथिदंडाकर्षणरज्जु: तद्वद्दीर्घतयातन्नेत्तंश्चे फउच्यते तथाकिन्नपुडससंठाणसंठिए त्तिसुरागोणकरूपतंडूलकिण्वभृतगोणीपुटद्वयसंस्थानसंस्थिताविति संभाव्यतेद्वावतितस्य वृषणौपोत्तकौतथाजमलकोट्ठियत्तिसमतया

पाणाकलंदसरिसासेणाभौ सिक्कगसंठाणसंठितेसोपोत्ते किण्णपुडसंठाणसंठिया दोवितस्सवसणा जमलकोट्टियासंठाणसंठिया तस्सदोविऊरू अज्जुणगुट्ठंवतस्सजाणूइं कुडिलकुडिलाइं विगयवीभ

रीखादोविकहताँदोनुप्रतोलच्छेजेहनाजमलकहतांजोड़ कोठीजेहवीतेसरीखादोनुच्छे जांघांजेहनी अर्जुन एहवेनामाटणविशेषचोइ तेसरीखीछेजेहनीपीड़ीजेहनीडरावणोछेदर्शन देखणोजेहनीजांघांनोअनेमांसेकरीनेरहतअनेलोमरोमेकरीव्याप्तभरीछे जेहवीपा

व्यवस्थापितकुम्भूलिकाद्वयसंस्थानसंस्थितौद्वापपितस्य उरूजंघेतयाग्रज्जुणगुच्छंवन्तिमर्जुनतृणविशेषस्तस्यगुच्छं सावकसद्वत्तस्यजानुनी अनंतरोक्तोपमानसाधर्म्यं व्यनक्तिकुटिलेग्रतिवक्रेविलतयोभवदृगने तथाजंघेजान्वोरधोवर्त्तिन्यौकरकडीउत्तिकठिनेनिर्मांसे इत्यर्थः तयारोमभिरुपचितेतया अधरीपेषण शिलातत्संस्थानसंस्थितौद्वावपितस्यपादौतयाअधरीलोटःशिलापुत्रकस्तत्संस्थानसंस्थिताःपाद योरंगुल्यःशुक्तिपुटसंस्थिताःसेतस्यपादांगुलिनखाः केशाग्रानखाग्रंयावद्वर्णितं पिशाचरूपमधुनासामान्येनतद्वर्णनायाहलडह मडउ जाणुएत्तिद्रूमसायेलडहशब्देनगन्त्र्याःपश्चाद्भागवर्तितद्वत्तंगरक्षणार्थं यत्काष्ठंतदुच्यतेतद्वगन्त्र्याक्षयंधनंभयतिएवंचतस्यसंबंधधनस्या



च्छदंसणाइं जंघाओकरकडीओ लोमेहिंउवचियाओ अधरीसंठाणसंठिया दोवितस्सपाया अह रीलोढसंठाणसंठियाओ पाएसुअंगुलीओ सिप्पिपुडसंठियासेणहा लडहमडहजाणुए विगयभग्ग



पाणनीशिलातेहसरीषा दोनुंछेपगजेहनाजेहवीसीलानी लोढीजेवेतेहवीपगानी अंगुलीछेजेहनीजेहयासीपनापुडसरीषापग नानखछे ढीलाछेसांधिनाबंधण जेहनाग्रवदालितकहतांफाट्योछेमुखरूपीकुहरजिणेकाढ्योछे जीभनोअग्रभागसरटकाकीडानीकी

लडहडवलडहेमडाहेचस्थूलत्वाल्पदीर्घत्वाभ्यांजानुनीयस्यतत्तथाविक्षते विकारवत्यौ भुग्नेविसंस्थलतयाभुग्ने वक्रेभ्रुवौयस्यापिशाचरूप स्यतत्तथा इहान्यदपिविशेषणचतुष्टयंवाचनांतरेतु अधीयतेमसिमूसंगमाहिसकालएमपीमूषिकामहिषवत्कालकंभरियमेहवन्नंजल भृतमेघवर्णंकालमेवेत्यर्थः लंबोष्ठेनिर्गतदंतेप्रतीतंतत्तथाअवदारितंविदृतीकृतंवदनलक्षणंविवरंयेम तत्तथा तथानिर्लालितानिष्का सिताअग्रजिह्वाजिह्वायाअग्रभागोयेनतत्तथा ततः कर्मधारयः तथाशरटैः कृकलासैः कृतमालिकस्रग्सुखंवक्षसियेन तत्तथा उंद

भुग्गभमुए ।अवदालियवयणविवरनिल्लालियअग्गजीहेसरडकयमालियाए उंदरमालापरिणद्धसुक यविहेणउणकन्नपूरेसप्पकयवेगच्छे अप्फोडंतेअभिगज्जंतेभीमसुक्कट्टहासेणाविहपंचवन्नेहिंलोमे

वीक्षमालाजिणेउंदरानीमाला पहरीछे कंठेजिणेभलीपरेकीधोछे नोलीयानोकर्णपूरआभरणजिणेसापनोवीछुवानोकीयोछे उ त्तरासंगहायपगभूमस्उआस्फालतो गाजतोयकोरौद्रअट्टहासकरतोयकोनानाप्रकारपंचवर्णरोमेकरीभरीछे कायाजेहनीलोमरोमे करीने एक वड़ो मोटोनीलोत्पलकमलसरिषोनीलगुलीसारिखोवली अलसीनाफूलसरीखोनीलोखड़गतरवारखंडोपाछणानीधार

रमालयास्तपकस्त्रजापरिगाढंपरिगतं मुक्तं सुटुरचितंचिक्कं सुजीवलाञ्छनं येन तत्तया तयानकुलाभ्यां यनभ्रुभ्यां कृते कर्णपूरे आभरणविशेषौयेनतत्तथासपर्श्वांसतं वैकक्षमुत्तरासङ्गोयेनतथापाठान्तरेण मूसगकयभूंभलएविछु यच्छे सप्पकयजुम्भोयद्एतत्रभुंभुल उत्तिगेपर: विच्छुयन्तित्यिका: यज्ञोपवीतंब्राह्मणकण्ठसूत्रंतयाप्यभिन्नमुखनयणनयरयग्गचित्ताकित्तिनियंसगेभिन्ना: अविशीर्णा मुखनयननखायस्यांसातथासाचसैवरवव्याघ्रस्यचिताकर्पूराकृतिसन्नमेतिकर्मधारय: सानिवसनंपरिधानंयस्यतत्तयासरकरुधिरमंसा

मूल

हिंडवचियं एगंमहंनिलोप्पलगवलगुलिय अयसिकुसुमप्पगासं असिंखुरधारंगहाय । जेणेवपोस हसाला । जेणेवकामदेवेसमणोवासए । तेणेवउवागच्छइ२त्ता । आसुरत्ते । रुट्ठेकुविए । चंडिक्को

भाषा

सरीखोतीखोजिणेदिसीपोसहसालांछे जिणेदिसीकामदेवश्रमणोपासकश्रावकतिहांआवे आवीकरीनेआरक्तलोचनयकोरुठो थको कोप्योयकोमोधातमाङ्कवोयको धमधम्योछे रीसेकरीकामदेवश्रावकनेएवंवयासीएवोकहे अरेकामदेवश्रमणोपासकश्रावकअप्रार्थि तमरण तेहनावांछणहारतुछो छालक्षणनो धणीकालीचउदसनो जायालक्ष्मीलाजबुद्धिजसतिकांकररहितधर्मकूप

वलित्तगत्तेसरसाभ्यांरुधिरमांसाभ्यामवलिप्तं गात्रंयस्यतत्तथाआस्फोटयन्करास्फोटंकुर्वन्नभिगर्जन्घनध्वनिमुञ्चन्भीमोमुक्तः कृतोऽट्टहासोहासविशेषोयेनतत्तथानानाविधपंचवर्णैरोमभिरुपचितमेकं महन्नीलोत्पलगवलगुलिकाअतसीकुसुमप्रकाशमसिंक्षुरधारंगृहीत्वायत्रपौषधशालायांयत्रकामदेवश्रमणोपासकस्तत्रोपागच्छतिस्म ति इहगवलंमहिषशृङ्गंगुलिकानीलीअतसीधान्यविशेषःअसिःखड्गं क्षुरस्येवधारायस्यातिछेदकत्वात्सौक्षुरधाराःआसुरुत्तेरुष्टेकुविएचंडिक्किएमिसिमिसीयमाणेत्तिएकार्थाः शब्दाः कोपातिशयप्रदर्शनार्थाः अप्पत्थियपत्थियाअप्रार्थितप्रार्थिकः दुरंतानिदुष्टपर्यवसानानिप्रांतान्यसुन्दराणि लक्षणानि यस्यसतथा हीणपुण्णचाउद्दसत्तिहीना

ए। मिसिमिसियमाणे। कामदेवस्स। एवंवयासी। हंभोकामदेवासमणोवासया। अप्पत्थियपत्थियादुरंतपंतलक्खणा हीणपुणचाउद्दसियासिरि हिरिधिकित्ति० जावपडिवज्जिया धम्मकामया।

चारित्रवांछे छे पुण्यशुभफलरूपपुर्णस्वर्गवैमानिक नासुखमोक्षकर्मक्षयधर्मनोवांछणहारधर्मरूपतपानोपीवणहारनही खलुनिश्चयनकल्पे तवतुभनेदेवानुप्रियअइसीलीअणुव्रतादिकरागद्वेषादिविरमणाछे पच्चक्खाणपोषधोपवासनुपालिवोचालावोनसकेछोभावी

टी॰
८६

असंपूर्णापुण्याचतुर्दशीतिथिर्जन्मकालेयस्यसहीनपुण्यचतुर्दशीकस्तस्यामन्त्रणंश्रीश्रोऐतिहीश्रीवर्जितेतित्यक्तं तथाधर्म्मं श्रुतचारित्र लक्षणंकामयतेभिलषतिय:सधर्मकामस्तस्यामन्त्रणं हेधर्म्मकामयाएवंसर्वपदानिनवरंपुण्यं शुभप्रकृतिरूपंकर्मस्वर्गस्तत्फलंमोक्षोधर्म फलंकांक्षाचभिलाषातिरेका:पिपासाकांक्षातिरेका: एवमेतै:पदैरुक्तरोक्तराभिलाषप्रकर्षउक्त: णोखलुकप्पइत्यादिनखलुनैवकल्पन्तेशी लादीनिचलयितुमितिसंबंध:देवताभि:सर्वत:कंपयितुंदिव्यांतान्यहंनचलयामि ततोहंतान्युपशान्तगल्पं करोमीति भावार्थ:तत्रशीला न्यणुव्रतानिव्रतानिदिग्व्रतादीनिविरमणानिरागादिविरतय: प्रत्याख्यानानिनमस्कारसहितादीनिपौषधोपवासमाहारादिभेदेन

सूत्र

पुणसग्गमोक्खधम्मकंखियाइ । धम्मपिवासियाइ । णोखलुकप्पइ । तवदेवा॰ । सीलाइंवयाइं ।
वेरमणाइंपच्चक्खाणाइं । पोसहोववासाइं चालित्तएवा खोभित्तएवाखंडित्तएवा भंजित्तएवा ।

भाषा

नमके धंडावीनसकेभंगावीनसकेछोडीनसके परिणामस्थापणेकोदिशाभांजिवेभजजेवाणिव्रतादिकनें यावत्शब्देपोसहोउपवास
अनेपच्चक्खाणनहीओछोडेजोनहीभांजेतुं तोआजनेइंद्रीपरणे नीलोत्पलकमलसारीखेयावत्षड्गेकरी खंडखंडतुभनेकरीसकिस

चतुर्विधान्चालित्तएभंगकान्तरकरणत:चोभयितुमेतत्पालनविषयंचोभंकर्त्तुंखण्डयितुं देशतोभंक्तुं सर्वत:उज्झितुं सर्वस्यदेशविरतेस्त्या
गत:परित्यक्तुं सम्यक्तस्यापित्यागादितिअट्टदुहट्टवसट्टे तिआर्त्तस्यध्यानविशेषस्ययोदुहट्टत्तिदुर्घटोदुस्थगोदुर्निरोधोवश: पारतन्त्र्यं तेन
ऋत: पीड़ित:आर्त्तदुर्घटवशार्त्त:अथवाआर्त्तोनदु:खार्त्तआर्त्तदुखार्त्तस्तथावसेन च विषयपारतंत्रेणऋत: परिगतोवशार्त्तस्तत:कर्मधारय

उज्झित्तएवा। परिचइत्तएवा तंजइणंतुमंअज्जसीलव्वयाइं जावपोसहोववासाइं णच्छंडसि। ण
भंजेसि। तोअहंअज्जइमेणं। णीलुप्पलेणजावअसिणा। खंडाखंडंकरेमि। जहाणंतुमं। अट्टदुह
ट्टवसट्टे। अकालेचेव। जीवयाओववरोविइज्जसि। तएणंसेकामदेवेसमणो०। तेणंदिव्वेणंपिसाय

रेणं आर्त्तध्यानरौद्रध्याननेवसेकरीने मरणकालविना जीवतव्ययकीविनाशपामसी तिवारे तेकामदेवश्रावकतेहदेवतानेपिशाच
रूपेकरीने एहवोकह्योथके वीहानहीतासपिणपाम्योनही मनमांहिखेधनधर्योमनमाहिचोभनहीपाम्यो ठामथकीनचल्योअसंभ्रांत

रूवेणं। एवंवुत्तेसमाणे। अभीएअतत्थेअणुव्विग्गे। अक्खुभिएअचलिये। असंभंतेतुसणीएधिम्मइ
धम्मज्झाणोवगएविहरइ। तएणंसेदिव्वेपिसायरूवे। कामदेवंसमणोवासयं। अभीयंअतत्थं जाव।
धम्मज्झाणोवगयंविहरमाणंपासइ२त्ता। दोच्चंपितच्चंपिकामदेवं। एवंवयासी। हंभोकामदेवास॰
अपत्थियपत्थिया। जइणंतुमंअज्जजाव। ववरोविज्जसि। तएणंसेकामदेवेस॰। तेणंदिव्वेणं। दोच्चं
पितच्चंपि। एवंवुत्तेसमाणेअभीएजाव। धम्मज्झाणोवगएविहरइ। तएणंसेदेवेपिसायरूवे। काम

भाषा

थकोथ्यगयोस्योरक्षो धर्मरूपीध्याननेविषेविचरे तिवारपछीते देवतादिनाथरूपकामदेवश्रमणोपासकने अविहतो यत्नवंतो शंको
धर्मध्यानमेनिश्चलथकोविचरेएहवोदिठोएकवोदेखीने तेबीजीनेत्रीजीवारतीभीवारकामदेवने एहवोवचनकहे यरेकामदेवश्रम
णोपासक अप्रार्थितमरणनावांछणहार जोतुंकिवणांपाजव्रतपच्चक्खाणनभीभांजेतोउंतुझनेमारस्युं तिवारेतेकामदेवजावत

इति अभीते इत्यादीन्येकार्थान्यतिभयप्रकर्षप्रदर्शनार्थानि तिवलियंति त्रिवलीकां भृकुटीं दृष्टिरचनाविशेषंललाटेसंहृत्यविधायेति चालयितुमन्यथाकर्त्तुं चलनंचद्विधासंशयद्वारेणविपर्ययद्वारेणच तलक्षोभयितुमितिसंशयतोविपरिणामयितुमितिच विपर्ययतः श्रांता

देवंस० । अभीयंजावविहरमाणंपासइ२त्ता । आसुरत्ते४ । तिवलियंभिउडिं णिडालेसाहट्टु । का मदेवंस० । नीलुप्पलजावअसिणा । खंडाखंडंकरेइ । तएणंसेकामदेवेस० । तंउज्जलंजावदुरहियासं

तेपिशाचरूपदेवताबीजीवारतीजी वारइसोकह्यायकां निर्भीकथको यावत्शब्दे निडरथको धर्मरूपी ध्यानकरतोथको विचरेति वारपछीतेदेवतापिशाचरूपथको कामदेवश्रमणोपासकने अभीतनिडरथकोविचरे विचरतोदेखीकरीने आंखलालकरीनेकोप्यो तिवलीनिलाडमायेचाढी भीषणडरणीकइकामदेवश्रावकने नीलोत्पलकमलतिणकमलसरीखोखड्गतिणे करदेवताखंडखंडकरे तिवारपछीतेकामदेव श्रावकतिकाउजलीयावत्शब्देसहितांदोहिली एहवीवेदनाभलीपरेसहे तिवारपछीतेदेवपिशाचरूपकामदेव

उ०टी० [illegible]

१०० संवियगंमम्मंसकहृ॥ जावत्रकियासिंदृ। तएगंसेद्रिव्वेपि० कामदेवंस०। अभीयंजावचिन्नमाणंपास
इ२। जावनोसंचाएइ। कामदेवंस०। निग्गंथाओपावयणाओ। चालित्तएवा। खोभित्तएवा। वि
परिणामंतएवा। ताहेसंतेपरितंते। सणियं२पच्चोसक्कइ२त्ता। पोसहसालाओपडिनिक्खमइ२त्ता।
दिव्वंपिसायरूवंविप्पजहइ। दिव्वंएगंमहं हत्थिरूवंविउव्वइ। सत्तंगपइट्ठियंसम्मंसंठियं। सुजाय

सूत्र

भाषा [illegible]

पचयात् संस्थितंगजलक्षणोपेतंसकलांगोपांगत्वात् सुजातमिवसुजातं पूर्णोदिनजातंपुरतोग्रतउदग्रं उच्चंसमुच्छ्रितशिरइत्यर्थः पृष्ठतः पृष्ठदेशेवराहःसूकरःसइववराहःप्राकृतत्वान्नपुंसकलिङ्गताअजायाइवकुक्षीयस्यतदजाकुक्षिअलंबकुक्षीप्रलंबत्वेनप्रलम्बोदीर्घोलम्बोदर स्येवगणपतेरिवाधरौष्ठः करश्चहस्तोयस्यतत्प्रलम्बोदराधरकरंअभ्युद्गतमुकुलाआयतकुड्मलायोमल्लिकाविचकिलस्तद्वत् विमलोधवलो

पुरओदेगंपिट्ठतोवराहं ।अयाकुच्छिंअलंबकुच्छिं। पलंबलंबोदराधरकरं । अभुग्गतमउलमल्लिया। विमलधवलदंतं । कंचणकोसीपविट्ठदंतं । अणामियचावललितसंवेल्लित । अग्गसोडं । कुम्भपडि पुन्नचलणंवीसइनखं। अल्लीणयमाणजुत्तपुच्छं । मत्तमेहमिवगुलगुलेंतं । मणपवणजणियवेगं ।

सूंडिउंदरगणेशनीपरेलांबोपेटजेहनो अस्तवकुलमालतीसरिखाजेहवा धवलादांतछे जेहना वलीजेहनेसोनानीखोलछेदांतेकां ईकनमायोधनुषतेहनीपरेसंकोच्योछेसूंडनोअग्रभागजिणेवलीकाछवानीपरेप्रतिपूर्णचरणवीसजेहनेनखछेअल्लीणकहतांप्रमाणोपे तपुंछजेहनोमदोन्मत्तमेहनीपरेगजारवकरतो मनअनेपवनजेहनोजीतोछेवेगजिणेएहवोवडोहाथीनोरूपविकुर्वेजिहांपोसहसाला

दंन्तौयस्यअथवामाद्यतत्वान्मल्लिकामुकुलयदभ्युन्नतावुन्नतो विमलधवलदन्तौयस्यतदभ्युन्नतमुकुलमल्लिकाविमलधवलदंतंकांचनकोशीप्र
तिष्ठदन्तंकोशीतिप्रतिमात्र्यानामितमीपन्नामितंयस्यापंधनुसाहद्यालल्लिताचविलासयतीसम्बेल्लिताचवेल्लंतीसंकोचितांवाअग्रशुण्डास्य

सूत्र

दिव्वंहत्थिरूवंविउव्वइ । जेणेवपोसहसाला । जेणेवकामदेवेस० । तेणेवउवागच्छइ२त्ता । काम
देवंएवंवयासी । हंभोकामदेवातहेवभणइ । जावणभंजेसि । तोते अज्जअहंसोंडाए । गेण्हामि२
त्ता । पोसहसालाओणीणेमि२त्ता । उड्ढंवेहासंउव्विहामि२त्ता । तिक्खेहिंदंतमुसलेहिं । पड़ि

भाषा

छे जिवारेकामदेवश्रमणोपासकतिणेठिकाणेआवेआवीनेकामदेवश्रावकनेएमबोलकहे रेभोकामदेवश्रावकपूर्वकह्योतिमहीजकहेजोतुं
व्रतनथीभाजे तोहूंआजतुजनेसूंढेकरीने पकड़ीसपकड़ीने पोसहसालाथीबाहिरलेइजाअुलेइने ऊचोआकासेउछ्‌ाळिसउछ्‌ा
ळीकरीनेतीखादांतमुसलसरीखातिणेकरीने तुजनेपीडाकरिसनीचोनाखीधरतीतलनेविषे तीनवारपगथकीलोलस्युं जिवारेतु

च्छामिअहेधरणतलंसि। तिक्खुत्तोपाएसुलोलेसि। जयाणंतुमं। अट्टदुहट्टवसट्टे। अकालेचेव। जीवियाओविवरोविज्जसि। तंसिकामदेवेस०। तेणंदिव्वेणंहत्थिरूवेणं। एवंवुत्ते। समाणे अभीएजावविहरइ। तएणंसेदिव्वेहत्थिरूवे। कामदेवंसमणोवासयंअभीयं। जावविहरमाणंपास इत्ता। दोच्चंपितच्चंपिकामदेवं। एवंवयासी। हंभोकामदेवा। णोविहरइ। तंसिदिव्वेहत्थिरूवे

आर्त्तरौद्रध्याननेवसंकरीनेअकालसरणेऊंतुजनेजीवयकीरहितकरीस तिवारपछीकामदेवश्रावक तिणेमोटदेवेहाथीनेरूपेकरीने एहवावचन सांभलीनेपणभयकांइनथयोअभीतनिडरथकोविचरे तिवारपछीतेहस्तीरूपदेवता कामदेवएहवेनामाश्रमणोपासकश्रावकने निडरथको यावत्धर्मध्यानेविचरतोथकोदेखेदेखीकरीने दोइवारतीनवारकामदेवश्रावकने एहवोवचनकहे रेहोकामदेवश्रावकतिमजी जपूरवरीचूकावें तिवारेदेवताहाथीने रूपेकरीकामदेवश्रावकनेनिर्भयथकोएहवोजाणेजीणीनें एहवोविचरतोथकोदेखेदेखीनेलाज

कामदेवंसमणोवासयंअभीय । विहरमाणंपासइ२त्ता । आसुरत्ते४ । कामदेवंसमणोवासयं । सों
डाएगिण्हेइ२त्ता । उड्ढंविहासंउव्विहइ२ता । तिक्खेहिंदंतमुसलेहिं । पडिच्छइ२त्ता । अहेधरणि
तलंसि । तिक्खुत्तोपाएसुलोलेइ ।तएणंसेकामदेवे । तंउज्जलंजावअहियासेइ । तएणंसेदिव्वेहत्थि
रूवे । कामदेवंजावनोसंचाएइ । जावसणियं२पच्चोसक्कइ२ । पोसहसालाओ । पडिणिक्खमइ२

भाषा

घांयकरीनेकोप्योकामदेवश्रमणोपासकश्रावकने सुंडादंडरूंपकड़ेपकड़ीने ऊंचोआकाशेलेइनेउच्छालेउच्छालीने तीखाजेजना
दांततिणेमुसलयकी पड़तोयकोझालेझालीनेअधरतीयेंनाखे तीनवारपगसुंलोलेचांपेचापीने तिवारेतेकामदेवश्रावकतिकेउजलो
तीव्रवेदनानेसहे तिवारेतेदेवताहाथीनेरूपकामदेवश्रावकनेचूकावीनसके यावत्गधेकलवेकलयेपाछोवले पोसहसालाऊंतीपाछो
नीकलेपाछोनीकलीने दिव्यहाथीनोरूपतेहनेछोड़ेछोड़ीने एकएकवोमोटोकालंदारसर्पनोरूपविकुर्वे पलीकेहवोछेउग्रविषदृष्टीविष

गडाग्रं यस्य तत्तथा कूर्मवत् कूर्माकाराः प्रतिपूर्णाश्चरणा यस्य तत्तथा विंशतिनखमालीनप्रमाणयुक्तपुच्छमिति कण्ठ्यं उग्गवीसंइत्यादीनिस
र्परूपविशेषणानि क्वचिद्यावच्छब्दोपात्तानि क्वचित्साक्षादुक्तानि दृश्यन्ते तत्र उग्रविषं दुरधिसह्यं विषं चण्डविषमल्पकालेनैव दष्टशरीरव्यापक
विषत्वाद् घोरविषं मारकत्वान्महाकायं महाशरीरं मषीमूषाकालकं नयनविषेण दृष्टिविषेण रोषेण च पूर्णं नयनविषरोषपूर्णं अञ्जनपुञ्जा

दिव्वं हत्थिरूवं विप्पजहइ२त्ता । एगं महं दिव्वं सप्परूवं विउव्वइ । उग्गविसं दिट्ठीविसं । महाकायं म
सीमूसाकालगं । नयणविसरोसपुण्णं । अंजणपुंजनिगरप्पगासं । रत्तत्थं लोहियलोयजमलजुयलं
चंचलजीहं धरणियलवेणिभूयं । उक्कडफुडकुडिलजटिल । कक्कसवियडफुडाडोवकरणदत्थं । लोहा

मोटो छे शरीर मसि सरिखो कालो अत्यंत छे नयणने विषे विषरूपी रोस भर्यो जेहवो कालो काजल तेहना ढिगसरीखो राता जेहवा लोहिता
वरल सारीखी आंख जेहनी वली जोडेलां वील पल पाट करती चंचल जीभ पृथिवीरूप जेस्त्रीने वेणीभूत छे उत्कुटक हतां वडा मोटा वरतो कुटि
लकर्कश विस्तीर्ण फणानो मोटो आडंबर फणाटोपकी धो छे जेहवा लोहना आगर धमधमाटकरे तेहनी परे शब्दकरतो महावी हामणो किल

नांकज्वलोत्करागांयोनिकरः सन्दशस्तद्वत्प्रकाशो यस्य तदञ्जनपुञ्जनिकारप्रकाशंरक्तं लोहितलोचनं यमलयोः समस्तयोर्युगलद्वयं चञ्चलयोरत्यर्थं चपलयोर्जिह्वयोर्यस्तदुयमलयुगलचञ्चलजिह्वं धरणीतलस्यवेणीवकेसम्बन्धविशेषप्रकरणात्वद्दीर्घत्वाभ्यामितिधरणीतलवेणिभूतमुत्कटीनभिभवनीयत्वात् स्फुटोव्यक्तोभासुरतयाहृश्यत्वात् कुटिलोवक्रत्वात्जटिलःकेशसटायोगात्कर्कशोनिष्ठुरोनम्रतायाअभावात्विकटोविस्तीर्णोयःस्फुटाटोपःफणाडम्बरंतत्करणेदक्षःउत्कटस्फुटकुटिलजटिलकर्कशविकटस्फोटाटोपकरणदक्षंतयालोहागरधम्ममाणधमधमंतघोसंलोहाकरस्येवध्मायमानस्यभस्त्रावातेनोद्दीप्यमानस्य धमधमायमानस्य धमधमेत्येवंशब्दायमानस्यघोषःशब्दोयस्य तत्तयाद्भुतचविशेषणस्यपूर्वनिपातः प्राकृतत्वादितिश्रणागलितचंडरोसंश्रनाकलितोऽपरिमितोऽनर्गलितोवानिरोद्धुमशक्यस्तीव्रःप्रचण्डोऽतिप्रकटोरोषोयस्य तत्तयासरसरस्मन्ति लौकिकानुकरणभाषापच्छिमेणंभागएणंतिपुच्छेनेत्यर्थः निकुट्टिमेत्तिनिकुट्ट

सूत्र गरधम्ममाणधम्मंतघोसं । अणागलिअतिव्वचंडरोसं । सम्पकूवंविउव्वित्ता । जेणेवपोसहसाला ।

भाषा किलाटकरतोऽतिरौद्ररूप एहवोसर्पनोरूपविकुर्वेविकुर्व्वीने जिणेदिसीपोसहनीपोसहसाल जिणेदिसीकामदेवश्रावकतिहांतेसर्प

जेणेवकामदे० । तेणेवउवागच्छइ२त्ता । कामदेवं एवंवयासी । हंभोकामदेवा । जावणसंजेसि । त
ओअज्जेवअहं सरसरस्सकायंदूरूहामि२ । पच्छिमेणंभाएणंतिक्खुत्तो । गीवंवेढेमि२त्ता । तिक्खा
हिंविसपरिगयाहिं । दाढाहिंउरसिचेवनिकुट्टेमिजहाणंतुमं । अट्टदुहट्टअकालेचेवजीवियाओवव
रोवज्जसि । तएणंसेकामदेवेसमणोवासए । तेणंदिव्वेणंसप्परूवेणं । एवंवुत्तेसमाणे । अभीएजाववि

आवेआवीने कामदेवश्रावकनेएहवोकहे रेह्नोकामदेवश्रावकजोतुं ताहरोव्रतनहीभांजसी तिवारेतोहुं आजहीजताहरेशरीरउपरे सरसराटकरतोचढीसचढीने पाछिलोभागतिणेकरीनेतीनवारकरीनेताहरी ग्रीवागर्दनवीटीसवीटीने तीखाजेमाहरादांतविषेकरी नेभरयायका विषभरीडाढसुं तुजनेडसीसताहरेसर्वशरीरमाहे विषपसरस्ये जिवारेतुं आर्त्तरौद्रध्यानेकरीनेअकालमरणपामसी जीवेकरीनेरहितहुसी तिवारेतेकामदेवएहवेनामाश्रावक तिणेदेवतायेसर्परूपदूणेप्रकारेकह्योथके निर्भयथकोयावत्धर्मनेविषेविचरे तेदेवतावीजीवारतीजीवारएहवोकहे कामदेवश्रावकधर्मनेविषेविचरे तिवारपछीते देवतासर्पनेरूपे कामदेवएहवेनामेश्रावकने

याभिप्रद्गिस उज्जलंति उज्जलांविपचलेगेंनाप्यकलङ्कितां विपुलांगरीरव्यापकत्वात्। कर्कशांकर्कशद्रव्यमिवानिष्टांमगाढांप्रकर्षयतींचं

सूत्र

हरइ। सोविदोच्चंपितच्चंपिभगइ। कामदेवोजावविहरइ। तएणंसेदिव्वेसप्परूवे। कामदेवंसम
णोवासयं। अभीयंजावपासइ२त्ता। आसुरत्ते। कामदेवस्ससरसाकायं। दूरूहइ२त्ता। पच्छिम
भाएणंतिक्खुत्तोगीवंवेढेइ२त्ता। तिक्खाहिंविसपरिगयाहिंदाढाहिं। उरंसिचेवनिकुट्टेइ। तएणं
कामदेवेतं। उज्जलाजावअहियासेइ। तएणंसेदिव्वेसप्परूवे। कामदेवं। अभीयंपासइ२त्ता। जा

भाषा

निर्भयपणोदेखेदेखीकरीने क्रोधकरीनेकोप्योकामदेवनामाश्रावकतेहने शरीरेसरसराटकरतोचढेपश्चिमभागपूंछडेकरीनेतीनवला
कादेइशरीरनीग्रीवावींटेवींटीने मच्छातीखीविषेकरीनेसहितएहवीतीखीदाढांकरीने उरहीयेनेविषेडंकदेवे तिवारेकामदेवश्रावक
तिणे उजलीकठोरवेदनानेसरीरेकरसहे तिवारपछीतेदेवतासर्परूपकामदेवश्रावकनेनिर्भयपणोदेखेदेखीकरीने जिवारेसूकावीन
सके कामदेवश्रावकनेनिर्ग्रंथनाप्रवचनमार्गथकी चूकावीनसकेखोभावीनसके. संक्रावांत्रानावीतिवारेतेदेवतायाकोथलवेथलवेपाछो

गडांरौद्रांदुक्खदु:खरूपांनसुखामित्यर्थ:किमुक्तं भवतिदुरहियासंतिदुरधिसह्यमितिहारविराइयवत्थमित्यादौयावत्करणादिदंहश्यंकडग तुडियथंभियभुयंअंगदकुंडलमट्ठगंडतलकन्नपीठधारिविचित्तहत्थाभरणंविचित्तमालामउलिकल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरंभासुरबों दिपलंबवणमालाधरंदिव्वेणंवन्नेणंदिव्वेणंगंधेणंदिव्वेणंफासेणंदिव्वेणंसंघयणेणंदिव्वेणंसंठाणेणंदिव्वाएइड्ढीएदिव्वाएजुईएदिव्वाएप भाएदिव्वाएछायाएदिव्वाएअच्चीएदिव्वेणंतेएणंदिव्वाएलेसाएत्तिकंठ्यं नवरंकटकानिकंकणविशेषास्तुटितानिबाहुरक्षकास्ताभिरतिव

हेनोसंचाएति । कामदेवंस० । निग्गंथाओपवयणाओ । चालित्तएवाखोभेत्तएवा । विप्परित्तएवा ताहेसंते३ । सणियं२पच्चोसक्कइत्ता । पोसहसालाओपडिणिक्खमइ२त्ता । दिव्वंसप्परूवंविप्पजह इ२त्ता । एगंमहंदिव्वंदेवरूवंविउव्वइ । हारविराइयवत्थ । जावदसदिसाओ । उज्जोवेमाणंपभासे

नीकलेनीकलीने पोषधशालाथीपाछोनीसरेपाछोनीसरीने दिव्यमोटोसर्पनोरूपतेहनेछोड़ेछोड़ीने एकमोटोदिव्यदेवतानोरूपविकु र्वेविकुर्वीनेहार१८अठारेसरोविराजतो यावत्शब्दे दशदिशीने उद्योतउजवालोकरतोकांनेकुंडलविराजमानथकोदिव्यप्रधानदेवता

ऊत्वात्स्तंभितौसन्धीकृतौभुजौयस्यतत्तथाअङ्गदेचकेयूरेबाहुरक्षकेच प्रतीतौमृष्टगण्डतलेमृष्टगण्डौपकर्णपीठाभिधानेतेनाभरणेचधार
यतियत्तत्तथातत्रविचित्रमालाप्रधानोमौलिर्मुकुटंमस्तकंयस्यतत्तथाकल्याणकमनुपहतंप्रवरंवस्त्रंपरिहितंयेनतत्तथाकल्याणकानि
प्रवराणिमाल्यानिकुसुमानिअनुलेपनानिचधारयतियत्तथाभास्वरबोन्दीभास्वरशरीरं प्रलम्बायावनमालाआभरणविशेषस्तांधारय
तियत्तत्तथादिव्येनवर्णेनयुक्तमितिगम्यतेएवंसर्वत्रनवरंगन्धाविमानवस्त्रभूषणादिकयायुक्तयायूटपरिवारादियोगेनप्रभयाप्रभावेनछाय
याप्रतिबिम्बेनार्चिषादीप्त्यातेजसाकान्त्यालेश्ययाआत्मपरिणामेनोद्योतयत्प्रकाशयत्शोभयदितिप्रासादीयंचित्ताह्लादकंदर्श
नीयंयत्पश्यच्चक्षुर्नश्राम्यतिअभिरूपंमनोज्ञंप्रतिरूपंद्रष्टारंप्रतिरूपंयस्य विकुर्व्यवैक्रियंकृत्वाअन्तरिक्षप्रतिपन्नःआकाशस्थितःसकिंकि
णीकानिक्षुद्रघण्टिकोपेतानिपञ्चवर्णानिदिव्येत्यादौयावत्करणादिदंदृश्यंवज्रपाणीपुरन्दरेसयक्कउसहस्सक्खेमघवंपागसासणेदाहिणड्ढ

**सूत्र** मागंपासइ । दिव्वंदेवरूवंविउव्वइ२त्ता । कामदेवसपोसहसालंअणुपविसइ२त्ता । अंतरिक्खपडि

**भाषा** नोरूपविकुर्वेविकुर्वीकरीने जिहांकामदेवछे पोसहनीपोसहसालछे तिहांआवेआवीने आकाशमार्गेरह्योथकोनान्हीजेघूघरीये

लोगाहिवईवत्तीसविमाणसयसहस्साहिवईएरावणवाहणेसुरिंदेअयरंवरवत्थधरेआलइयमालमउडे णवहेमचारुचित्तचञ्चलकुंडल विलिहिज्जमाणगंडे भासुरबोंदीपलंववणमालधरेसोहम्मेकप्पेसोहम्मवडिंसएविमाणेसभाएसोहमाएन्ति शक्रादिशब्दानांचव्युत्पत्यर्थ भेदेनभिन्नार्थताद्रष्टव्यातथाहिशक्तियोगाच्छक्र:देवानांपरमेश्वरत्वाद्देवेंद्र:देवानांमध्येराजमानत्वाच्छोभमानत्वाद्देवराज: वज्रपाणि:

वणे सखिंखिणियाइं पंचवन्नाइं । वत्थाइं परिहिए । कामदेवं०एवंवयासी । हंभोकामदेवास०। धरोसिणंतुमंदेवा० । संपुणेकयत्थेकयलक्खणे । सुलद्वेणंतवदे० । माणुस्सजम्मजीवियफले । जस्सणंदे० तवनिग्गंथाओपावयणाओ । मेरुव्वपडिवत्तीलद्धा । पत्ताअभिसमणागया । एवंखलुदेवा० । सक्केदे

करीनेसहितपंचवर्णरामधानवस्त्रपहरयाछे कामदेवश्रावकनेएहवोकहे अहोकामदेवश्रावकतुंधन्नतुंभाग्यवंतहेदेवानुप्रिय संपूर्णप्रति ज्ञाजेहनोनिर्वाहणहारजेजिनधर्मनेविषे एहवीताहरीदृढताउपसर्गे करीनेधर्मथीनचूकोभलेलाधोमनुष्यअवतारनोफलजेतुभनेदेवा नुप्रियनिर्ग्रंथनाप्रवचनथीदेवताचूकावीनसके मेरुपर्वतनीपरेसीलव्रतादिके अभिसमस्तपणेकरीनेदृढतापामीइमनिश्चयहेदेवानुप्रिय

कुलिशकर: पुरोसुरादिनगरविशेषस्तस्यदारणात्पुरन्दर: तथाशतकतुशब्देनेहप्रतिमाविवच्छितास्तत: कार्त्तिकश्रेष्टित्वेशतंकतूनाम भिग्रहविशेषाणांयस्यासौ शतक्रतुरितिचूर्णिकारव्याख्यातथापञ्चानांमन्त्रिशतानांसहस्रमच्णांभवतीतितद्योगादसौसहस्राच: तथाम घशब्देनेहमेघाविवच्छितास्तेयस्यशवर्त्तिन:संतिसमघवान्तथापाकोनामवलवांस्तस्यरिपुस्तच्छाशनात्पाकशासन: लोकस्यार्द्धमर्द्धलोको दच्चिणोयोर्द्धलोकयोधिपति: सतथाएरावणऐरावण: हस्तीसवाहनंयस्य सतथासुष्टुराजन्तेएतेसुरास्तेषामिंद्र:प्रभु: सुरेन्द्र:सुराणां देवीनांशक्रेन्द्र: सुरेन्द्र: पूर्वत्वदेवेन्द्रत्वेनप्रतिपादितत्वादन्यथावापुनरुक्तपरिहार:कार्य: अरजांसिनिर्म्मलानिअम्बरमाकाशंतद्वदच्छ

मूल विंदेदेवराया। सयक्कउसहस्सक्खे। जावसक्कंसिसीहासणंसि। चउरासीतीए। सामाणियसाह
स्सीणंदेवा। जावअणेसिंचवहूणं। देवाणयदेवीणय। मज्झगएएवमाहिक्खइ४। एवंखलुदेवा०।

भाषा सक्कइंद्रदेवेन्द्रदेवतानोराजा १००सतकीधाछेयज्ञजिणेवलीसहस्राच यावत्शब्दे सक्रसिंहासणेवेठाथका चोरासी८४हजार इंद्रने सामानिकइंद्रसरीखादेवताअने यावत्शब्देअणेसिकहतांओरघणावहुप्रकारेदेवताअनेदेवी तेहनीसभामेवैठायकांएहवोकहेइणे

त्वेन यानितान्यंवराणि तानिवस्त्राणिधारयति यः सतथाआलिंगितमालमारोपितस्रग्मुकुटोयस्य सतथानवेद्दवनवहेम्नःसुवर्णस्य
सम्बन्धिनीचारुणीशोभनेचित्रे चित्रवतीचञ्चलेयेकुण्डलेताभ्यां विलख्यमानोगण्डोयस्यसतथाशेषंप्रागिवेतिसामाणियसाहस्सीणमिह
यावत्करणादिदंदृश्य तायत्तीसाएतायत्तीसगाणंचतुण्हंलोगपालाणं अट्ठण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणंतिण्हं परिसाणंसत्तण्हं
अणियाणंसत्तण्हं अणियाहिवईणंचउण्हं चउरासीणंआयरक्खदेवसाहस्सीएणंततत्रायस्त्रिंशाःपूज्याः मह त्तरकल्पालोकपालाःपूर्वा
दिगधिपतयः सोमयमवरुणवैश्रमणाख्याः अग्रमहिष्यः प्रधानभार्यास्तत्परिवारः प्रत्येकं पञ्चसहस्राणिसर्वमीलनेचत्वारिंशत्सहस्राणि
तिस्रः परिषदोभ्यंतरामध्यमावाह्याचसप्तानीकानि पदातिगजाश्वरथवृषभभेदात्पञ्चसंग्रामिकाणि गंधर्वानीकंनाट्यानीकंचेतिसप्ता
नीकाधिपतयश्चसप्तैवं प्रधानपत्तिः प्रधानोगजएवमन्ये पि आत्मरक्षार्थमङ्गरक्षकास्तेषां चतस्रःसहस्राणांचतुरशीत्यः आख्यातिसामा
न्यतोभाषतेविशेषतः एतदेवप्रज्ञापयतिप्ररूपयतीतिपदद्वयेनक्रमेणोच्यतइतिदेवेणवेत्यादौयावत्करणादेवंद्रष्टव्यं जक्खेणवारक्खसेण
वाकिंनरेणवाकिंपुरुसेणवामहोरगेणवागंधव्वेण वा इतिइड्ढीएइत्यादियावत्करणादिदंदृश्य जुईजसोवलंवीरियं पुरिसक्कारपरक्कमे
त्तिनायंभुज्जोकरणयातेनैवआयंतिनिपातोवाक्यालंकारेअवधारणेवाभूयः करणतायांपुनराचरणेवन प्रत्तिष्यइति गम्यतेजहासंखो

जंबूद्दीवेश्भारहेवासे । चंपाएणयरीए । कामदेवेस० । पोसहसालाएपोसहिए । वंभचारीजाव
दभ्भसंथारोवगए । समणस्सभगवओमहावीरस्स । अंतियंधम्मपणत्तिं । उवसं०विहरइ । नोखलुसे
सक्काकेणइदेवेणवा । दाणवेणवागंधव्वेणवा । जावनिग्गंथाओपावयणाओ । चालित्तएवाखोभित्त
एवा । विप्परित्तएवा । तएणंअहंसक्कस्स । देविंदस्सदेवरणोएयमट्ठं । असद्दहमाणेइहंहव्वमागओ



प्रकारेनिश्चयहेदेवानुप्रिय जंबूदीपनामादीपतेहनेभरतक्षेत्रविषे चंपाएहवेनामेनगरीने विषेकामदेवनामाश्रावकहिवणांपोसहसाला नेविषेपोसहभणीपोसहसहित ब्रह्मचर्यनोधरणहारयावत्शब्देडाभनेसंथारेवैठोछे श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीतेहतणे समीपधर्मनी प्रज्ञप्तिवृद्धतेहनी उपसंपदालेइनेविचरेछे नोकहतां नहीनिश्चयकोइचूकावासमर्थनहुवे कोइदेवताविमानवासीदाणवकहीजे व्यंतर वलीगंधर्वादिसमस्तेकरी यावत्शब्देनिर्ग्रंथनाप्रवचनथकी चलाइवानसके खोभावीनसके परिणामेकरीनेतिवारपछीहुं शकइंद्रदेव तानोइंद्रदेवतानोराजातेहना एहवावचनअणमानतोथको मनुष्यमाहिएहवीदृढताअणसद्दतोथकोतेभणी हुं इहांआव्योअहोदेवा

तं। अह्णोदेवा०। हूठ्ठीईलज्जा२। तंदिठ्ठाणंदेवाइठ्ठीजाव। अभिसमन्नागया। तंखामेमिणंदेवाणु०
खमंतुमंसहंतिणंदे०। णाइभुज्जोकरणयाएत्तिकट्टु। पायवडिएपंजलिउडे। एयमट्ठंभुज्जो२खा
मेइ२त्ता। जामेवदिसंपाउब्भुएतामेवदिसंपडिगए। तएणंसेकामदेवेस०। णिरुवसग्गमितिकट्टु।
पडिमंपारइ२। तेणंकालेणं। तेणंसमएणं। समणेभगवंमहावीरेसमोसरिए। समणेजावविहरइ।

नुप्रियतुम्हारीहढ़तादीठी इंद्रेकहीछतीतेसेप्रत्यक्षपणेदीठी एमेतुम्हारीसाचीवातजाणी तेभणीछेहेदेवाणुप्रियतुम्हनेखामुंछुं
हेदेवानुप्रियतेभणीतुंखमिवायोग्यछे हूमवारवारकहीनेतेदेवताकामदेवनेविकरणशुद्धे तेहनेपगेपड़ेवलीदोनुंहाथजोड़ीनेएहवो
अर्थवारवारकहीअपराधखमावेखमावीने जिणेदिसीने आव्योछतो तिणेदिसीनेते देवतापाछो गयो तिवारपछीतेकामदेवश्रावक
उपसर्गरहितछवोजाणीने त्रिकरणशुद्ध काउसगपारे तिणेकाले तिणसमेनेविषे श्रमणभगवंत महावीरस्वामीचरमतीर्थंकरस
मवसर्याचवदे १४ हजारसाधांसुंविचरे तिवारपछीते कामदेवश्रावकउद्याननेविषे श्रमणभगवंत समवसर्याएहवीवातसांभली हूणे

त्तियथासंख:श्रावकोभगवत्यामभिहितस्तथायमपिवक्तव्य: अयमभिप्रायोऽन्येपञ्चविधमभिगमंसचित्तद्रव्यव्युत्सर्गादिकंसमवसरणप्रवेशे विदधतिशंख: पुन: पौषधकत्वेनसचेतनादिद्रव्याणामभावात्तन्नकृतवानयमपिपोषधिकइति शंखेनोपमित: यावत्करणादिदंद्रष्टव्यं जेणेवसमणेभगवंमहावीरे तेणेवउवागच्छइ२त्ता समणंभगवंमहावीरंतिक्खुत्तोआयाहिणंपयाहिणं करेइ२त्ता वंदइ णमंसइ२त्ता णच्चासणे णाइदूरे सुस्सुसमाणे अभिमुहेपंजलिउडे पज्जुवासइत्ति तएणंसमणे २ कामदेवस्ससमणोवासयस्स तीसेयमहइमहाली याएपरिसाए इतथाश्च औपपातिकाधितंसूत्रं तावद्वक्तव्यं यावतधर्मकथा समाप्ता परिषत् प्रतिगता तत्र्त्रैवं सकलशेषसुपदर्शते तएणं

सूत्र

तएणंसेकामदेवेस०। इमीसेकहाएलद्धट्ठेसमाणे। एवं खलुसमणेजावविहरइ। तंसेयंखलु। ममंस मणंभगवंमहावीरं। वंदित्ताणमंसित्ता। तओपडिणियत्तस्स। पोसहंपारित्तएत्तिकट्टु। एवंसंपे

भाषा

प्रकारेश्रमणभगवंतविचरे तोहिवेनिश्चयसुभनेश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीने वांदिवाजाउं वांदीनमस्कारकरी: तिवारपछीपाछो आवुं आवीनेपोसहपारवोतिकरणशुद्ध सुभनेकल्पे एहवोमनसेचींतवेशुद्धउज्जलवस्त्रपहरेपहरीने मुहगायनेअल्पभारएहवावस्त्र

समणे २ कामदेवस्ससमणोवासयस्स तीसेयमहइ महालीयाए तस्याश्च महान्ती महत्या इत्यर्थः इति परिसाएजइएपरिसाए तत्र

पश्यन्तीति ऋषयोवध्यादिज्ञानवन्तः मुनयो वाचंयमाः यतयो धर्मक्रियासुप्रयतमानाः अणेगसयाते आणेगसयवंदपरिवारातो

अनेकशतप्रमाणानि यानिहन्दानि परिवारो यस्या तया तस्याधर्मं परिकथयतीति सम्बन्धः किम्भूतो भगवन् उहवले ओववले

यावत्करणादव्यवच्छिन्नवलः अतिवलोऽतिक्रांताशेषपुरुषामरतिर्यग्वलः महावलोऽप्रमितवलः एतदेवप्रपंच्यते अपरिमियवलविरि

हेइ२त्ता । सुद्धप्पावेसाइवत्थाइं । अप्पम० । मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते । सयाओगिहाओपडिणि

क्खमइ२त्ता । चंपंनगरिंमज्झंमज्झेणंणिग्गच्छइ२त्ता । जेणेवपुसभद्दे चेइए । जहासंखेजावपज्जुवा

पहरीमनुष्यनीश्रेणेपरवस्यो थकोजेआपणोघरतेघरछंतीनीसरेनीसरीने चंपानामेनगरीतेहनेमध्यमध्यविचालेकरीनेनीसरेजिहां

पूर्णपूर्णभद्रचैत्यवनखंडछे जिहाजिमसंखश्रावकसेवेतिणप्रकारेसेवाकरे तिवारेश्रमणभगवंतमहावीरस्वामी कामदेवश्रावकनेतेहवी

मोटीयावत्शब्देधर्मकथाभगवंतेकहीकामदेवादिकसहस्रांभलेश्रमणभगवंतंमहावीरकामदेवश्रावकनेएवंवयासीएहवोकहेनामले इने

अपरिमितानियानि बलादीनि तैयुक्ताय: सतथाबलंशारीर: प्राण: वीर्यं जीवप्रभव: तेयमाहप्यकांतिजुत्तेतेजोदीप्ति माहात्म्यं महानुभावताकांति: काम्यतासारयनवघणगिन्नायरमञ्जरनिग्घोसदुंदुभिसरे गरत्कालप्रभवाभिनवमेघशब्दवत् मधुरोनिर्घोपोयस्य दुन्दुभेरिवस्वरोयस्य सतवाउरोवित्थड़ाएगलविवरस्य वर्तुलत्वात् सिरेसंकिन्नाए मूर्द्धनिसंकीर्णतायामस्य मूर्द्धास्खलितत्वात्सरस्वत्ये तिसम्बन्ध: कंटपीवट्टीयाएअगरभातेव्यक्तवर्णघोसेत्यर्थ: अम्ममणाएअनवरवंचमानयेत्यर्थ: सव्वक्खरसन्निवायाएसर्वाक्षरसंयोगवत्या पुनरुक्त्यातेपरिपूर्णमधुरयासव्वभासाणुगामिणीएसरस्सईए भगित्याजोयणनीहारिणासरेणंयोजनातिक्रामिणाशब्देनअद्धमागहाए भासाएभासइअरहाधम्मं परिकहेइ अर्द्धमागधीभापायस्यांरसोर्लशौमागध्यामित्यादिकं मागधीभापालक्षणंपरिपूर्णं नास्तिभापते सामान्येनभणनमितिकिंविधो भगवान् अर्हन् पूजितोपूजोचित: अरहस्योवासर्वज्ञत्वात्कन्धर्म्मं अह्वेय ज्ञेयातुष्ठेयवस्तुश्रद्धानज्ञानानु

सूत्र

सइ। तएणंसमणेभगवंमहावीरे। कामदेवस्सतीसेय। जावधम्मकहासम्मत्ता। कामदेवेइसमणेभ

भाषा

अहोकामदेव आजतुभनेआधीरात्रिनेसमेवर्त्तमानथका एकदेवताताहरेसमीपेप्रगट्यो तिवारपछीतेदेवताएकमोटो पिशाचरूपवि

अशेपविशेषंकथनेनेति तथातेसिंसव्वेसिंआयरियमणायरियाणं अगिलाएधम्ममाइक्खइ नकेवलं ऋषिपर्ष
छानरूपंतयापरिकथयति आर्यदेशोत्पन्नानामनार्याणांम्लेच्छानामग्लान्याअखेदेनेतिसाविययांअद्धमागहा
दादीनां येवन्दनाद्यर्थमागतास्तेषांचसर्वेषामार्याणामार्यदेशोत्पन्नानामनार्याणांम्लेच्छानाम परिणामेनेत्यर्थः धर्म्म कथामेवदर्शयतिअत्थिलोएअत्थि
भासातेसिं आयरियमणारियाणंअप्पणोभासाएपरिणामेणंपरिणमइस्वभापापरिणामेनेत्यर्थः धर्म कथामेवदर्शयतिअत्थिलोएअत्थि

अलोएएवंजीवाअजीवाबंधेमोक्खेपुण्णे पावेआसवेसंवरेनिज्जरे एतेषामस्तित्वदर्शनेन शून्यज्ञाननिरात्माद्वैतैकांतक्षणिकनित्यवादिना
स्तिकादिकुदर्शननिराकरणात्परिणामवस्तुप्रतिपादनेन सकलैहिकामुष्मिकक्रियाणामनवद्यत्वमावेदितं तथाअत्थिअरिहंताचक्कवट्टी
वलदेवा वासुदेवानेरइयातिरिक्खजोणियातिरिक्खजोणिणीउमायापियारिसउदेवा देवलोयासिद्धीसिद्धापरिनिव्वाणेपरिनिव्वुया
सिद्धाकृतकृत्यतापरिनिर्वाणंसकलकर्म्मकृतविकारविरहादतिस्वास्थ्यमेवंसिद्धपरिनिर्वृतानामपिविशेषोऽवसेयः तथाअत्थिपाणायवाए
मुसावाएअदिन्नादाणेमेहुणेपरिग्गहे अत्थिकोहेमाणेमायालोभेपिज्जे दोसेकलहेअब्भक्खाणेअरईरईपेसुन्ने परपरिवाएमायामोसे
मिच्छादंसणसल्ले अत्थिपाणाइवाइवेरमणेकोहविवेगेजावमिच्छादंसणसल्लविवेगेकिंबहुणासव्वं अत्थिभावंअत्थित्तिवयइसव्वं नत्थिभावं
नत्थित्तिवयइ सुचिन्नाकम्मासुचिन्नफला भवन्ति सुचरिताक्रियादानादिकाः सुचीर्णफलाः पुण्यफलाभवंतीत्यर्थः दुच्चिन्नाकम्मादुच्चि

न्नफला भवन्ति फुसद्रुपुणपाविवज्ञात्यात्माशुभकर्मणी नपुन:सांख्यमतेनैवनवध्यते पञ्चायंतिजीवा: प्रत्यायंते उत्पद्यन्तेइत्यर्थ: सफले
कल्लाणेपावएइष्टानिष्टफलं शुभाशुभंकर्मेत्यर्थ: धम्ममाइक्खइयनन्तरोक्तं ज्ञेयश्च यज्ञानरूपमाचष्टे इत्यर्थ: तथाइणमेवनिग्गंथेपाव
यणेसच्चे इदमेव प्रत्यत्तं नैग्रन्थ्यंप्रवचनंजिनशासनंसत्यंसद्भूतं कषायादिशुद्धत्वात्सुवर्णवत् अणुत्तरेअविद्यमानं प्रधानतरंकेवलिए
अद्वितीयं संशुद्धे निर्दोषंपडिपुणे सञ्जुगाम्रतं नेयाउए नैयायिकं न्यायनिष्टं सल्लगत्तणे मायादिशल्यकर्त्तनंसिद्धिमग्गे हितप्राप्तिपथ:
सुत्तिमग्गे अहितविच्युतेरुपाय: निव्वाणमग्गे सिद्धिचेत्रावाप्तिपथ: परिनिव्वाणमग्गे कर्म्माभावप्रभवसुखोपाय: सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे
सकलदु:खक्षयोपाय: इदमेवप्रवचनंफलत: प्ररूपयतिइत्थंठियाजीवासिज्झंति निष्ठितार्थतयाबुज्झंतिकेवलतयामुच्चंतिकर्मभि: परि
निव्वायंते स्वस्थीभवंतिकिमुक्तंभवतीतिसव्वदुक्खाणमंतंकरेइ एगच्चापुणएगभयंतारोएकार्च्चाद्वितीयपूज्या: संयमानुष्ठानंवाएका अस
इणीअच्चाशरीरंयेषांते एकार्चाते पुनरेकैकेन वायेन सिद्धं तितेभत्तार: निग्रन्थप्रवचनमेवकाभदंतावाभट्टारकाभयत्रातारोवापुव्वंक
म्मावसेसेणंअन्नतरेसुदेवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारोभयन्तिमहड्ढिएसुमहज्जुएसुमहाजसेसु महाबलेसुमहाणुभावेसु महासुक्खेसु
दुरंगएसुचिरट्ठिएसु तेणंतत्थदेवाभवन्ति महड्ढियाजावचिरट्ठिइयाहारविराइयवत्थाकडगतुडियथंभियभुयाअंगदकुंडलमट्ठगंडतल

कन्नपीठधारीविचित्तहत्थाभरणाविचित्तमालामउलिमउड़विदीप्तानिविचित्ताणिवामउलित्तिमुकुटविशेष:कल्लाणपवरवत्थपरिहिया
कल्लाणगपवरवत्थाणुलेवणधराभासुरबोंदीपलंबवणमालधरा दिव्वेणं वन्नेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं
दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दसदिसाए उज्जोए
माणापभासेमाणागईकल्लाणाठिईकल्लाणाआगमे सिभद्दापासाईयादरसणिज्जा अभिरूवापडिरूवातमाइक्खन्ति यदिह धम्मफलं
तदाख्याति तथा एवं खलु चउहिं ठाणेहिं जीवानेरइयत्ता एकम्मं पकरेंति एवमिति वक्ष्यमाणप्रकारेणेति णेरइयत्ताए कम्मं पकरे
त्तानेरइएसुउववज्जंति तंजहामहारंभयाएमहापरिग्गहाए पंचंदियवहेणं कुणिमाहारेणंकुणमंतिमांसं एवंचए एणं अभिलावेणं
तिरिक्खजोणिए सुमाइल्लयाए अलियवयणेणं उक्कंचणयाएवंचणयाए तत्र मायावंचणबुद्धि: उत्कञ्चनं मुग्धवञ्चनं प्रवृत्तस्य समीप
वर्त्तिविदग्धरक्षणार्थं क्षणमव्यापारतया अवस्थानं वञ्चनं विप्रतारणं मणूसेसु पगइभद्दयाए पगईविणीययाए साणुक्कोसयाए अम
च्छरियाए प्रकृतिभद्रकताखभावतएवापरोपतापता अणुक्कोशोदयदेवेसुसरागसंजमेणं संजमा संजमेणं अकामनिज्जराएबालतवोक
म्मेणं तमाइक्खइयदेवसुत्तरूपं नारकत्वादिनिबंधनं तदाख्यातीत्यर्थ: तथा जहानरयागमंतीजेनरया जाववेयणानरए सारीरमा

णासाइं दुक्खाइं तिरिक्खजोणीए१ माणुस्सं च अणिच्चंवाहिजरामरणवेयणापउरंदेवायदेवलोएदेवेहिंदेवसोक्खाइं २ देवांश्चदेवलो
कान् देवेषु देवसौख्यान्याख्यातीति नरगतिरिक्खजोणिमाणुसभावंचदेवलोगंचसिद्धिचसिद्धिवसहिंछज्जीवणियंपरिकहइ३ जहजीवाबु
ज्झंती मुच्चंति जहयसंकिलिस्संति जहदुक्खाणंअंतंकरेइ केईअप्पडिबद्धाअड्ढाअड्ढियचित्ताजहाजीवादुक्खसागरमुवेंतिजहवेर
गमुवगयाकम्मसमुग्गंविहाडेंति५ आर्त्ताःशरीरतोदुःखिताआर्त्तिनाचिताःशोकादिपीड़िताः आर्त्तोद्वाध्यानविशेषादार्त्तितचित्ताइति
जहारागेणकड़ाणंकम्माणंपावउफलविवागोजहयपरिहीणकम्मासिद्धासिद्धालयमुवेंति६ अथानुष्ठेयानुष्ठानलक्षणंधर्ममाहतमेवधम्मं
दुविहमाइक्खियं येन धर्मेणसिद्धाः सिद्धालयमुपयांतिसएवंधर्मोद्विविधआख्यातंइत्यर्थः तंजहाअणगारधम्मं अगारधम्मोइहखल
सव्वाउसर्वान्धनधान्यादिप्रकरानाश्रित्य सव्वत्ताएसर्वात्मनासर्वैरात्मपरिणामैरित्यर्थः आगाराओअणगारियंपव्वइयस्संतिसव्वाओ
पाणाइवायाओवेरमणंएवंमुसावायाओअदिन्नादाणाओवेरमणंमेहुणाओवेरमणंपरिग्गहराईभोयणाओवेरमणंएवंअयमाउसो अ
णगारसामाइएधम्मे पणत्तेएयस्सधम्मस्ससिक्खाएउवट्ठिएनिग्गंथेवा निग्गंथीवा २ विहरमाणाआणाएआराहए भवइ आगारधम्मं
दुवालसविहंआइक्खइतंजहा पंचाणुव्वयाइंतिन्निगुणव्वयाइंचत्तारिसिक्खावयाइं पंचअणुव्वयाइंतितंजहा थूलाओपाणाइवाया

ओवेरमणएवंमुसावायाओ वेरमणंअदिनादाणाओवेरमणंसदारसंतोसेइच्छापरिमाणेतिन्निगुणव्वयाइं तंजहा अणट्ठादंडवेरमणं
दिसिव्वयंउवभोगपरिभोगेपरिमाणं चत्तारिसिक्खावयाइं तंजहासामाइयंदेसावगासियं पोसहोववासोअतिहिसंविभागोअपच्छिम
मारणंतियसंलेहणाझूसणाआराहणाअयमाउसो अगारसामाइएधम्मे पणत्तेएयस्सधम्मस्ससिक्खाएउवट्ठिएसमणोवासएसमणो
वासियावा विहरमाणाएआणाएआराहएभवईतएणंसेमहइमहालियामणूसपरिसासमणस्सभगवओमहावीरस्स अंतिएधम्मं सोच्चा
णिसम्महट्ठतुट्ठजावहिययाउट्ठाएउट्ठेइ २ समणंभगवंमहावीरंतिक्खुत्तोआयाहिणपयाहिणंकरेइ २ वंदइणमंसइअत्थे गइयामुंडा
भवित्ताआ गाराओअणगारियं पव्वइयाअत्थे गइयापंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयंदुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवन्ना अवसेसापरि
सासमणं भगवं महावीरं वंदित्तानमंसित्ता२ एवंवयासी सुयक्खाएणंभंते निग्गंथे पावयणे एवंसुपणत्तेभेदत: सुभासिए वचन
व्यक्तित: सुविणीए सुष्टुशिष्येसु विनियोजनात् सुभाविते तत्त्वभणनात् अणुत्तरेभंते निग्गंथे पावयणे एवंसुपहोधम्मं तं आइक्ख
माणेउवसमंतं आइक्खहक्रोधादिनिग्रहमित्यर्थ: उवसमंआइक्खमाणाविवेगं आइक्खहवाह्यग्रंथत्यागमित्यर्थ: विवेगं आइक्खमा
णावेरमणं आइक्खहमनोनिवृत्ति मित्यर्थ: वेरमणंआइक्खमाणा अकरणंपावाणंकम्माणंआइक्खहधम्मं सुपशमादिस्वरूपं ब्रूषेति

गवंमहावीरे। कामदेवंएवंवयासी। सेणूणंकामदेवा। तुम्हंपुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि। एगेदेवे
अंतियंपाउब्भूए। तएणंसेदेवेएगंमहंपिसायरूवंविउव्वइत्ता। आसुरत्ते४। एगंमहंनीलुप्पलग
सिंगखाय। तुमंएवंवयासी। हंभोकामदेवाजावजीवियाओववरोविज्जसि। तंतुमंतेणंदेवेणंएवंवुत्तेसम
माणे। अभीएजावविहरसि। एवंवण्णगरहिया। तिण्णिविउवसग्गा। तहेवपडिउच्चारेयव्वा। जाव
देवोपडिगओ। सेणूणंकामदेवा। अट्ठेसमट्ठे। हंताअत्थि। अज्जोइ। समणेभगवंमहावीरे। बहवेसमणे



[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हृदयंनत्थिणंअन्ने केइसमणेवामाहणेवा जेएरिसंवखमाइक्खित्ततेप्रभुरितिशेष: किमंगपुणएत्तोउत्तरतरं एवंवंदित्ताजामेवदिसिपा
उब्भूयातामेवदिसिंपडिगयत्तिअट्ठेसमट्ठे त्ति अस्य योऽयमर्थ: अथवा मयोदितवस्तुसमर्थ: संगत: हन्ताइतिकोमलामन्त्रणवचनं
अज्जोत्तिआर्याइतिएवमामंत्र्यैवमवादीदिति सेहंतित्ति यावत्करणादिदं दृश्यं खमंतितितिक्खंति एकार्थाश्चैतेविशेषव्याख्यानमप्ये

**णिग्गंथेय । णिग्गंथीओयआमंतेत्ता । एवंवयासी । जइतावअज्जोसमणोवासगा । गिहिणोगि**
**हमज्झावसंता दिव्वमाणुसतिक्खजोणिए । उवसग्गेसमंसहइ । जावअहियासेइसक्कापुणाइं । अ**
**ज्जोसमणेहिंनिग्गंथेहिं । दुवाससंगंगणिपिडगं । अहिज्जमाणेहिं । दिव्वमाणुसतिरिक्खजोणिए**

घणीसाधवीनेंआमंत्रीने एहवोकहे अहोआर्यो श्रमणोपासकने गृहीगृहस्थावासरहतांथकां पिणजे दिव्यदेवसंबंधी मनुष्यसंबंधीति
र्यंचसंबंधीया जेउपसर्ग ऊपजे तेउपसर्गसहे यावत्शब्दे अहियासेतिमशक्तिवंत तुमेथावो अहो आर्यो तुमेकेहवा श्रमणनिग्रंथीया
द्वादसंगीसूत्रनाजाणवलीगणिपिटक समस्तसास्त्रनाजाणणहार तिणकरीनेदिव्यदेवतामनुषतिर्यंचसंबंधी जेदेवतानांकीधाउपस

हिं । समंसहितएजावअहियासंतए । तएणंसेवहवेसमणा । णिग्गंथायणिग्गंथीओय । समणस्स३
तहत्ति । एयमट्ठंविणएणंपडिसुणेइ । तएणंसेकामदेवेस० । हट्ठतुट्ठसमणंभगवंमहावीरं । पसि
णाइंपुच्छइ । अट्ठमादियइसमणंभगवं । महावीरंतिक्खुत्तोवंदइणमंसइ । वंदित्ताणमंसित्ता ।
जामेवदिसिंपाउब्भूया । तामेवदिसिंपडिगया । तएणंसमणेभगवंमहावीरे । अणुयाचंपाओपडिनि
क्खमइ । जणवयजावविहरइ । तएणंसेकामदेवेसमणो० । पढमंउवासगपडिमं उवसंपजित्ताणंजाव

भाषा

गंनेसहिवासमर्थळवो यावत्अहियासो तिवारेतेवहवेकहतांश्रमणाश्रमण साधुअनेनिग्रंथीसाध्वी श्रमणभगवंतनांवचनतहत्तिकीधा
एहवोअर्थविनयकरीनेसांभलेसांभलीने तिवारेतेकामदेवश्रावकश्रमणो मननेविषेहर्षसंतोषपामे श्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीने
प्रश्नकरेपूछेअर्थजेहृदयमतिकांनेहृदयने विषेधारेश्रमणभगवंतश्रीमहावीरने तीनप्रदक्षणादेईने वांदे वांदीनमस्कारकरीने जिणे
दिसीकामदेवआयोहुतो तिणहीजदिसीकामदेवपाछोगयो तिवारपछीश्रमणभगवंतमहावीरस्वामी एकदाप्रस्तावेचंपानगरीथी

विहरइ । तएणंसेकामदेदेस० । वहूहिंजावभावेत्ता । वीसंवासाइंसमणो । वासगपरियागंपाउ
णित्ता । एक्कारसउवासगपडिमंसम्मंकाएणफासेत्ता । दुमासियाए । संलेहणाएअत्ताणं । ज्झूसि
त्तासट्ठिंभत्ताइं । अणसणाएच्छेएत्ता । आलोइयसमाहिपत्ते । कालंमासेकालंकिच्चा । सोहम्मेकप्पे
सोहम्मावडिंसयस्स । महाविमाणस्सउत्तरपुरच्छिमेणं अरुणाभेविमाणे । देवत्ताएउववन्ने तत्थणं

वाहिर जनपदकहीजेदेशनेविषेविचरे तिवारेतेकामदेवनामाश्रावक प्रथमपहलीदर्शनप्रतिमाएक मासनी उवसंपदालेईनेयावत्
शब्देविचरे निरतीचारतपकीधोजिणे तिवारपछीतेकामदेवश्रावकघणाछठ अठमादितपकरताथका वीस२०वरसपर्यंत श्रमणोपासक
श्रावकनोपर्यायपालेपालीने इग्यारह११श्रावकनीप्रतिमासर्वजिनेवही कायायेकरीनें फरसी आउपे परिपूर्णंहुवाछे हलेसमेविना
सकीसंलेहणाकीधी आपरीआत्मातपसंघातेभावीछे साठभत्तपाणीरहितअणसणछेदीने सर्वपापआलोईनेसमाधिमन राखतोथको
शुभध्यानेकालमासेकालकरीने पहिलो१सौधर्मनामादेवलोक तिणदेवलोके सौधर्मावतंसकएहवे नामे मह्रामोटोविमाणछे तेहने

पामसितदन्यतोवसेयमितिनिक्खेवओत्तिनिगमनवाच्यंवाच्यं तच्चे दंएवंखलुजंवूसमणेणं जावसंपत्तेणंदोच्चस्सअज्झयणस्सअयमट्ठेपण्णत्ते त्तिवेमीति उपसकदशानां द्वितीयाध्ययनविवरणसमाप्तमिति ।२

सूत्र

अत्थेगइयाणंदेवाणं। चत्तारिपलिओवमाइं ठिईपण्णत्ता। कामदेवस्सविदेवस्स। चत्तारिपलियोवमाइं ठिईपण्णत्ता। सेणंभंतेकामदेवे। तओचेवदेवलोगाओ। आउक्खएणं३। अणंतरंचइंचइत्ता। कहिंगमिहिंति। कहिंउववज्जिहिंति। गोमहाविदेहेवासेसिज्झिहिंति। णिक्खेवोवियंअज्झयणंस

भाषा

उत्तरपूर्वनेमध्यईशानकूणे अरुणाभविमानतिणविमाने देवतापणेउपनो तिणविमाने कितलाएदेवतानोआ उखोच्यारपल्योपमनी स्थितिकेवलज्ञानीयेपणत्ताकही तिहां कामदेवना देवतानाइपिण देवतासंवंधी च्यारपल्योपमनीस्थितिकहीछे हेभगवन्हेस्वामी तेकामदेवदेवता तिकेप्रथमदेवलोकछ्तंती देवतासंवंधीआउखोतिहनेक्षयकरी अनंतरआंतरेरहितचवीने किहांज इनेउपजस्येकिहां किसीठामेउपजसीतेकहो हेगौतममहाविदेहक्षेत्रनेविखेसीझस्येकर्मथीमूंकिनस्ये निक्षेप: वीजाअध्ययननोएत लेअर्थपूरोययो॥ २

अयत्ततीयं व्याख्यायते तत्सुगमनेवनवरं उक्खेवोत्ति उपक्षेपउपोद्घातः। टतीयाध्ययनस्य वाच्यः सचायं जइणं भंते समणेणं भगवया जावसंपत्तेणं उवासगदसाणं दोच्चस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते तच्चस्सणंभंतेकेअट्ठे पन्नत्ते इति कंठ्यश्चायं तथाकोट्ठएत्तिकाचि

उत्तं२ उक्खेवोतइयस्स एवंखलुजंबू तेणंकालेणं तेणंसमयेणं वाणारसीणामंणयरी कोट्ठएचेइए जि यसत्तूरायामहड्ढिए तत्थणंवाणारसीए चुलणीपियाणामंगाहावइपरिवसइ अड्ढेजावअपरिभूए सो माभारिया अट्ठहिरण्णकोडीओणिहाणपत्ताओ वुड्ढिपवित्थरपत्ताओ अठव्वया दसगोसाहस्सिएणं

हिवे कहोस्वामीतीजा अध्ययननोअर्थ इणप्रकारे निश्चयजंबू तिणेकालेतिणेसमयने विषे वाणारसी एहवेनामे नगरीछइ कोष्टक एहवेनामा चैत्य जितशत्रु एहवेनामे राजा महाऋद्धिवंत तिणेवाणारसी नगरीने विषे चुलणी पिताएहवेनामे गाथापति ग्टहस्थवसेछे वडो ऋद्धवंत यावत्कोइ पराभवीनसके सोमाएहवेनामे तेहनेस्त्री वलीजेहने आठहिरण्यकोड़निधानप्राप्त कहतां धरतीने विषे धूरी राखीछे वलीआठकोड़व्यापारे वधेछे आठवर्गछे एकेएके वर्गे दसहजार गाइ एहवाआठवर्गछे आणंदनीपरे

वएणं जहाआणंदोईसरजावसव्वकज्जवड्ढा वएयाविहोत्था सामीसमोसढोपरिसानिग्गया चुल्लणी
पियावि जहाआणंदोतहानिग्गओ तहेवगिहिधम्मंपडिवज्जइ। गोयमपुच्छातहेव। सेसंजहाकाम
देवस्स। जावपोसहसालाए। पोसहिएवंभचारी। समणस्सभगवओमहावीरस्स। अंतिएधम्मपण
त्तिंउवसंपज्जित्ताणंविहरइ। तएणंतस्सचुलणीपियस्ससमणो० पुव्वरत्तावरत्तकालसमए एगेदेवे

भाषा. जाणतो तिमनगरने विषे सेठीसमानईसरतलवरयावत् सर्वकामनो चलावणहार एहवेसमे भगवंतसमवसर्या परषदा वांदणने गइ हिवेचुलणीपिताषिणयथा आणंदश्रावकवांदवागयो तिमहीजवांदवाजायेतिमहीजश्रावकना१२ व्रतसांभलीनेतिमहीजलीधा गौतमस्वामी पूछ्योतिमहीज कह्यो सेषसगलोहीकामदेवनी परे जाणवो यावत् शब्दे पोसहसालाने विषे पोसहसहितब्रह्म चारी थको श्रमणभगवंतश्रीमहावीरने समीपे धर्मनीप्रज्ञप्ति उवसंपदाले इने एववोयको विचरे तिवारपछीते चुलणीपिया श्रम णोपासकश्रावकने आधीरातनेसमे आधीरातवर्त्ततांथका एगदेवतासमीपसुखआगले आव्यो प्रगटहुवो तिवारपछीते देवताएक

त्कोटकं चैत्यमधीतं क्वचिन्महाकामधनमिति सामानामंति श्यामानामभार्यातओमंससोल्लेत्ति तीणिमांसस्मूल्यकानि स्मूलेपच्यन्ते इति स्मूल्यानि त्रीणि मांसखण्डानीत्यर्थः आदाणभरियंसित्ति आदाणमाद्रहणं यदुदकतैलादिकमन्यतरद्रव्यपाकायाग्नावुत्ताप्यते तद्भृतेकडाहंसित्तिकटाहेलोहमयभाजनविशेषे आद्रयास्युक्तायथासिञ्चाइं चामित्ति आसिंचामि एसणंतुविदरिसणेदिट्ठेत्ति

अंतियंपाउब्भूए। तएणंसेदेवेएगंनीलुप्पलजाव। असिंगहायच लणिपियंसमणोवासयं। एवंवया सी। हंभोचुलणिजहाकामदेवे। जावनभंजसि। तओअहंअज्जजेट्ठपुत्तं। साओगिहाओणीणेमि१। तवअग्गओघाएमि२। तओमंससोल्लेकरेमि२ आदाणभरियंसि। कड़ाहयंसिअद्दहेमि। तवगातंमं

नीलोत्पलकमलसारीखो यावत् असिकहीजे खड्गभालीएहवो यकोचुलणीपितांश्रावकने एहवावचनकहतोहवो अहोचुलणीपिता जिमकामदेवश्रावकने कह्यो तिमजो तुं व्रतनहीभाजीसतो ऊं आजताहरो वड़ोपुत्र तेहने ताहराघरथकी आणीसआणीनेताह रेआगलपुत्रनेमारीसमारीने मांसनासूलातीनकरीससलाकरीने आधणेकरभर्योयकोकड़ाहो एहवेकड़ाहेमेघालीनेतलीसतलीने

सेणय। सोणिएणायन्नाइं छामि। जहाणंतुमंअट्टदुहट्टवसट्टेअकाले। जीवियाओववरोविज्जसि। तओचुलणिपियास० तेणंदेवेणंएवं वुत्ते। अभीएजावविहरइ तंसेदेवेचुलणी० अभीयंजावपासइ२ दोच्चंपितच्चंपिचुलणीपियं। एवंवयासी। हंभोचुलणी० तंचेवभणइ। सोजावविहरइ। तंसेदेवे चुल० अभीयंजावपासित्ता आसुरत्ते४ चुलणिपियसमणो० जेट्ठपुत्तंगिहाओणीणेइ२त्ता। अग्ग

भाषा

ताउरोगातळे जेहने मांसेकरीने लोहीये करीने छांटसु जिवारे तुं आर्त्तरौद्रध्यानेंकरीने कोधनेंवसथको मरताने जीवतव्य थकी रहितकरीस तिवारपछीते चुलणीपिताश्रावक तिणेदेवताये एहवोकह्या थका निर्भीकथको निडरथकोविचरे तिवारेतेदेवताचुल णीपिताने निर्भीकथको यावत्देखेदेखीने दूजीवारतीजीवार चुलणीपिताश्रावकने एहवोकहताहुवो अहो चुलणीपिता तिमहीजपूर्व रीतेकहे तेचुलणीपितातिमहीजविचरे तेदेवता चुलणीपिताने निर्भीकनिडरथको देखेदेखीने महाक्रोधवंतहुवो चुलणीपिता श्रमणोपासकश्रावकतणो वडो पुत्रतिणपुत्रप्रतेघरहुंतीआणेआणीने सुखआगलेमारेमारीने तिवारपछे ते देवतामांसनासूलाकीन

ओघाएइ २त्ता तओमंससोल्लितेकरेइ २त्ता आदाणभरियंसि कडाहंसि अद्दहेइ २त्ता चुलणीपियस्स०
गायंमंसेणयसोणिएणयआइंचइ तएणंसेचुलणीपियास० तंउज्जलंजावअहियासेइ तएणंसेदेवेचु
लणीपियं अभीयंजावपासइ २त्ता दोच्चंपितच्चंपिचुलणीपियं समणोवासयं एवंवयासी हंभोचुल० अ
पत्थियपत्थिया जावणभंजेसितओअहं अज्जमज्झिमंपुत्तं साओगिहाओणीणेमि २त्ता तवअग्गओघा
एमि जहाजेट्ठपुत्तं तहेवभणइतहेवकरेइ एवंकणीयसंपिजाव जावअहियासेइ। तं। सेदेवेचलणी०

करेआधणभरीनेकडाहोभरेतेकडाहामांहितलेतलीने चुल्लणीपिताश्रमणोपासकश्रावकनो गात्रशरीरमांसेकरीलोहीयेकरीनेछांटे
छांटीनेतिवारपछीतेचुल्लणीपिताश्रावकतिणेउजलीवेदनाप्रतेशरीरेकरीनेसहेतिवारपछीतेदेवताचुलणीपितानेनिर्भीकनिर्भयथको
देखेवलीदेखीने वीजीवारतीजीवार चुलणीपिताश्रावकनेतेदेवतावारवारइणप्रकारेएहवोकहेअहोचुलणीपिताअप्रार्थितमरणना
वांछणहारजोतुंव्रतनथीभांजेतोहुंआजताहरोमध्यपुत्रतेहनेताहराघरथकीआणीसआणीने ताहरेआगलपुत्रनेमारीशजिमवडा

अभीयंजावपासइ चउत्थं जावचुलणिपियं स०एवं वयासी हंभोचुल० अपत्थियपत्थिया४ जइणंतुमं
जावनभंजसि तओअहंअज्जजाइमामाता भद्दासत्थवाहीदेवतंगुरुं जणणीं दुक्कर२कारियं तंसिसा
ओगिहाओणेमि२त्ता तवअग्गओघाएमि२त्ता तओमंससोल्लएकरेमि२त्ता आदाणभरियंसिक
डाहयंसि अहहेमितवगातंमंसेणय सोणिएणयआइं चामिजहाणंतुमं अट्टदु० अकालेचेवविवरो

भाषा

पुत्रनेकोधोतिमकहेतिमत्रीजकरेइणेमकारेलघुबेटानेपिणचुलणीपिताने मांसेलोहीकरछांटेतेसहेतियारेतेदेवताचुलणीपितानेनि
र्भीकयकोयावत्गच्देखे चउथीवारपिणचुलणीपितानेसमणोपासकनेएउयोकहेयचोचुलणीपिताश्रावक तुंअप्रार्थितमरणनोप्रार्थन
हारजो तुंव्रतनहीभाजभांजसीतोआजताहरीइणेमातानेभद्राएहवेनामे सार्थवाहीदेवगुरुसमानगर्भप्रतिपालनादुक्कर२ क्रियानी
करणहारतेताहरीमातापोतानीघरथीआणसुं आणीनेताहरेआगलमारिसमारीनेतिवारपछीमांसनांतीनसूलाकरिसुंमासणेभरी
नेकड़ाहीतिणकड़ाहमाहेतेउने तलीसयलीताहरीगालमांहे करीलोहीयेकरीनेगरीरछांटीसजिवारेतुं आर्त्तध्यानरौद्रध्याननेवसे

विज्जसि तएणंसेचु० तेणंदेवेणं एवंवुत्तेअभीएजावविहरइ तएणंसेदेवेचुलणीए अभीयंजावविहर
माणंपासइचु० दोच्चंपिएवंवयासी हंभोचुल० तहेवजावविरोविज्जसि तएणंतस्सचुलणीपियस्स तेणं
देवेणंदोच्चंपि एवंवुत्तेसमाणस्स इमेयारूवेजावअज्झत्थिए४ अहोणंइमेपुरिसेअणारिए अणारिय
वुद्धी अणारियाइं पावाइं कम्माइं समाचरए जेणंममंजेट्ठपुत्तंसाओगिहाओ णीणेमिममअग्गओ
घाएइ२त्ता जहाकयंतहाविचिंतिइ जावगायंआइंचइ जेणंवममममज्झिमंपुत्तं साओगिहाओजाव

अकालेमरीस तिवारपछीतेचुल्लणीपिताश्रावकतिणेदेवतांयेइसोकह्यायकांनिर्भयथकोयावत्विचरेतिवारपछीतेदेवताचुल्लणीपिताने
निर्भीकनिडरथको विचरतायकोदेखेचुल्लणीपितानेबीजीवारएहवोकहेअहोचुल्लणीपितातिमहीजकहे जीवथकीमारीसतिवारेतेह
चुल्लणीपिताश्रावकनेतेदेवतायेबीजीवारतीजीवारइमवारवारतेदेवताकह्योथकेएहवोअभिप्राययावत्मनमेचींतवे अहोएकोएक
पुरुषमहाअनार्यअनार्यबुद्धिनोधणीवलीअनार्यबुरीथकीनडरेकरतोपापनोकर्मतेहनोकारणहारजीयेमाहरोवड़ोबेटोमाहराघरथकी

सोणियं आइंचइ जेणंममकणीयसंपुत्तं साओगिहाओ तहेवजावआइं चइ जावियणंइमंममसाता भद्दासत्थवाही देवतंगुरुजणणिं दुक्करकारियं तंपियणंइच्छइ साओगिहाओणीणेत्ता ममंअग्गओ घाइत्तए तंसेयंखलुममंएयंपुरिसंगिणहेत्तए त्तिकट्टुउट्ठातिते सेवियआगासेउप्पत्तिए तेणयखंभे आसादिए महयाऽसद्देणंकोलाहलेकएतएणंसाभद्दासत्थवाही तंकोलाहलसद्दं सोच्चा। निसम्म



आपणोआणीनेमारेआगलेमाखोवलीजेहरीतकीधीतेसर्वेचोंतवे यावत्गर्द्देमाहरोगात्रछांटोवलीजिणेमाहरोपिचेटपुत्रमारुयोपो तानाघरथी आणीमांसलोहीछांट्यो वलीजिणे माहरोलघुबेटोआणीनेमारुयोमाहराघरथकीआणीनेतिसदीजतलीनेमाहरोगात्र छांट्योवलीहिवेजेमाहरीमाताछेतेभद्राएहवेनामेसार्थवाहीदेवतागुरुसमानजननीमातापलीगर्भनीप्रतिपालनाकरणहारदुक्करकिया नीकरणहारतेहनेमारवाभणीयांछेतेमाहराघरथीयावणसेआणीनेमाहरेआगलमारिस्सेंतिवारेमुझनेभलुंछेजोएपुरुसनेझालुं एहवोविचारीनेमनवचनकायायेउठ्योतेदेवतापिणआकासेउपड्योतिणेथांभोपकड्योचुलणीपितायांभोग्रह्योतमोटेसादेकरीनेकोला

जेणेवचुलणीपियंसमणोवासयं तेणेवउवागच्छइ२त्ता चुलणीपियंएवंवयासी किंसंपुत्तातुमेमह
या२सद्देणं कोलाहलेकए तएणंसेचु०अम्मयं भद्दं सत्थिवाहिंएवंवयासी एवंखलुअम्मोनजाणामिके
विपुरिसेआसुरत्तेपू एगंमहंनीलु०असिंगहायममं एवंवयासी हंभोचु० अपत्थियपत्थिया४ वज्जि
या जइणंतुमंजावविवरोविजसि तएणंअहंतेणंदेवेणं एवंवुत्तेसमाणे अभीएजावविहरामि तएणंसेदे
वेमअअभीयं जावविहरमाणंपासइ२ममंदोच्चंपितच्चंपिएवंवयासि हंभोचुल० तहेवगाइआइं चइ

हलकीधोतिवारेतिकाभद्रासार्थवाहीतेकोलाहलशब्दसांभलेसांभलीनेजिहांचुलणीपिताश्रमणोपासकश्रावक तिहांआवेआवीकरीने
चुलणीपिताश्रावकनेएहवोकहेकिमवेटाआजहिवणातेमोटे मोटे सादेकोलाहलकीधोतिवारेतेचुलणीपितामातानेभद्राएहवे नामे
सार्थवाहीनेइमकहेइणेप्रकारेखलुकहतांनिश्चयहेमानजीहुं जाणुं कोइकपुरसआजमोउपरेकुप्योथकोएकमोटोवीजलीसरखोनीलो
त्पलकमलसरखोखड्गलेइनेमुझनेएहवोकह्योरेहोचुलणीपिता अप्रार्थितमरणानावांछणहारइमकहीनेजोतुं व्रतनभांजेतोहुं मारीस

तएणंअहंतंउज्जलंजावअहियासेमि एवंतहेवउच्चारेयव्वं सव्वंजावकणीयसं जावआइ चइ अहंतं
उज्जलंजावअहियासेमि तएणंसेदेवेममं अभीयंजावपासइ२ ममंचउत्थंपिएवंवयासि हंभो चु० अप
त्थियपत्थियाजावनभंजसि तओतेअज्जजाइमामाताग़ुरुजाववरोविज्जसि तएणंअहंतेणंदेवेणं एवंवु
त्तेसमाणे अभीएजावविहरामि तएणंसेदेवे दोच्चंपितच्चंपिममं एवंवयासी हंभोचुलणीपिया अज्ज

भाषा

तुभानेएउवोकह्योतिवारेंऊं तिणदेवतायेइमकह्यांथकानिर्भीकथकोधर्मध्यानमांहेविचर्यो तिवारेतेदेवतामुझने अभीतनिडरोयको
यावत्विचरतोथकोमुझनेदेखेदेखीनेपछीमुझनेदुवारतीनयारतेदेवतामुझनेइमकहेरेचोलुलणीपितापर्वलीपरेमांसलोचीयेकरीने
गातछांटेतिवारपछीऊंतेउजलीतीव्रवेदनातिणप्रतेसहीअहियासीदूणेप्रकारेपूर्वलीपरेसर्वघातकणीसर्वसगलोधिरतंतलघुपुतनेमा
रीमांसरुधिरेकरीछांटेऊंतेउजलीतीव्रवेदनातेहनेअहियासंमऊंयावत्तिवारे तेदेवतावलीमुजनेनिर्भीकनिडरथकोदेखेदेखीकरी
नेवलीमुजनेचउथीवारइमकहेरेचोचुलणीपिताअप्रार्थितमरणनावांछणहारजोनतनथीभांजे तोआजताहरीमाता भद्रासार्थवाही

जावबरोविज्जसि तएणंअहंतेणंदेवेणं एवंवुत्तस्ससमाणस्स दूसेयाक्खेअभत्थिए अहोणंइमेपुरिसेअ णारिए। जासमायरएजेणंमगं। जेट्ठपुत्तंसाओगिहाओ। तहेवजावकणीयसंजाव०आइंचइ। वु दभेवियणंइच्छइ। साओगिहाओजावणीणेत्ता। ममअग्गओघाएत्तए तंसेयंखलुममंएयंपुरिसंगि णिहत्तएत्तिकट्टु। उद्धातितेसेवियसेअगासे। उपपतितेममएवियखंभे। आसादितेमहयार्सद्देणं।

यावत्शब्देपूजनीकतेहनेकह्यं मारीसतिवारपछीकह्यंतेदेवतायेएहवेवचनकह्यांथकाअभीतनिडरथकोविचरुंतिवारपछीते देवतामुझने बीजीवारअनेतीजीवारएहवोमुझनेकहेअरेचुलणीपिताश्रावकयावत्शब्देतुजनेमारुंछुंतिवारपछीकह्यंतिणेदेवतायेइणप्रकारेइस कह्योथकेमाहरेमनमेएहवोसंकल्पउपनोअहोएकोइएकपुरुषअनार्यक्रूरकर्मनोकरणहारपापिष्टपुरुषजिणेमाहरोवड़ोपुत्रघरथीआणी नेमाह्योतिमहीजविचेटनेमारेलघुपुत्रनेमारीनेमांसलोहीकरीनेगात्रछांट्योएतलेकह्यंइढ़रत्नावलीतुझारोनामलीधोपोतानेघरथीतु ह्मनेपिणआणीनेमारिवांछेअनेनाहरेआगेमारेकह्यंमारिवानचींतीभलोमुझनेनिश्चयइणे पापिष्टपुरुषप्रतेझालुंएहवोविचारीनेति

एतस्त्वयाविदर्शनं विरूपाकारं विभीषिकादि दृष्टमवलोकितमिति भग्नव्रतिभग्नव्रतः स्थूलप्राणातिपातविरतेभवितो भग्नत्वात्तद्वि नाशार्थं कोपेनोद्धावनात् सापराधस्यापि व्रतविपर्यासितत्वात्भग्ननियमः कोपोदयेनोत्तरगुणस्य क्रोधाभिग्रहरूपस्य भग्नत्वात् भग्न पोषधोव्यापारपौषधभङ्गात् एतस्मात्तिद्वितीयार्थत्वात् पश्चाः एनमर्थमालोचयगुरुभ्योनिवेदय यावत्करणात्पडिक्कमाभिनिवर्त्तस्वनिन्दा

सूत्र

कोलाहलेकएतएणंसाभद्दा । चुलणीपियंस० एवंवयासी । नोखलुकेइपुरिसे । तवजावकणीयसंपु त्तंसाओगिहाओणीणेइत्ता । तवअग्गओघाएइ । एसणंकेइपुरिसे तवउवसग्गंकरेइ । एसणंतुमे विदरिसणेदिट्ठे । तएणंतुमंइयाणिंभग्गवयाभग्गणियमे । भग्गपोसहेविहरसि । तेणंतुमंपुत्ताएयस्स

भाषा

वारेऊं उद्योतिसेआकासेतेदेवता उपद्योउपडतेयथेनेतिवारेनेभाल्येयांभोअनेमोटेमोटे सादेकोलाहलकीधोकोलाहलकीधांयकांति वारेतेभद्रासार्थवाहीचुलणीपिताप्रावकनेएहवोप्रमकहेनोनदीकोइपुरुषताहरोवडोपुत्रमध्यमपुत्रलघुपुत्रने यावत्गर्दमापणांघरथ कीपुरुषआणीनमकेताहरेआगेकोइमारीनसकेएकोइएनपुरुषतुमनेउपसर्गकरेइणप्रकारेओतेकोइएकदेवतानोदरसणदीठोतिणे

हि आत्मसाक्षिकं कृत्वां कुरु गरिहाहि गुरुसाक्षिकं कृत्वां विधेहि विउट्टाहि वितोटयतद्भावानुबन्धच्छेदं विधेहि विसोहेहि अती चारमलक्षालनेन अकरणयाते अब्भुट्ठेहि तदकरणाभ्युपगमं कुरु अहारिहंतवोकम्मं पायच्छित्तं पडिवज्जाहित्ति अतीतं एतेनच

ठाणस्स । आलोहिजावपड़िवज्जेहि । तएणंसेचुलणीपियास० । अम्माएभद्दाएस० । तहत्तिएयमट्ठं विणएणंपड़िसुणेइ२त्ता । तस्सट्ठाणस्सआलोएइ । जावपड़िवज्जेइ । तएणंसेचुलणिपियास० । पढ़मं उवासगपड़िमं । उवसंपज्जित्ताणंविहरइ । पढ़मंउवासगअहासुत्तंजहाआणंदो । जावएक्कारसवि

तुम्हे हिवणांसांप्रतिआपणाव्रतपच्चक्खाणतपनियमसामायकपोसहतेहसर्वनोभंगकीधां विचरोछोतिणेतुम्हे पुलहूणेठिकाणेस्थानके मनवचनकायायेकरीनेआलोवतुम्हे तपप्रायश्चित्तल्योतिवारेतेचुल्लणीपिताएहवेनामेश्रावकमाताभद्रासार्थवाहीइमसत्तेयकेतहत्ति करीनेएअर्थमातानेविनयकरीनेसांभलेसांभलीनेतेहठिकाणे पापनास्थानकआलोवेयावत्शब्देप्रायश्चितल्ये तिवारपछीतेचुलणीपिता श्रावकश्रावकनीपहिलीदर्शनप्रतिमासूत्रनीविधितिणेकरीनेउपसंपदाले इनेविचरेपलीश्रावकनीप्रतिमाभलीपरेजिमआणंदश्रावके

निपीयादिषु गृहिणः प्रतिमायश्चित्तस्याप्रतिपादनाच्च तेषां प्रायश्चित्तमस्तीति ये प्रतिपद्यन्ते तन्मतमपास्तंसाधूद्देशेन गृहीप्राय श्चित्तस्य जीवतव्यवहारानुपातित्वात् इति उपासकदशानां तृतीयाध्ययनस्य विवरणं समाप्तम् ।

सूत्र

तएणंसेचु॰ । तेणंउरालेणंजहाकामदेवे जावसोहम्मेकप्पेसोहम्म वडिंसगस्समहाविमाणस्स । उत्त रपुरच्छिमेणं अरुणप्पभेणामंविमाणे देवत्ताएउववण्णे चत्तारिपलिओवमाइं ठिई महाविदेहेवासे सिज्झिहिंतिप्र निक्खेवो उवासगदसाणं तइयंअज्झयणंसमत्तं ३ उक्खेवोचउत्थस्स एवंखलुजंबू तेणं

भाषा

कोधीयावत्शब्दे तिम ११इग्यारे प्रतिमाश्रावकनीवहेतिवारेतेचुलणीपितातेहयाप्रधानतपेकरीजिमकामदेवनीपरेंयावत्शब्दे जिम सौधर्मकल्पे सौधर्मावतंसकएहवेनामेमहामोटोविमानतेहनेविषेउत्तरपूर्वतेहने मध्यईशानकूणेअरुणप्रभएहवेनामेविमाननेविषेजई नेदेवतापणे देवताउपनोतिहांच्यारिपल्योपमश्राउपानीस्थितिकहीतिहांथीचवीनेमहाविदेहेमोक्षपामसीनिक्षेपः उपासकदशानो त्रीजाअध्ययननोअर्थसंपूर्ण थयो । हिवेकहेछेस्वामीचउथाअध्ययननोइणेप्रकारेनिश्चयजंबूतिणेकालेतिणेसमयेवाणारसी एहवेनामे

अथ चतुर्थमध्ययनमारभ्यते तदपि सुगमं नवरं चैत्यं कोष्ठकं पुस्तकान्तरे काममहावनं धन्याचभार्या जमगसमगंति यौगपद्ये

कालेणं तेणंसमएणं२ वाणारसीएणयरीए कोट्ठएचेइएजियसत्तूराया सुरादेवगाहावई अट्ठेदित्ते छहिरणकोडीओणिहाणपत्ताओ जावछव्वयादसगोसाहस्सिएणं वएणंधणाभारियासामीसढो जहाआणंदोतहेवपडिवज्जइ गिहिधम्मंजहाकामदेवो जावसमणस्सभगवओ। महावीरस्सपण्णत्तिं उवसंपज्जिताणंविहरइ तएणंतस्ससुरादेवस्ससम० पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगेदेवेअंतियंपाउ

नगरीकोष्टकएहवेनामाचैत्यजितशत्रुनामे राजासुरादेवएहवेनामे गाथापतिवसेछेऋद्धिवंतदीप्तवंतछहिरण्यकोड़िनिधानभूतधरतीमे गाड़राखीछेयावत्शब्देछव्रजगोकुलदससहस्रगाये एकएकव्रजएहवाछे एहवागोकलधन्नाएहवेनामेभार्यास्वामीसमवसस्याजिमआणं दतिम१२व्रतअंगीकारकरेतिमहीजतरेजिमकामदेवे१२व्रतउचस्यातिमउचरेयावत्शब्देश्रमणभगवंतचरमतीर्थंकरमहावीरस्वामीति कारेसमीपधर्मप्रज्ञप्तिधर्मनीउपसंपदालेईनेएहवोयकोविचरे तिवारपछीतिणसुरादेवश्रावकनेआधीरातनेसमयनेविषेएककोइए

भविता । सेदेवेएगंमहं । नीलुप्पलजावअसिंगहाय । सुरादेवं स० एवंवयासी । हंभोसुरादेवा
अपत्थियपत्थिया४ । जइणंतुमंसीलाइजावनभंजसि । तओजेट्ठपुत्तंसाओगिहाओणीणेमि तवअग्ग
ओघाएमि । एवंमंससोल्लएकरेमि आयाणभरियंसिकडाहयंसिअद्दहेमि२त्ता तवगायंमंसेणयसो
णिएणय । आइंचामिजहाणंतुमं । अकालेजावववरोविज्जसि । एवंमज्झिमयंकणीयसं । एक्केक्के पं

भाषा

कदेवतासुरादेवनेसमीपेआव्योआवीनेतेदेवताएकमोटोकालोनीलोत्पलतमलसारिखोप्रसिखड्गलेइनेसुरादेवश्रमणोपासकनेए
हवोकहेभोसुरादेवपापिष्टअप्रार्थितमरणनाप्रार्थनहारजोतुंनीलव्रतादियावत्‌गन्देनथीभांजीमतोतिवारताहरोजेठपुत्रवड़ोपुत्रताह
राघरथीआणीसआणीनेताहरेआगलपुत्रनेमारीसपूर्णप्रकारेपूर्ववलीपरेमांसनाखंडाकरीसआधणभरीनेकड़ाहीतेकड़ाहीमांहघाली
नेताहरेपुत्रनेतलीसताहरोगात्रमांसेकरीनेपत्रलोहीयेकरीनेछांटीसजिमतुंदुखकारीवेदनापामीनेअकालेयावत्‌गन्देमरणपामीसएम
मदूणप्रकारेविचेटपुत्रनेमारेलघुपुत्रनेएकेकपुत्रनापांचपांचखंडाकरीसतिमकरीजाकारे जिणप्रकारेपुत्रनीपितानांपुत्रनेकोधादिणदूषो

नेत्यर्थः सासेइत्यादौ यावत् करणादिदं इत्थं सासे१ कासे२ जरे३ दाहे४ कुच्छिसूले५ भगंदरे६ अरिसा७ अजीरये८ दिट्ठी९ मुद्ध सूले१० अकारए११ अच्छिवेयणा१२ कन्नवेयणा१३ कंडू१४ उदरे१५ कोढे१६ अकारकः अरोचकः।

चसोल्लया तहेवकरेइजहाचुलणीपियस्स नवरंएक्केक्केपंचसोल्लया। तएणंसेदेवेसुरादेवंचउत्थंपि एवंवसासी। हंभोसुराअपत्थियपत्थिया जावनपरिभंजसि। तओतेअज्जसरीरंसिजमगसमगसेव। सोलसरोगायंकेपक्खिवामि तं० सासेकासेजावकोढे जहाणंतुमंअट्टदुहट्टजाववरोविज्जसि। तओ

एतलोविशेषएकएकनापांचस्हलाकरेतिवारपछीतेदेवतासुरादेवश्रावकने चउथीवारपिणइणेप्रकारेएहवोकहेरेहोसुरादेवश्रावकअप्रार्थितमरणनाप्रार्थनहारयावत्शब्देजोतुंव्रतनहीभांजीसतोहुं ताहरे शरीरमांहिजमगसमगकहतांएकवारसमकालेसोलेरोगशरीरमाहताहरेआजहिवणांकुंनालीसतेकेहासासखासज्वरदाहभगंदरअजीरणनेत्रवेदनायावत्१६ कोढलगतिवारेतुंआर्त्तरौद्रध्यानेकरीदुखपामीने जीवथकीरहितकुंसीतिवारपछीतिओसुरादेवयावत्शब्दे विचरेइणेप्रकारेदेवतादोइवारतीनवारइमकहेयावत्

सेसुराजावविहरइ एवंदेवेदोच्चंपितच्चंपिभणइ जावनवरोविज्जसि तएणंतस्ससुरादेवस्स तेणंदेवेणं दोच्चंपितच्चंपि। एवंवुत्तस्ससमाणस्सइमेयारुवेअ०४। अहोणंइमेपुरिसे आणारिएजावसमायरइ जेणंममंजेट्ठपुत्तंजावकणीयसं जावआइंचइजे वियमे सोलसरोगायंकातेवियइच्छइ। ममसरीरगं सिपक्खिवित्तएतंसेयंखलुममंएयंपुरिसंगिण्हित्तएत्तिकट्टुउट्ठाइए सेवियआगासेउप्पतितेतेणयखंभे

भापा गन्देतु दुग्नपामीनेमरीस तिवारपछीते देवतासुरादेवश्रावकने तिणेदेवताये बीवार तीनवार एमयोमकह्यायका एहवोमनलेविषे अभिप्रायचीतवनकरे अहोएकोइ एकपुरुषमहादृष्ट अनार्यपापिष्ट यावत्गन्देफुकर्मानीचपुरुषछे जिणेमाहरोवडोजेठपुत्रविचेटपुत्र यावत् लघुपुत्रने मारीने यावत्लोहीमांहे करीनेमाहरोगरीरछांट्यो वलीजिणे पापीये १६ सोलहरोगमोटकामाहरे शरीरने विषेसमकालेकरीने संकामिवायांछे तो मुझनेभलोनिश्चयकारीनेपापिष्टपुरुषने गाढोझापडुएहवोविचारीने उतावलोउठ्यो तेहवेतेदेवताआकाशमार्गेजायवाभणीउपड्योउपडतेतिणेथांभोगाढोझाल्योमोटे मोटे सादकरीने कोलाहलसुरादेवेकीधोतिवारपछीनेधन्या

आसाइए महमहयासद्देणंकोलाहलेकए तएणंसाधन्नाभारिया कोलाहलंसुच्चानिसम्म जेणेवसुरा
देवेसअणोवासए तेणेवउवागच्छइएवंवयासी किणंदेवाणुप्पिया तुब्भे णंमहयासद्दे णंकोलाहलेक
एतएणंसेसुरादेवे साधम्मंभारियंएवंवयासी एव खलुदेवाणुप्पिया केविपुरिसेतहेवकहइ जहाचुल
णिपिया । धन्नाविपडिभणइ जावकणीयसंणोखलुदेवा तुब्भ केइपुरिसिसरीरंसि जमगसमगंसोल

नामेभार्यायेसुरादेवनोकिधोकोलाहलसांभल्योसांभलीकरीनेजिहांसुरादेवश्रावकछेतिहांपोसहशालायेतिहांआवेआवीनेसुरादेवने
एहवोकहेअहोदेवाणुप्रियकिमकिणभणी तुम्हे मोटे मोटे सादेकरीनेकोलाहलकीधोकिणे तुम्हनेउपसर्गकीधोतिवारपछीसुरादेवश्रा
वकधन्नानामेभार्यानेइणेप्रकारेएहवोकहेइणेप्रकारेहेदेवानुप्रियाखलुकहतां निश्चयकिणहेकपुरुषेमुझनेउपसर्गकीधोतिमहीजकहे
जिमचुल्लणीपितानेमातायेकह्योतिमतेरीतेधनाभार्यासुरादेवनेतिमकहे यावत्छोटापुत्रनेकुशलछेतिमकहेनहीनिश्चयहेदेवानुप्रिय
तुम्हारेकोइएकपुरुषसरीरनेविषेजमगसमगकहतासमकाले १६ सोलहरोगांभणीतत्कालतुरतघालीनसके इमजाणुं एकोइएकदेव

इति चतुर्थाध्ययनविवरणं समाप्तम् पञ्चमम् कथ्यम् ।

सूत्र

सव्वोगायंकेपक्खिवइ । एसगांकेविपुरिसेतु पंउवसग्गं करेइ । सेसंजहाचुल्लणिपियस्स । भद्दाभणइ णिरविसेसं ।जावसोहम्मेकप्पे अरुणकंतेविमाणे चत्तारिपलिओवमाइं ठिइ महाविदेहेवासेसिज्झिहिंति५ । णिक्खेवओ उवासगदसाणंचउत्थं अज्झयणंसम्मत्तं४ । उक्खेवोपंचमस्स ।एवं खलुजंबूतेणं कालेणं । तेणंसमएणं आलभियाणयरीसंखवणेउज्जाणे । जियसत्तुराया । चुल्लसयएगाहावई

भाषा

तापुरुषपतुम्हनेआवीनेउपसर्गकीधोसेसर्वथाकतोथिरतंतचुल्लणीपितात्र्यावयाने भद्रामाताकहे तिमजीजसर्वनिरवसेगजाणवोयावत् गच्छेसोधर्मदेवलोकेप्रथमदेवलोके अरुणकंतएहवेनामे विमाननेविषे चिरात्यारपल्योपमनीस्थिति कहीछे इतिदाजइउपनोमहा विदेहखेत्रनेविषेअवतरीनेमोक्षपामस्ये सीझस्ये ५ निक्षेप: उपासकदसाएहवेनामेअंगतेहनेचोथाअध्ययनतणो अर्थसंपूर्णथयो । उत्क्षेप: हिवेकहोस्वामीपांचमाअध्ययननो अर्थइणेप्रकारेनिश्चयछेजंबूतिणेकालेतिणेसमयनेविषे आलंभिकाएहवेनामेनगरीसंखवन

अड्डेजावच्छहिरणकोडीओजावच्छव्वया दसगोसाहस्सिएणंवएणं वज्जलाभारियासामीसमोसड्ढो जहाआणंदोतहागिहिधम्मंपड़िवज्जइ सेसंजहाकामदेवे जावधम्मपणत्तिंउवसं०विहरइतएणंतस्स चुल्लसयगस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले एगेदेवेअंतियंजावअसिंगहाय एवंवयासीहंभोचुल्लस।जावणभंज सि। तओअज्जजेट्ठपुत्तंगिहाओणीणेमि। एवंजहाचुलणिपियं। णवरंएक्केक्कोसत्तमंससोल्लया।

एहवेनामेउद्यानअछे जितशत्रुएहवेनामेराजाचुल्लशतकएहवेनामेगाथापतिवसे वड़ोऋद्धवंत यावत्छहिरण्यनीकोडनिधानेछकोड़ि व्याजेछव्यापारेछव्रजदसहजारगायएकगोकुलमांहिएहवाव्रजगोकुलवड्ढलाएहवेनामेभार्याभगवंतआवीनेसमवसर्या जिमआणंदश्रा वकलीधोतिमहीजगटहस्थनोधर्म१२व्रतश्रावकनाअंगीकारकरेवीजोसर्वकामदेवनीपरेजाणवोयावत्शरदेश्रावकनीदूग्यारहप्रतिमारूप धर्मनीउपसंपदालेइनेविचरे तिवारपछीतेंचुल्लश्रावकधर्मध्याननेविषेविचरतांएकदाप्रस्तावेमध्यरातनेविषेएकदेवतासुहसमीपआगले आवीनैयावत्खड्गलेइकरीनेएहवोकहेअहोचुल्लशतकश्रावकजोतुंताहराआजव्रतनहीभांजेतोऊं आजहिवणांताहरावड़ापुत्रनेघरकयौ

जावकणीयसंजावश्राइं चामि। तएणंसेचुल्लजावविहरइ। तएणंसेदेवेचुल्लसचउत्थं पिएवंवयासी।
हंभोचुल्लजावनभंजेसि। तोतेश्रज्जइमाश्रो। छहिरणकोडीश्रोगिहाणपत्ताश्रो। छवड्ढि॰ छप
वित्थरपत्ताश्रो ताश्रोसाश्रोगिहाश्रोणीणेमि२त्ता श्रालभियाएणयरी सिंघाडगजावपहेसुसव्वश्रो
समंताविप्पइरामि जहाणंतुमंश्रट्टदुहट्ट श्रकाले। जीवियाश्रोविवरोविज्जसि। तएणंसेचुल्लसए

भाषा

श्राणीनेमारीसहुणेप्रकारेजिमचुलणीपितानीपरेकीधोवलीएतलोविशेषएकर पुत्रनासातसातमांसनासूलाकरेयावत्गडेविचेटपुत्रने
लघुपुत्रनेमारीनेशरीरछांटे तिवारपछीतेचुलगतक यावत्धर्मथीचुकोनथीतिवारेतेदेवताचुल्लगतकश्रावकनेचववीवारपिणइणेप्रका
रेएमबोलकहे रेचोचुल्लगतक यावत्श्राजवतनभांजीसतो हुंश्राजताहरीश्रढारकोडहिरणकोडताहरेनिधानमाहेछश्राजेवधेछहिरण
नीकोडिव्यापारेवधेछेतिकेताहराघरथकीश्राणीनेश्रालंभिकानगरीतिगमाहे यावत्सिंघाटकचयकचत्वरमहापथसर्वेमगले
चौमारगनेविषेविखेरिसतिवारेतुंश्रार्त्तध्यानरौद्रध्यानकरीने श्रकालयका जीवितरवियर्गतरहितहुई सतियारेतेचुल्लगतकश्रावकने

तेणंदेवेणंएवंवुत्तेसमाणे। अभीएजावविहरइ। तएणंसेदेवेचुल्लस०। अभीयंजावपासित्ता। दोच्चं पितच्चंपिएवंवुत्ते। तहेवजावविवरोविज्जसि। तएणंतस्सचुल्लसएणंदेवेणं। दोच्चंपितच्चंपिएवंवुत्तस्स अयमेयारूवेअअत्थिए४। अहोणंइमेपुरिसेअणारिए। जहाचुल्लणिपियातहाचिंतेइ। जावकणीय संजावइ चइ। जाओवियणंइमाओसमं। छहिरणकोडीणिहाणपत्ताओ। वड्ढि०पवित्थरपत्ताओ

तिणेदेवतायेइमकह्येथकेअभीकानिर्भीकथकोयावत् विचरेतिवारपछीतेदेवताचुल्लशतकने निर्भयथकोयावत् शब्दे देखेदेखीनेबीजीवार तीजीवारइणेप्रकारेएवोकह्यांथका तिमहीजयावत् शब्दे जीवतव्यथकोतुझनेमारीसतिवारपछीतिणेचुल्लशतकनेतिणदेवतायेएहवोबी जीजीवारतीजीवारइणेप्रकारेकह्याथकामनमेंविपेएहवोअध्यवसायउपनोअहोएकोइएकअनार्यपुरससमाणसनोमारणहार जिमचुल्ल णीपितायेचींतव्योतिमहीजचुल्लशतकचींतवेयावत् शब्देवड़ोपुत्रविचेटपुत्रलघुपुत्रनेमारीनेशरीरछांट्योवलीएदुष्टपुरुषमाहराघरथकी माहरीअठ्ठिआणीने छहिरण्यनीकोड़माहरेनिधानप्राप्तछे वलीछकोड़िमाहरेव्याजवधेछे वलीछकोड़िव्यापारेतेसर्वदुष्टपुरुषआणवा

ताओवियणंइच्छेइ। ममंसाओगिहाओणीणित्ता। आलभियाएणयरीए सिंघाडगजावविप्परित्त
ए। तंसेयंखलुममएयंपुरिसं। गिरहत्तएत्तिकदुउट्ठाइए। जहासुरादेवेतहेवभारियापुच्छइ। तहे
वकहेइ सेसंजहाचुलणिपियस्स जावसोहम्मेकप्पेअरुणसिट्ठेविमाणेउ० ठिइसेसंतावजावमहाविदेहे
वासेसिज्झिहिंति उवासगदसाणंपंचमअज्झयणंसमत्तं॥ छट्ठस्सउक्खेवओतेणंकालेणंतेणंसमएणं कं

भाषा

भणीवांछे वलीमाहराघरथीयागसीमाणीकरीने आलंभिकानगरीतिणनगरीनेविषे सिंघाडकतिकचउकचच्चरनाहे यावत्नाखवा
भणीवांछेतोङ्क छिवणाएदुटपापिटइराचारीपुरुसनेगाढोभालुंएछ्मोमननेविषे विचारकरीनेउतावलोउठ्योजिमसुरादेवतेमाकार्गे
गयोतिमहीजभार्याआवेआर्वानेपुछे तिमहीजसर्वयातकहे अपरसर्वअधिकारचुलणीपितानीपरेजाणवोयावत्गज्ञेसौधर्मदेवलोकने
विषेअरुणसिथएजवेनामेविमाननेविषेउपज्यो जिहांच्यारपल्योपमयाउखानीस्थिति यावत्महाविदेहक्षेत्रनेविषे अवतरीनेसीभस्ये
उपासकदशाअंगतेहनेपांचमोअध्ययननोअर्थसंपूर्णथयो ।५। हवेछ्ठासीछठेअध्ययननोअर्थकहेछेप्रकारे जंबूतिणेकालेतिणेसमये

पिल्लपुरेणयरे । सहस्संववणेउज्जाणे जियसत्तुराया कुंडकोलिएगाहावइ पूसाभारियाछहिरणको

डिएगिहाणपत्ताओ छवुड्डिक्ष्पवित्थरपत्ताओछव्वया दसगोसाहस्सीएणंवएणं सामीसमोसढोसा

वयधम्मंपडिवज्जइ । जहाकामदेवो । सोसव्वेवत्तव्वया । जावपडिलाभेमाणेविहरइ । तएणंसेकुंड

कोलिएअणयाकयावि पुव्वावरणकालसमयंसि जेणेवपुढविसिलापट्टए । तेणेवउवागच्छइ२ताणा

---

कंपिल्लपुरनगरीसहस्त्रांवएहवेनामेउद्यानछवो जितशत्रुनामेराजा कुंडकोलिकएहवेनामागाथापतिपूसाएहवेनामेभारिय्या छहिर

ण्यनीकोडिनिधानप्राप्तधरलीमेछे निधानप्राप्तछहिरण्यनीकोडिव्यापारभणीराखीछे छव्रजगोकुलछे दसहजारगायएकव्रजएहवाछ

गोकुलअसणभगवंतमहावीरसमवसस्या श्रावकनोधर्म १२ वारहव्रतरूपीअंगीकारकरे जहाजिमकामदेवनीपरेसर्ववक्तव्यताकहणी

जाणवीयावत्शब्दे साधुनेसूझताआहारपाणीप्रतिलाभतोविचरे तिवारपछीतेकुंडकोलीयोअन्यदाकहतांएकदाप्रस्तावनेविषेपुव्वाव

रणपाछिलोप्रहरतेहवेकालनेसमयेजिहांअशोकएहवेनामावणिकावाडीछे जिहांपृथवीनोशिलापट्टछेतिणेस्थानकेकुंडकोलीयोआवे

मामुद्दगंचउत्तरियगंच पुढविसिलापट्टएठवेइ२। समणस्सभगवओमहावीरस्स अंतियेधम्मपणत्तिं
उवसंपज्जित्ताणंविहरइ। तएणंतस्सकुंडकोलियस्सस०। एगेदेवेअंतियंपाउब्भवित्था। तएणंसेदेवे
णामामुद्दं चउत्तरिज्जंच। पुढविसिलापट्टयाओगिगहत्ति२। सखिंखिणिअंतलिक्खपडिवन्ने। कुंड
कोलियंसमणोवासयं। एवंवयासी हंभोकुंडकोलियास०। सुंदरीणंदेवाणुप्पियागोसालस्समंखलि

भाषा

आवीकरीनेपोतानीनामांकितएज्वीमुंद्रीथनधूयलीउत्तरीयवस्त्रतेहदोनुवस्त्रांप्रथिवीशिलापट्टने उपरे ठवेठवीनेश्रमणभगवंतश्रीम
हावीरस्वामीचरमतीर्थंकरनेसमीपेश्रावकधर्मअंगीकारकीधोछेतेहनाधर्मनीप्रज्ञप्तिवुद्धिउपरूंपदालेइने एकवीविचरेतिवारपछीनेसा
मायकव्रतकरेतिवारेतेकुंडकोलीयानेसमीप यावत्एगदेवताअंतिकसमीपप्रगटथयोतिवारपछीतेदेवताआवीनेनामांकितमुद्रिकाअ
नेउत्तरीयवस्त्रतेदोनुं वस्तांप्रथिवीशिलापट्टथकीउरलालेयेउरलालेइनेवलीतेदेवताना्मीजेघूघरीतिणांकररणरणाटकरतोथकाजावतो
थकोआकासेउभीकुंडकोलीयाश्रावकनेवूणेप्रकारेएमबोलकहे रेभोकुंडकोलीया श्रमणोपासकश्रावकभलीसुंदरभलोहेदेवाणुप्रियागो

पछे किमपिलिख्यते धम्मपन्नत्तित्ति श्रुतधर्मप्ररूपणादर्शनं मतं सिद्धान्तइत्यर्थः उत्थानं उपविष्टः सन् यदूर्द्धी भवातकर्मगमना दिकं वलंशारीरं वीर्यं जीवप्रभवं पुरुषाकारः पुरुषत्वाभिमानः पराक्रमः सएव संपादितस्वप्रयोजनः इतिउपदर्शनैवाविकल्पेनास्यै तदुत्थानादिजीवानां एतस्य पुरुषार्थप्रसाधकत्वात् तदसाधकंच पुरुषकारसद्भावेपि पुरुषार्थसिद्ध्यनुपलंभात् एवंच नियताः सर्वे भावायैर्यथाभवितव्यं तेतथैव भवन्ति नपुरुषाकारवलादन्यथाकर्त्तुं शक्यंत इति आहच प्राप्तव्यो नियतिवलाश्रयेणयोऽर्थः सोवश्यं

पुत्तस्स । धम्मपण्णत्तिनत्थिउट्ठाणेतिवा । परिकम्मेतिवावलेतिवावीरिएतिवा । पुरिसक्कारपरक्कमेति वा । णितियासव्वभावामंगुलीणं । समणस्सभगवओमहावीरस्स । धम्मपण्णत्तिउठाणेतिवा । जावप

सालेनोमंखलीपुत्रतेहतणोधर्ममंखलीपुत्रतिणे उपदिस्योकह्यो तिकणमेनहीउत्थानादिकक्रियातपसंजमचारित्रविनावलीतेहनेविषे वलविनावीर्यविनापुरुषाकारविनापराक्रमविनाकर्मथपेषपावीनेस्वर्गमोक्षेजईनेप्राप्तथायमाठोधर्मश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीनो धर्मंउपदिस्योएहवोयको उत्थानपुरुषाकारयावत्पराक्रमवलविनाकाईनहीछे सर्वसंसारनाभावअनित्यकह्या तिवारेतेकुंडकोलीये

ततोसौ कुण्डकोलिक: तदेवमेवमवादीत् यदि गोसालकस्य सुंदरो धर्म्मो नास्तिकर्म्मादीन्यतो नियता: सर्वभावा इत्येवंरूपोमंगुलश्च
महावीरधर्म्मोस्ति कर्मादीन्यनियता: सर्वभावा इत्येवंस्वरूपं इत्येवं तन्मतमनूद्य कुण्डकोलिकस्तन्मतदूषणाय विकल्पद्वयं कुर्वन्नाह
तुमेणमित्यादि पूर्ववाक्ये यदीति पदोपादानादेतस्यवाक्यस्यादौ तदेति पदंद्रष्टव्यं इति त्वया यं दिव्योदेवर्द्ध्यादिगुण: केन हेतुना

दिव्वादेविड्डी दिव्वादेवज्जुई दिव्वेदेवाणुभावेकिणालद्धेकिणापत्ते। किणाअभिसमण्णागए किंउट्ठाणे
णंजावपुरिसक्कारपरक्कमेणं। उदाहुअणुट्ठाणेणंअकम्मेणं जावअपुरिसक्कारपरक्कमेणं तएणंसेदेवेकुं
डकोलियं एवंवयासी एवंखलुदेवाणुप्पिया। मएइमेयारूवादिव्वादेविड्डीअणुट्ठाणेणं। जावअपुरि

कीमउत्थानादिकेकरी
वीदेवतानीऋद्धिदेववलदेवज्योतिदिव्यदेवतानासुखतें किमलाधाकिमपाम्याकिमस्वर्णवर्णकायधर्मयीपामीतोकिमउत्थानादिकेकरी
पाम्याकनाअथवातपउत्थानादिकविनाएहवी ऋद्धिपामीअनेवलीअथवाअनुष्ठानक्रिया तपजपविनायावत्शब्दे वलपराक्रमविनातेए
ऋद्धिपामीतिवारेतेदेवताकुंडकोलीयाश्रावकप्रतेएहवोइणेप्रकारेकह्यो इणेप्रकारेखलुनिश्चयहेदेवानुप्रियसेएहवीप्रधानएतादृशरूप

लब्ध: किमुत्थानादिना उदाहृन्ति प्रकोचित् अनुत्थानादिना तपो ब्रह्मचर्यादिनानकरणेनेति भाव: यनुत्थानादेरभावेनेति पक्षो गोशालकमताश्रितत्वात् भयतस्तया येषां जीनानां नास्त्युत्थानादितपश्चरणकारणमित्यर्थ: तेपूतिजीवा: किंनदेवा: एतच्चतोयमभि प्राय: यथा त्वं पुरुषकारं विनादेव: संवृत्त: स्वकीयाभ्युपगमत: एवं सर्वजीवाये उत्थानादिवर्जितास्तेदेवा: प्राप्नुवन्ति नचैतदेवमभि

सूत्र सक्कारपरक्कमेणं लद्धापत्ताअभिसमन्नागयातएणंसेकुंडकोडिएम॰तेदेवंएवंवयासीजइणंदेवाणुपिया तुमे इमाएयारूवादिव्वादेविड्ढी । अणुट्ठाणेणं जावअपुरिसक्कारपरक्कमेणं । लद्धापत्ताअभिसमन्नाग याजेसिणंजीवाणंनत्थिउट्ठाणेतिवा । जावपरक्कमेतिवा । तेकिंनदेवाणुपियाअहणंदेवाणुप्पिया तुमेइ

दिव्यदेवतानीऋद्धिर्देवपदवीअनेअनुष्ठानयावत्‌गम्दे पुरुषाकारविनापराक्रमविनासे एहवीऋद्धिलाधीपामीस्वर्णसारीगोसणांएउवो शरीरकायापामीतिवारेते कुंडकोलिकश्रमणोपासकश्रावकतेदेवताने एणेप्रकारेएहवोकहे जोहेदेवानुप्रियतुमे एताहशएहवोदिव्य ऋद्धिदिव्यदेवतानीपदवीअनुष्ठानक्रियाविनायावत्‌गम्दे पुरुषाकारपराक्रमयलवीर्यविनाएहवीएताहशतेलाधीपामीस्वर्णवर्णशरीरगो

ष्टमित्युत्थानाद्यपलापपक्षे दूषणं अथ त्वयेयं ऋद्धिरुत्थानादिनालब्धा ततो यद्वदसि सुंदरा गोसालकप्रज्ञप्तिरसुन्दरामहावीरप्रज्ञप्ति
रिति तत्ते तव मिथ्यावचनं भवति तस्य व्यभिचारादिति ततोसौ देवस्तेनैवमुक्तः सन् शङ्कितः संशयवान् जातः किं गोसालकमतं

सेएवारूवा । दिव्वादेविड्ढी३ उट्ठाणेतिजावपरक्कमेणवा ताओजंवदसिसुंदरी। गोसालस्समंखलि
पुत्तस्स धम्मपण्णत्तीणत्थि । उट्ठाणेतिवाजावणितिया। सव्वभावामंगुलीणं समणभगवओमहावीर
स्सधम्मपण्णत्ती । अत्थिउट्ठाणेतिवा । जावअणितियासव्वभावा । तंतेमिच्छातएणंसेदेवेकुंडकोलिए

शरीरपाम्योतोहिवणांजेजीवानेनहीछेउत्थानादिक्रियायावत्शब्दे पराक्रमादिकक्रियातोस्युं नही हेदेवानुप्रियअनेवलीजोहेदेवानु
प्रियतुमनेएहवीएताद्दशरूपदिव्यदेवतानीपदवीदेवतानीऋद्धिउत्थानादिक्रियायावत्शब्दे पराक्रमादिकक्रियातिवारेतुं कहेछेतेभलो
गोसालानोमंखलीपुत्रनोधर्मनीप्रज्ञप्तिवुद्धिनहीउत्थानादिक्रियायावत्शब्दे सर्वनित्यभावछेसर्वभावेकरीनेमाठोश्रमणभगवंत श्रीमहा
वीरस्वामीनोधर्मप्रज्ञप्तिधर्मनीवुद्धितिणेकरअस्तिजिहांछेउत्थानादितपक्रिया यावत्शब्दे अनित्यसर्वभावकह्याउपदिस्यातेसर्वमिथ्यां

सत्तसुतमहावीरमतं महावीरस्य युक्तितोऽनेन प्रतिष्ठितत्वादेवंविधविकल्पवान् संवृत्तइत्यर्थः कांक्षितो ममापिसाध्वेतद्युक्तत्वा दिति विकल्पवान् संवृत इत्यर्थः यावत्करणाद्भेदसमापन्नोमतिभेदमुपागतो गोसालकमतमेवमाश्रितनिश्चयादपोढत्वात् तयाकलुषं समापन्नः प्राक्तननिश्चयविपर्ययलक्षणंगोशालकमतानुसारिणांमते नमिथ्यात्वं प्राप्तइत्यर्थः अथवा कलुषभावं जितो यहमनेनेतिचेष्ट

सूत्र

णंस० एवंवुत्तेससंकिते। जावकलुससमावन्ने। णोसंचाएतिकुंडकोलियसास०। किंचिपामोक्खमा इक्खित्तए णामंमुद्दं चउत्तरिज्जयंचपुढविसिलापट्टए। ठवेति२जामेवदिसंपाउब्भुए। तामेवदिसिं पडिगए। तेणंकालेणंतेणंसमएणं सामीसमोसढो तएणंसेकुंडकोलिए इमीसेकहाएलद्धट्ठे हट्ठ

भाषा

ऋठोतिवार.पछीतेदेवताकुंडकोलियेश्रमणोपासकप्रत्येनएहवोकह्योथके ॰॰॰॰॰ोपाश्योपामीनेयावत्शब्दे ॰॰॰ितचित्तदेवतामनमेंयचो कुंडकोलीयाश्रमणोपासकश्रावकनेपाछोउत्तरदेवानसमर्थे उत्तरदेवाभणीअसमर्थयको ॰॰॰॰नेनकोनामांकितमुद्रिकाअनेउत्तरीयवस्त्र दोनुंवसताष्टथिवीशिलापटनेउपरमूंकेनेकीनेजिणदिशयकीनेदेवताआव्योहतोतिणेजितेदेवतापाछोगयोतिणेकालेतिणेसमे श्रम

हाकामदेवेतहाणिगच्छइ । जावपज्जुवासइ धम्मकहा कुंडकोलिएतिसमणेभगवं कुंडकोलियंस० ।
एवंवयासीसेणूणंकुंडकोलिया कल्लंतुम्मेपुव्वावरण्हकालसमयंसि असोगवणियाएएगेदेवेअंतियंपाउ
भवित्ता । तएणंसेदेवेणामसुद्दंच । तंचेवजावपडिगए । सेणूणंकुंडकोलिया । अट्ठेसमट्ठे हंताअत्थि
तं धणेसिणंतुमंजहाकामदेवे ।अज्जोतिसमणेभगवं समणानिग्गंथायनिग्गंथीओय । आमंतित्ताएवं

---

णभगवंतसमवसर्‌यातिवारेतेकुंडकोलीयोश्रावकएहवीकथा लाधेयकेमनसेहर्षपाम्योहर्षवंतथवोजिमकामदेववांदिवागयोतिमवांद
वाजावेयावत्पर्युपासनाकरेधर्मनीकथांसांभलेश्रहोकुंडकोलीयाएहवोनामलेइनेश्रमणभगवंतमहावीरकुंडकोलीया श्रावकने दूणप्र
कारेएहवोकहेएवातसाचीकुंडकोलीयाकालतुम्हनेपुव्वावरणपाछलेपुहरनेविषे असोकवाटिकामांहिसामायकलीधायका एकदेवता
ताहरेसमीपप्रगटथवोतिवारपछीतेदेवतातुम्हारीनामांकितमुद्रिकाअनेउत्तरीयवस्त्रलीधोयावत्पाछोगयोएवातसाचीकुंडकोलीया
एहवोकहेएअर्थ सर्वसत्यछेतुह्मे भाख्योतिमहीजछे धन्यछेधर्मथीचूकोनहीजिमकामदेवनीपरे तिवारेश्रमणभगवंत श्रीमहावीरस्वामी

रूपमापन्न इति नोसंचाएइति नशक्नोति पामोक्खं ति प्रमोचमुत्तरमाख्यातुं भणितुमिति गिहिमज्झावसंताणंतिष्टन्तु मध्यावसं तोणमिति वाक्यालङ्कारे अन्ययूथिकान् अर्थैर्जीवादिभिः सूत्राभिधेयैर्वा हेतुभिश्चान्वयव्यतिरेकलक्षणैः प्रश्नैश्चपरप्रश्नीयपदार्थैः कार णैरुपपत्तिमात्ररूपैःव्याकरणैश्चपरेणप्रश्नितस्योत्तरदानरूपैःनिप्पिट्टपसिणवागरणेत्तिनिरस्तानिस्पष्टानिव्यक्तानिवागरणानिप्रश्नव्या करणानि येषां तेनिस्पष्टप्रश्नव्याकरणः प्राकृतत्वाद्वा निप्पिष्टप्रश्नव्याकरणास्तान्कुर्वन्तिसक्कापुणत्तिशक्याएव हे आर्याः श्रमणैरन्य

सूत्र वयाओ। जइतावअज्जो गिहिणोगिहिमज्झावसंतो। अणुत्थिएअट्ठेहियहेउहियपसिणेहिय का रणेहियवागरणेहियणिप्पट्ठपसिणवागरणे। करेइसक्कापुणाइ अज्जोसमणेहिंणिग्गंथेहि। दुवालसं

भाषा घणासाधुअनेनिर्ग्रंथीघणीसाध्वीतिणानेतेडीनेइणप्रकारेएहवोकहे जोतुम्हेआर्य्योगिहिणोरहचीघरवासेरहतांथकानेअन्यतीर्थीअन्य शासनीअन्यमतनाअर्थे करीहेतुवेंकरीप्रश्नपूछणेकरीनेकारणेकरीवर्जनप्रमुखउत्तरैकरीनिष्टव्याकरणकरिवेकोईरहावीनसकेतुम्हे पिणइमवादीकइनेरहावोअहोश्रमणनिर्ग्रंथतुम्हेपिणद्वादशांगीनाजाणहारभणनहारश्रुतावलीमणिगुणाविचितश्रुवातमेअन्यदर्शनी

गंगणिपिड़यं अहिज्जमाणेहिं अणउत्थियाअट्ठेहिय जावणिप्पट्ठपसिणंकरेत्तए। तएणंसमणाणि ग्गंथा। सत्रणस्सभगवओतहत्ति। एयमट्ठंविणएणंपड़िसुणेइ तएणंसेकुंडकोलिएस मणंभगवंवंद इणमंसइ। पसिणाइं पुच्छइ। अट्ठमादियइ जामेवदि० तामेवपड़िगयासं०वहियाजणवयविहारंवि हरइ। तस्सकुंडकोलियस्स वहूहिंसीलजावभावेमाणे चोद्दससंव्वच्छराविंतिकंता पन्नरसमस्सस

नेअन्यमतीनेअर्थेकरीयावत्शब्दे निष्टव्याकरणकरीजीतीसको तिवारेतेघणासाधुसाधवीश्रमणभगवंतमहावीरनावचनतहत्तिसांभ लीनेविनयकरीनेप्रशंसाकरीनेसांभलेतिवारेतेकुंडकोलीयोपिणहर्षवंतथवोश्रमणभगवंतनेप्रदक्षणादेईनेवांदिनमस्कारकरेप्रश्नविचा रपूछेपूछीनेतेअर्थनेआपनेहृदयनेविषे धारेजिणदिशिथकीआव्योहतोतिणदिशीनेआपरेघरेगयोश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीवा हिरजनपदकहीजेदेशमांहेविहारकरताविचरेतिवारपछीहिवेते कुंडकोलीयोश्रावकवहूहिंकहतांघणावरसलगेसीलव्रतआददेईने सीलव्रतपालताचवदे१४संवच्छरकहतांवरसव्यतिक्रम्याउलंघ्यातिवारपछीहिवेपनरमावरसनेविषेतेहनेमध्यअंतरौवर्त्ततांयकाअएयदा

यूथिकानिरपष्टप्रश्नव्याकरणाः कर्तुमिति षष्ठं विवरणतः समाप्तम् ।
सप्तमं सुगममेवनवरं आजीविओवाएत्ति आजीविकाः गोसालकशिष्याः तेषामुपासकआजीकोपासकः लब्धार्थः श्रवणाद्गृही

सूत्र

वच्छरस्सअंतरावट्टमाणस्सअणया जहाकामदेवोतहाजेट्ठपुत्तंठवेइ२त्ता तहापोसहसालाएजावधम्म पणत्ती । उवसंपज्जित्ताणंविहरइ एवंएक्कारसउवासगपडिमाओ तहेवजावसोहम्मेकप्पे ।अरुणज्झ एविमाणे । जावअंतंकाहिंति । उवासगदसाणंछट्ठं अज्झयणंसम्मतं६ । सत्तमस्सउक्खेवओ । पोला

भाषा

कहताएकदाप्रस्तावेजिणप्रकारेकामदेवश्रावकतिणप्रकारे जेठपुत्रनेठवेठवीकरीने तिणहीजप्रकारे पोषहशालानेविषेयावत्शब्दे धर्म नोप्रज्ञप्तिकहीजेवुद्धिउपसंपदालेइनेघणोधर्मनेविषे विचरेइणप्रकारेइग्यारह ११ श्रावकनीप्रतिमावहीनेतिमहीजअन्त्यवस्थायेअण शणकरीनेयावत्शब्दे सौधर्मदेवलोकनेअरुणध्वजविमाने देवताऊवो यावत्च्यारिपल्योपमनेआउखेमहाविदेहेसीझस्येउपासकदशा एहवेनामेअंगतेहनोछठोअध्ययनपूरोथयो ६ । हिवेस्वामीसातमाअध्ययननोअर्थकहेपोलासपुरएहवेनामेनगरऊवो तिहांसद्दा

तार्थोबोधत: दृष्टार्थसंशये सतिविनिश्चितार्थउत्तरलाभे सति दिन्नभद्द भत्तवेयणत्ति दत्तंभृतिभक्तिरूपंद्रव्यं भोजनलक्षणंवेतनंमूल्यं

सपुरंणामणयरं । सहस्संववणंउज्जाणं । जियसत्तूराया । तत्थणंपोलासपुरेणयरे । सद्दालपुत्तेणा

मंकुंभकारे । हुड्डेआजीवीउवासएपरिवसइ । आजीवियसमयंसि ।लद्धट्ठेगहियट्ठेपुच्छियट्ठे विणिच्छि

यट्ठे । अभिगयट्ठेअट्ठिमिंजपेमाणुरागरत्तेय । अयमाउसोआजीवियसमएअट्ठे । अयंपरमट्ठे सेसेअ

णिट्ठेत्ति । आजीवियसमएणं । अप्पाणंभावेमाणेविहरइ ।तस्सणंसद्दालपुत्तस्सआजीविओवा । एक्का

वएहवेनासेउद्यानहवोवलीजितशत्रुएहवेनामेराजा वलीतिहांपोलासपुरनगरतिणनगरनेविषे सद्दालपुत्रएहवेनामेकुंभकारतिहां

वसेछे वडोहृद्दवंतगोसालानोउपासकश्रावकपरिसामस्तप्रकारे करिवसेछे गोसालानेमतेप्रवीणवलीलाधोछेअर्थसम्यक्तनिश्चयकीधो

वलीपुछ्योछेअर्थवलीलाधाछेअर्थजिणेअभिसामस्त्यपणेकरग्रह्याछेअर्थभेदीछेजेहनीहाडनेमीजीसातेधातधर्मेकरीनेरक्ताछेअयंभोआउ

खावंततुम्हे सांभलोएधर्मतत्वगोसालानोधर्मतेहीजसारएहवोपरमार्थछे अवरवाकीनाधर्मअनर्थजाण्याछे गोशालातणोधर्मतेहधर्मने

येपां ते तथा कल्लाकल्लिं त्ति प्रतिप्रभातं वह्नन् करकान् वार्घटिकावारकांश्चगडुकान् पिठरकान् स्थाली: घटकान् प्रतीतान् अर्द्ध घट

सूत्र

हिरण्णकोड़ीणिक्हाणपउत्ता। वुड्डिपवित्थरपउत्ता। एक्केवएदसगोसाहस्सिएणंवएणं। तस्सणंसद्दालपुत्तस्स अग्गिमित्ताणामंभारिया। तस्सणंसद्दालपुत्तस्स। आजीवियअपोलासपुरस्स णगरस्सवहिया। पंचकुंभकारावणसयाहोत्था। तस्सणंवहवे पुरिसादिण्णभत्तिभत्तावेदणा। कल्लाकल्लंवहवेकरएयवारएयपिहडएय। घड़एयअद्धघड़एयकलसएय। अलिंजएयजंवूलयेए। उट्टियाओयकरेंद्र।

भाषा

विपे अप्पाणांकरतांथायणो आत्मामांहिभावतोयकोविचरेतिणेतेहवेसद्दालपुत्रएहवेनामे गोशालानाश्रावकनेएकक्रोड़हिरण्यनीकोडिनिधानप्रमाणछेवलीतेहनेएकक्रोड़हिरण्यनीकोड़िव्याजेवधेएकघरवपरीवेवलीतेहनेएकव्रजगोकुलदसहजारगायतेहनेविपेएहवोतेहनेएकव्रजछेतेसद्दालपुत्रनेअग्गिमित्राएहवेनामेस्वकीयाभार्यास्त्रीछेवलीतेहने सद्दालपुत्रएहवेनामेगोशालातणोश्रावकनेपोलासपुरएहवेनामेनगरनेवाहिराकहतांवाहिरसद्दालपुत्रनेकुंभकारपांचसय ५०० हाटछे तेहनेवहवेकहतांघणातिणाहाटांमाहेपुरुपछे वलीधणादीजेछे

कांस्य घटार्द्धमानान् कलसकानाकारविशेषवन्तो हृद्वटकान् अलिंजराणि च महदुदकभाजनविशेषान् जंबूलिबूलकांश्च लोकरूढाव

असोयवहवेपुरिसा। दिसभत्तदिसवेयणा। कल्लाकल्लिंतेहिंवऊहिं। करएहिंजावउट्टियाहिंय। अन्नयाकयाईपुव्वा रायभगंसिविणिंकप्पेमाणाविहरद्द। तएणंसेसद्दालपुत्ते। आजीविओवासए। गोसालस्समंखलिपुत्तस्स। अंतिएधवरसकालसमयंसिजेणेवअसोगवणिया। तेणेवउवागच्छद्द।

भोजनदिनदिनप्रतेदिह्रानवीकीजेवहवेघणाकरवावलीघणांगाडुआघणांकुंडलावलीघणांघडाअर्द्धघडावलीवहवेघणांकलसावलीघणा माटलाघणाजंबुलकवलीघणाउष्ट्रिकासुगंधतेलघ्रितनाठामवलीअनेकघणावणीजातनाघणांपुरुषपासेवलीघणांचाकरानेभोजनादिक दिनदिनप्रतिआजीवकादेइनेपासेकरावे घणाकरवाप्रमुखयावत्शब्देउष्ट्रिकादिकाचनाठामराजपंथराजमार्गनेविषेवेचतायकाविचरे व्यापारकरवाविचरेतिवारपछीतेसद्दालपुत्रगोशालातणोउपासकआवकअन्यदाप्रस्तावेएकदिवसनेपुव्वावरणपाछिले पुहरनेविषेजिणे

सेयान् उद्रिकांश्च सुरातैलादिभाजनविशेषान् एहिंत्तिएष्यति इहेति अस्मिन्नगरे महामाहणेति माहन्मिनहन्मीत्यर्थः आत्मनावा हननविष्टत: परंप्रतिमाहनेत्येवमाचष्टे यः समाहनः सएव मनः प्रभृतिकरणादिभिराजन्मसूक्ष्मादिभेदभिन्नजीवहननविवृत्तत्वात्

सूत्र

समपणत्तिं उवसंपज्जित्ताणंविहरइ। तएणंतस्ससद्दालपुत्तस्स। आजीविएक्केदेवे। अंतियंपाउभ वित्था। तएणंसेदेवेअंतलिक्खपडिवन्ने। सखिंखिणियाइं। जावपरिहिएसद्दालपुत्तं। आजीवि ओवासयंएवंवयासी। एहिंतिणंदेवाणुप्पिया। कल्लंइहंमहामाहणे। उप्पणणाणदंसणधरे।

भाषा

दिसीअथोकएहवेनामीवाड़ीछे तिहांआवेआवीनेगोशालकमंखलीपुत्रएहवे नामेतेहनेसमीप धर्मरूपणीधर्मसंबधनी धर्मतणीबुद्धि प्रज्ञामिलीधीछेतेहनीउपसंपदालेईकरीने तिवारपछीतिणेसद्दालपुत्रनेआगलगोशालानामतनोधरणहारनेसमीपएकदेवताआवीक करीनेप्रगध्यो तिवारपछीतेदेताअंतिकसमीपआवीकरीने तिवारपछीतेदेवताअंतलिख आकाशमार्गेआवीनेउभोथकोकरीने वाज तायकायावत्ध्वन्दे वस्त्रआभरणपहिर्यांथका सद्दालपुत्रनेगोशालातणा श्रावकनेतेदेवताएहवोइणेप्रकारेकहे आवसे हेदेवाणुप्पिया

महान्माहनोमहामाहन:उत्पन्ने आवरणक्षयेणाविर्भुतेज्ञानदर्शनेधारयतिय:सतथाअतएवातीतप्रत्युत्पन्नाऽनागतज्ञायक:अरहन्तिअ
र्हन्नष्टमहाप्रातिहार्यरूपपूजाअर्हत्वात्अविद्यमानंवारहंएकान्त:सर्वज्ञत्वाद्यस्यसोरहाजिनोरागादिजेतृत्वात्केवलानिपरिपूर्णानिशु
द्धान्यनन्तानिवाज्ञानादीनियस्यसन्तिसकेवलीअतीतादिज्ञानेपिसर्वज्ञानंप्रतिशंकास्यादित्याहसर्वज्ञ:साकारोपयोगसामर्थ्यात्सर्वदर्शी
अनाकारोपयोगसामर्थ्यादितितथातेलोकवहियपूइएतित्रैलोक्येनत्रिलोकवासिनाजनेनवहियन्तिसमग्र ऐश्वर्याद्यतिशयसंदोहदर्शन
समाकुलचेतसाहर्षभरनिर्भरेणप्रबलकुतूहलवलादनिमिषलोचनेनावलोकित:महियन्तिसेव्यतयावाञ्छित:पूजितश्चपुष्पादिभिर्य:सतथा

तीयपडुप्पण्णागयजाणए। अरहाजिणेकेवली। सव्वण्णूसव्वदरसी। तिलोयमहियपूयिए। सदे
वमणुयासुरलोगस्स। अच्चणिज्जेवंदणिज्जे। जावपज्जुवासणिज्जे। तस्सकम्मसंपयासंपउत्ते। तेणंतुमं

आवकइहांकालिनेप्रभातेमहामाहणआवस्ये तेकेहवाउत्पन्नउपजेज्ञानदर्शननाधरणहारवलीतेकेहवा अतीतअनागतअने वर्त्तमान
नाजाणहारएहवा अरिहंतजिणकेवलीगतिआगतनाजाणणहारसर्वदर्शीत्रिलोकवासीतिणेमहितकहतांपूजितवली सदासर्वदादेव

एतदेवव्यनक्तिसदेवमनुजासुरायलोकेन् ससदेवमनुजासुरस्तस्यलोकस्यप्रजाया:अर्च्चनीय:पुष्पादिभि:पूजनीय:वन्दनीयस्तुतिभि:सत्कारणीय:आदरणीय:सन्माननीयोऽभ्युत्थानादि प्रतिपत्तिभि: कल्याणंमंगलंदैवतंचैत्यमित्येवंबुद्ध्यापर्युपासनीयइति तच्चकर्मान्ति तथ्यानि

सूत्र

वंदेज्जाहि। जावज्जुवासिज्जाहि। पाड़िहारिएणं। पीढ़फलगसज्जासंथारएणं। उवणिमंतिज्जासि। दोच्चंपितच्चंपिएवंवयइ२त्ता जामेवदिसंपाउब्भूए तामेवदिसिंपड़िगए। तएणंतस्ससद्दालपुत्तस्स। आजीविउवासगस्स। इमेएयारूवेअभत्थिएसुपन्ने। एवंखलुममंधम्मायरिए। धम्मोवएसएगोसाले

भाषा

तामनुष्यअसुरादिकेकरीतिणासर्वनेअर्च्चनीयपूजनीकवंदनीकयावत्शब्देसर्वनेसेवनीकछेवलीपूछकारभगवनतिवधेकरीवांदिवायोग्यछेतिणेतुं भगवंतनेजइनेवांदिजेयावत्शब्दे तिकरणशुद्धमनसुद्धसेवाकरज्येपाडिहेरूवलीतिणानेपीठफलकवलीशय्यासंथारोवलीपातोपड़घोमसुखतिणेकरीनेनिमन्त्रणाकरेविवारतीनवारइमकहेइमकहीनेजिणिदिसियीआव्योहतोतिणभीजदिसीनेतेदेवतापाछोगयोतिवारपछीतेहसद्दालपुत्रनेतिणेगोशालानाश्रावकने इणेप्रकारेतिणेदेवताये इमकह्यो थके एहवीएताइशरूपविचारणामनमेसंकल्प

सत्यफलान्यव्यभिचारितयाकर्माणिक्रियास्तत्सम्पदातत्सद्भाव: संप्रयुक्त: सतथाकल्लमित्यत्रयावत्करणात् पाउप्पभायाएरयणीए

मंखलिपुत्ते। सेणंमहामाहणे। उप्पन्नणाणदंसणधरे। जावतच्चकम्मसंपउत्ते।सेणंकल्लंइहंहव्वमा
गच्छिस्सति। तएणंअहंवंदिस्सामि जावपज्जुवास्सामि पाडिहारिएणंउवणिमंतिस्सामि तएणंकल्लं
जावजलंते। समणेभगवंमहावीरे। जावसमोसरिए। परिसाणिग्गया। जावपज्जुवासइ। तएणं
सेसद्दालपुत्ते। आजीविउवासेकहाएलद्धट्ठे समाणे। एवंखलुसमणेभगवंमहावीरे। जावविहर

नाउपनीइणेप्रकारेखलुनिच्चयमाहणोधर्माचार्यधर्मनोउपदेशकदेणहारएहवोगोशालोमंखलीपुत्रतेहमोटोमहामाहणके उत्पन्नज्ञान
दरसणधरतेहनोधरणहारयावत्शब्दे इच्छकारभगवनवांदिवायोग्यछेप्रभातेकाल्हनेदीहेश्रावस्तेहव्वउतावलोश्रावस्ते तेहनेहुंजइने
वांदीसयावत्शब्देपर्युपासनाकरिस्युम्। वलीपीढफलगपाडिहेरूसिज्जासंथारेकरीने निमन्त्रणाकरीसतिवारपछीकालप्रभातनेविषे
यावत्शब्दे श्रमणभगवंतश्रीमहावीरचर्मतीर्थंकरयावत्शब्देकरीने समवसर्या बारह१२परषदावांदवागइ यावत्शब्दे करीने पर्युपास

दूतंगच्छामिणं। समणंभगवंमहावीरं। वंदामिजावपज्जुवासामि। एवंसंपेहेइ। एहाएजावपाय च्छित्तेसुद्धप्पा०। अप्पमणुस्सवग्गुरापरिगए।साओगिहाओपडिणिक्खमइ२त्ता। पोलासपुरंणयरं मज्झंमज्झेणंणिग्गच्छइ। जेणेवसहस्संववणेउज्जाणे। जेणेवसमणेभगवंमहावीरे। तेणेवउवाग च्छइ२त्ता। तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणंकरेइ२त्ता। वंदइणमंसइ२त्ता। जावपज्जुवासइ।



नाखेआकरेतिवारपछीतेसद्दालपुत्रगोशालानोमतीएहवीवातसांभलीसांभल्याथका जाण्योगोशालकनाव्योदूषणप्रलारेखलुकहतांनिश्चय श्रमणभगवंतश्रीमहावीरयावत्शब्दे विचरेछे तोहिवणांहुंजाउंदेवेकह्यो हूतोश्रमणभगवंतश्रीमहावीरनेजईनेवांदुंयावत्शब्दे सेवा करुंएहवेमनमेचोंतवे स्नानकरेयावत्शब्दे प्रायश्चितउत्तारीप्रधानवस्त्रपहरीतिवारपछीआपणाभाणसमनुष्यनीश्रेणीकरीपरिवर्योपो तानेघरथकीनीसरेनीसरीकरीने पोलासपुरनगरतेहनेमध्यमध्यविचालेकरीनेनीसरेनीसरीनेजिहांसहस्त्रांबएहवेनामाउद्यानवनछे जिणेदिसीजिहांश्रमणभगवंतश्रीमहावीरतिहांआवे आवीकरीनेतीनवारकरतीनप्रदक्षणादेवे तीनप्रदक्षणादेईकरीनेवांदेवांदीने

तएणंसमणेभगवंमहावीरे। सद्दालपुत्तस्सआजीवि। तीसियमहइजावधम्मकहासम्मत्ता। सद्दाल
पुत्तात्ति समणेभगवंमहावीरे सद्दालपुत्तआ०। एवंवयासी सेणूणंसद्दालपुत्ता। कल्लं तुमं पुव्वा
वरण्हकालसमयंसिजेणेव। असोगवणियातंजावविहरइ। तएणंतुब्भंएगेदेवेअंतिए।पाउब्भवित्था
तएणंसेअंतलिक्खपडिवन्नेएवंवयासी। हंभोसद्दालपुत्ता। तंचेवजावसव्वंपज्जुवासिस्सामि। सेणूणंसद्दालपु

नमस्कारकरेकरीनेयावत्शब्दे पर्युपासनासेवाकरे तिवारपछीश्रमणभगवंत श्रीमहावीरस्वामी तिणेसद्दालपुत्रमंखलीपुत्रनाश्रावक
आगेतेहवीमोटीवारहपर्षदातिणेधर्मकथाकहे एहवोउपदिसेअहोसद्दालपुत्रश्रावकश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीसद्दालपुत्रगोशालाने
श्रावकनेएहवोइणेप्रकारेकहेअहोसद्दालपुत्रतेसाचोकह्योकाल्हिहनेदीहतुम्हने पुव्वावरण्हपाछिलाप्रहरनेजेणेवकहतांजिहांअशोक
वाड़ीमाहियावत्शब्दे विचरतांथका तिवारेतेएकदेवताआवीकरीनेताहरेसमीपप्रगटहुवोतिवारपछीतेदेवता आकाशमार्गेउभोथको
इणेप्रकारे कहे अहोसद्दालपुत्रश्रावकतेतिमहीजसर्ववक्तव्यता यावत्शब्दे तेहनी सेवाकरजेतिकोनिश्चय अहोसद्दालपुत्र एसर्वअर्थ

साअट्ठेसमट्ठे। हंताअत्थितंणंखलुसद्दालपुत्ता। तेणंदेवेणंगोसालंमंखलिपुत्तं। पणिधायएवंवुत्ते
तएणंतस्ससद्दालपुत्तस्स। समणेणं३ एवंवुत्तस्ससमाणस्स इमेएयारूवेअज्झत्थिए एसणंसमणेभगवं
महावीरे महामाहणेउप्पणणाणे जावकम्मसंपयासंपत्ते तंसेयंखलुममसमणंभगवंमहावीरं वंदित्ता
णमंसित्ता। पडिहारिएणंपीढफलग। जावउवणिमंतित्तए एवंसंपेहेइ उट्ठाएउट्ठेइ२समणंभगवंम

भाषा

साचोकनानहीं हांस्वामी सर्वसत्यवलीतेंसद्दालपुत्र खलुनिश्चयनहि एवातकहीतिणे देवतायेगोसालामंखलीपुत्रने अंगीकारकरीने
तिवारपछीतिणे सद्दालपुत्रश्रावकने श्रमणभगवंत महावीरस्वामीये इमकह्योयके एहवोएताहृगरूपमननेविषे संकल्पउपनोछि
वणांएहीजश्रमणभगवंतमहावीरतेदेवतायेइमकह्युंथकांमहामोटामाहण उतपन्नज्ञानदर्शननाधरणहारयावत्शब्देचारित्रनाधरण
हारतेसुभने श्रेयभलोश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरने वंदनाकरीनमस्कारकरीनेपाडिहेरूपीठफलगसज्या संथारे
करीनेयावत्शब्देनिमन्त्रणासुभनेवारवीभलीइसविचारेविचारीने उठेउठीनेश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीने वंदनाकरेनमस्कार

हावीरं । वंदइणमंसइ२ । एवंवयासी एवंखलुभंतेममपोलासपुरस्सणयरस्स ।बह्यिापंचकुंभकारा
वणसया । तत्थणंतुब्भेपड़िहारियंपीढ़जाव । संथारियंसिगिण्हित्ताणंविहरइ तएणंसमणेभगवं
महावीरे । सद्दालपुत्तस्सआजीवियस्स । एयमट्ठंपड़िसुणेइ२त्ता । सद्दालपुत्तस्स । पंचकुंभकारावण
सएसु । फासुएसणिज्जंपाड़िहारियं । पीढ़फलगजावसंथारयं उगिण्हित्ताणंविहरइ । तएणंतेणं

करेइणेप्रकारेएहवोकहेइमखलुकहतांनिश्चयहेभगवन्माहरेपोलासपुरएहवेनामानगरेबाहिरपांचसय५००कुंभकारकुंभारनाहाट
छेतिहांतुम्हेपाड़िहेरूपीढफलगयावत्शब्देसंथारा ओषधशय्याफलगजेजोइएतेल्योविचरो तिवारेतेश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामी
सद्दालपुतनोगोशालानाश्रावकनोएहवोवचनसांभलीनेमनमाहिअवधारे सद्दालपुतनापांचसय ५०० कुंभकारनाहाटथकी घणाप्रा
प्रासुकएषणीयपाड़िहेरूपीढ़फलगसिय्यासंथारो उपगरण ओषधप्रमुखलेताथका विचरे तिवारेतेसद्दालपुतअन्यदाप्रस्तावे वायरे
करहणाथका भांडावडावडीसालहाटमाहिला बाहिर आणीने मेल्हे भाजनतावड़े आणीने सूकवेतिवारेसूकतां देखीश्रमणभग

इत्यादिजलंतेह्वरिएइत्येतदंत: प्रभातवर्णकोद्दश्य: सचोत्चिप्तज्ञातवुध्याख्येय: वायाहतगंति वाताहतं वायुनेपच्छोपमानीतमित्यर्थ: कोलालभंडंति कुलाला:कुंभकारा: तेषामिदंकौलालं तच्चतद्भांडंचपण्य भाजनं वाकौलालभांडं एतत् किंपुरुषकारेणेतरथावाक्रियत इतिभगवताष्टष्टे सगोशालकमतेननियतवादलक्षणेनभावितत्वात्पुरुषकारणेत्युत्तरदानेच स्वमतक्षतिपरमताभ्युपगमानलक्षणंदोषमा

सूत्र

सेसद्दालपुत्ते। अणयाकयाइं। वाताहतयंकोलालभंडं। अंतोसालाहिंतो वहितोणीणेइ आत पंसिदलयइ। तएणंसमणेभगवंमहावीरे। सद्दालपुत्तंएवंवयासी। सद्दालपुत्ताएसणंकोलालभंडे कओतएणंसेसद्दालपुत्ते। समणंभगवंमहावीरंएवंवयासी।एसणंभंतेपुव्विंमट्टियाआसी।तयोपच्छा

भाषा

वंतमहावीरसद्दालपुत्रश्रावकनेइणेप्रकारेकहे अहोसद्दालपुत्रएहमाटीनाभाजनघड़ाघड़ीकिमथयातिवारपछी सद्दालपुत्रश्रावकछेति कोश्रमणभगवंतश्रीमहावीरने इणेप्रकारेएहवोकहे हेपूज्यएहपहिलुंमाटीहतीतिवारपछेतेमाटीपाणीसाथिवीजवीराषिसाथिमने नान्हीमोगणीसाथे एकतमिश्रितकरीनेपिंडकीधोतिवारपछीचक्रउपरचाढीनेफेरीजे तिवारपछीघणाकरवामालसायावत्शब्देउङ्ग

उदएणनमिज्जइ च्छारेणयकरिसेणय एगओमिसिज्जइ२त्ता ।चक्केआरुहिज्जइ२त्ता तओवहवेकर
गायजावउद्दियाउयकज्जंति । तएणंसमणेभगवंमहावीरे ।सद्दालपुत्तंआजीवि । एवंवयासीसद्दाल
पुत्ता । एसणंकोलालभंडेकिंउट्ठाणेणं ।जावपुरिसक्कारपरक्कमेणं ।कज्जइउदाहु अणुट्ठाणेणं । जावअ
पुरिसक्कारपरक्कमेणंकज्जइ तंसेसद्दालपुत्ते आजीविसमणेणं भगवयाम०एवंवासीभंतेअणुट्ठाणेणं जा

काप्रमुखनीपजेतिवारेतेश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीसद्दालपुत्रगोशालाने श्रावकने एहवोकहे अहोसद्दालपुत्रश्रावक एप्रतक्ष्यका
चीमाटीनाभांडाकिमउत्थानबलवीर्य यावत्शब्दे पुरुषाकारतेणेपराक्रमकीधाछेवाअनुष्ठानबलवीर्यपुरुषाकारयावत्शब्देतिणेपराक्रम
कीधाविगरथया तिवारपछीसद्दालपुत्रके तिकोबलीकेहवोगोशालातणोश्रावकश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीनेएहवोकहे हेभगवन्हे
पूज्यउत्थानबलवीर्यविनायावत्शब्देपुरुषाकारपराक्रमविना नहीउत्थानबलवीर्य यावत्शब्देपुरुषाकारपराक्रमनथीसर्वभावनित्यछेति
वारपछीश्रमणभगवंतसद्दालपुत्रश्रावकनेएहवोकहेउपदिसे अहोसद्दालपुत्रश्रावकजोताहराकोइएकपुरुषवातावायरेकरीसूक्यापाका

कलयन् अपुरुषकारेणेत्युवाच ततःतदभ्युपगतनियतिमतिनिरासायपुनः प्रश्नयन्नाहसद्दालपुत्तेत्यादि यदितवकश्चित्पुरुषोवाताहतंवा आममित्यर्थः पक्वेवयंवत्तिपक्वंवाअग्निनाकृतपाकं अवहरेद्वाचोरयेत्विकरेद्वाइतस्ततोविक्षिपेत् भिंदिज्जतिभिंद्याद्वाकाणतांकरणेन आच्छिंदज्जति आच्छिंद्याद्वाहसादुद्दालनेन पाठान्तरेण विछिंद्याद्वाविविधप्रकारैः छेदं कुर्यादित्यर्थः परिष्टापयेद्वावहिर्नीत्वात्यजे

सूत्र वअपुरिसक्कारपरक्कमेणं। णत्थिउट्ठाणेइवा। जावपरक्कमेतिवाणितियासव्वभावा। तएणंसमणेभ॰ सद्दालपुत्तंआएवंवयासी। सद्दालपुत्ताजइणंतुब्भंकेइपुरिसे। वाताहयंसिपक्केलयं वाकोलालभंडं अवहरिज्जावा। विक्खरिज्जावा भिंदिज्जावा अच्छिंदिज्जावा। परिट्ठावज्जाअग्गिमित्ताएवा। भा

भाषा नीपनावासणअणेभांड़ाकोईदेखतांयका चोरेतथाविखेरीनाखे तथाप्रकारेभांजे तथावाहिरनाखेवलीपरठवीनेनाषेतथाकोइताहरी अग्निमितानामेभार्यातिणसंघातेविपुलविस्तीर्णभोगअनेसंयोगसंसारनाविषयसुखभोगवतायकातुदेखेतिणेपुरुषनेतुं देखीकरीनेकिस प्रकारेकेहवोदंडद्ये हेभगवन् हेपूज्यहुं तेपुरुषनेआक्रोशवचनकहुं वलीहणुं मारुं वलीवांधुवलीघणोमर्दनकरुं तर्जनादिकताडनाकरुं

दितिनिवत्तेजासित्ति निर्वत्तयसि आउसेज्जवत्ति आक्रोशयामिवाम्हतोसित्वमित्यादिभिः शापैरभिशपामिहन्मिवा दण्डादिनावधा मिवारज्वादिनातर्जयामिवाम्नास्यसि रेदुष्टाचारेत्यादिभिर्वचनविशेषैस्ताड़यामिवा चपेटादिनानि:छोटयामिवाधनादित्याजनेननि र्भर्त्सयामिवापरपरुषवचनैः अकालएवचजीविताद्वाव्यपरोपयामिमारयामीत्यर्थः इत्येवंभगवांस्तंसद्दालपुत्रम् स्ववचनेनपुरुषाकारा

रियाएसङ्घिंविउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणेविहरेज्जा। तस्सणंतुमंपुरिसस्स। कंडंवत्तिज्जासि। तस्संभंतेअहंपुरिसंआउसेज्जा। हणेज्जावावंधेज्जावा। महेज्जावातत्तेज्जावा। तालेज्जावाणिच्छो डिज्जावा णिब्भच्छेज्जावाअकालेचेव। जीवियाओववरोविज्जा। सद्दालपुत्ताणोखलुतुब्भंकेइपुरि

वलीचपेटाद्यु वलीधक्कादेवुंघणीनिर्भत्सनाकरुं कठोरवचनेरेपापिष्टअकालेजीवतव्ययकीतेपुरुषने रहितकरुं अहोसद्दालपुत्रतेनकरे खलुनिश्चयताहराभाजननेकोईपुरुषवायरेसूकापाकानींपनांमाटीनाभाजनाने कोईचोरीनसके यावत्शब्दें ननांखेपरठवेनहीवली ताहरीअग्निमिताभार्या संघातेकोइपुरुषविस्तीर्णसंसारनाविषे सुखनाभोगभोगवीनसके साम्होनजोवेनकरे तेपुरुषने आक्रोशवच

भ्युपगमग्राहयित्वातन्म तविघटनायाह सद्दालपुत्तेत्यादि न खलुतवभाण्डंकश्चिदपहरतिनचत्वंतमाक्रोशयसियदिसत्यमेवनास्त्युत्थानादि अथकश्चित्तदपहरतित्वंचतमाक्रोशयसिततएवमभ्युपगमेसतियद्वदसिनास्त्युत्थानादितत्तेमिथ्याअसत्यमित्यर्थः तएणंसाअग्गीत्यादिततः साग्निमित्राभार्यासद्दालपुत्रस्य श्रमणोपाशकस्यतथेति एतदर्थं विनयेनप्रतिश्रृणोतिश्रुत्वाचस्नातास्नातवलिकर्मावलिकर्मलोकरूढंस्तत

सूत

सेवाताहतयंवापक्केल्लयंवाकोलालभंडंअवहरइवा जावपरिट्ठवितेतिवा। अग्गिमित्ताएभारिएसद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणेविहरइ। णोवातुमंतंपुरिसंआउसेसिवाहणेजाव। अकालेचेवजी वियाओववरोविज्जसि। जइणत्थिउट्ठाणेतिवा। जावपरक्कमेतिवाणितियासव्वभावा। अहसंतुब्भं

नेमारेयावत्शब्दे अकालेहीजजीवनेजीवतव्ययकीरहितकरेकिंवानकरे वलीजोनहीउत्थानादिक्रियावलीजोपराक्रमनथीअनेवलीसर्व भावनित्यछेअथवातुमनेकोईपुरुषएहवोवायरेकरीनेसूकव्यापाकानीपना यावत्शब्दे ताहराभाजननेनाखेवलीअग्निमिताताहरीस्त्री संयात्शब्दे भोगभोगवेतोतुम्हे तेपुरुषने आक्रोशवचनद्योजीवतव्यरहितकरोतोतुं जेकहेछे नथीवलीउत्थानादिकक्रियाजोनित्यभावछे

कीइसेवाताहतयंपक्केलयं वाजावपरिट्ठवेतिवा अग्गिमित्ताए जावविहरइतुमंवा तंपुरिसंआउसेसि
वा। जाववरोविसितोजंवय सिणत्थिउट्ठाणेतिवा। जावणितियासव्वभावातंतेमिच्छाएत्थणंसेसद्दा
लपुत्ते। आसंवद्धेतएणंसेसद्दालपुत्ते। समणंभगवंमहावीरं। वंदइणमंसइत्ताएवंवयासी इच्छा
मिणंतुब्भंअंतिए। धम्मंनिसामेत्तए। तएणंसमणेभगवंमहावीरे सद्दालपुत्तस्सआजीवोतोसियजाव
धम्मंपरिकहेइ। तएणंसद्दालपुत्ते। समणस्सभगवओमहावीरस्स। अंतियंधम्मंसोच्चा। णिसम्महट्ठ

सर्वपदार्थतोतेप्रत्यक्षजोवो भूठोएतलेतेसद्दालपुत्रश्रावकप्रतिबुद्धपाम्योतिवारपछीतेसद्दालपुत्रश्रावकश्रमणभगवंतश्रीमहावीरवंदति
वंदनानमस्कारकरेएवंवयासीएहवोकहे इच्छावांछुतुम्हारेसमीपधर्मसांभलोभलो तिवारपछीश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीसद्दाल
पुत्रनेगोशालानाश्रावकनेएहवीमोटीधर्मदेशनायावत्शब्देपरषदानेकहे तिवारपछीतेसद्दालपुत्रश्रावकश्रमणभगवंत श्रीमहावीरनेस
मीपधर्मसांभलेसांभलीने धारेधारिने मनसेवावत् शब्देहर्षसंतोषपाम्यो जिमआणंदजीपरेतथागिहिधम्मं पडिवज्जेवारव्रतआदरे

तुट्ठजावहियए। जहाआणंदेतहागिहिधम्मंपडिवज्जइ। णवरंएगाहिरस्सकोडी णिहाणपउत्ताव ड्ढिपवित्थरएगेव्वए। दसगोसाहस्सिएणंवएणं। जावसमणंभगवंमहावीरं। वंदइणमंसइ। जेणे वपोलासपुरेणयरे। तेणेवउवागच्छइ। पोलासपुरंणयरंमज्झंमज्झेणं। जेणेवसएगिहेजेणेवअ ग्गिमित्ताभारिया। तेणेवउ०२त्ता। अग्गिमित्तंभारियंएवंवयासी। एवंखलुदेवासमणेभगवंमहा



एतलोविशेषएकहिरण्यनीकोडिनिधानपत्तानिधानप्राप्तछेएककोडिव्याजेएककोडिघरखपरीये एकव्रजदसहजारगाइएहवोएकव्रजगो कुलयावत्शब्दे श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीनेतिनप्रदक्षणा देईनेवांदेनमस्कारकरेजिहापोलासपुरएहवोनगर तिहांआवेआवीकरी नेपोलासपुरनगरतेहनेमध्यमध्यसाहेथईने जिहापोतानोघरछे जिहांअग्निमिलाएहवेनामेभार्यास्त्रीछेतिहांआवेआवीकरीने पोता नीअग्निमिलानामेभार्यातेहनेएहवोकहेइमखलुनिश्चयअहोदेवानुप्रियश्रमणभगवंतमहावीरस्वामी यावत्शब्दे जिहांसमवसर्याति हातुम्हे जावोजईने तुम्हे श्रमणभगवंतमहावीरस्वामीने वांदोवलीतावत्शब्दे पर्युपासनासेवाकरोश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीने

वीरे। जावसमोसढ़ोतंगच्छाहि तुमंसमणंभगवंमहावीरं वंदाहि जावपज्जुवासाहिसमणस्सभग०
अंतिएपंचाणुव्वइयंसत्तसिक्खावइयं। दुवालसविहिंगिहिधम्मंपडिज्जाहितएणंसा। अग्गिमित्ता
भारियासद्दालपुत्तस्ससम०तहत्ति एयमट्ठंविणएणपडिसुणेइ तएणंसेसद्दालपुत्ते कोडुंवियपुरिसेस
द्दावेइ२त्ताएवंवयासिखिप्पामेवभोदेवाणु० लहुकरणजुत्तजोतितं समखुरवालिहाणसमलिहि

समीपश्रावकनोधर्मपांचअणुव्रतअनेसातसिक्षाव्रतएहवोसम्यक्तनोमूलवारह१२ व्रतरूपीग्टहस्थधर्मने तुम्हे अंगीकारकरोहिवेतिवा
रपछीतिकाअग्निमितानामेभार्यासद्दालपुत्रश्रावकनाएहवावचनसांभलेसांभलीनेतहत्तिकरे वलीअग्निमिताएहवोअर्थविनयकरीने
सांभलेतिवारपछीते सद्दालपुतआपराकौटंविकपुरुषचाकरपुरषतिकाने तेडावेतेडीनेएहवोइमकहे खिप्रउत्तावलाथावोअहोदेवानु
प्रियशीघ्रछेवेगजेहनोएहवोरथतुम्हे जोतरोसमशरीषाखुरछेअनेपूंछलावोसमसरीषासींगएहवावलदजोतरीनेल्यावो जांवूनदएहवेना
मारतनिणमेजोत्रवलदनेगलेतुम्हे वांधोवलीरूपानीनाथरूपानीघंटाछ्वनीराथितेवलीकांचनकहीजेस्वर्णतिणेकरीने जड़ीयकीति

यसिंगएहिं जंबूणयामयकलावजुपद्रविसद्दएहिं । रययामयघंटसुत्तरज्जुगवरकंचणखचिय तत्ताप
गगहोगहितएहिं । नीलुप्पलकयामलएहिं । पवरगोएजुवाणएहिं । णाणामणिकणगघंटियाजाल
परिगयं सुजायजुत्तगएज्जगसत्थ । सुविरविरतियनिम्मिय । पवरलक्खणोववेयं । संजुत्तमेवधम्मियं
जाणपवरं उवट्ठवेह ममएयमाणत्तियं पच्चपिणहतएणंतेकोडुंबियपुरिसा जावपच्चपिणंति तएणंसा

---

भाषा

कावलीमयलघणाजल करीनेभालीवलीनीलोत्पलकमलनेसारीपोवेहरोएहवाप्रधानतरुणदृषभसकलवेगवंतनानाप्रकारनांमणिमा
णिकस्वर्णकनकनीनान्हीघंटातेहनीभालरीसुजातभलो धूसरातिणेकरीनेजोड्या प्रसस्तसुघटघडियोनिर्मलभलोजेजोड्योथकोभुसर
लक्षणोपेतसहितयुक्तपणेजोड़ीधर्मसंबंधीएहवोएतादृशरथजोतरीनेल्यावाओएमाहरीआज्ञासर्वकरीनेपाछीसुभने आणीदेवोतिवार
पछीतेकोटुंविकपुरुषचाकरपुरुषयावत्शब्देरथजोतरीनेल्याया तिवारपछीतेअग्निमिताएहवेनामेभार्या एहातास्नानकरीयावत्शब्दे
प्रधानवस्त्रपहरी अल्पभारअनेबहुमोलाग्रहणापहरीचेड़ीअठारदेशनीदासीतिणाकरीने परवरीधर्मसंबंधीज्यानप्रवहणचढीनेति

कौतुकमंगलप्रायश्चित्ताकौतुकं मषीपुंड्रादिमङ्गलं दध्यक्षतचन्दनादिएतेचप्रायच्छितमिव प्रायश्चित्तं दुःस्वप्नादिप्रतिघातकत्वेनावश्यं
कार्यत्वादिति शुद्धात्मा वैषयिकाणिवेषार्हाणि मङ्गल्यानिप्रवरवस्त्राणि परिहितात्यमहार्घाभरणालंकृतशरीराचेटिकाचक्रवालपरि
कीर्णापुस्तकांतरेयानवर्णकोदृश्यतेसचैवंसव्याख्यानोऽवसेयःलङ्करणजुत्तलोहूयंलङ्करणेनदक्षत्वेनयेयुक्ताः पुरुषास्तैर्योजितं यन्त्ररू
पादिभिःसम्बन्धितंयत्तत्तथातयासमखुरवालिहाणसमलिहियसिंगएहिंसमखुरवालिधानौतुल्यशफपुच्छौसमेलिखिते हूवोल्लिखितेश्टं
ङ्गेययौस्तौतयातौचयौतौताभ्यांगोवायुवाभ्यामितिसंबंधःजंबूणयामयकलावजोत्तपतिविसिट्ठएहिंजांबूनदमयौकलापौग्रीवाभरणविशेषौ
योक्त्रे चकंठवंधनरज्जुप्रतिविशिष्टे शोभनेययौस्तौतयाताभ्यां रययामयघंटसुत्तरज्जु गवरकंचणखचियन्नकूपग्गहोगहियएहिं रजतमय्यौ
रूप्यविकारौघंटेययोस्तौ तथा सूत्ररज्जु के कार्पासिकसूत्रमय्यौयेवरकांचनखचितेनस्तेनासारज्जू तयोः प्रग्रहेणरश्मिना अवगृहीत

अग्गिमित्ताभारियाण्हायाजावपायच्छिता। सुद्धप्पम० चेड़ियाचक्कवालपरिक्खित्ता धम्मियंजा

णंयोचालेपोलासपुरनगरतेह्नेमध्यमध्यविचालेनीकलेनीकलीने जिहांसहस्त्रांववनएह्वेनामेउद्यानछे जिहां श्रमणभगवंतश्रीमहा

कौचवज्ञौ यौ तौ तथाताभ्यां नीलुप्पलकयामेलएहिं नीलोत्पलक्ततशेषराभ्यां पवरगोणजूवाणएहिं नाणामणिकणगघंटियाजालप
रिगयम् सुजायजुगजुत्त उज्जु गपसत्थसुविरइयनिम्मयं सुजायं सुजातं सुजात दारुमयं युगं यूप: युक्तं संगतं ऋजुकं सरलं सुविर
चितं सुघटितं निर्मितं निवेशितं यत्र तत्तथाजुत्तामेवधम्मियं जाणप्पवरं उवट्ठवेहयुक्तमेव संबंधमेव गोयुवाभ्यामिति संबंध इति

सूत्र

णप्पवरंदुरूहइ२त्ता पोलासपुरंणगरंमज्झंमज्झेणंणिग्गच्छइ जेणेवसहस्संबवणेउज्जाणे। जेणेव
समणेभ०। तेणेवउवागच्छइ। धम्मियाओजाणाओपच्चोरुहइ। चेडियाचक्कवालपरिवुडे जेणेवसम
णेभगवंमहावीरं तेणेवउवागच्छइ२त्ता तिक्खुत्तोवंदइ२त्ता णच्चासणेणाइदूरे। जावपंजलिउडा

भाषा

वीरस्वामीतिणांत्र्यावेत्र्यावीनेधर्मसंबंधीप्रवहणथकीउत्तरेउत्तरीनेघणीचेडीदासीतिणेचक्रवालेकरीपरवरीजिहां श्रमणभगवंतश्रीम
हावीरस्वामीतीर्थंकरतिहांअग्निमित्राआवेआवीकरीने तीनप्रदक्षणादेईनेवांदेवांदीने नघणीनेडीनघणीअतिदूर यावत्यन्देहाथ
जोड़ीयकीसुत्रआगलउभीथकीयावत्यन्देविनयकरीनेसेवाकरेतिवारपछीश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीनेअग्निमित्राभणीयावत्मोटी

ठितिताचेवपज्जुवासइ । तएणंसमणे० अग्गिमित्ताएतीसेयजावधम्मंकहेइ । तएणंसाअग्गिमित्ता ।स
मणस्सभगवओअंतिएधम्मंसोच्चा णिसम्महट्ठतुट्ठा समणंभगवंमहावीरंवंदइणमंसइ२त्ता एवंवयासी
सद्दहामिणंभंतेनिग्गंथंपावयणं जावसेजहेयंतुब्भेवयह जहाआणंदेअंतिए वहवेउग्गाभोगापव्वइया
णोखलअहंतहासंचाएमिदेवा०मुंडा० अहंणंदेवाणुपियाणंअंतिए पंचाणुव्वइयंसत्तसिक्खा वत्तियं

धर्मनीकथापर्षदाआगलेकहे तिवारपछीतेअग्निमिताभार्या श्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीने पासेधर्मसांभलेसांभलीनेघणीहर्षवंत
थईतुष्टवंतथईश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीनेवांदेवांदीने इणेप्रकारेएहवोकहे हेभगवन् हेपूज्यसरदहुं छुं निग्रंथसाधुनोप्रवच
नमार्गयावत्शब्देतुम्हे उपदिस्योतेसगलोहीसत्यछेजिमआणंदश्रावककह्योतिमकहे वहवेघणाहेस्वामीतुम्हपासेघणाराजानेईश्वरदी
चालीधीतिसमोभणीचारित्रनलेवाइ हुं साधवीनोधर्मलेइनसकुंअहोस्वामीदेवानुप्रियजिमहुं तुम्हारेसमीपपांचअणुव्रतअनेवली
सातशिक्षाव्रतरूपीधर्मएवं१२ वारहव्रतश्रावकनागृहस्थधर्मतेईकरीनेसंभारीसश्रावकनोधर्मआदरु तिवारपछीतेअग्निमिताभार्याअ

दुवालसविहंगिहिधम्मंपडिवज्जामि। अहासुहंदेवाणुपिया तएणंसाअग्गिमित्ता समण०अंतियंपंचा
जावपडिसमणंभगवंवंदि२त्ता। तामेवधम्मियंजाणपवरंदूरूहइ२त्ता। जामेवपा०तामेवपडिगया।
तएणंसमणेभगवंमहावीरे। अन्नयाकयाइपोलासपुराओसहस्संबवणाओपडिणिग्गच्छइ२त्ता बहि
याजणवयविहारंविहरइ। तएणंसेसद्दालपुत्ते। समणोवासएजाए अभिगयजीवाजीवेजावविहरइ

भाषा

मणभगवंतमहावीरनेसनीपथावत्गव्है त्यवत्नागारकमतभाइरीतेभगवंतनेवांदिवांदीनेतेधीजधर्मप्रवहणरथऊपरेपोतेचढ़ेचढीकरी
नेजिणदिसीथावीहतीतिणदीजदिसीपाछीजावे तिवारपछीश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीचन्यदामसावे एकदापोलासपुरनगरनेउ
चीसहस्त्रांवयनथकी पाछानीकलेनीकलीनेरचियालाविरजनपददेशपुरनगरग्रामविशारकरतावियरे तिवारपछीतेसद्दालपुत्रश्रावक
श्रमणोपासकरथयावनाथयोजाणवाछे जीवादिकनवतत्त्वजिणेयावत्गव्है एहवोथकोविचरेतिवारपछीतेगोसाले मंखलीपुत्रतिणेएह
वीवातसांभलीजोकननेसुष्यथकी इणेप्रकारे निश्चयसद्दालपुत्रश्रावकगोशालामंखलीपुत्रनाणोधर्मवमीनेछोड़ीकरीनेश्रमणकनोजेमायु

तएणंसेगोसालेमंखलिपुत्ते। इमीसेकहाएलद्धट्ठेसमाणे। एवंखलुसद्दालपुत्ते आजीवियसमयंवमित्ता समणाणंणिग्गंथाणंदिट्ठिं पडिवन्ने। तंगच्छामिणंसद्दालपुत्तं आजीविसमणाणंणिग्गंथाणंदिट्ठिं वा वित्ता। पुणरविआजीवियदिट्ठिं गिण्हावित्तएत्तिकट्टुएवंसंपेहेइ२त्ता। आजीवियसंघसंपरिवुडे जेणे वपोलासपुरेणयरे। जेणेवआजीवियसहा। तेणेवउवागच्छइ२त्ता भंडगणिक्खेवंकरेइ कइवएहिंआ

निग्रंथतणोवारह्वव्रतरूपीधर्मलीधोछेतोऊ जाउ तिहांसद्दालपुतउपासकमाहारोधर्मछाडीने महावीरस्वामीतणोधर्मवारह्वव्रतरूपी छेतेभणीपाछोछुडावीकरीनेवलीआजीविमाहरोधर्ममार्गअंगीकारजईनेकरावुंएह्वोमननेविषेचीतवनकरे चीतवीनेतिवारपछीगो शालकमंखलीपुतसंघसमुदायलेईने जिहांपोलासपुरनगरतिहारेविषे वलीजिहांगोशालानोसाधुस्थानकतिहा आवेआवीनेवस्त्रपात्र भाजननाउपगरणमूके मूकीनेकितरा एकसाथिलेईनेतिहांयकीचालेचालीने जिहां सद्दालपुतश्रावकअछे तिहांआवेआवीकरीने तिवारपछीतेसद्दालपुतश्रमणोपासकश्रावकगोशालोमंखलीपुततिणनेआवतोयकोदेखेदेखीकरीने आगतस्वागतिआदरनदीयेआला

जीविएन्तिंसद्दिं । जेणेवसद्दालपुत्तेस० तेणेवउवागच्छइ२त्ता । तएणंसद्दालपुत्तेसम० गोसालंमंखलि
पुत्तंएयमाणंपासइ२त्ता णोआढाइणोपरियाणाइ अणाढामाणेअपरियाणमाणे तुसिणिएसंचिट्ठइ
तएणंसेगोसालेमंखलिपुत्ते । सद्दालपुत्तेणंसमणोवासए । अणाढिज्जमाणेअपरियाणमाणे । पीढफ
लगसेज्जासंथारट्ठयाए । समणस्सभग० गुणकित्तणंकरेमाणे । सद्दालपुत्तं एवंवयासी । आगतेणंदे

भाषा

पसंलापवतजावगानकरे ताम्होपिगनजोयेआदरयणदेतो माम्होनवी जोवतोमौनकरीनेएवोवकोबेसीरह्यो तिवारपछीतेगोशालो
मंखलीपुत्रसद्दालपुत्रश्रावकनेश्रमणोपासकनेआगतआगतआदरसन्मान यणदेतोअणजाणतोदेखीपीठफलगशय्यासंथारोअोषधउप
गरणादिकसर्थनेअर्थेश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीचरमतीर्थंकरना गुणकीर्त्तनकरतोथको सद्दालपुत्रश्रमणोपासक श्रावकनेएहवो
कहेआव्याहतापूर्वे यहोदेवानुप्रिय इहांमहामोटामाहणातिवारेसद्दालपुत्रश्रमणोपासकगोसालामंखलीपुत्रतेभणीइणेप्रकारेएहवो
कहेकुणदेवानुप्रियमहामोटामाहणआव्याहतातिवारेतेगोसालोसद्दालपुत्रश्रमणोपासकश्रावकने इणेप्रकारेएहवोकहे श्रमणभगवंत

एवंवयासी केणंदेवाणु० म
वाणुप्पिया। इहंमाहामाहणे तएणंसेसद्दालपुत्ते गोसालंमंखलिपुत्तं एवंवयासी केणंदेवाणु० म
हामाहणेतएणंसे। गोसालेसद्दालपुत्तं स०। एवंवयासी। समणेभगवंमहावीरे। महामाहणेसेके
णट्ठेणंदेवा। एवंवुच्चइसमणेभगवंमहामाहणे। एवंखलुसद्दालपुत्तं। समणेभगवंम० उप्पसणाणा
दंसणजावमहियपूइए। जावतच्चकम्मंसंपयासंपउत्ते। सेतेणट्ठेणंदेवाणुप्पियाएवंवुच्चइ। समणेभ
गवंमहामहाणेसद्दालपुत्ताआगएणं। इहंमहागोवे। केणंदेवामहागोवे समणंभगवंमहागोवे।

श्रीमहावीरचरमतीर्थंकरमहामोटामाहणतेह्यामाटे किमभणीइणेप्रकारेतेकहवोश्रमणभगवंतमहामोटामाहणइणेप्रकारे खलुनिश्च
यश्रहोसद्दालपुत्रश्रावकश्रमणभगवंतकेहवाछे उपनाज्ञानउपनादर्शनचारित्रनाधणीवली ६४ इन्द्रे करीने पूजितछे यावत् शब्दे इच्छ
कारभगवन् वांदिवायोग्यछे तिणेअर्थेअहोदेवानुप्रिय तुम्हे इणेप्रकारेएहवोकहे श्रमणभगवंतश्रीमहावीरमहामोटोसद्दालपुत्रश्रम
णोपासकइहांआव्योअहोदेवानुप्रियमहामोटोगोपकुणदेवानुप्रिय महागोपश्रमणभगवंतमहावीरस्वामीमहागोपतेकिममहागोपथा

महागोवेत्यादि गोपो गोरक्षकः सचेतरगोरक्षकेभ्योऽतिविशिष्टत्वान्महानिति महागोपः नश्यत इतिसन्मार्गाच्च्यवमानान्विनश्यत इतिअनेकशोम्रियमाणान् खाद्यमानान् मृगादिभावेव्याघ्रादिभिःछिद्यमानान् मनुष्यादिभावे खड्गादिनाभिद्यमानान् कुन्तादिना भिद्यमानान्लुप्यमानान्कर्णनासादिच्छेदनेनविलुप्यमानान् बाह्योपध्यपहारतः गावइवेतिगम्यतेनिर्व्वाणमहावाडंतिसिद्धिमहागो स्थानविशेषंसाहत्येन्ति स्वहस्तेनैवस्वहस्तेनसाक्षादित्यर्थः महासार्थवाहालापकानन्तरं पुस्तकांतरे इदमपरमधीयतेआगएणं देवाणु

सूत्र

सेकेणट्ठेणंजावमहागोवेएवंखलुदेवासमणेभगवं संसाराडवीएवहवेजीवे नस्समाणेविणस्समाणेखज्जभिज्जछिज्जलुप्पविलुप्पमाणेधम्ममएणंदंडेणंसारक्खमाणेसंगोवेमाणेणिव्वाणमहावाडंसाहत्थिं

भाषा

यत्शब्देगुवालीयोगायनोचारणहारइणेप्रकारे खलुनिश्चयअहोदेवानुप्रियश्रमणभगवंतमहावीरसंसाररूपअटवीनेविषे घणाजीवांने नासताभाजतादोड़तानेव्याघादिकेमनुष्यघणेखङ्गेच्छेदीजतायकाने धर्मरूपीधर्ममइदंडेकरीराखीने भलीपरेगोपवीनेनिर्वाणरूप महावाड़ेआपणपेघातेवली तिणेअर्थेसद्दालपुतमहामोटोगोपगुवालकहीये श्रमणभगवंत महावीरस्वामीइहां आव्याहतादेवानुप्रिय

प्पियादूहंमहाधम्मकहाकेणं देवाणुप्पियानहाधम्मकहासमणेभगवंमहावीरेमहाधम्मकहासेकेणट्ठेणंसमणेभगवंमहावीरेमहाधम्मकहा

संघावेइ सेतेणट्ठेणंसद्दालपुत्ताएवंवुच्चइ समणेभगवंमहागोवे आगएणंइहंमहासत्थवाहे सेकेणट्ठे णंदेवा० महासत्थवाहे सद्दालपुत्तासमणेभगवंमहासत्थवाहे सेकेणट्ठेणं एवंखलुदेवा० समणेभगवं महावीरे संसाराडवीएबहवेजीवे । णस्समाणेविणस्समाणे जावविलुप्पमाणे धम्ममएणं पंथेणंसा रक्खमाणे णिव्वाणमहापट्टणाभिमुहे । साहत्थिसंपावइ सेतेणट्ठेणंसद्दालपुत्ताएवंवुच्चइ । समणेभ

हवेंमहासार्थवाहतेकवणदेवानुप्रियमहामोटासार्थवाहसद्दालपुत्रश्रमणोपासकश्रावकाश्रमणभगवंत महावीरसार्थवाहतेकिणे अर्थे इणेप्रकारेनिश्चयदेवानुप्रियश्रमणभगवंतमहावीरस्वामी संसाररूपअटवीतिहांघणाजीवनासतायका हिंसकजीवनाभयथकीवीहता नासतायका यावत्शब्दे खड्गे छेदीजतायकाधर्मनयीपंथमार्गेकरीराखेराखीकरीनेनिर्वाणरूपमहापाटणेस्वमुखसुखेकरीनेघातेआप णपेतिणेअर्थेकरीने सद्दालपुत्रश्रमणोपासकश्रावकमहासार्थवाहकहीये श्रमणभगवंतश्रीमहावीरमहामोटासार्थवाहश्राख्यातछे

एवंखलुसद्दालपुत्तासमणे भगवंमहावीरेमहइमहालियंसिसंसारंसि बहवेजीवेणस्समाणेजावविलुप्पमाणे उम्मग्गपडिवन्ने सप्पहवि
प्पणट्ठेमिच्छत्तबलाभिभूएअट्ठविहकम्मतमपडलपडोच्छन्ने अट्ठेहियहेऊहियपसिणेहियकारणेहियवागरणेहियचाउरंताओसंसारकं
ताराओसाहत्थिंनित्थारेतिसेतेणट्ठेणंसद्दालपुत्तासमणेभगवंमहावीरेमहाधम्मकहत्तिकथ्योयं नवरंजीवानांनश्यदादिविशेषणहेतुंदर्श

स्तत

गवंमहासत्थवाहे आगएणंदेवा० इहंमहाधम्मकहीसेकेणट्ठेणं देवामहाधम्मकहीसमणेभगवंमहा
वीरे महाधम्मकहीसेकेणट्ठेणंसमणेभगवंमहाधम्मकही एवंखलुदेवाणु० समणेभगवंमहा० महइ
महालयंसिसंसारंसि। बहवेजीवेनस्समाणे। विणस्सज्जाच्छिज्जभिज्जलुप्पमाणे उमग्गपडिवन्नेसप्प

भाषा

देवानुप्रियइहांमहाधर्मकथानोकहणहारतेकुणदेवानुप्रियमहावीरमहामोटीएहवीदेवानुप्रियधर्मकथाकहीश्रमणभगवंतश्रीमहावीर
स्वामीमहामोटीकथाकहीतेकिणेअर्थेश्रमणभगवंत महाधर्मकथाएहवीकही इणेप्रकारेखलुनिश्चय श्रमणभगवंतमहाधर्मनीकथाकही
श्रमणभगवंतश्रीमहावीरमोटीकथानो कहणहार संसारसेचतुर्गतिभ्रमणरूपाजीवतासपामता मिथ्याचीनासताविणसतापामता

नायाहउमग्गेत्यादितत्रोन्मार्गंप्रतिपन्नान् आश्रितकुदृष्टिशासनात् सत्पथविप्रनष्टान् त्यक्तजिनशासनान् एहदेवकयत्याह मिथ्यात्वब लाभिभूतान् तथाष्टविधकर्मैवतमः पडलमन्धकारसमूहः तेनप्रत्यवच्छिन्नानितितथानिर्यामकालापके वुड्डमाणेत्तिनिमज्जतः निवु ड्डमाणेत्तिनितरांनिमज्जतः जन्ममरणादिजलेइतिगम्यते उप्पियमाणेत्तिउत्प्लाव्यमानान्पभुत्तिप्रभवःसमर्थाइतिच्छेकाः इत्येवमुप

हविणट्ठे मिच्छत्तबलाभिभूए अट्ठविहकम्मतमपडलपडाच्छन्ने वहुहिंअट्ठेहियजाववागरणेहिय चाउरंताओसंसारकंताराओ साहत्थिनित्थारेइसेतेणट्ठेणंदेवाणुप्पिया एवंवुच्चइसमणेभगवंमहा धम्मकही आगएणंदेवा० इहंमहाणिज्जामए सेकेणट्ठेणंदेवाणुप्पिये महाणिज्जामएसमणेभगवं

छेदीजताभेदीजतामारीजतालुंटीजताउन्मार्गेपद्याभलेमार्गथी चुकीनेमिथ्यात्वमाहेभरयाअट्ठविहआठकर्मरूप अज्ञाननासमूहतिणे ढांक्यावलीघणांअर्थहेतुप्रयोजनेयावत्शब्दे व्याकरणेप्ररूपवेचातुर्गतिरूपी संसाररूपकांतारसमुद्रथकीजीवनेउपष्टभदेईने निस्तारेते तिणेकारीनेदेवानुप्रियइणेप्रकारेकहीयेश्रमणभगवंतमहावीरमहाधर्मकथाकहीआव्याहताअहोदेवानुप्रियइहांमहानियामकनावको

लभ्यमानाद्भुतप्रकारेणएवमन्यत्रापिच्छेका: प्रयस्ताका:प्रस्तावज्ञा: कलापंडिताइतिटव्वाव्याचक्षतेतथाइतिदक्षा:कार्याणामविलम्बित कारिण: तथाइतिप्रष्टादक्षाणांप्रधाना: वाग्मिनइतिटब्बेरुक्तं क्वचित्पत्तष्टाइत्यभिधीयतेतत्रप्राप्तार्था: कृतप्रयोजना: तथाइतिनिपुणा:

सूत्र

मह्राणिज्जामए । सेकेणट्टेणंएवंखलुदेवा० । समणेभगवंसंसारमहासमुद्दे वह्वेजीवेणस्समाणेविण जावविलुप्पमाणे । वुड्डुमाणे णिवुड्डुमाणेउप्पितमाणे धम्ममइएणावाएणिव्वाणतीराभिमुहे साह त्थिं संपावेइसेतेणट्ठेणंदेवा० एवंवुच्चइ समणेभगवंमह्राणिज्जामए तएणंसेसद्दालपुत्ते समणोवासए

भाषा

तेस्यामाटेअचोदेवानुप्रियमहामोटोनिर्यामकनावकोश्रमणभगवंतमहावीरनिर्यामकनावकातेकिणे अर्थेपूर्णेप्रकारेखलुनिश्चयदेवानु प्रियश्रमणभगवंतसंसाररूपमहासमुद्रनेविषे घणेघणाजीवनाशताताम्नताजन्मजरामरणेविणसता यावत्शब्दे त्रासतावीहताजीव पूडतायकाराबेसंसाररूपसमुद्रमेपडतांजातानेराखे धर्मरूपनायेकरीनेनिर्वाणमोक्षभलीपरेउपटं भदेईकरीनेपहुंचावे देवानुप्रिय तेतिणेअर्थे इणेप्रकारेकहीयेश्रमणभगवंतश्रीमहावीरनिर्यामकनावको तिवारपछीतेसद्दालपुतश्रमणोपासकश्रावक गोशालामंखली

सूक्ष्मदर्शिनःकुशलाइतिचवृद्धोक्तं इतिनयवादिनोनीतेर्वक्तारःतथाइत्युपदेशलब्धालब्धाप्तोपदेशाःवाचनांतरेइतिमेधाविनः अपूर्वश्रुतग्र
हणशक्तिमन्तइतिविज्ञानप्राप्ताःअवाप्तसद्बोधाःसेजहेत्यादिअथयथानामकश्चित्पुरुषः तरुणोत्तिप्रवर्द्धमानवयावर्णादिगुणोपचितइत्यन्ये
यावत्करणादिदंदृश्यं वलवंसामर्थ्यवान्जुगवंजुगःकालविशेषःतत्प्रशस्तमस्यास्तीतियुगवान्नदुष्टकालवतीदुष्टकालस्यवलहानिकरत्वात्

गोसालंमंखलिपुत्तं एवंवयासी तुब्भेणंदेवाणुप्पिया इयच्छेयाओजावइयनिउणाओइयणयवादीइय
उवदेसलद्धा इयविसाणापत्ता पभूणंतुब्भेममंधम्मारिएणं धम्मोवएसएणंसमणेणंभगवयामहावीरेण
सद्धिं विवयंकरेत्तए णोइणट्ठे समट्ठे सेकेणट्ठेणंदेवा०एवंवुच्चइ णोखलुपभूतुब्भेममंधम्मारिएणं जाव

पुत्रनेइणेप्रकारेएहवोकेवलतुम्हनेअहोदेवानुप्रियइणेवातमांहेडाहायावत्शब्दे अतिहकरीनेनिपुणसप्तसातनयवादी अतिहिकरीने
उपदेशनादेणहारअतिहिविज्ञानवंतएहवाप्रभुंसमर्थंतुम्हे माहराधर्माचार्यधर्ममार्गधर्मतणोउपदेशनादाताश्रमणभगवंतमहावीरस्वा
मीचरमतीर्थंकरनेसाथेविवादवादजईनेकरस्योनहीऊंइ इणेअर्थेंसमर्थतेकिणेप्रकारे अहोदेवानुप्रियइमकहेनहीखलुकहतांनिश्चय

तद्यवच्छेदार्थमिदं विशेषणं जुवाणत्तियुवावय: प्राय: अप्पायंकेत्तिनीरोग: थिरग्गहेत्तिस्सलेखकवदस्थिराग्रहस्तो छिनगाद्ग्गहोभवती तिविशेषणमिदंदड्ढपाणिपाएत्ति प्रतीतंपासपिट्ठंतरोरुपरिणएत्तिपार्श्वौचपृष्ठान्तरेचतद्विभागौ उरूचपरिणतौनिष्पत्तिप्रकर्षावस्थां गतौयस्यसतथाउत्तमसंहननद्धत्यर्थ:तलजमलजुयलपरिघनिभबाहुत्तितलयोस्तालाभिधानदृच:विशेषयो:यमलयो: समश्रेणीकयोर्यद् युगलंपरिघश्चार्गलातन्निभौतत्सदृशौबाहूयस्य सतथायायतबाहुरित्यर्थ: घणनिचयवट्टपालिखंधेत्तिघननिचितोत्यर्थंनिविडोहढ़वट्टत्तच वर्तुल:पालिवत्तडागादिपालीवत्स्कन्धोंशदेशोयस्यसतथा चम्मेट्टगदुहणमोट्ठियसमाहयनिचितगायकाएत्ति चर्मेष्टकाद्रुघणमुष्टिकाप्रकलादि



महावीरेणसद्धिंविवायंकरेत्तए। सद्दालपुत्तासेजहाणामए केइपुरिसेतरुणेजुगवं जावसिप्पोवगए एगंमहंअयंवा एलयंवासूयरंवाकुकुडंवातित्तरंवा वटयंवालावगंवा। कवोतयंवाकविंजलयंवा।



तुम्हे माहराधमाचार्यधर्मदाताधर्मोपदेशकयावत्शब्दे श्रीमहावीरसाथेविवादझगड़ोनकरूं अहोसद्दालपुत्रश्रावकजिमकोइएकपुरुष अनिर्दिष्टनामापुरुषयुवानचढतीवयनोधणीभलोकलावंतबलवंतएकमहामोटो अजवकरोएलक अथवा वलीसूकर कूकडोवलीतीत्तर

ष्टतचर्मगुतुपरूपायदाकर्षणेनधनुर्द्धराव्यायामंकुर्वन्तिरूषणकोलुजरोमौष्टिकौलुष्टिप्रमाणःप्रोतचर्मरज्जुकःपाषाणगोलकस्तैःसमाहता
निव्यायामकरणेप्रवृत्तौसत्यां ताड़िताानिनिचितानिगात्राण्यङ्गानियतसतथाएवंविधः कायोयस्यसतथाअनेनाभ्यासजनितंसामर्थ्यमुक्तं
लङ्घणपवणजइणवायामसमत्थेत्ति लङ्घनंचातिक्रमणंप्लवनंचोत्प्लवनंजविनव्यायामस्यतदन्यःशीघ्रव्यापारस्तेषुसमर्थोयःसतथाउरस्सबलस

वायसंवासेणयंवाहत्थंसिवापायंसिवाखुरंसिवापिच्छंसिवा। पुच्छंसिवासिंगंसिवा विसाणंसिवारो
मंसिवा। जहिं२णिवडइतहिं२णिच्चलंणिप्फंदंधारइ। एवमेवसमणेभगवंमहावीरे। जसंवज्जहिंत्र
द्धे हिंहेउहिं। जावणागरेहिं। जहिंजहिंगिरहति। तहिं२णिप्पट्ठपसिणवागरणंकरेइ सेतेणट्ठेणं

चलीचिडोलावककपोतकबूतरलाविंजलपारेवोनायसकागसेचाणोहाथथीश्रालेपगथी श्रालेखुरथीश्रालेपीछथीश्रालेपुंछयकीश्राले
सींगथकीश्रालेविसाणकानथीश्रालेरोमथीश्रालेजिहांजिहांयकीश्रालेतिहांतिहांनिश्चलचलापीनसकेइमहीजश्रमणभगवंतमहावी
रस्वामीसुश्रानेवज्रवणाश्रर्थेकारीहेतेंकारीनेयावत्प्रश्नेउत्तरपरूत्तरेकरीजिहांजिहांपुछेतिहांतिहांज श्रर्थवोलीनेसकु विवादवादकरी

मागएत्तिग्रांतरोत्पाद्वीर्ययुक्तइत्यर्थः छेद्दूत्तिप्रयोगज्ञः दक्खेत्तिशीघ्रकारीपत्तट्ठेत्तिग्रधिकृतकर्मणिनिष्ठांगतःप्राप्तार्थः प्राज्ञइत्यन्येकुशले त्तिग्रालोचितकारीमेहाविेत्तिसकृद्दृष्टकर्मज्ञःनिउणेतिउपायारंभकःनिउणसिप्पोवगएत्तिसूक्ष्मशिल्पसमन्वितइतिग्रजंवाछागलंएलकं वाउरभ्रं स्सूकरंवा वाराहं कुकुटतित्तिरवर्त्तकलावककपोतकपिंजलवायससेणकाःपक्षिविशेषाःलोकप्रसिद्धाःइत्यंसिवत्तियद्यप्यजादीनां

सुत्र

सद्दालपुत्ता। एवंवुत्तदूणोखलुपभूग्रहं। तवधम्मारिएणंजावमहावीरेणं सद्धिंविवायंकरेत्तए। तएणंसेसद्दालपुत्ते स०। गोसालंमंखलिपुत्तंएवंवयासी। जम्हाणं देवाणुप्पिया। तुम्भे ममधम्मा रियस्स। जावमहावीरस्स। संतेहिंतच्चेहिं। तहिंएहिंसब्भूएहिंभावेहिं। गुणोकित्तणंकरेसि।

भाषा

नसकु करतितिणेअर्थे करीनेसद्दालपुत्रश्रावकइणेप्रकारेकह्युं पक्षेनसकु वलीताहराधर्माचार्ययावत्शब्देमहावीरनेसंघातेवादविवा दकरीनसकु तिवारेतेसद्दालपुत्रश्रमणोपासकश्रावकगोशालामंखलीपुत्रनेइणेप्रकारेएहवोकहे जिणेप्रकारेहेदेवानुप्रियतुम्हेमाहरा धर्माचार्यनेधर्मोपदेशदाताने यावत्शब्दे महावीरस्वामीतीर्थंकरनेतेछतासाचातिकेतेहवासाचाविद्यमान तेहवाप्रतत्त्वपणेभावगुण

हस्तोनविद्यतेतथाप्यग्रेतनपादौ हस्तद्वयहस्तेइतिकृत्वाहस्तइवेत्युक्तं यथासंभवंचैषांहस्तपादखुरपिच्छशृङ्गविषाणरोमाणि योजनीया
निपिच्छंपक्षावयवविशेषः शृङ्गमिहाजैडकयोः प्रतिपत्तव्यंविषाणशब्दोयद्यपिगजदन्ते रूढस्तथापीहशूकरदन्तोप्रतिपत्तव्यः साधर्म्यवि

तस्हाणंअहंतुब्भे पाडिहारिएहिं पीढजावसंथारएणं उवणिमंतेइणोचेवणं धम्मोत्तिवातवोत्तिवा
तंगच्छहणंतुब्भेममकुंभारावणेसु। पाडिहारियंजावपीढफलएणं उगिण्हित्ताउवसंपज्जित्ताणं
विहरह तएणंसेगोसालेम०। सद्दालपुत्तस्ससमणोवासयस्स। एमट्ठंपडिसुणेइ२त्ता कुंभारावणे
सुपाडि०। पीढउगिण्हित्ताणंविहरइ। तएणंसेगोसालेमंखलिपुत्ते। सद्दालपुत्तंसमणोवासयं जाहे

तिणेकीर्त्तनास्तवनाकीधीतेभणीतेमाटेहुं तुम्हनेपाडिहेरूपीढफलकसंथारोशय्यातिणेकरीनेनिमंत्रणाकरुंछुं परंतुम्हनेनधर्मेद्यु,
नहीनतपेद्यु,नहीतेभणीतुम्हे पुहछोसाहराकुंभकारनाहाटेमाडिहेरू यावत्शब्देपीढफलगशय्यासंथारोलेतायकाविचरोउपसंपदाले
इनेसुखेवसो तिवारेतेगोशालोमंखलीपुतसद्दालपुत्रश्रमणोपासकश्रावकनोएहवोवचनसांभलेनेसांभली कुंभारनाहाटयकीपाडिहेरू

गैषांदितिनिषन्नमचनं सामान्यतोनिरूपंयंतिद्विपान्नेभादिनिर्भ यायान्यादितिभिवाराम्नौः सघ्रायन्नांतिभिर्मेदतोस्तुनेकया

सूत्र

गोमंचाएद् वद्धजिंवायव्गाडियधु ।गिगांयाणोपानवण्याणो ।वालिताएवाग्गोभेत्तपवा । विपरिग्गा
सेत्त ग्गा ताहिमंतेतंतपरितंते पोन्नामपुराणोनवतयोपड्गितजमद्दृत्ता वण्णिवानणवयविभारं
विद्धरंति तएणंतासवुाणपुत्तायमग्गेयामयाग्ग । वद्धगिंभीतिभावभावेमाणस । पोद्दमसंवरुद्द
रायितिकंता । पनरूसमग्गसमंवच्छरग्ग । पंतवानइमागग्ग । पुत्तरुशावरणकाले । आवसोमग्गा

भाषा

पौतकनगरमानेतातिनदेतिमदेतिगोगाकोर्भणभीरा वदाम्पुत्रममोयामनपावन यभानु रानमंकणोमद्दृन्भवनकरदिकेमनी
के कहीनिवंमनानाममार्गकर्ताभुजोनवीभुमोनवीनिगरमागतांवादिगभाणीनवी तिवारिंगाकोमगातिपवोधेभापएकगट
निपकरंसीपाणी नीकेनीपाथोगीकनीनिताविरुजगवरे इमरहिविशरकरतोविपरेसगपरणरम्भं तिवारपछीतिणिमदाश्रुवनकरी
पानकभापकने वद्धविवरी गणागीनाताडिवणरुजतभावनेयकेनेमनदयुकरणी।४ पञ्छिंपंमरनरकणइइंपानितिकआपरुगो

लाएसमणस्सभगवोअंतियं । धम्मजव० विहरइ तएणंतस्ससद्दालपुत्तस्स । पुव्वरत्तावरत्तकाले । एगे देवेअंतियंपाउब्भवित्ता । तएणंसेदेवेएगंमहंनीलुप्पलं । एवंजहाचुल्लणीपियस्स । तहेवदेवेउवसग्गंक रेइ । णवरं एक्केक्कपुत्तेणवमंससोल्लएकरेइ । जावकणीयसंघाएइ२त्ता । जावआइंचइ तएणंसेसद्दाल पुत्ते । अभीएजावविहरइ । त०सेदेवेसद्दालपुत्तं । अभीयंजावपासित्ता चउत्थंपिसद्दालपुत्तंस० ।

संवत्सरे वरसतेविषे मध्यवर्त्ततांथकांधर्मध्यानकरतांथकां पुव्वरत्तामध्यरात्रसमयनेविषेयावत्शब्दे पोसधशालाइंश्रमणभगवंतश्रीमहा वीरचर्मतीर्थंकरनेसमीपधर्मनीवृद्धिधर्मसंपदालेइनेविचरेतिवारपछीतिणेसद्दालपुत्रश्रावकनेमध्यरात्रआधीरातनेसमयेएककोइएक देवतासमीपेआवीनेप्रगटथयोतिवारपछीतेदेवताएकमोटोनीलोत्पलकमलसमानखड्गलेइनेजहाजिमचुल्लणीपितानेकीधोतिमहीज देवताउपसर्गशद्दालपुत्रनेकरेएतलोविशेष एकएकपुत्रनानवनवमांसनासूलाकरे मध्यपुत्रनेकरे यावत्शब्दे लघुपुत्रनेमारेमारीकरीने यावत्शब्दे शरीरछांटांदे तिवारपछीतेसद्दालपुत्र श्रावकअभीतनिर्भयथको यावत्शब्दे विचरेतेदेवतासद्दालपुत्रश्रावकनेअबीहनिर्भय

एवंव० । हंभोसद्दालपुत्ताअपत्थियपत्थिया । जावणभंजेसित०ओसि । जाइमाअग्गिमित्ताभारिया धम्मसहाइयाधम्मचिंतिज्जा । धम्माणुरागरत्ता । समसुहदुक्खसहाइया । तंतेसाओगिहाओणी णेइ२त्ता तवअग्गओघाएमि२त्ता णवमंससोल्लएकरेमि आयाणभरियंसिकडाहयंसि । अद्दाहइ२ तवगातंमंसेणयसोणिएणय । आइंचामिजहाणंतुमंजाववरोविज्जसि । तएणंतेसद्दालपुत्तेतेणंदेवे

भाषा

यकोयावत्यन्दे देखेदेखीनेचउथीवारसद्दालपुत्रश्रावकनेइमकहे अहोसद्दालपुत्रश्रावकअप्रार्थितमरणनाप्रार्थनहारयावत्यावत्यन्दे व्रतनहीभांजीसतोजं आजताहरीअग्निमित्राभार्याइणेनामेएहवीधर्मनीसखाईधर्मनीचिंतवनहारणीधर्मनोरागतेहनेविषेरागणी समसुखयनेदुखतेहनीसहणहारतेहनेजं ताहराघरथकीआजआणीकरीनेताहरेआगलमारीसमारीकरीनेनव२मांसनासूलाकरी सकरीनेआधणकरीनेभरयोकडाहोतेकडाहमाहेगाढोपचावीसपचावीनेताहरोगातशरीरमांसेकरीनेलोहीयेंकरीनेछांटीसछांटीक रीनेजिमतुंआर्त्तध्यान रौद्रध्यानतिणेकरीनेसरीदुर्गतिपामीस तियारपछेतेसद्दालपुत्रश्रावकतिणे देवतायेइसोकह्योयकेंअभीतथको

णंएवंवुत्तेसमाणेअभीएजावविहरइ। त॰सेदेवेसद्दालपुत्तं दोच्चंपितच्चंपिएवंवयासी हंभोसद्दालपु
त्तातंचेवभणइ। तस्ससद्दालपुत्तस्स। तेणंदेवेणंदोच्चंपितच्चंपि। एवंवुत्तस्सअयंअज्झत्थिएस॰। एवं
जहाचुल्लणीपिया। तंहेवचिंतेइ।जेणंममंजेट्ठपुत्तं जेणममज्झिमयंपुत्तं। जेणममकणीयसंपुत्तं।
जावआइंचइजावियणंममंइमा। अग्गिमित्ताभारिया। ममसुहदुहसहाइया। तंपिइच्छइसाओ

यावत्शब्दे धर्मनेविषेविचरेतिवारपछीतेदेवतासद्दालपुत्रने वीजीवारतीजीवारइणेप्रकारेएहवोकहे रेहोसद्दालपुत्रश्रावक तिमहीज
वारवारकहेतिणेसद्दालपुत्रश्रावकनेतिणेदेवतायेवीजीवावतीजीवारइमकह्येथकेएअध्यवसायरूपमनोसंकल्पविकल्पथयोजिमइणे प्रका
रेचुल्लणीपिताने तिमहीजसंकल्पविकल्पचींतवे जिणेपापीये माहरोवड़ोपुत्रजिणे माहरोविचेटपुत्रतेहनेवलीजिणेमाहरोलघुपुत्र
तेहनेमारीकरीनेलोहीमांसेकरीनेमाहरोशरीरछांट्योवलीआमाहरी अग्निमित्राभार्यामाहरीस्त्रीतेवलीमाहरे सुखदुखतेहनीस
खाईसहणहारतेहनेपिणमारवावांछेछेमाहरापरयकीआणीने मुझआगलेएपापीदुष्टकोइएकपुरुषमारसीहिवणां तोमुझनेभलोजो

भिःसंज्ञापनाभिः संज्ञानजननैर्विज्ञापनाभिरनुकूलभणितैरितिः। सप्तममध्ययनविवरणं समाप्तम् ॥ ७ ॥ शुभंभूयात्।

सूत्र

गिहाओणीणेत्ता। ममअम्मओघाइत्तएतंसेयं। खलुममंएयंपुरिसंगिण्हत्तएत्तिकट्टु उट्ठाइयतेज हाचुल्लणिपियातहेवसव्वंभाणियव्वंणवरं। अग्गिमित्ताकोलाहलंसुणित्ता। भणइसेसंचुल्लणिपिया वत्तव्वयासव्वा। णवरंअरुणभूएविमाणेउववाओ जावमहाविदेहेवासेसिज्झिहिंति उवासगदसाणं सत्तमंअज्झयणंसमत्तं ॥ ७ ॥ अट्ठमस्सउक्खेवोएवंखलुजंबुतेणंकालेणंतेणंसमएणं। रायगिहेणयरे

भाषा

एपुरुषनेमालुं एकवीसद्दालपुत्रश्रावकमनमेचींतवे चींतवीनेजिमचुल्लणीपिताउठ्यो ऊतोतिमहीजएपिणउठ्यो तिमहीजसर्ववक्तव्यता जाणवीपरंएतलोविशेषअग्निमित्राभार्याकोलाहलसांभलीकारीनेआवी तिमहीजकहेशेपयाक्ततोचुल्लणीपितानेपरेसर्ववक्तव्यता जाण वीएतलोविशेषअरुणभूयएहवेनामेविमानेजईनेदेवतापणेउपनोयावत्महाविदेहेवासेसिझसीसोचपामसी उपासकदशासातमोअंग तेहनोसातलोअध्ययनपूरोथयो ७ हिवेआठमाअध्ययननोसुं अर्थनिश्चयकरीनेहेजंबूतिणेकालनेविषेतिणेसमयनेविषेराजगृहीएहवे

अष्टसमपिसुगमं तथापिकिमपितत्रलिख्यतेसकंसाओत्ति सङ्कांस्येणद्रव्यमानविशेषेणयास्ता: सकांस्याकोलघरियाओत्तिकुलरुढ़ा

गुणसिलेचेइएसेणीयेराया । तत्थणंरायगिहेमहासतएणा मंगाहावइपरिवसइ । अट्ठेजहाआणंदे
णवरंअट्ठहिरणकोडीओणिहाणपउत्ताओ । वुड्ढिअट्ठहि० । सकंसाओपवित्थरपत्ताओ । अट्ठव्वया
दसगोसाहस्सिएणंवएणं तस्सणंमहासयगस्स रेवइपामोक्खाओ । तेरसभारियाओहोत्था । अहीं
णजावसुरूवाओ । तस्सणंमहासयगस्स । रेवइएभारियाए कोलघरियाओ । अट्ठहिरणकोडीओ

नामानगरगुणशिलोएहवेनामाचैत्यश्रेणकनामेराजा तिहांराजग्रहीनगरनेविषे महाशतकनामेगाथापतिग्रहस्थपरिणामसमणो
वसेछेवडोरुद्धवंतजिमआणंदनीपरे परंएतलोविशेषआठहिरण्यनीकोडिनिधानप्राप्तधरतीमेथूरीछे वलीआठहिरण्यकोड़िव्याजेवधे
वलीआठहिरण्यनीकोड़िघरवखरीनेमोकलीछे आठतेहने व्रजदशहजारगायएकेव्रजमेएहवाआठगोकलछे वलीतिणेमहाशतकश्रम
णोपासकने रेवतीप्रमुखआददेइकरीने १३ तेरहभार्यास्त्रीहुतीऊंईरूपेपांचेइंद्रीयतयाशरीरअंगोपांगरूपवंतवलीतिणेमहाशतक

अट्ठव्वया दसगोसाहस्सिएणंवएणंहोत्था अवसेसाणंदुवालसण्हंभारियाणंकोलघरिएगमेगाहिरण्ण कोड़ी। एगमेगेयवएदस गोसाहस्सिएणंवएणंहोत्था। तेणंकालेणंतेणंसमएणं। सामीसमोसढो। परिसाणिग्गया जहाआणंदोतहाणिग्गच्छइ तहेवसावयधम्मंपड़िवज्जइ णवरं अट्ठहिरण्णकोड़ीओ सकंसाओउच्चारेइअट्ठव्वया रेवइपामोक्खाहिंतेरसभारियाहिं।अवसेसंमेहुणविहंपच्चक्खाइ सेसं



श्रावकनेरेवतीनासेभार्यातेहनेपीहरसंबंधीतेहने आठहिरण्यनीकोड़िवलीवलीआठगोकलदशहजारएकव्रजमेएहवाआठव्रजगोकल अछेअवशेसयाकतीबारली १२ बारहभार्याछीतिणांरेपीहरीदीधीएकएकहिरण्यनिकोडिएकएकव्रजगोकल दशहजारगायएकव्रज मेएहवाएकएकगोकलतिणेकालेतिणेसमयेस्वामीसमवसर्या बारहपरपदावांदिवागइ जिमआणंदवांदिवागयोतिमवांदिवांभणीगयो तिमहीजआणंदनीपरेश्रावकधर्मआदरेएतलोविशेषआठहिरण्यनीकोडिभाजनसहितउच्चारेआटव्रजगोकलटालेरेवतीप्रमुखआदरे इने १३ तेरह भार्याछीटालीटालीने थाकतीसर्वसगलीमैथुनविधजेहनोपच्चक्खाणकरे शेपसर्वआणंदनीपरे एहवोएतादृशरूपसर्व

सव्वंतहेवइमंचणंएयारूवं। अभिग्गहंअभिगिण्हइ कल्लाकल्लंकप्पइ। इमेदोदोणियाए कंसपाइए। हिरणभरियाएसंववहरित्तए। तएणंसेमहासतगेसमणोवासए।जाएअभिगयजावविहरइ। तएणं समणेभगवंमहावीरे। वहियाजणवयविहरइ। तएणंतीसेरेवइगाहावइणीए अन्नयाकयाइं पुव्व रत्तावरत्तकाले। कुटुंवजावइमेयारूवेअज्झत्थिए४। एवंखलुअहंइमासिंदुवालसण्हंसवत्तीणंविघा

एहवोअभिग्रहक्रयरूपलेवेकल्लाकल्लंप्रभातसुभनेकल्येएहवाएवेदोणियाकांस्यपातीहिरण्यनीभरीएहवीटालीतिणेविणजव्यापारकरवो तिवारेतेमहाशतकश्रमणोपासकश्रावकथयो जाण्यांछेअभिसामस्यपणेनवतत्त्वपदार्थ एहवोविचरे तिवारपछीश्रमणभगवंतमहावीर स्वामीवाहियाकहितांवाहिरजनपददेशमांहेविहारकरे तिवारपछी तेहरेवतीनामेगाथापतिगृहस्थणी अन्यदाप्रस्तावेमध्यरात्रने समयतिणेप्रस्तावेकुटंवचींताकरतीयकी एहवोएताद्दश अध्यवसायउपनोइमनिश्चयकरे इणांआगलि १२ वारहसपत्नीसोकिछे तेहने विघ्नविघातेकरीने विपयभोगनोअंतरायमहाशतकश्रमणोपासकश्रावकसंघातेउदारप्रधानमनुष्यसंवधीयाभोगभोगवीनसकुं इणांसो

त्तिदग्दशादागता: कौलग्टिका: अंतराणियत्तिअवसरान् छिद्राणिविरलपरिवारत्वानिविरहान् एकांतानितिमांसलोलेत्यादिमां

सूत्र

एणं। णोसंचाएत्तिमहासयएणं। समणोवासएणंसद्धिंउरालाइं। माणुस्सियाइंभोगाइं भुंजमा
णाविहरत्तए। तंसेयंखलुममंएयाओ। दुवालससवत्तियाओ अग्गिपओएणवा सत्थप्प० विसप्प०
जीवियाओववरोविया। एयासंएगमेगंहिरणकोड़ी। एगमेगंवयंसयमेवउवसंपज्जित्ताणं। महा
सयएणंसम० सद्धिंउरालाइं जावविहरत्तए। एवंसंपेहेइ तासिंदुवालसण्हंसवत्तीणं। अंतराणिय

भाषा

कांआगलेतोसुभानेभजोग्वलुनिश्चय एह १२वारह सवकिछे माहरे दुखनीदेणहार तिणेअग्निप्रयोगेकरीने हथीयारेकरीनेविषेकरी
एह १२ वारहसवकनेजीवथकीरहितकरमारं दूणां १२वारहसवकानोएकएकहिरणनीकोड़ि एकएक१२वारहसवकाना १२ व्रज
गोकालतेसर्वेथोकालेहूंनेविचरं महाशतकश्रावकश्रमणोपासकसंघातेउदारभणाप्रधान भोगवतीथकीयावत्गहूंविचरं इमचींतवेचींत
वीने तेहपोतानी १२वारहसवकाभणीमारवानेप्रस्तावअवसरविरियाछलछिद्रसवकांनाविवरसदासर्वदाएकांतपरिवारकरीनेरहित

सलोला:मांसलंपटा एतदेवविशेष्यते मांसमूर्छिताखदोषानभिज्ञत्वेनमूढेत्यर्थ: मांसग्रथितामांसानुरागतंतुभि: संदर्भिता:लांरूट

छिद्दाणिय विवराणिय पड़िजागरमाणीश्विहरइ तएणंसारेवईगा० अन्नयाकयाइंतासिंदूवालस्स
ग्रहंसवत्तिणं अंतरंजाणित्ताछखवत्तीओ सत्थप्पयोएणंउद्दावइ२ छस्सवत्तीओविसप्पओगेणं उद्दवे
इ२त्ता तासिंदूवालसण्हंसवत्तिणं कोलघरिएएगमेगंहिरणकोडिं एगमेगंवयंसयमेवपड़िवज्जइ२
त्ता महासयएणंसद्धिंउरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणीविहरइ तएणंसारेवईगाहावइ मंससोल

तिणांशेतानी१२वारइस्पत्नीशवकानोअंतरछिद्रजा
देखतीथकीविचरेएहवीतिवारपछीतिकारेवतीगाथापतनीअन्यदाएकदाप्रस्तावे तिणांशेतानी १२
णीजाणीकरीनेछसवकांनशणीसस्त्रतरवारप्रमुखहथीवारेकरीनेमारेमारीनेछसवकांमणीमऊरामुखविसदेईनेमारेमारीकरीने वरे
वारहसवकांमणीमारीवारीनेरेवतीगाथापतनीपीहरसंबंधीएकएकहिरण्यद्रव्यनीकोड़िएकएकव्रजगोवालआपणेपोते लेइकरीने
राखेमहाशतकश्रमणोपासकश्रावकसंघातेउदारप्रधान संसारीकविषयसुखभोगभोगवतीथकीविचरे तिवारपछीतेरेवती गाथापतिनी

ज्ञातज्ञोगेप्यजातकांचाविच्छेदामांसाप्युपपन्नामांसैकाग्रचित्तातत्त्वबहुविधैर्मांसैः सामान्यैस्तद्विशेषैश्चतथाचाह सोल्लिएहियत्तिम्
ल्यकैश्चमूल्य संस्कृतवैसूलिभिश्चपटतादिनाग्नौसंस्कृतैः भर्जितैथाग्निमात्रपक्वैःसहेतिगम्यते सुरांचकाष्ठपिष्टनिष्पन्नं मधुचचौद्रंमेर
कंमद्यविशेषंसद्यं चगुडधातकीप्रभवंसीधुं अतद्विशेषंचप्रसन्नांचसुराविशेषंआस्वादयन्तीईषत्स्वादयन्तीकदाचित्स्वादयन्तीविविधप्रका

सूत्र

या मंसेसुमुच्छिया। जाव अज्भोववणावहुविहेहिं। मंसेहियसोल्लेहिय तलिएहिंभज्जिएहिं।
सुरंचमहुंचमेरगंचमज्जंचसीधुंचपसन्नंच आसाएमाणीविहरइ तेणंरायगिहेणयरे अणया
कयाइ अमाघाएघुट्ठेयाविहोत्था। तएणंसारेवइ मंसलोलुयामंसेसुमुच्छिया४। कोलघरएपुरिसेस

भाषा

रटहस्यनीमांसनेविषेलोलुपमांसेमूर्छितऊर्द्धथकी यावत्शब्देअतिग्टद्धयइ घणाप्रकारना बहुप्रकारकरीमांसना भेदसूलादिकेकरीनेत
लिवेकरीभुंइयेकारीने मदिरासुरामधुतेउनेरसे करीनेमद्यसे षवपसन्नतिणारात्राखादलेती विवधप्रकारेकरीनेविचरे तिवारे
राजग्टहीनगरनेविषेअन्यदाकदाताए कदाप्रसावे राजाश्रेणकेअमारनी उद्घोषणाढंढेरोप्रवर्त्ताव्यो तिवारपछितेरेवतीगाथा

रैविशेषेणवास्वादयतीतिकदाचिद्देवपरिभोजयन्ती स्वपरिवारस्यपरिभुंजानासामस्त्ये नविवक्षितत्तद्विशेषान् अमाघातोरूढ़यब्दत्वात्
अमारिरित्यर्थ: कोलघरिएन्तिकुलग्टहसंबन्धिन: गोणपोतकौगोपुत्रकौउद्धवेहन्ति विनाशयतिमत्तत्तिसुरादिमदवतीलुलितामद्व

हावेइ२त्ता एवंवयासी तुब्भेदेवा० ममकोलघरिएहिंतो कल्लं कल्लं दूवे२ गोणपोतएउवद्दावह२ममं
उवणेह तएणंतेकोलघरियापुरिसा रेवतीएगाहावइए तहत्तिएयमट्ठं विणएणंपड़िसुणेइ२त्ता रेव
तीएगा० कोलघरिएहिंतो कल्ले२दूवे२गोणपोतएउवद्दंति रेवइएगाहावइएउवणेइ तएणंसारेवइ

पतनीग्टहस्थनीमांसनीलोलुपमांसने विषेमूर्छितथकी कोलघरपीहरीयापुरुषविश्वासीतेड़ीकरीनेदूणे प्रकारेएहवोकह्येअहोदे
वानुप्रियतुम्हेमाहरीपीहरीया व्रजगोकलमांहियी दिनदिनप्रतेसदाप्रतेदोइदोइ गाइनावाछरूदोइमारीकरीनेमुझनेआणी
नेद्यो तिवारपछीतेरेवतीनेपुरसपीहरीयासुजांणपुरुष रेवतीगाथापतिनीग्टहस्थणीनावचनतहत्ति करेतहत्तिकरीनेएहवोअर्थ
घणोविनयथकी सांभलेसांभलीने रेवतीगाथापतिनीग्टहस्थणीनेपीहरनाव्रजगोकलथकी प्रभातप्रभातदोइदोइवाछरूवानानकामारी

सेनघूर्णिताश्चलत्पदेत्यर्थः विकीर्णाविक्षिप्ताः केशायस्याः सातथाउत्तरीयकंउपरितनवसनंविकर्षयन्तीमोहोन्मादजनकान्कामोद्दीपकान्वचनान्शृङ्गारिकान् शृङ्गाररसवतः स्त्रीस्वभवान् कटाक्षसंदर्शनादीन् उपसंदर्शयंतीहंभोत्ति आमन्त्रणं महाशयायदूत्यादे

सूत्र

तेहिंगोणसंसेहिंसोल्लेहियर । सुरंचआसाएमाणी४विहरइ । तएणंतस्समहासतयस्सवज्जहिंसी लजावभावेमाणस्स चोद्दससंवच्छराविइक्कंता एवंतहेवजेट्ठपुत्तंठवेइत्ता जावपोसहसालाएधम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणंविहरइ तएणंसारेवतीगा० मत्तालुलिता विवरावीसोउत्तरिज्जयं विकट्टमा

भाषा

करीनेरेवतीगाथापतिनीगृहस्थणीनेमारीकरीनेवाछरू आणीद्येतिवारपछीतेरेवतीगाथा पतिनीनेवाछरूयाना मांसनाशूलाकरतीथकीविचरे मद्यमांससंघातेआस्वादतीथकीसुखेविचरे तिवारपछीतेहमहाशतकश्रावकने वऊकहतायणा शीलव्रतयावत्शब्दे भावनांसावतांयका चवद १४ वरसवितिक्रंतकहतांउलंघ्या इणेप्रकारें तिमहीजवडापुत्रने पोतेयापीकरीने यावत्शब्दे पोषधसालानेविखेधर्मनीप्रज्ञप्तिवुषतेहनी११प्रतिमावहतोउपसंपदालेइनेविचरे तिवारपछीतेरेवतीगाथापतिनीसुरामांसभक्षीने मदोन्मत्त थइ

र्यि रहसीतिपर्यवसानस्य रेवतीवाक्यस्यायमभिप्रायोऽयमेवास्य स्वर्गो मोक्षो वायन्मयासह विषयसुखानुभवनं धर्मानुभवनं धर्मानु
ष्ठानंहिविधीयते स्वर्गाद्यर्थंस्वर्गादिश्चेष्यतेसुखार्थंसुखंचैतावदेवतावदृष्टंयत्कामासेवनमिति भर्गांतिचजइनल्यितत्यसीमंतिणीश्रोमण

णो२ जेणेवपोसहसाला जेणेवमहासयएसमणोवासए तेणेवउवागच्छइ२त्ता मोहुम्मायजणणा
इं सिंगारियाइं इत्थिभावाइं उवदंसेमाणी२ महासययंसमणोवासयंएवंवयासी हंभोमहासयया
समणोवासया धम्मकामयापुण्णकामया सग्गकामया मोक्खकामया धम्मकंखिआ४ धम्मंपिवासिया

करीनेविखेरायका मायानाकेशपासकेशउपरलोवस्त्रउतारीने १६ शृंगारसभीकरीने जिहांपोषधशालाछेजिहांमहाशतकश्रम
णोपासकश्रावकपोसहलीधोछे तिहां आवेआवीकरीनेमोहनाकरणहारमननाहरणहारएहवाशृंगारकीधा स्त्रीनाभावचेष्टाहाव
भावअंगप्रमुखदेखाडतीयकीमहाशतकश्रमणोपासकश्रावकनेएहवोकहे अहोमहाशतकश्रमणोपासकश्रावकएहीजधर्मनोकाम एहीज
पुण्यतणोकामएहीजस्वर्गतणोकामएहीजमोक्षतणोकामएहीजधर्मनीवांछाश्राकांक्षा एहीजधर्मनीपिपासातृष्णा तेसर्वतुभने अहो

हरपियंगुवणाओ सिद्धं तियनन्धणंखुमोक्खो १ तयासत्यंवच्मिहितंवच्मि सारंवच्मि पुनःपुनः अस्मिन्नसारेसंसारेसारंसारङ्गलो चना २ तयाद्विरष्टवर्षीयोपित्पंचविंशत्यादिकः पुमान् अनयोर्निरंतराप्रीतिः स्वर्गइत्यभिधीयते ३ इति अलसतेणंतिविसूचिका

सूत्र

किणंतुब्भेदेवाणुप्पिया धम्मेणवापुस्णेणवा सग्गेणवा मोखेणवा। जणंतुसेमएसद्धिंउरालाइं जाव भुंजमाणोणोविहरइ। तएणंसेमहासयएरेवइगा॰ एयमट्ठंणोआढ़ाइं णोपरियाणाइ। अणाढ़ा इज्जमाणे अपरियाणिज्जमाणे। तुसणीएधम्मज्झाणोवगएविहरइ॥ तएणंसारेवइमहासतयं दो च्चंपितच्चंपिएवंवयासी हंभोतंचेवभणइ सोवितहेवजावअणाढाइज्जमाणे अपरियाणिज्जमाणेविह

भाषा

देवानुप्रियसेवायकीधर्मयकीपुण्यथकी स्वर्गयकीमोक्षयकीजोतुं मोसंघातेउदारप्रधानसंसारना विषयभोगभोगवतोयको यावत्शब्दे विचरेनही तिवारेतेमहाशतकश्रावकरेवतीगाथापति नीनाएहवावचनसांभलीमनमांहेनाणे तेवातपिणमनमांहेआणेनही साह मोपिणनजोवेवलीआदरसत्कारपिणनदेवेमौनेकरोनेधर्मध्यानमांहेविचरेछुकोमिणनहीतिवारपछीतेमहाशतकश्रावकश्रमणोपास

रइ तएणंसारेवईगाहावइणी महासयएत्रणाढाइज्जमाणी अपरियाणिज्जमाणी जामेवदिसिंपा
उभूया तामेवदिसिंपडिगया तएणंसेमहासयएसमणो० पढमंउवासगपडिमंउ० विहरइ पढमंत्र
हासुत्तंजावएक्कारसवि तएणंसेमहासयए तेणंउरालेणंजावकिसे धमणिसंतएजाए तएणंतस्समहा
सययस्स । त्रणयाकयाइपुव्वरत्तावरत्तकाले । धम्मजागरि२ । अयंत्रज्झ४ । एवंखलुत्रहंइमेणंउरा

---

कनेदोत्ह्वंपिदुजीवारतीजीवारएहवोकहेत्रहोभडाय्यतकतिमहीजकहेतिकोतिमहीजयावत्शब्देवचननमानेसाम्होनजोवे आदरपिण
लिगारमात्रदेवेनहीधर्मध्याननेविषेविचरेतिवारपछीतेरेवती गाथापतनीमहाशतकश्रावके श्रमणोपासकेवोलावीनहीसन्मुखनजो
योत्र्यादरपिणलिगारमात्रनदीधोतिवारेत्रासणद्रूमणीरेवतीगाथापतनीजिणे दिसीत्रावीहतीतिणेदिसीपाछीगईतिवारपछीतेमहा
शतकश्रमणोपासकश्रावकपहलीश्रावकनीप्रतिमाएकमासकीवहेविचरेपहिलीप्रतिमाजिमसूत्रमाहीकहीतिम११इग्यारहप्रतिमाविध
सुंवहेतिवारपछीतेमहाशतकश्रावकतिणेउदारतपेकरीयावत्कशलोहारनीधमणसारखोथयो तिवारपछीतेहमहाशतकश्रमणोपासक

लेणं । जहा आगंद्दोत देवप्पवक्किसमारणंतियं । संलेहणा झूसियसरीरे । भत्तपाणपडियाइक्खिए । कालं अणव
कंखमाणेविहरइ । तएणंतस्स अणगारस्स । सुभेणंअज्झवसाणेणं । जावतदावरणिज्जाणं । कम्माणंखओवसमेणं । उहिणाणे
समुप्पण्णे पुरत्थिमेणंलवणसमुद्दे । जोयणसाहस्सियं खेत्तंजाणइपासइ एवंदक्खिणेणंपच्छिमेणंउत्त
रेणं । जावचुल्लहिमवंतंवासहरपव्वयं । जाणइपासइ । अहेइमीसेरयणप्पभाएपुढवीए लोलुयच्चुयंणरयं ।

भाषा

यातलगनदाए सदाप्रमादिमध्य रातलिगमसदनेतिसे एकदेवजीमलेखणी आगरकरतापजीव ब्रबहाव अपनीक्रुमेमकारैनिस्यटं इणी
प्रमानउदारतपैतदीजिमघार्णस्यात उसीभोगिन देखनी मंतवा मानविमरणात संलेखना करीनिपरिजपलनसजपतिजे भातपानीमा
रमकारमातजीकानप्रतेश्रमणचांश्तिाव शोभर्म ध्यानबेतिर्णि निदेति नरपजीवेसवागत यातकर्मनोअवनिमणोपरिणामेकरीनिवावतअव्दे
वैकर्मनेचयकरीपायधियानउपनोलेवपमिन्यानगोदक्खिनतीहिपूर्वदिशीनिलवणसमुद्रमेविषेसहस्त्रयोजनलगिदजाणेनावेवपतां एवं
सचीजदक्षिणदिसिनेदेगेपश्चिमदिसनेउतारदिसिनेचवलतूगदेपुर्वदिसातवर्षधरपर्वतप्र्यंतजाणेदेखेतोहरजाणेमानेदेखेरेपाछेहरा

उत्तरिज्ज
चउरासीवाससहस्सठिइयं जाणइ२पासइ। तएणंसारेवतीगा० असायाकयाइमत्ताजाव० उत्तरिज्ज
यंविकड्ढमाणी। जेणेवमहासयए जेणेवपोसहसालाएतेणेवउवागच्छइ२त्ता महासययंतहेवभणइ
जावदोच्चंपितच्चंपिएवं० हंभोतहेवभणइ। तएणंसेमहासयए रेवईएदोच्चंपितच्चंपिएवंवुत्तेसमाणे
आसुरत्तेओहिंपउंजइ२त्ता ओहिणाआभोएइ२त्ता रेवइंगाहावइणंएवंवयासी हंभोरेवईअपत्थि

तांनीचेपहिलीनरकरत्नप्रभानोलोलुचोएहवेनामेपाथडोतिणेपाथडे नेविषे८४ हजारवरसनीआयुखानीस्थितिजाणेपासेतिवारपछी
तेरेवतीगाथापतिनीअन्यदाप्रस्तावेएकदासमेयावत् मदोन्मत्तथकीउपरलोओढ़नवस्त्रनाखतीथका एहवीथकीजिहांमहासतकश्रमणो
पासकश्रावक जिहांपोसहसालातिहांआवेआवीकरीनेमहाशतकश्रावकनेपूर्वलीपरेकहे यावत् शब्देदोइवारतीनवारएहवोकहे अहो
महाशतकश्रावकतिमहीजकहे तिवारेतेमहाशतकश्रावकरेवतीगाथापतिनीबीवारतीनवारइमएहवेकह्योथकेक्रोधउपनोअवधिज्ञान
नेप्रयुंजेप्रयुंजीनेउहिणाअवधिज्ञानेजोवेजोईकरीनेरेवतीगाथापतिगृहस्थणीने एहवोकहेरेहोरेवतीगाथापतिनीअप्रार्थितमरणानी

उ०टी॰
२२०

विशयलचणेनतत्नचर्यांचेदंनोल्लंघ्रजतिनाथस्वादादारोनचमन्यतेश्रामायये लसीभूत:तेनसोलसक:स्मृतदूतिहीणत्तिमीत्याहीन: त्यक्त:

सूत्र

यपत्थिए४ एवंखलुतुमंअंतोसत्तरत्तस्स अलसएणंवाहिणाअभिभूयासमाणी अट्टदुहट्टवसट्टा असमा
हिपत्ता कालमासेकालंकिच्चा अहेइमीसेरयणप्पभाएपुढवीए लोलुच्चुएणरएचउरासीइ वाससह
स्सठिइएसु णेरइयत्ताएउववज्जिहिसि तएणंसारेवईगाहावई महासयएणंस० एवंवुत्तासमा
णीएवं० । तट्टेणंममंमहासयएसमणोवासए । हीणेणंममंमहासयएअवज्झाणेणं । अहंमहासयएणं

भाषा

प्रार्थनहारदूमनिश्चयतु अंतोमाहतांविचालेमध्यसातिरात्रिनेविषे अलसनामरोगतिणेरोगेकरीव्याधीउपनादकांपराभवीयकीआर्त्त
ध्यानरौद्रध्याननेविषेदुखपामतीथकीअसमाधिप्राप्तिमरणसमयनेविषेमरीनेअहेनीचेएहीजरत्नप्रभानामेपहिलीनरकपृथ्वीतेहनो
लोलुच्चनामेपाथड़ोचोरासी८४हजारवरसनीस्थितिआउखानीछेतिहांतु जईनेनारकीपणेनरकमेउपजीसतिवारेतेरेवतीगाथापति
नीरहस्यणीमहागतकश्रावकनावचनसांभलीकरीनेपोतानेमनसेएहकहेरूठोक्रोधकीधोमुझउपरिमहागतकश्रमणोपासकश्रावकहा

णणज्जतिणंश्रहं केणाविकुमरणेणंमारिज्जिस्सामितिकट्टु भीयातत्थातसियाउविग्गा संजायभयास
णियं२ पच्चोसक्केइ जेणेवसएगिहेतेणेवउ० उहयजावज्झियाइ तएणंसारेवईगा० अंतोसत्तरत्तस्सश्रा
लसएणंवाहिणा अभिभूयाअट्टदुहट्टवसट्टा कालमासेकालंकिच्चा इमीसेरयणप्पभाए पुढवीए लो
लुय० चउरा० उववन्ना तेणंकालेणं तेणंसमएणं समणेभगवंमहावीरे समोसरणंजावपरिसापडिग

हाअतिखेदपाम्योमहाशतकअपध्यानेकरीनेजिमकोईसरापदेवेतिमसरापदीधोसुभानेमहाशतकश्रावकनमानेनजाणु सुभानेकिणही
कुमरणेमारिस्येएहवोकोप्योथको इमएहवी चींतवेचींतवीनेबीहतीत्रासपामीतिवारपछीनाठीउद्वेगपामीचित्तमांहेभयउपनोह
लवेहलवेपाछीवलेवलीनेजिहांआपणोघरछेतिहांआवेआवीनेरेवतीगाथापतिनीगलहयोगालउपरेहाथदेईनेआर्त्तध्यानध्यावेतिवार
पछीरेवतीने सातअहोरात्रिमांहिअलसरोगउपनोसर्वश्रोतरु धाणाव्याधिपीड़ाकरीनेआर्त्तरौद्रध्याननेवसेकरीनेकालमासदाड़े काल
नेसमयकालकरीने एहीजरतप्रभाष्टथिवीनेलोलुचेनामे पाथडे८४हजारवर्सनेआयुषेउपनीतिणकाले तिणसमये श्रमणभगवंतश्री

अवज्झायन्ति अपध्यातादुर्ध्यानविपर्यासताकुमरणेणंतिदुःखच्छत्युनानोखलुकप्पइगोयमेत्यादिसंतेहिंन्ति सद्भिर्विद्यमानार्थैःतत्रे च्चिंति

सूत्र

या गोयमाइसमणेभगवं महावीरेएवंवयासी एवंखलुगोयमा इहेवरायगिहेणयरेममं अंतेवासी महासयएणामं समणोवासएपोसहसालाए अपच्छिममारणंतियं संलेहणाझूसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए कालंअणवकंखमाणेविहरइ तएणंतस्समहासययस्सरेवईगा० मत्ताजावविकड्ढमाणी जेणेवपोसह

भाषा

महावीरस्वामी श्रावीनेसमवसस्या १२वारउपरपदाधर्मउपदेशसांभलीपाछीवालीगौतमप्रमुखने श्रमणभगवंतमहावीरचर्मतीर्थंकर एमएहवोकहेइमखलुकहतांनिश्चय हेगौतम एहीजराजगृहीनगरनेविषे माहरोअंतेवासीमहाशतकनामेश्रमणोपासकश्रावकछे ते श्रावकपोसहनीपोसहसालानेविषे अपश्चिमछेहिलीमारणांतिकसंलेखणा करीने धर्मध्यानने विषेप्रवर्त्तोच्यारप्रकारानाभातपाणीपच खीकालअणवांछतोथकोविचरे तिवारपछीतेमहाशतकश्रावकश्रमणोपासकने रेवतीगाथापतिनीमदोन्मत्तथकीयावत्शब्देउपरला नाखतीजिहांपोषधसालाछे जिहांमहाशतकश्रमणोपासकश्रावकछे तिहांआवेआवीनेमोहनाकरणहारसोलङ्गारवस्त्रकरीयावत्

किंनुना भवति तद्भूतैरतिशनिष्टैर्वांछितैः
तथ्यैः तत्वरूपैर्वानोपचारिकैः तन्हिएहिंतितसेवीतप्रकारतापन्नैर्नमातयापिन्यूनाधिकैः

सालाजेणेवमहासयए तेणेवउवागच्छइ उवागच्छित्ता मोउम्मादाजावएवं० तहेवजावदोच्चंपितच्चंपि एवंवयासी लए

सालाजेणेवमहासयए तेणेवउवागच्छइ०त्ता मोउम्मादाजावएवं० तहेवजावदोच्चंपितच्चंपि एवंवयासी तए णंसेमहासयए समणोवासएरेवईए गाहावईए दोच्चंपितच्चंपिएवंवुत्तेसमाणे आसुरत्तेकुविए ओहिं णंआभोएइ रेवईगा० जावउववज्जिहिसि णोखलुकप्पइगोयमा समणोवासगस्स अपच्छिमजाव झूसियसरीरस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्सपरोसंतेहिं तच्चेहिंतहिएहिंसब्भूतेहिंअणिट्ठेहिं अकं

यत्दे तिमहीजयावत् दूजीवारतीजीवारवणीविषेइणेप्रकारे एहवोकहेतिवारपछीतमहाशतकश्रमणोपासकश्रावकरेवतीनामागाथाप तिनीपोतानीभार्यायेदूजीवारतीजीवारएहवोवारवारकह्यायकामहाशतकरीसणोक्रोधवंतहवो अवधिज्ञानेप्रयुंजेप्रयुंजीने दूम कहेरेवतीनेतुंसातश्रहोरातिसेमरीनेनरकजासीणोनकल्पे खलुनिश्चयहेगौतमश्रमणोपासकश्रावकनेछेहलीसंलेखणानेविषे यावत् यत्दे दुर्बलथताशरीरनेवलीच्यारप्रकारनाभातपाणीपचख्याएहवाश्रावकनेसद्विद्यमानसाचीवाततिमहीजकहणीनकल्पे सद्भूतअनिष्ट

यकांति.स्वरूपेणाकलनीयैःअप्रियैरप्रीतिकारकैरमनोज्ञैर्मनसानाभिलिष्यन्ते नज्ञायन्तेवक्तुमपिप्रानिते:अमनआपैर्मनसा आप्यन्ते

सूत्र

तेहिं अप्पिएहिंअमणुणेहिं वागरणेहिंवागरेत्तए तंगच्छहणंदेवाणु॰ तुमंमहासययंसमणोवास
यंएवंवयासी णोखलुदेवा॰ कप्पइ समणोवासगस्स अपच्छिमभत्तपरोसंतेहिं णाववागरेत्तएतुमेय
णंदेवा॰ रेवईगाहावईसंतेहिंअणिट्ठेहिं वागरणेहिंवागरित्ता तेणंतुमंएययस्सठाणस्स आलोएहि
जावजहारिहंपायच्छित्तंपडिवज्जाहित॰ सेभगवंगोयसेसमणभ॰ तहत्तिएयमट्ठंविणएणंपडिसुणे

भाषा

बुराअप्रीतिकारीवचनअप्रियमनगमतानहीअमनोज्ञवचनअसातानाकारककठोरवचननकहणा तो तुम्हे हेगौतमजावोमहाशतक
श्रमणोपासकश्रावकनेइणेप्रकारेकहजोहेगोनहीनिश्चेदेवानुप्रियनकल्पे श्रमणोपासकश्रावकने हे छेल्लीसंलेखनाइ भातपाणीप
चखीकरीने यावत्गयेकठोरवचनबोलवोतुम्हे देवानुप्रियरेवतीगाथापतनीरुछस्यणीनेसाचासद्भूतअनिष्टएहवाकठोरवचनअनिष्ट
अमणगावतायोलवानकरयेतिणेतुम्हे तेवचनरूपणठीजस्थानकनेविषेआलोयोनिंदोगरहोयावत्गयेयथायोग्यप्रायश्चित्तल्यो दूषणटालवाभ

इत्ता तओपडिणिक्खमइत्ता । रायगिहंणयरंमज्झंमज्झेणं । अणुपविसइ । जेणेवमहासयग
स्सगिहे जेणेवमहासयएसं० तेणेववा० तएणंसेमहासयएसमणोवासए । भगवंगोमयमंएज्जमा
णंपासइ हट्ठजावहियए । भगवंगोयमंवंदइणमंसइ । तएणंभगवंगोयमंमहासययंएववयासीएवं
खलुदेवाणु० रेवईगाहावइणिंएववमाइक्खइ । भासइपणवेइपरूवेइ णोखलुकप्पइदेवाणुप्पिया

णीतपपडवजोतिवारपछीतिकेभगवंतगौतमश्रमणभगवंत महावीरस्वामीनावचनतहत्तिकरीएहवोअर्थविनयकरीनेसांभलेसांभलीने
तिहांथकीगौतमस्वामीनीकलेनीकलीनेराजगृहीनगरनेमांहेमध्यमध्यविचालेअनुप्रवेशकरेकरीनेजिहांमहाशतकश्रावकनो गृहघर
अछेजिहांमहाशतकश्रमणोपासकश्रावकछेतिहांआवेआवीनेतिवारेतेमहाशतकश्रमणोपासकश्रावकगणधरभगवंतगौतमस्वामीनेआ
वतायका देखेदेखीकरीनेयावत्‌हृदेमनसेहर्षपाम्योभगवंतगौतमस्वामीनेवांदेनमस्कारकरेप्रणामकरेतिवारपछीभगवंतगौतममहाश
तकश्रमणोपासकनेइणेप्रकारेएहवोकहेइमनिश्चयअहोदेवानुप्रियतुम्हे रेवतीगाथापतिनीगृहस्थणीनेतुम्हे उपदिसोवाहत्योपन्नव्यो

समणोवासगस्स अपच्छिम । जाववागरेत्तए । तुमेणंदेवाणु॰रेवइ । गाहावइणीसंतेहिंजाववाग
रिता । तणंतुमंदेवाणु॰ । एयस्सट्ठाणस्स । आलोएहजावपायच्छित्तंपडिवज्जाहि । तएणंसेमहा
सय । भगवंगोयमस्स । तहत्तिएयमट्ठं । विणएणंपडिसुणेइ२त्ता । तस्सट्ठाणस्सआलोएहिजावज
हारिहंपायच्छित्तंपडिवज्जइ । तएणंसेभगवंगोयमेमहासयगस्स । अंतियाओपडिणिक्खमइ२त्ता



प्ररूप्योतेतुम्हनेणोनहीखलुनिश्चयनकल्पे अहोदेवानुप्रिया अमणोपासकश्रावकभणीछेहलीसंलेखनानेविषेइमकहिवोनकल्पे तुम्हे दे
वानुप्रियरेवतीगाथापतनीनेग्टहस्थणीनेएहवासाचाकठोरवचनयावत्शब्देवचनकह्यातेवचनतुम्हे देवाप्रियइणहीजस्थानकनेविषेआ
लोवोनिंदोगर्होयावत्शब्देपडिकमीनेप्रायश्चित्तल्योतिवारपछीतेमहाशतकश्रावकभगवंतगौतमनावचनसांभलीनेतहत्तिकरेएअर्थविनय
सुंसांभलेप्रतिसुणेतिणेस्थानकनेविषेआलोवोनिंदोयावत्शब्देयथायोग्यतुम्हे प्रायश्चित्तल्योतपपडिवजोतिवारपछीतेभगवंतगौतमगणध
रमहाशतकश्रमणोपासकना अंतसमीपथकीनीकलेनीकलीकरीनेराजग्टहीनगरतेहनेमध्यमध्यविचालेथइनेनीसरेनीसरीकरीनेजि

रायगिहंणगरंमज्झंमज्झेणं । णिग्गत्थइ२त्ता । जेणेवसमणेभगवंमहावीरे । तेणेवउवाग० । सम णंभगवंवंदइणमंसइ । संजमेणंतवसाअप्पाणंभावेमाणेविहरइ तएणंसेभगवंअणयाकयारायगि हाओ । णयराओपडिणिक्खमइ२त्ता वहियाजणवयविहारंविहरइ ।तएणंसेमहासयएसणोवा सए वङ्गहिंसीलजावभावेत्ता वीसंवासाइंसमणोवासगपरियायंपाउणित्ता एक्कारसउवासगपडि

हांश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीसमवसर्‍याति हांआवेआवीकरीनेश्रमणभगवंतमहावीरनेवांदेनमस्कारकरीने१७सतरभेदसंयम१२ वारहभेदतपतिणेकरीनेआपणोआत्माभावतोनिर्मलकरतोविचरेतिवारपछीश्रमणभगवंतमहावीरअन्यदाएकदाप्रस्तावेराजग्रहीनग रथकीपाछोविहारकरेविहारकरीनेवहियाकहतांवाहिरजनपददेशमांहेविहारकरतायकाविचरेतिवारपछी तेमहाशतकश्रमणोपा सकाश्रावकवहूहिंकहतांघणासीलव्रतादिभावतोयकोवीस२०वरससीमश्रमणोपासककहीजेश्रावकनोपर्यायपालेपालीकरीने ११इग्यार हप्रतिमाश्रावकनीवहीकरीनेसम्यकहतांभलीपरेसूत्रविधेकरीनेकायायेफरसीनेएकमासकीसंलेखणाकरीनेआपणो आत्मासोखवीक

प्राप्यन्तेचिन्तयापियानितैर्वचनेपियेषांमनोत्सहतद्रत्यर्थ:व्याकरणैर्वचनविशेषैरितिअष्टममध्ययनमुपासकदशानांविवरणसमाप्तम्॥८।

सूत्र

मात्रो सम्मंकाएणफासित्ता मासियाएसंलेहणा अप्पाणंभूसित्तासट्ठिंभत्ताइं अणसणाएछेदेत्ता आलोएपडिक्कमित्ता समाहिपत्ताकालमासे कालंकिच्चा सोहम्मेकप्पेअरुणवडिंसए विमाणेउववणे चत्तारिपलिओवमाइं ठितीमहाविदेहेवासे सिज्झिहिंतिवुज्झिहिंति णिक्खेवोउवासगदसाणं अट्ठमंअज्झयणंसम्मत्तं ८ नवमस्सउक्खेवोएवंखलुजंबू तेणंकालेणंतेणंसमएणं सावत्थीणयरी कोट्ठएचेइ

भाषा

रीनेसाठभक्तआहारनाअणसणकरीनेटकछेदीकरीनेपापआलोईकरीनेपड़कमीनेसमाधिवंतकालमहीनेकालमासेकालकरीनेसौधर्मदेवलोकनेविषे अरुणावतंसकविमाननेविषे देवलोकपणेउपनो च्यारिपल्योपमनीस्थितिछे महाविदेहक्षेत्रतिणक्षेत्रनेविषेउपजीकरीनेसीभस्ये निक्षेप: उपासकदशाएहवेनामे सातमोअंगतिणेसातमाअंगनोआठमो अध्ययनपूरोथयो ८ हिवेकहेछेस्वामीनवमा अध्ययनतो अर्थइणेप्रकारेनिश्चयजंबू तिणेकालेतिणेसमयेनेविषेएहवी सावत्थीनामेनगरीऊतीऊई कोष्टकचैत्यवनखंडजितशत्रुएहवे

नवमदशमेचकाए एवेतिप्रत्यध्ययनमुपक्षेपनिक्षेपावभ्यूह्यवाच्यौतथाएवं खलुजंबूइत्यादिउपासकदशानिगमनवाक्यमध्येयमितितया

पुस्तकांतरेसंग्रहगाथाउपलभ्यन्तेताश्चेमाः वाणियगामेचंपादुवेयवणारसीएनयरीए ४ आलंभियाय ५ पुरवरीकंपिल्लपुरंचवोधव्वं १ पोलासंरायगिहंसावत्थीएपुरीएदोन्निभवेएएउवासगाणंनयराखलुकं तिवोधव्वा२ सिवनंद १ भद्द२ सामा३ धणा ४ वहुला ५ पुस्स६ अग्गिमित्ताय ७ रेवइ ८ अस्सिणि९ तहफग्गुणाय १० भज्जाणणामाइं३ ओहिणाण१ पिसाए२ माया३ वाहि४ धण ५ उत्तरिज्जे य ६ भज्जायसुव्वया७ दुव्वयाइं निरुवसग्गयादोन्नि १०।४ अरुणे १ अरुणाभे २ खलु अरुणप्पह ३ अरुणकंत ४ सिट्ठेय५ अरुणज्झए य६ भूय७वडिंसे ८ गवे ९ कीले १०। ५ शिष्टादिनामान्यरुणपदपूर्वाणिद्रष्टव्यानि अरुणशिष्टमित्यादि एताश्चपूर्वोक्तानुसारेणावसेयायदिहनव्याख्यातंतत्सर्वंज्ञाताधर्मकथाव्याख्यानमुपयुक्तेन निरूप्यावसेयमिति सर्वस्यापिस्वकीयंवचनमभिमतंप्रायसःस्याज्ज

## ईएजियसत्तूराया तत्थणंसावत्थीएणंदणीपियाणामं गाहावईपविसईअड्ढे चत्तारिहिरण्णकोडीओ

नामेराजा तिहांसावत्थीये नगरीनेविषेनंदनीपियानामे गाथापतिरहेस्यपरिवसेछे अड्ढेकहतांवड़ोऋद्धवंतच्यारिहिरण्यनीकोडी

मस्यचुत्वस्यापिसम्यग्व्रिविहितरुचिः स्यात् कथंतत्परेषां चित्तोल्लासात्कुतश्चित्तदपिनिगदितं किंचिदेवंमयैतत्युक्तं यथात्वतस्य

सूत्र

णिहाणपउत्ता। वुड्डिपवित्थरपत्ताओचत्तारिव्वया। दसगोसाहस्सिएणंवएणं। अस्सिणीभारिया सामीसमोसढ़ो। जहाआणंदोतहेवगिहिधम्मंपड़िवज्जइ। सामीवहियाविहरइ। तएणंसेणंदि णीपिया। समणोवासएजाएविहरइ। तएणंतस्सणंदिणीपियस्सबहूहिंसीलव्वयगुणव्वयजाव। भावेमाणस्स। चोद्दससंवच्छरा। वितिकंतातहेवजेट्ठपुत्तंठवेइ। धम्मपणत्तिं वीसंवासाइं परियायं

भाषा

सोनईयानीतेहनेनिधानमाहवूरीनेराखीछे च्यारकोड़व्याजेराखीच्यारकोड़सोनइयाघरवंखरीनेमोकला च्यारिव्रजगोकलदसहजार गायएकव्रजमेएहवाव्रज अस्वनीनामेभार्या तेहनेतिणअवसरेभगवंतसमवसर्या जिमआणंदश्रावकतिमहीजएपिणश्रावकनोधर्म१२ वारहव्रतल्येपालेस्वामीवाहिरदेशमाहेविहारकरे तिवारपछीतेनंदनीपितानामे श्रमणोपासकश्रावकथयोजीवदयापालतोविचरेति वारपछीनंदनीपिताश्रमणोपासकश्रावकवड्ढिकहतांघणासीलव्रतादिधर्मकरणीयावत्शब्देआपणीआत्माभावतांथकाचवदससंवत्सर

पाउणित्ता अरुणगवेविमाणेउववाए ।महाविदेहेवासेसिज्झिहिंति णिक्खेवोउवासगदसाणं णवमं अज्झयणंसमत्तं९ दसमस्सउक्खेवो एवंखलुजंबुतेणंकालेणंतेणंसमएणंसावत्थीणयरी कोट्ठएचेइएजि यसत्तुरायातत्थणंसावत्थीएणयरीए ।सालिहीपियाणामंगाहावई परिवसइअड्ढेचत्तारिहिरणको डीओणिहाणपउत्ताओ वुड्ढिपवित्थरचत्तारिव्वया । दसगोसाहिस्सएणंवएणं । फग्गुणीभारिया ।

वरसविनिकांतऊनातिवारपछीतिमहीजजेष्टपुत्रनेठवेठवीनेधर्मपणत्तीधर्मतणीउपसंपदालेइनेवीसवरसनोपर्यायपालीनेसुभध्यानेअरु णगवविमाननेविषेदेवतापणेजईनेउपनोमहाविदेहक्षेत्रनेविषेसीझस्ये बूझस्ये मोक्षपामस्ये निक्षेप:उपासकदसाअंगतेहनोकह्योसा तमांअंगनोनवमोअध्ययनपूरोथयो९ हिवेकहेछेस्वामीदशमाअध्ययननोअर्थइमनिश्चयहेजंबूतिणेकालनेविषेतिणेसमयनेविषेसावत्थी नामेनगरीछेईकोष्टकचैत्यवनखंडजितशत्रुनामेराजातिहांसावत्थीनगरीने विषेसालियोनामेगाथापतिगृहस्थवसेछेपरिसामस्तपणेक रीऋद्धिवंततेहनेच्यारहिरण्यनीकोड़ितेहनेनिधानप्राप्तखजानेछेच्यारव्याजेवधेच्यारिविस्तरवखरीयेच्यारि व्रजदशहजारगायनोएकव्रज

सामीसमोसढ़ोजहाआणंदोतहेवगिहिधम्मंपड़िवज्जइ। जहाकामदेवोतहाजेट्ठपुत्तं।ठवेइपोसहसा
लाए समणस्सभगवोमहावीरस्स।धम्मपणतिंउवसंपज्जित्ताणंविहरइ।नवरंणिरुवसग्गाएक्कारसवि
उवासगपड़िमाओ। तहेवभाणियव्वंएवंकामदेवेणंनेयव्वं। जावसोहम्मेकप्पे। अरुणकीलेविमाणे
देवत्ताएउववन्ने। ठिइचत्तारिपलिओवमामहाविदेवासेसिज्झिहिंतिदसहविपन्नरसमेसंच्छरे वट्ट



एहवाच्यारिव्रजफाल्गुनीएहवेनामेभार्याश्रीमहावीरस्वामीसमवस्याजिमआणंदेलीधोतिमहीजएपिणग्टहस्थधर्मनेविषेप्रवर्त्तोजिम
कामदेवश्रावकतिमहीजवड़ोपुत्रस्थापिठवीकरीनेपोषधशालानेविषेश्रमणभगवंतश्रीमहावीरस्वामीचर्मतीर्थंकरनी धर्मनीप्रज्ञप्तवुद्धउप
संपदालेइकरीने धर्मनेविषेविचरेएतलोविशेष उपसर्गकरीरहितइग्यारह ११ श्रावकनीप्रतिमाभलीपरेपरिवहेअवरसर्वशेषयाकतोपूर्व
लीपरेजाणनो जिमकामदेवतेहनीपरे सर्वजाणवो यावत्शब्दे सौधर्मदेवलोकने विषेअरुण कीलविमाननेविषे देयतापणेजइनेउप
नोतिहांस्थितियाउषानीच्यारिपल्योपमनीजाणवी महाविदेहक्षेत्रनेविषे सिधमोक्षउपजीनेपामस्ये दसेश्रावकानेपनरमेसंवच्छरकह

ग्रहममलधिय: कुर्वतां प्रीतयेमे। समाप्तमुपासकदशाविवरणं समाप्तं सप्तमाङ्गम् ॥ ७ ॥

माणाणंचिंताउववणा। दसएहविवीसंवासासमणोवासयपरियाओ।एवंखलुजंबूसमणेणं। जावसं पत्तेणं सत्तमस्सअंगस्स। उवासगदसाणं दसमस्सअज्झयणस्सअयमट्ठेपण्णत्ते।उवासगदसाओसम्म त्ता। उवासगदसाणंसत्तमस्स। अंगस्सएगोसुयखंधो। दसअज्झयणादससुचेवदिवसेसुउद्दिसंति ॥

तांवरसे वर्त्तमाणाणंवर्त्ततांयकां धर्मकरवानीचिन्ताउपनीवलीआणंदादिकदसेहीश्रावकेश्रमणोपासकेवीसवरसनोश्रावकनोपर्यायो हुणेप्रकारेखलुनिश्चय जंबूश्रमणभगवंत श्रीमहावीरमोच्येप्राप्तथया सत्तमस्सकहतांसातमाअंग उपासकदसाएहवेनामेसातमोअंग तेहनादशमाअध्ययननोश्रमणभगवंत महावीरस्वामीचरमतीर्थंकरतिणांएहवाअर्थभव्य जीवनेसमझायवाउपदिस्याएतलेउपासक दशानामे सातमोअंगसंपूर्णथयोउपासकदशासातमाजे अंगतेहनोएकश्रुतस्कंधउपदिस्योअनेवलीदशअज्झयणअध्ययनजाणवातेदस दिवसानेंविषेदशअध्ययनकहे श्री:।